राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
NATIONAL UNIVERSITY OF EDUCATIONAL PLANNING AND ADMINISTRATION

वार्षिक रिपोर्ट
2015-2016

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट

2015-16

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना
एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (200 प्रतियाँ), 2016
(भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित)

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के लिए कुलसचिव, न्यूपा द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–II, नई दिल्ली–110020 में डिजाईन और मुद्रित

विषय सूची

अध्याय		
1.	विहंगावलोकन	1
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	23
3.	अनुसंधान	39
4.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं	57
5.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	63
6.	प्रकाशन	67
7.	न्यूपा में सहायता अनुदान योजना	71
8.	प्रशासन और वित्त	77

अनुलग्नक		
I.	संकाय का अकादमिक योगदान	83
परिशिष्ट		
I.	न्यूपा परिषद् के सदस्य	197
II.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	198
III.	वित्त समिति के सदस्य	199
IV.	अकादमिक परिषद के सदस्य	200
V.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	201
VI.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	202
VII.	वार्षिक लेखा	205
	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	251

1 विहंगावलोकन

न्यूपा NUEPA

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अपने महत्वपूर्ण और व्यापक शैक्षणिक कार्यकलापों के साथ देश के शिक्षा संस्थानों के नेटवर्क में विशेष स्थान रखता है।

इसकी स्थापना आरंभिक रूप से फरवरी 1962 में यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप से हुई थी। इस केंद्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा विद्यालय पर्यवेक्षण से संबंधित समस्याओं पर अनुसंधान तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करना था।

1 अप्रैल 1965 से शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्ष के समझौते के समाप्त होने के बाद, एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज की स्थापना की गई। पुनः इस कालेज का पुनर्गठन किया गया और 31 मई 1979 को इसका विस्तार करते हुये इसको राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पुनः पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में न्यूपा द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये संस्थान को वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानद विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई और पुनः नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) कहा जाने लगा।

इसे आगे 'राष्ट्रीय विश्वविद्यालय' के नाम से संबोधित किया जायेगा। अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह यह पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

न्यूपा का विज़न और मिशन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजना तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का सांस्थनीकरण।
- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करने और शिक्षा क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों सहित और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रम क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि;
- शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार तथा बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार, अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार;
- अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देते हुये शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों तथा व्यवस्था में, तथा रणनीतिक उपागम शैक्षिक योजना प्रकियाओं, अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु तथा अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति–निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विश्वविद्यालय निम्नांकित मुख्य कार्यों में संलग्न है :

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री–डाक्टरल, डॉक्टरल तथा पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजना तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमता का निर्माण करना;
- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार/तकनीक का प्रयोग करना;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु मदद करना;
- शैक्षिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्श सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नवीन ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान–प्रदान तथा नीति–निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों को सामना करने हेतु चिह्नित करना तथा शिक्षा क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;
- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु संयुक्त प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों को प्रोत्साहन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के

अंतर्गत कार्यक्रमों, निधि एवं एजेंसियों समेत राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग;

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप के निर्माण को सुगम बनाने के लिए शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन।

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के उपरोक्त कार्य राज्य तथा संघशासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग द्वारा आयोजित किये जाते हैं। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शिक्षा व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है। विश्वविद्यालय का एक मुख्य पहलू जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का संबंध द्वि–रूप कार्य प्रणाली है। विश्वविद्यालय अपने ज्ञान आधार में वृद्धि, वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्र कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता रहा है। राष्ट्रीय संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन, नीतियां तथा कार्यक्रम एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत है। विश्वविद्यालय अपने ऐसे कार्यक्रमों की शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक (प्रसार केन्द्र) बना हुआ है। विश्वविद्यालय अपने अधिकांश क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि जमीनी स्तर के शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। इस प्रकार से विश्वविद्यालय की इस दोहरी भूमिका ने अपने अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्य को व्यापक प्रामाणिकता प्रदान की है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों को संबोधित करते हैं तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गतिविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। विश्वविद्यालय के संकाय में प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और वे ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों, सामान्यतः शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय स्टाफ के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधन कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करते हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, विश्वविद्यालय के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ विश्वविद्यालय मानक एवं मूल्यांकन एकक, परियोजना प्रबंधक एकक, भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (आई.ए.आई.ई.पी.ए.) तथा दो केंद्रों द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा समर्थन प्रदान किया गया।

अकादमिक संगठन

विभाग

- शैक्षिक योजना
- शैक्षिक प्रशासन
- शैक्षिक वित्त
- शैक्षिक नीति
- विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
- उच्चतर तथा व्यावसायिक शिक्षा
- शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
- शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास

केन्द्र

- राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
- उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र

एकक

- विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन एकक

आईएआईईपीए

- भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

समर्थन सेवाएं

- पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र
- कंप्यूटर केन्द्र
- प्रकाशन एकक
- परियोजना प्रबंधन एकक
- डिजीटल अभिलेखागार
- प्रशिक्षण एकक
- हिन्दी कक्ष

पीठ तथा राष्ट्रीय अध्येयता

- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ
- न्यूपा राष्ट्रीय अध्येता

अकादमिक विभाग

शैक्षिक योजना विभागः केंद्रीकृत नियोजन से हटकर विकेंद्रीकृत योजनाओं पर बल के साथ, न्यूपा के प्रमुख विभागों में से एक यह विभाग, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत योजना के आगतों, प्रक्रियाओं, और उत्पादों के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है। पारंपरिक अर्थों में व्यापक योजना से हटकर आज, आर्थिक उदारीकरण की पृष्ठभूमि में, ध्यान रणनीतिक योजना पर स्थानांतरित हो गया है। हाल के दिनों में, गरीबी कम करने और स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साधन के रूप में शिक्षा पर दबाव के साथ न केवल शैक्षिक योजना का दायरा समष्टि स्तर पर रणनीतिक योजना के संस्थानीकरण को कवर करना है बल्कि विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए स्कूल मैपिंग, सूक्ष्म नियोजन और स्कूल सुधार योजना के रूप में स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों का प्रयोग करना भी है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकायों को परामर्श उपलब्ध कराने के साथ–साथ शिक्षण और प्रशिक्षण, शैक्षिक योजनाकारों के पेशेवर विकास, अनुसंधान और क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाता है। विभाग शैक्षिक विकास में पहल का निदान और मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण डेटा विश्लेषण और संकेतकों के प्रयोग हेतु शिक्षा पदाधिकारियों की क्षमताओं में सुधार करने में लगा हुआ है। विभाग एम.फिल. और पी–एच.डी. के विभिन्न केंद्रिक और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के संचालन, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा) और अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) शिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में योगदान देता है।

शैक्षिक प्रशासन विभागः शैक्षिक प्रशासन विभाग का मुख्य उद्देश्य प्रशासन और प्रबंधन के विविध आयामों अनुसंधान, अध्ययन, प्रशिक्षण तथा परामर्शकारी सेवाओं में सक्रिय रूप से बौद्धिक और अकादमिक संलग्नता है। विभाग का एक मुख्य शैक्षिक क्षेत्र सरोकार एक समृद्ध ज्ञान आधार का विकास करना और शैक्षिक प्रशासन तथा प्रबंधन के विविध आयामों पर शैक्षिक प्रशासकों तथा शोधार्थियों को एक मजबूत पेशेवर अनुसमर्थन का निर्माण करना है। अतः यह विभाग शैक्षिक प्रशासन और शासन की गतिशीलता को समझने और उसका विश्लेषण करने हेतु इसकी ठोस अवधारणा और ढांचा के विकास के लिए प्रयासरत है। यह विभाग विभिन्न स्तर के शिक्षा कर्मियों के लिये शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन के विविध पक्षों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करता है।

शैक्षिक वित्त विभागः इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों –राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्वस्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजना तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण का सृजन करना है। विभाग के कार्यक्रम/गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। अधिकांशतः शोध के क्षेत्र शिक्षा के वित्त पोषण, कार्यक्रम और नीतिगत मुद्दों से संबंधित हैं। परामर्शकारी सेवाएँ नीतिगत मुद्दों पर केंद्रित हैं। अध्यापन के विषय में शिक्षा का अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त पोषण से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय योजना तकनीक और प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं।

शैक्षिक नीति विभागः शैक्षिक नीति विभाग शैक्षिक अभिशासन और प्रबंधन में वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक नीति का अध्ययन, शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन और विश्लेषण, नीति तथा व्यवहारों का मार्गदर्शन तथा परिणामों को समझने के लिए प्रतिबद्ध है। चूंकि अपने मिशन में यह प्रतिबद्ध है, शैक्षिक क्षेत्र में प्रासंगिता और गुणवत्ता, समता, पहुंच जैसे अवरोधकों के प्रति ज्ञान के वर्धन में इसलिए यह विभाग

समय–समय पर विभिन्न नीतिगत मुद्दो पर हितधारकों, व्यवहारकत्ताओं तथा भारत की शैक्षिक व्यवस्था को प्रमाणित करने वाले जननीति और शिक्षा से संबंधित हितधारकों के लिए विभिन्न नीतिगत मुद्दो पर चर्चाएं आयोजित करता है। उपरोक्त मुद्दों के साथ शैक्षिक अनुसंधान और शैक्षिक नीति के बीच शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन, अधिगम और प्रदर्शन के बेहतर लिंकेज को स्थापित करने हेतु यह विभाग अनुसंधान पर बल देता है। अनुसंधान का उद्देश्य केवल शैक्षिक प्रतिभास की जटिलताओं को दर्शाना ही नहीं होता। बल्कि कार्रवाई के लिए संस्तुतियां प्रदान करना भी होता है। समाज में वर्तमान परिवर्तनों और शिक्षा पर इसके प्रभाव को देखते हुए, विभाग समय–समय पर हितधारकों द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए गुंज–यंत्र के रूप में कार्य करता है। विभाग योजनाकारों, प्रशासकों, क्रियान्वयनकर्त्ताओं तथा विद्वानों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है जिससे कि वे वर्तमान ढांचे, प्रक्रियाओं और भारत में संगठित शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भ में प्रभावी और नैतिकता से कार्य कर सकें।

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभागः विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग व्यापक रूप से अधिकार–आधारित और समेकित ढांचे के अंतर्गत पूर्व–स्कूल शिक्षा, समग्र स्कूल शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष बल देता है। यह गुणवत्ता, समता, सामाजिक न्याय और समेकन की सैद्धांतिक समझ विकसित करने का प्रयास करता है। यह विभाग संस्थान के रूप में स्कूलों और स्कूल तथा अनौपचारिक में हो रहे बदलावों पर नीतियों तथा व्यावहारिक हस्तक्षेपों हेतु अनुभवजन्य आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शोध अध्ययन करता है। यह विभाग शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम एवं एम.फिल, पी–एच.डी. के कुछ पाठ्यक्रमों के अध्यापन सहित राज्य, जिला तथा उप–जिला स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यशालाएं और क्षमता विकास के कार्यक्रम आयोजित करता है। यह योजनाओं तथा नीतियों के अध्ययन तथा निर्माण में केन्द्र तथा राज्य सरकारों को परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। यह विभाग सह–क्रियात्मक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ अनुभव और विशेष क्षमता साझा करता हैं। वर्तमान में व्यावहारिक ज्ञान के मद्देनजर यह विभाग कमोबेश सीमित चार क्षेत्रों– अधिकार आधारित ढांचे के अंदर स्कूली शिक्षा में समता गुणवत्ता और समावेशन, अध्यापक विकास और प्रबंधन, स्कूल नेतृत्व एवं स्कूली मानकों के मूल्यांकन पर विशेष बल दे रहा है। संकाय के सदस्य राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र में भी कार्य करते हैं और विद्यालय मानक और मूल्यांकन एकक में भी संबद्ध हैं।

उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभागः यह विभाग वर्षों से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को लगातार अनुसंधानात्मक अनुसमर्थन और नीतिगत सुझाव प्रदान करता रहा है। विभाग के विश्व व्यापार संगठन कक्षा ने गेट्स के अंतर्गत प्राप्त अनुरोधों के विश्लेषण और भारत की सहमति की पुष्टि करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। विभाग ने उच्चतर शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के विविध आयामों पर अध्ययन किया और उन पर विमर्श हेतु संगोष्ठियां आयोजित की तथा उनके निष्कर्षों का प्रसारण किया। यह विभाग उच्चतर शिक्षा के लिये विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं को अंतिम रूप देने में सहयोग करता रहा है। यह विभाग विशेषज्ञों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संकायाध्यक्षों और कुलसचिवों के सम्मेलन और संगोष्ठियों के आयोजन में यू.जी.सी. का सहयोग करता रहा है।

इस विभाग ने कार्य निष्पादन आधारित उच्चतर शिक्षा पर विश्व सम्मेलन आयोजित करने हेतु यूनेस्को क्षेत्रीय सम्मेलन के आयोजन और भारतीय उच्चतर शिक्षा में कार्य निष्पादन आधारित वित्त पोषण पर योजना आयोग – विश्व बैंक प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन में भी सहयोग किया है। कार्य निष्पादन आधारित विभाग के नियमित वार्षिक कार्यक्रमों में विभिन्न श्रेणी के कालेजों के प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। वार्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत यह विभाग विभिन्न श्रेणियों के कॉलेज प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभाग विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच के विभिन्न आयामों तथा अकादमिक सुधार पर संगोष्ठियां आयोजित करने में अकादमिक समर्थन प्रदान करता है। विभाग राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम–

एम.फिल तथा पी.एच.डी. कार्यक्रमों के केंद्रिक तथा वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और इसके शोधार्थियों का अतिरिक्त शोधनिर्देशन कर रहा है।

शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग: यह विभाग शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता में सुधार के लिये राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर सहसंबंध विकसित करने पर विशेष बल देता है। शिक्षा विभाग में प्रशिक्षित दलों का वृहद सृजन हेतु विभाग स्थायी और समर्पित सांख्यानिक प्रबंधन को सृजित करने के उद्देश्य से राज्य संस्थानों को सशक्त बनाने हेतु कार्यक्रमों की संरचना तैयार करता है। चरणवद्ध तरीके से पूरे राष्ट्र में डी.ई.ओ/बी.ई.ओ के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य सम्मेलनों के द्वारा देश में जारी शैक्षिक सुधार नीतियों और कार्यक्रमों की स्पष्टता हेतु आधारभूत स्तर पर पहुंचने का प्रयास किया जाता है। कार्यक्रम विषयगत और संवर्ग आधारित पाठ्यक्रम होते हैं, विशेषतौर से अधिष्ठापन और प्रौन्नत स्तर पर।

इसके अलावा यह विभाग लंबी अवधि के दो डिप्लोमा कार्यक्रम, एक राष्ट्रीय और दूसरा अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कर्मियों के लिये आयोजित करता है। शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करता है तथा शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम भी वार्षिक रूप से आयोजित करता है।

यह विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा में क्षमता निर्माण रणनीति और प्रशिक्षण में अनुसंधान करता है। स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर के प्रशासकों और क्षेत्रीय कार्यकर्त्ताओं के विभिन्न संवर्ग की शैक्षिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं के मूल्यांकन पर इसका मुख्य बल होता है।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग: शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्य करता है और भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधार और प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा प्रबंधन सूचना प्रणाली पर परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकित आंकड़ा संगृहित किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान स्कूल शिक्षा प्रदान कर रहे 1.5 मिलियन स्कूलों से आंकड़ा एकत्र किए गए।

इस विभाग द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के विषय निम्नलिखित हैं: एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम और कार्यशाला, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि। यह विभाग विकासशील देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ डेपा और आईडेपा में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है।

विशेष पीठ

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठः यह पीठ स्वतंत्र भारत के शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के पहले मंत्री मौलाना आज़ाद के योगदान को स्मरण करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में स्थापित किया गया है। पीठ का मुख्य अनुसंधान क्षेत्र 1950 के दशक के अंतिम वर्षों के दौरान मौलाना आजाद के योगदान की खोज करते हुए एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के विकास पर अध्ययन करना है। यह पीठ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष, मौलाना आजाद स्मारक व्याख्यान का आयोजन करता है। यह पीठ मौलाना आज़ाद के दर्शन और वैश्विक विचारों व अन्य संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन भी करता है।

अध्यापक प्रबंधन एवं विकास पर राजीव गांधी स्थापना पीठः अध्यापक प्रबंधन एवं विकास पर राजीव गांधी स्थापना पीठ ने जून 2013 में प्रोफेसर और पीठ की नियुक्ति के साथ अपना कार्य आरंभ कर दिया। इस पीठ की स्थापना अध्यापक प्रबंधन एवं विकास पर केंद्रित कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए तीन साल की अवधि (2012–15) हेतु की गई है। परियोजना 15 जुलाई 2015 को संपन्न हुई।

केन्द्र

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र (एनसीएसएल): राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र भारत में विद्यालयों के रूपांतरण के लिये प्रतिबद्ध है। इसके लिये यह चार घटकों– पाठ्यचर्या और सामग्री विकास, क्षमता विकास, नेटवर्क और संस्थानिक निर्माण और अंत में शोध एवं विकास पर कार्य कर रहा है। यह केंद्र व्यापक परिप्रेक्ष्य में बदलाव और विकास के लिये विद्यालय प्रमुखों के साथ–साथ प्रशासकों के नेतृत्व क्षमता विकास की परिकल्पना करता है। वर्तमान में यह केंद्र मौजूदा विद्यालयों प्रमुखों तथा नवनियुक्त विद्यालय प्रमुखों प्रारम्भिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के भावी एवं वरिष्ठ अध्यापकों जो सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत हैं, के क्षमता विकास कार्य पर विशेष बल दे रहा है।

यह केंद्र अपने मिशन को पूरा करने के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व क्षमता निर्माण

के कार्य से संलग्न है जिसमें विद्यालय रूपांतरण के रूप में विद्यालय आधारित बदलाव लाने के लिए विद्यालय प्रमुखों के साथ सतत रूप से जुड़ाव भी शामिल है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्तर के दो दस्तावेज़– राष्ट्रीय कार्यक्रम की रूपरेखा और पाठ्यचर्या ढांचा एवं विद्यालय नेतृत्व विकास पर हस्त पुस्तिका का प्रकाशन किया गया। इसके साथ–साथ अनेक कार्यशालाएँ और बैठकें आयोजित की गईं। समीक्षाधीन वर्ष में 10 राज्यों– आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, केरल, मिज़ोरम, राज़स्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में इस कार्य का शुभारंभ किया गया। राज्य विशिष्ट नेतृत्व जरूरतों और चुनौतियों को संबोधित करने के लिये प्रत्येक राज्य की वास्तविक स्थितियों और विद्यालयों के संदर्भों के मद्देनज़र राज्य विशिष्ट कार्यवाही योजनाएँ तैयार की गईं। इस मिशन हेतु राज्यों तथा केंद्र के साथ सहयोगात्मक संबंध बनाने के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय संगठन के साथ साझेदारी की गई। यूकेरी के अंतर्गत भारत में विद्यालय नेतृत्व पर नेशनल कालेज फार टीचिंग एंड लीडरशिप के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्रः राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नीति संबंधी अनुसंधान को बढ़ावा देने और नीति तथा योजना का अनुसमर्थन करने के लिये एक विशिष्ट संस्थान के रूप में उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) की स्थापना की है। यह केंद्र उच्च शिक्षा के प्रावधानों के विस्तार और सुधार के मौजूदा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं समता और समावेशन की सुनिश्चितता, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, प्रासंगिकता और स्नातकों के रोजगार और इसके अभिविन्यास और प्रबंधन का अंतरराष्ट्रीयकरण तथा सुधार कार्य पर विशेष बल दे रहा है। यह केंद्र शोध को बढ़ावा देने के लिये संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों के विभागों का नेटवर्क विकसित कर रहा है। राज्य स्तरीय निकायों जैसे– राज्य उच्च शिक्षा परिषदों के साथ राज्य तथा संस्था स्तर पर उच्च शिक्षा की योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से संलग्न है।

केंद्र की नियमित गतिविधियों में ये शामिल हैं:

(i) निर्दिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करना;

(ii) नीति संवाद आयोजन;

(iii) भारतीय उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) का वार्षिक प्रकाशन प्रकाशित करना;

(iv) हर साल एक चयनित विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का संगठन; तथा

(v) हर साल एस.एच.ई.सी. के अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों की बैठकों का आयोजन।

(vi) एमएचआरडी, यूजीसी और नीति आयोग को नीति समर्थन प्रदान करना; (क) वर्ष 2015–16, में केंद्र शिक्षा पर नई नीति के संदर्भ में उच्च शिक्षा पर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्राप्त 1268 ऑनलाइन प्रतिक्रियाओं का सारांश तैयार किया; (ख) केंद्र, उच्च शिक्षा पर नीति के लिए आदानों पर एक दस्तावेज तैयार किया; (ग) राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (NHEQF) पर एक नोट तैयार किया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रस्तुत किया।

(vii) केंद्र ने विजिटिंग फेलो कार्यक्रम शुरु किया है। भारत और विदेशों के प्रसिद्ध आगंतुक प्रोफेसर केंद्र में तय अवधि के लिए रहते हैं। विजिटिंग फेलो की सक्रिय भागीदारी के कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र की गतिविधियों को बढ़ाने तथा केंद्र के कार्यों की शैक्षणिक विश्वसनीयता में सुधार लाना है। केन्द्र के पहले विजिटिंग प्रोफेसर, प्रोफेसर विलियम जी. टियरने रहे जो विश्वभर में प्रसिद्ध उच्च शिक्षा के प्रोफेसर हैं। प्रोफेसर टियरने वर्तमान में उच्च शिक्षा के विलबर–कीफर प्रोफेसर और सह–निदेशक, उच्च शिक्षा पुलियस रोजियर, केंद्र स्कूल शिक्षा, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के हैं।

केन्द्र निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाओं जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, का शुभारंभ किया:

(i) 'विविधता और भेदभाव: नागरिक अधिगम तथा लोकतांत्रिक सहभागिता'

(ii) 'उच्च शिक्षा का अभिशासन प्रबंधन'

(iii) 'भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्त पोषण: धन के प्रवाह और उनके उपयोग का अध्ययन'

(iv) 'भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता: संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवता आश्वासन का अध्ययन'

(v) 'भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम'

(vi) 'भारत के उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता

प्रत्येक अनुसंधान परियोजना के निम्न कार्यान्वयन शामिल हैं: (क) परियोजना प्रस्ताव का विकास; (ख) प्रस्ताव की आंतरिक समीक्षा; (ग) विशेषज्ञ समूह द्वारा एक बाहरी समीक्षा; (घ) अनुसंधान उपकरणों का विकास और विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा उनका सत्यापन (ई) शोध पद्धति कार्यशालाओं का आयोजन; (च) क्षेत्र के आधार पर आंकड़ा संग्रह (मात्रात्मक और गुणात्मक) (छ) आंकड़ा विश्लेषण और अनुसंधान रिपोर्ट का मसौदा तैयार।

सभी अनुसंधान परियोजनाएं अध्ययन हेतु चयनित संस्थानों में गठित शोध दल द्वारा कार्यान्वित की जा रही हैं जो भारत के 19 राज्यों बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल में स्थित हैं।

एकक

स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक: स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) में अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है। एडनेक्स्ट के भाग के रूप में – स्कूल शिक्षा में आईसीटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शाला सिद्धि 7 नवंबर, 2015 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा शुरु किया गया। शाला सिद्धि स्कूल मूल्यांकन के लिए एक व्यापक साधन है जो स्कूलों को अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए सक्षम बनाता है और रणनीतिक तरीके से निरंतर सुधार के लिए व्यावसायिक निर्णय लेने में उन्हें सुसाध्य बनाता है।' (प्रेस रिलीज)

शाला सिद्धि कार्यक्रम व्यापक और समग्र स्कूल मूल्यांकन प्रणाली की दिशा में एक बड़ी पहल है जिसके केंद्र में गुणवत्ता सुधार है। यह लक्ष्य के रूप में 'स्कूल सुधार' और माध्यम के रूप में 'स्कूल मूल्यांकन' की परिकल्पना करता है। कार्यक्रम आत्म और जवाबदेही के साथ स्कूल सुधार की दिशा में बाहरी मूल्यांकन के लिए प्रत्येक स्कूल के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। स्कूल सुधार के साक्ष्य आधारित प्रणाली, स्कूल के मानकों और मूल्यांकन ढांचे पर आधारित है जो प्रयास के एक नए क्षेत्र के रूप में, स्कूलों और शिक्षार्थियों के चरणबद्ध प्रगति की दिशा में स्कूलों की संलग्नता पर महत्वपूर्ण जोर देता है। शाला सिद्धि कार्यक्रम केंद्र के प्रमुख उद्देश्य हैः तकनीकी रूप से समृद्ध वैचारिक ढांचे, कार्यप्रणाली, साधन विकसित करना; भारतीय स्कूलों की विविधता के अनुरूप स्कूल मूल्यांकन की प्रक्रिया विकसित करना और प्रत्येक स्कूल को लगातार आत्मसुधार कार्य में संलग्न करना। शाला सिद्धि कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन और संस्थानीकरण के लिए सभी राज्यों को सहायता प्रदान कर रहा है।

इस एकक ने देश के लिए एवं शाला सिद्धि कार्यक्रम के विकास के लिए बहुत ही व्यवस्थित दृष्टिकोण का अनुसरण किया। स्कूल मूल्यांकन पर साक्ष्य आधारित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध द्वारा समर्थित मजबूत संकल्पनात्मक ढांचा है। शाला सिद्धि कार्यक्रम की अवधारणा है– 'सभी बच्चे सीख सकते हैं' और 'सभी स्कूल सुधार कर सकते हैं'। यह एकक तीन प्रमुख गतिविधियों में संलग्न हैः संबंधित राज्यों में अनुसंधान और विकास, क्षमता निर्माण और शाला सिद्धि का संस्थानीकरण।

इस प्रयास के हिस्से के रूप में, निम्नलिखित दस्तावेज विकसित किए गए हैं:

1. शाला सिद्धि – स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (2015) –एक कार्यक्रम दस्तावेज
2. शाला सिद्धि – स्कूल मानक और मूल्यांकन फ्रेमवर्क

(एसएसईएफ 2015) – स्व और बाहरी मूल्यांकन के लिए फ्रेमवर्क। स्कूल मानकों और मूल्यांकन फ्रेमवर्क स्कूल मूल्यांकन के लिए एक व्यापक साधन के रूप में विकसित किया गया है। यह स्कूलों को रणनीतिक तरीके से फ्रेमवर्क में अच्छी तरह से परिभाषित मानदंडों के अनुसार अपनी महत्वपूर्ण प्रदर्शन क्षेत्रों का मूल्यांकन करने के लिए सक्षम बनाता है। 'मुख्य प्रदर्शन क्षेत्रों' के रूप में सात डोमेन और मूल्यांकन और सुधार हेतु कार्रवाई के लिए संदर्भ बिंदु के रूप में 'पैंतालीस कोर मानकों' की पहचान की गई है।

3. स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड (2015) – स्कूल के एक व्यापक मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ स्कूल में सुधार के लिए।
4. स्व और बाहरी मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शिका (2015–16) –एक दस्तावेज जिसमें खुद को पेशेवर के रूप में स्कूल मूल्यांकन प्रक्रिया में संलग्न होने और बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं हेतु मार्गदर्शन देना।
5. स्कूल मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम–ब्रोशर।

एकक ने शाला सिद्धि के सभी दस्तावेजों के हिंदी अनुवाद करने में प्रमुख पहल की है। इसी तरह, कई अन्य राज्यों ने अपनी राज्य विशिष्ट भाषाओं में इन दस्तावेजों का अनुवाद किया है। वर्तमान में स्कूल मानकों और मूल्यांकन फ्रेमवर्क अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, मराठी, बंगाली, बोडो आदि में उपलब्ध है।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एक इंटरैक्टिव वेब पोर्टल (www.shaalasiddhi@nuepa.org) स्कूल आत्म मूल्यांकन में सुधार के लिए प्राथमिकता के आधार पर क्षेत्रों सहित ऑनलाइन रिपोर्ट अपलोड करने हेतु प्रत्येक विद्यालय की सुविधा के लिए विकसित किया गया है। इसी तरह, बाहरी मूल्यांकनकर्ता भी बाहरी मूल्यांकन रिपोर्ट अपलोड करने में वेब पोर्टल का उपयोग करेंगे। आगे वेब पोर्टल प्रत्येक स्कूल के लिए एक समेकित स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट उत्पन्न कर सकते हैं। वेब पोर्टल में ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के लिए समेकित रिपोर्ट सृजन करने और माता–पिता और अन्य हितधारकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए सुविधा प्रदान की गई है। शाला सिद्धि सभी दस्तावेज़ (हिंदी और अंग्रेजी) और पावर प्वाइंट वेब पोर्टल में उपलब्ध हैं और सभी उपयोगकर्ता उन्हें डाउनलोड कर सकते हैं।

एकक द्वारा परामर्श बैठकों की श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें शाला सिद्धि के प्रति जागरूकता और संबंधित राज्यों में शाला सिद्धि के संस्थानीकरण की प्रक्रिया की पहल पर चर्चा की गई। वर्ष 2016–17 में राज्यों में शाला सिद्धि के संस्थानीकरण के लिए एक व्यापक कार्यान्वयन रणनीति तथा निगरानी फ्रेमवर्क का विकास किया गया है।

परियोजना प्रबंधन एकक (पी.एम.यू.): राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) समर्थन और प्रायोजित अनुसंधान के प्रबंधन के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

यह एकक शिक्षा नीति और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (व्यक्ति शोध) के क्षेत्र में अध्ययन के लिए न्यूपा सहायता योजना के कार्यान्वयन हेतु न्यूपा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और अध्ययन सेमिनार, मूल्यांकन आदि के लिये अनुदान सहायता योजना विभाग के सभी बाह्य वित्त–पोषित और आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के उचित समन्वय के लिये प्रशासन की एक केन्द्रीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करता है।

यह एकक सामान्य रूप से, परियोजना अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिये परियोजना कार्यान्वयन में प्रगति की निगरानी और संबंधित समर्थन सेवाएँ प्रदान करने सहित न्यूपा में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन के लिये प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह सभी मामलों में धन और घरेलू व्यय के लेखा सहित न्यूपा – परियोजना भर्ती और नियुक्तियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

पीएमयू विभिन्न परियोजनाओं के लेखांकन, परियोजना स्टाफ की भर्ती, बजट के अलावा विश्वविद्यालय में चल रहे और पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित सभी कार्य की देखभाल करता है।

पीएमयू एकक में अध्यक्ष, कुलपति द्वारा चयनित किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य अकादमिक तथा समर्थन स्टाफ भी चयनित किये जाते हैं। समर्थन स्टाफ में परियोजना परामर्शदाता, परियोजना प्रबंधक तथा कनिष्ठ परामर्शदाता सम्मिलित हैं।

भारत अफ्रीका संस्थान

भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (आई.ए.आई.ई.पी.ए) :

भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान वर्ष 2008 में आयोजित भारत–अफ्रीका मंच सम्मेलन के संकल्पों के कार्यान्वयन हेतु बनाई गई कार्यवाई योजना के ढांचे के अंतर्गत स्थापित एक अखिल अफ्रीकी संस्था है। यह संस्थान बुरूण्डी गणराज्य की राजधानी बुजुम्बुरा में स्थित है। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), भारत सरकार की तरफ से आईएआईईपीए की स्थापना, संचालन तथा प्रबंधन संबंधी कार्य कर रहा है। इस संस्थान का मुख्य कार्य क्षमता विकास करना है। इसके शैक्षणिक कार्यक्रमों/ गतिविधियों का प्रथम चरण भवन नवीनीकरण और परिसर विकास संबंधी अन्य गतिविधियों के पूरा होने के तीन–चार माह बाद ही शुरु करने का प्रस्ताव है।

इसके प्रथम चरण में निम्नलिखित गतिविधियां शामिल होंगी– (i) अफ्रीकी संघ सदस्य देशों के शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, (ii) शैक्षिक नीति शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में अफ्रीकी संघ सदस्य देशों की शिक्षा प्रणाली से संबंधित मुद्दों पर शोध और केस अध्ययन, (iii) देश और क्षेत्र/ महाद्वीप स्तरों पर शिक्षा के विकास की प्रवृत्तियों का विश्लेषण और आकलन, (iv) अफ्रीका संघ देशों को क्षमता विकास और शोध से संबंधित विशिष्ट शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करने में तकनीकी सहायता प्रदान करना, (v) अफ्रीकी संघ देशों में शैक्षिक योजना और प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए परस्पर अनुभवों और कार्य व्यवहारों को साझा करना, (vi) अफ्रीका और अफ्रीका के बाहर के शिक्षा शोध से जुड़े शोधकर्त्ताओं तथा संस्थानों का नेटवर्क बनाना, (vii) सामान्यतः शैक्षिक विभाग और विशेषकर अफ्रीका संघ सदस्य देशों में शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन संबंधी मुद्दों पर नीतिगत परिसंवाद।

इसके प्रथम चरण के दौरान आयोजित कार्यक्रमों/ गतिविधियों के विस्तार के साथ दूसरे चरण के दौरान संस्थान शैक्षिक योजना और प्रशासन पर लम्बी अवधि का उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करेगा जिसमें अफ्रीका संघ सदस्य देशों के प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों में बढ़ोतरी के लिये समिश्रित उपागम पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल किए जाएंगे।

अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एकक

पुस्तकालय और प्रलेखन केन्द्र : राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एक अत्याधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और अन्य सहायक विषयों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्री का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने पाठकों को विभिन्न सेवाएं जैसे–सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवाएं वेब ओपैक, प्रसारण और फोटोकापी की सुविधाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेलनेट का सदस्य भी है। वर्तमान में पुस्तकालय में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, जैसे–यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनीसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों की रिपोर्टों के अलावा 59,208 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेज़ों तथा 7,616 जर्नलों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय में शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन तथा अन्य सहायक क्षेत्रों से संबंधित 250 जर्नल मंगाए जाते हैं। इसके अलावा पुस्तकालय पाठकों के लिए ऑन लाइन जर्नल डाटाबेस, जैसे–जेएसटीओआर, एलसेवियर और सेज भी मंगाता है। न्यूपा के प्रलेखन केंद्र में अधिकारिक रिपोर्टों, केंद्र तथा राज्य सरकारों के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं और जनगणना रिपोर्टों आदि सहित लगभग 17,993 दस्तावेज हैं। प्रलेखन केंद्र के पास महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट हैं जो शैक्षिक शोध अैर नीति निर्माण के लिए जरूरी हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एक डिजीटल अभिलेखागार बनाया गया है। भारत में शिक्षा के सभी क्षेत्रों, स्तरों और पक्षों पर शोध और संदर्भ के स्रोत के रूप में एक स्थान पर सभी दस्तावेजों की साफ्टकापी सुलभ करवाई जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयोक्ता समुदाय का निर्माण करना है जो कि विश्वविद्यालय के कार्यों का एक विस्तार है। नवीनतम सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी के रूप में उच्च स्तरीय स्वचालित डिजीटल स्कैन का उपयोग डिजाइन, संग्रह और डिजीटल दस्तावेजों की पुनः प्राप्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस डिजीटल अभिलेखागार में प्रयोक्ता सुलभ बहुखोजी विकल्पों के साथ अंतर्निहित उपयोगों सहित साफ्टवेयर उपलब्ध है।

वर्ष 2013 में शैक्षिक प्रलेखों का एक डिजीटल **अभिलेखागार स्थापित** किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी शैक्षिक प्रलेखों को एक स्थान पर डिजीटल रूप में संग्रहित करना है। डिजीटल अभिलेखागार में 11,000 से अधिक अभिलेख संग्रहित हैं और सतत् इनकी संख्या में वृद्धि की जा रही है। प्रलेखों को मुख्यतः 18 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है और इसी क्रम में आगे भी केंद्र, राज्य, जिला, ब्लॉक स्तर पर उप वर्ग बनाए गये हैं। डिजीटल अभिलेखागार में आज़ादी के बाद से शिक्षा प्रणाली के सभी स्तरों तथा क्षेत्रों से संबंधित नीतिगत तथा अन्य अभिलेख सुलभ करवाए जाते हैं ताकि नीति विश्लेषकों, योजनाकारों, शोधार्थियों एवं अभिरुचि रखने वाले अन्य विद्वानों को एक स्थान पर आवश्यक सामग्री सुलभ करवाई जा सके और उन्हें संदर्भ सामग्री और

आंकड़ों के लिए कहीं और नही जाना पड़े। डिजीटल अभिलेखागार न्यूपा का विस्तारित कार्य है जो प्रयोक्ता समुदाय को समर्पित है।

कंप्यूटर केंद्रः कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरुरतें पूरा करता है। यह केंद्र विश्वविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाफ को नेटवर्क प्वांइट सुलभ किए गए हैं। न्यूपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई–मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। केंद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे–आईबीएम–ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं–उन्नत कैट–6 केबल, केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी, इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

प्रकाशन एककः न्यूपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार–प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। न्यूपा प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्री रिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों, न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन हैं : जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रकाशन एकक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

हिंदी कक्ष : यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहयोग देता है।

अभिशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित एक मानित विश्वविद्यालय है जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। इस राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों में शामिल हैं: अध्यक्ष, कुलाधिपति, कुलपति, परिषद, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड द्वारा घोषित ऐसे अन्य प्राधिकरण। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रधान शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

न्यूपा परिषद: न्यूपा परिषद विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है जिसका प्रमुख अध्यक्ष होता है। परिषद का मुख्य कार्य कार्यालय ज्ञापन में निर्धारित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को कार्यान्वित करना है। न्यूपा परिषद राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायी है। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार न्यूपा परिषद के अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति इसके उपाध्यक्ष हैं। परिषद के पदेन सदस्य हैं : सचिव, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सचिव, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, और वित्त सलाहकार, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार। परिषद के अन्य सदस्य हैं– अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विख्यात शिक्षाविद्, अध्यक्ष द्वारा नामित राज्य/संघ क्षेत्र प्रतिनिधि (5 प्रभागों में से प्रत्येक प्रभाग से एक–एक प्रतिनिधि) और अध्यक्ष द्वारा नामित न्यूपा संकाय का एक

सदस्य। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव परिषद के सचिव हैं। दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार न्यूपा परिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–I में प्रस्तुत है।

प्रबंधन बोर्ड: प्रबंधन बोर्ड राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। राष्ट्रीय विश्वद्यिालय के कुलपति प्रबंध बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। अन्य सदस्य हैं : राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन सदस्य मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती, वि.अ.आ. के अध्यक्ष का एक नामिती, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय के डीन, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के दो संकाय सदस्य (एक प्रोफेसर और एक सह–प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर), कुलसचिव, न्यूपा, प्रबंधन बोर्ड का सचिव होता है। 31 मार्च, 2016 के अनुसार प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–II में दी गई है।

वित्त समिति: वित्त समिति की मुख्य भूमिका विश्वविद्यालय की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति विश्वविद्यालय की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। विश्वविद्यालय के कुलपति वित्त समिति के पदेन अध्यक्ष हैं; इसके अतिरिक्त न्यूपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा नामित दो व्यक्ति, कुलपति द्वारा नामित एक व्यक्ति, वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक प्रतिनिधि होता है। वित्त अधिकारी, वित्त समिति के सचिव का कार्य करता है। 31 मार्च 2016 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–III में दी गई है।

अकादमिक परिषद: न्यूपा अकादमिक परिषद विश्वविद्यालय का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर पर सतत सुधार और अंतर–विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष कुलपति होता है। अकादमिक परिषद में शामिल है : विश्वविद्यालय के संकाय डीन, अकादमिक विभागों के अध्यक्ष, और अध्यक्ष द्वारा मनोनीत तीन शिक्षाशास्त्री जो विश्वविद्यालय की गतिविधियों से जुड़े हुए क्षेत्रों से संबंधित हों और विश्वविद्यालय की सेवा में न हों, कुलपति द्वारा चक्रानुसार नामित एक सहायक प्रोफेसर और तीन सहयोजित सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और अकादमिक परिषद द्वारा विषय विशेषज्ञ के आधार पर सहयोजित किए गए हों। न्यूपा का कुलसचिव परिषद का सचिव होता है। 31 मार्च 2016 के अनुसार सदस्यों की सूची परिशिष्ट–IV में दी गई है।

अध्ययन बोर्ड: न्यूपा के कुलपति अध्ययन बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। इसके सदस्य हैं: संकाय–डीन, विभागाध्यक्ष, कुलपति द्वारा नामित एक सह–प्रोफेसर, और एक सहायक प्रोफेसर और कुलपति द्वारा सहयोजित अधिकतम दो विषय विशेषज्ञ। अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31 मार्च, 2016 के अनुसार परिशिष्ट–V में दी गई है।

कार्यबल और समितियां: कुलपति द्वारा विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय–समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञों को शामिल करके परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। विशेषज्ञों से गठित परियोजना सलाहकार समिति विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के निरीक्षण और सलाह देने के लिए कार्य करती है। कुलपति की अध्यक्षता में शोध अध्ययन सलाहकार बोर्ड गठित किया गया है। इसमें अन्य विशेषज्ञों के साथ–साथ सभी विभागाध्यक्ष इसके सदस्य होते हैं। कुलसिचव इस समिति के सदस्य सचिव हैं जो सहायता योजना के अंतर्गत शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करती है।

प्रशासन और वित्त

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग– अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और एम.फिल, पीएचडी कक्ष हैं। कुलसचिव सभी अनुभागों के प्रभारी हैं। कुलसचिव न्यूपा परिषद, प्रबंधन बोर्ड और अकादमिक परिषद के सचिव भी हैं। कुलसचिव को प्रशासनिक कामकाज में प्रशासनिक अधिकारी, प्रशिक्षण अधिकारी और अनेक अनुभाग अधिकारी अनुसमर्थन प्रदान करते हैं।

कुलसचिव अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एककों, जैसे– पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र, कंप्यूटर केंद्र एवं डिजीटल अभिलेखागार, प्रकाशन एकक, हिंदी कक्ष के कार्यकलापों के प्रति उत्तरदायी हैं। वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग के प्रभारी है। अनुभाग अधिकारी (लेखा) वित्त अधिकारी का अनुसमर्थन करता है।

स्टाफ की संख्या (2015–16)

31 मार्च, 2016 के अनुसार विश्वविद्यालय की कुल स्टाफ संख्या 162 थी।

वर्ष 2015–16 के दौरान विश्वविद्यालय को कुल 3195. 08 लाख रुपये का अनुदान मिला (गैर–योजना मद में 1769.80 लाख रुपये और योजना मद में 1425.28 लाख रु. प्राप्त हुए। वर्ष के आरंभ में विश्वविद्यालय के पास योजना और गैर–योजना, दोनों मदों में 50.46 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान कार्यालय और छात्रावास से 131.70 लाख रुपए की प्राप्ति हुई। योजना और गैर–योजना मदों में इस वर्ष का व्यय 2930.33 लाख रुपये था।

दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के पास 676.28 लाख रुपये थे और 727.89 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष में कुल 535.60 लाख रुपये खर्च किए गए। (परिशिष्ट–VII)

परिसर और भवन आधारभूत सुविधा

विश्वविद्यालय के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास–क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप–I के 16, टाइप–II से V तक के 8–8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं।

विश्वविद्यालय के पास बिंदापुर, द्वारका में टाइप–III के 25 क्वार्टर हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष, कंप्यूटर केंद्र, अंतरराष्ट्रीय डायनिंग हाल, जिम और क्लास रूम हैं।

विश्वविद्यालय ने हाल ही में परिसर में अर्जित 2100 वर्ग मीटर के भूखंड में नया अकादमिक भवन के निर्माण के लिये अपेक्षित कदम उठाए हैं। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने लीज डीड जारी कर दिया है।

2 अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

एम.फिल. और पी-एच.डी

वस्तुतः विश्वविद्यालय की एम.फिल और पी. एच.डी उपाधियां विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा विश्वविद्यालय विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है।

शैक्षिक प्रशासन के लिए विद्वान तैयार करना

राष्ट्रीय विश्वविद्यालयः एक फीडर संस्थान है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित जरुरत के अनुसार शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास करता है ऐसे विशेषज्ञ जो अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों/एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियों के पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा तैयार किये जाते हैं। ये व्यापक एवं गतिशील संदर्भों में समुचित योजनाओं और कार्यनीतियों के निर्माण या सांस्थानिक प्रबंधन के सीमित भूमिकाओं से जुड़े मामलों के समाधान हेतु पूर्णतः सक्षम होते हैं।

वस्तुतः विश्वविद्यालय की एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा विश्वविद्यालय विभिन्न पृष्ठभूमि के युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनका करियर तैयार करता है। न्यूपा यह कार्य कर रहा है और इसके माध्यम से यह शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा है जिसमें यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैंः (i) पूर्णकालिक एम.फिल. कार्यक्रम (ii) पूर्णकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम और (iii) अंशकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007–08 में आरंभ किए गए थे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं।

एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ–साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शामिल हैं–शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण।

एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम की अवधि दो वर्ष है। इस दो वर्षीय एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम कार्य (30 क्रेडिट) है। इसके बाद एक वर्ष लघु शोध प्रबंध (30 क्रेडिट) के लिए है। दो वर्ष के एम.फिल. पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत और निर्धारित आर्हता (वर्तमान में 10 प्वाइंट स्केल पर) 6 एफ जी पी ए या इससे अधिक का ग्रेड पाने वाले शोधार्थी पी–एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। पी–एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लेने की तिथि के दो वर्ष बाद ही शोधार्थी अपने शोध प्रबंध जमा करा सकते हैं।

पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को दाखिला की पुष्टि हेतु एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। इसके बाद वे दो वर्ष के शोध कार्य के उपरांत ही वे उपाधि हेतु शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में जमा कर सकते हैं।

अंशकालिक पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को पी–एच.डी. में दाखिला की पुष्टि से पहले एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। अंशकालिक पी–एच.डी. के शोधार्थी दाखिला की पुष्टि के कम से कम चार वर्ष बाद अपना शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में जमा कर सकते हैं।

विवरण	एम.फिल.	पी–एच.डी. पूर्णकालिक	पी–एच.डी. अंशकालिक	योग
वर्ष 2015–16 में नामांकन	9	6	2	17
वर्ष 2015–16 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे विद्यार्थियों की संख्या	26 (वर्ष 2014–15 में नामांकित 17 विद्यार्थियों सहित)	28 (वर्ष 2007–08 से 2015–16 तक नामांकित विद्यार्थियों सहित)	16 (वर्ष 2007–08 से 2015–16 तक नामांकित विद्यार्थी)	70
वर्ष 2015–16 के दौरान स्नातक विद्यार्थी की कुल संख्या	16	9	-	25

डिप्लोमा कार्यक्रम

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के छः घटक हैं: (i) पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (ii) आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (iii) परियोजना कार्य (iv) परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण पत्र विवरण और (v) उन्नत पाठ्यक्रम कार्य और (vi) अंतिम मूल्यांकन और पीजी डिप्लोमा प्रमाण–पत्र वितरण।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्ष 1982–83 से शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में विशेष रूप से डिजाइन, डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। आरंभ में यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए पूर्व प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में डिजाइन किया गया था। यद्यपि वर्ष 2014–15 से इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम को संवर्धित करके इसमें परिवर्तन किया गया है और इसके डेपा मूलभूत से पीजीडेपा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)– शैक्षिक योजना और प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा) में बदल दिया गया है। प्रतिभागियों के कार्य और भूमिकाओं तथा उनकी संस्थाओं जैसे एससीईआरटी/सीमेट/डाइट/डीईओ/बीईओ और राज्य सरकारों के शिक्षा निदेशालयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को संवर्धित किया गया है।

पीजीडेपा कार्यक्रम को मौजूदा डेपा में व्यापक रूपांतरण के बाद निर्मित किया गया है जो एक सघन दीर्घकालिक कार्यक्रम है जो देश में पेशेवर रूप से शैक्षिक प्रशासकों का संवर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

(ii) शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय कार्य के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल के विकास हेतु सक्षम बनाना।

(iii) प्रतिभागियों में योजना निर्माण, कार्यक्रम निरूपण और कार्यक्रम कार्यान्वयन प्रबंधन संबंधी कौशल और योग्यता का विकास करना।

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का निरूपण करते समय मूलतः इस बात का ध्यान दिया गया था कि प्रतिभागी को इस पाठ्यक्रम के लिए न्यूपा में तीन माह से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े और वह अपने कार्य स्थल पर पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सके। इसके अनुसार इसे 12 महीने के पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम में रूपातंरित किया गया है। अनेक शिक्षा विभाग इस पाठ्यक्रम हेतु अपने अधिकारियों को लंबी अवधि के लिए प्रतिनियुक्त नहीं कर सकते हैं इसलिए पीजीडेपा कार्यक्रम को इस रूप में नियोजित किया गया है कि आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य हेतु प्रतिभागियों को न्यूपा में 3 महीने से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं: कार्यस्थल पर पाठ्यक्रम तैयारी कार्य, न्यूपा में आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य, कार्यस्थल पर

तालिका 2.1:

राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रावार भागीदारी			
राज्य/संघ क्षेत्र	**प्रथम पी.जी.–डेपा**	**द्वितीय पी.जी.–डेपा**	**योग**
आंध्र प्रदेश	1	-	1
अरुणाचल प्रदेश	1	1	2
असम	4	6	10
बिहार	3	-	3
हरियाणा	1	-	1
हिमाचल प्रदेश	2	1	3
जम्मू और कश्मीर	1	1	2
कर्नाटक	-	2	2
मध्य प्रदेश	4	2	6
मणिपुर	3	-	3
नागालैण्ड	2	3	5
पंजाब	1	3	4
तमिलनाडु	5	2	7
सिक्किम	-	2	2
उत्तराखंड	2	2	4
उत्तर प्रदेश	1	1	2
पश्चिम बंगाल	1	-	1
दिल्ली	1	1	2
चंडीगढ़	-	1	1
छत्तीसगढ़	-	2	2
योग	**33**	**30**	**63**

परियोजना कार्य, मुक्त और दूरवर्ती अधिगम प्रणाली के द्वारा उन्नत पाठ्यक्रम और न्यूपा में संगोष्ठी सहित कार्यशाला में परियोजना कार्य प्रस्तुति।

पीजीडेपा के पाठ्यक्रम कार्य निम्नलिखित चरणों में संपादित किए जाते हैं:

चरण 1 : पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (कार्य स्थल)

चरण 2 : आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (न्यूपा)

चरण 3 : परियोजना कार्य (कार्य स्थल)

चरण 4 : परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण–पत्र वितरण (न्यूपा)

चरण 5 : उन्नत पाठ्यक्रम कार्य (कार्य स्थल)

चरण 6 : अंतिम मूल्यांकन और पीजीडेपा प्रमाण–पत्र वितरण (न्यूपा)

प्रथम पीजीडिप्लोमा कार्यक्रम में 16 राज्यों/संघ क्षेत्रों के 33 प्रतिभागी शामिल हुए। यह सितंबर 2014 से जुलाई 2015 के दौरान आयोजित किया गया।

डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग ने किया। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राज्यवार भागीदारी का विवरण तालिका 2.1 में प्रदर्शित है :

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गणराज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हैं। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– (i) सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; (ii) अनुप्रयुक्त कार्य और (iii) लघु शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित किया जाता हैं। यह चरण

आवासीय है और प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर में निवास करें। दूसरे चरण में प्रतिभागी को स्वदेश में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम की पाठ्यचर्या में केंद्रिक पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम, प्रायोगिक अभिविन्यास और अप्रयुक्त कार्य शामिल हैं। पाठ्यचर्या कार्य के विषय हैं : शिक्षा और विकास से संबंधित अध्ययन, विकासशील देशों में शैक्षिक विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्र, शैक्षिक योजना और प्रशासन परियोजना नियोजन, शिक्षा में व्यष्टि स्तरीय योजना, शिक्षा में वित्तीय योजना और प्रबंधन, जनशक्ति योजना, शैक्षिक योजना में मात्रात्मक तकनीकें, शैक्षिक प्रबंधन, शोध प्रविधि और सांख्यिकी और शैक्षिक प्रबंधन और सूचना प्रणाली। अनुप्रयुक्त कार्य में शामिल हैं : विषयगत संगोष्ठियां डिप्लोमा कार्यक्रम के अभिन्न घटक हैं जो प्रत्येक प्रतिभागी या प्रतिभागियों के समूह को शैक्षिक योजना और प्रशासन से संबंधित विषयों से जुड़े वस्तुगत आंकड़ों और अनुभवों के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने और उनका परस्पर आदान–प्रदान करने के अवसर प्रदान करती हैं। संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण के एक भाग के रूप में प्रतिभागियों को अपने देश की शिक्षा प्रणाली की विशिष्ट प्रवृत्तियों को प्रस्तुत करने और परस्पर आदान–प्रदान करने का अवसर प्रदान किया जाता है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को स्वदेश में उनके कार्यों की प्रासंगिकता और जरुरतों के विशिष्ट क्षेत्र में शोध परियोजना की रूपरेखा बनाने में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशलों के बीच संबंध स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में चरण–II के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी के लिए एक शोध निर्देशक नियुक्त किया जाता है जो दूसरे चरण के कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी के परियोजना कार्य का निर्देशन करता है।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागी के स्वदेश में आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोध परियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

वर्ष 2015–16 के दौरान विश्वविद्यालय ने 31वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा का दूसरा चरण पूरा किया जिसका प्रथम चरण 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2015 को आयोजित किया गया था। उसमें 16 देशों के 29 प्रतिभागी शामिल हुए। 31वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2015 के दौरान आयोजित किया गया।

32वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का प्रथम चरण 1 फरवरी 2016 को शुरु हुआ और इसके प्रथम घटक की अध्यापन–अधिगम गतिविधियां 30 अप्रैल 2016 तक पूरी की गईं। 32वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम में 19 देशों से कुल 26 प्रतिभागी शामिल हुए। इसका दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2016 के दौरान प्रतिभागियों के स्वदेश में नियत किया गया जो परियोजना कार्य पर आधारित था।

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग करता है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों की देशवार भागीदारी का विवरण तालिका 2.2 में प्रदर्शित है।

तालिका 2.2:

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

देश का नाम	31वां डिप्लोमा	32वां डिप्लोमा	योग
अफगानिस्तान	-	3	3
अरमेनिया	-	1	1
बांग्लादेश	3	1	4
भूटान	-	3	3
कम्बोडिया	1	-	1
कांगो	-	1	1
क्यूबा	-	1	1
इथोपिया	2	-	2
फिजी	2	1	3
धाना	2	2	4
इंडोनेशिया	-	1	1
किरगिस्तान	-	1	1
लाओस	-	1	1
मलेशिया	-	1	1
मलावी	-	1	1
मॉरीशस	1	-	1
मंगोलिया	1	-	1
म्यांमार	4	-	4
नेपाल	1	-	1
नाइजीरिया	1	3	4
नाइजर	2	-	2
फिलीपीन्स	-	1	1
श्रीलंका	2	-	2
सूडान	-	1	1
तजाकिस्तान	-	1	1
तंजानिया	3	1	4
ट्यूनीशिया	2	-	2
वियतनाम	-	1	1
यमन	1	-	1
जांबिया	1	-	1
योग	**29**	**26**	**55**

तालिका 2.3:

सभी कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

क्र. सं.	देश	भागीदारों की संख्या
1.	अफगानिस्तान	6
2.	अरमेनिया	1
3.	आस्ट्रेलिया	1
4.	बांग्लादेश	2
5.	भूटान	3
6.	ब्राजील	1
7.	कांगो	1
8.	क्यूबा	1
9.	फिजी	1
10.	धाना	2
11.	इंडोनेशिया	1
12.	किरगिस्तान	1
13.	लाओस	1
14.	मलावी	1
15.	मलेशिया	1
16.	नाइजीरिया	3
17.	फिलीपीन्स	1
18.	श्रीलंका	30
19.	दक्षिण अफ्रीका	1
20.	सूडान	1
21.	तजाकिस्तान	1
22.	तंजानिया	1
23.	यू एस ए	2
24.	वियतनाम	1
	योग	**65**

तालिका 2.4:

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रावार भागीदारी 2015–16

क्र. सं.	राज्य/संघीय क्षेत्र	भागीदारों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	629
2.	अरुणाचल प्रदेश	82
3.	असम	148
4.	बिहार	28
5.	छत्तीसगढ़	35
6.	गोवा	19
7.	गुजरात	142
8.	हरियाणा	68
9.	हिमाचल प्रदेश	268
10.	जम्मू और कश्मीर	35
11.	झारखण्ड	44
12.	कर्नाटक	152
13.	केरल	57
14.	मध्य प्रदेश	184
15.	महाराष्ट्र	92
16.	मणिपुर	43
17.	मेघालय	51
18.	मिजोरम	48
19.	नागालैण्ड	30
20.	ओडिशा	182
21.	पंजाब	66
22.	राजस्थान	492
23.	सिक्किम	59
24.	तेलंगाना	92
25.	तमिलनाडु	298
26.	त्रिपुरा	94
27.	उत्तराखंड	458
28.	उत्तर प्रदेश	98
29.	पश्चिम बंगाल	58
30.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	5
31.	चंडीगढ़	25
32.	दादरा और नगर हवेली	2
33.	दमन और दीव	10
34.	दिल्ली	298
35.	लक्षद्वीप	12
36.	पुडुचेरी	14
	योग	4418

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में सुधार हेतु सांस्थानिक क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न वर्गों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यकलाप के रूप में सतत जारी है। वर्ष 2015–16 के दौरान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा के विभिन्न विकास क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों और शिक्षा नीति योजना, प्रशासन के विविध पक्षों से जुड़े 91 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित कीं। इन कार्यक्रमों के विषय थे : स्कूलों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रावधानों का आकलन, शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन, और स्कूल नेतृत्व आदि। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी थे जिला और राज्य स्तर के शिक्षाकर्मी, शिक्षा निदेशक और राज्य स्तर के अन्य अधिकारी, केंद्र, राज्य और जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य प्राधिकारी, कालेज प्राचार्य और कालेजों तथा उच्च शिक्षा के वरिष्ठ प्रशासक, विश्वविद्यालय तथा समाजविज्ञान शोध संस्थानों के नवनियुक्त प्राध्यापक आदि। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा

निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की गईं :

शैक्षिक योजना विभाग

- थेनी, तमिलनाडु में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के निर्माण पर कार्यशाला (72 प्रतिभागी), 20–25 अप्रैल, 2015 तक
- कोयंझार, ओडिशा में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के निर्माण पर कार्यशाला, (26 प्रतिभागी), 25–30 मई 2015।
- शिक्षा में मात्रात्मक अनुसंधान विधियां: शैक्षिक विकास और असमानता की समझ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: 3–21 अगस्त, 2015, (31 प्रतिभागी)।
- माध्यमिक शिक्षा की योजना और निगरानी के लिए परिणामों के फ्रेमवर्क के प्रयोग पर कार्यशाला, सितंबर 1–4, 2015, (28 प्रतिभागी)।
- गुवाहाटी, असम में पूर्वोत्तर राज्यों में माध्यमिक

शिक्षा की योजना और निगरानी के लिए परिणामों के फ्रेमवर्क के प्रयोग पर कार्यशाला, सितंबर 21–24, 2015 (31 प्रतिभागी)।

- चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु और ओडिशा (जारी एक्शन रिसर्च की गतिविधियों में से एक) में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के मूल्यांकन और मसौदा प्रारूप को अंतिम रूप देने के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, नवम्बर 17–18, 2015 (28 प्रतिभागी)।
- ओडिशा के भुवनेश्वर में तमिलनाडु और ओडिशा (जारी एक्शन रिसर्च की गतिविधियों में से एक) जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के मूल्यांकन और मसौदा को अंतिम रूप देने के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, 21 से 23 मार्च 2016 तक (30 प्रतिभागी)।
- श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों की रणनीतिक योजना, वित्तपोषण और गुणवत्ता विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, जनवरी 18–30, 2016, (30 प्रतिभागी)।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

- पश्चिमी राज्यों के शैक्षिक प्रशासन के तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर क्षेत्रीय कार्यशाला, 20 से 22 अप्रैल 2015 तक, 18 प्रतिभागी।
- गुवाहाटी, असम में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए शिक्षा प्रशासन के तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर चौथी क्षेत्रीय कार्यशाला, मई 18–20, 2015, (25 प्रतिभागी)
- शैक्षिक प्रशासन के तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर क्षेत्रीय कार्यशाला, 13–15 मई, 2015, (27 प्रतिभागी)
- राज्य और जिला स्तर की महिला प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर ओरिएंटेशन–कम–कार्यशाला 7–11 सितंबर, 2015, (52 प्रतिभागी)
- आपदा और विस्थापन पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति पर तीन दिवसीय कार्यशाला, 22–24

सितंबर, 2015, (26 प्रतिभागी)

- आंध्र प्रदेश में शैक्षिक योजना और प्रशासन पर जिला और मंडल शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तर का सम्मेलन 12–13 अगस्त, 2015, (242 प्रतिभागी)
- शैक्षणिक योजना और प्रशासन पर जिला और मंडल शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तर सम्मेलन 26–27 अगस्त, 2015, विशाखापटनम, आंध्र प्रदेश, (202 प्रतिभागी)
- पूर्वोत्तर राज्यों के जिला स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम, 12–16 अक्टूबर, 2015, (24 प्रतिभागी)
- भाग ए – शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 16 नवंबर, 2015, (6 सदस्य)
- व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 30 नवंबर से 4 दिसंबर, 2015, (32 प्रतिभागी)
- भाग बी – दिल्ली, तीन मूर्ति में शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर नेशनल कांफ्रेंस और पुरस्कार, 9–10 नवंबर, 2015, (130 प्रतिभागी)
- आंध्र प्रदेश में सरकारी डिग्री कॉलेजों की महिलाओं के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 4 से 8 जनवरी, 2016, (28 प्रतिभागी)
- आंध्र प्रदेश के सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्रिंसिपल के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम, 8–12 फरवरी, 2016, (34 प्रतिभागी)
- विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में विविधता और इक्विटी प्रबंधन पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम, मार्च 7–11, 2016, (29 प्रतिभागी)

शैक्षिक वित्त विभाग

- विश्वविद्यालय वित्त के प्रबंधन में ओरिएंटेशन प्रोग्राम, 27–31 जुलाई, 2015, (23 प्रतिभागी)
- स्कूल वित्त के योजना और प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम, 5–9 अक्टूबर, 2015 (21 प्रतिभागी)

शैक्षिक नीति विभाग

- 'शिक्षा में गुणात्मक शोध पद्धति' पर अभिविन्यास कार्यशाला, 27 जुलाई से 14 अगस्त 2015, (30 प्रतिभागी)
- 'प्राथमिक स्तर पर विकलांग बच्चों की शिक्षा (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) की शिक्षाः नीतिगत मुद्दों और कार्यक्रम हस्तक्षेप' पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 24–28 अगस्त, 2015, (25 प्रतिभागी)
- 'शिक्षा में सार्वजनिक नीति बनाने' पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 15–18 दिसंबर, 2015, (32 प्रतिभागी)
- 'स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार' पर चर्चा 12 जनवरी, 2016 (35 प्रतिभागी)
- 'शिक्षा और विकास के लिए अधिकार–आधारित दृष्टिकोणः नीतियां और व्यवहार' पर तृतीय अनिल

बोर्डिया नीति संगोष्ठी, 15–16 फरवरी, 2016 (32 प्रतिभागी)।

- भारतीय पुनर्वास केंद्र, नई दिल्ली में 4–5 मार्च 2016 को 'परिवर्तन के लिए मार्गः अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में सुधार के लिए तुलनात्मक प्रतिबिंब और भारत के लिए उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, (26 प्रतिभागी)।
- विकलांग लोगों का शिक्षा में शामिल होने पर अभिविन्यास कार्यक्रम, मार्च 7–11, 2016 (31 प्रतिभागी)।

- गुवाहाटी, असम में 14–18 मार्च, 2014 'पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त परिषदों की कार्यप्रणाली' पर अभिविन्यास कार्यशाला, (24 प्रतिभागी)।

स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग

- दक्षिणी राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य योजना के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, 8–10 अप्रैल, 2015 (21 प्रतिभागी)।
- दूसरी अनुवर्ती कार्यशालाः पूर्वोत्तर राज्यों के प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए सहभागितात्मक क्रिया प्रोजेक्ट, अप्रैल 20–24, 2015 (30 प्रतिभागी)।
- हिमाचल प्रदेश के जिला और ब्लॉक स्तर के प्रशासकों के लिए शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर राज्य स्तर सम्मेलन, 17–18 जून 2015, शिमला, हिमाचल प्रदेश (158 प्रतिभागी)।
- अनुवर्ती कार्यशालाः पूर्वोत्तर राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए

सहभागितात्मक कार्य परियोजना, 14–16 सितंबर, 2015 (23 प्रतिभागी)।

- शिक्षा का अधिकार की जिम्मेदारी के समर्थन पर चर्चा, 22–23 फरवरी, 2016 (31 प्रतिभागी)।

उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग

- आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में 8–9 सितंबर, 2015 को उच्च शिक्षा के लिए उच्च शिक्षा पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं नीति विकास कार्यशाला के लिए प्रशासनिक सुधारों पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक, (36 प्रतिभागी)।

- मैसूर, कर्नाटक में 5 से 9 अक्टूबर 2015 तक दक्षिणी क्षेत्र के स्नातक पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाली संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए उच्च शिक्षा संस्थान के योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, (47 प्रतिभागी)।
- गंगटोक, सिक्किम में आयोजित नवम्बर 23–27, 2015 को पूर्वोत्तर क्षेत्र के स्नातक पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों के लिए उच्च शिक्षा संस्थान के योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, (32 प्रतिभागी)।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2015–16 पर सलाहकार कार्यशाला (23 प्रतिभागी)।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

गुवाहाटी, असम में 20–22 मई, 2015 से आरटीई (यूनिसेफ के साथ सहयोग से) की योजना और निगरानी में यू–डाईस डेटा और संकेतकों का उपयोग करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, (46 प्रतिभागी)।

- पुणे, महाराष्ट्र में 5 से 9 अक्टूबर 2015 तक योजना और निगरानी माध्यमिक शिक्षा सूचक में संकेतक के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, (34 प्रतिभागी)।
- जयपुर, राजस्थान में आयोजित 12–13 अक्टूबर 2015 से जिला एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डाईस पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, (128 प्रतिभागी)।
- कोलकाता, पश्चिम बंगाल में आयोजित जिला एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डाईस पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, 2–3 नवंबर, 2015, (108 प्रतिभागी)।
- चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित जिला एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डाईस पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, 5–6 नवंबर, 2015, (116 प्रतिभागी)।
- चंडीगढ़ (यूटी) में आयोजित एमआईएस अधिकारियों के लिए यूडीआईएसई पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, नवंबर 22–23, 2015, (113 प्रतिभागी)।
- यूनिफाइड–डाईस पर कार्यशाला 25–26 अगस्त, 2015 (67 प्रतिभागी)।

शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण विभाग

- शैक्षणिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (द्वितीय पीजीडेपा), 1 अगस्त 2015 से 1 जुलाई 2016 (30 प्रतिभागी)।
- शैक्षिक प्रशासन के लिए डिजाइनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए परामर्श बैठक, नवंबर 3–4, 2015 (8 सदस्य)
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में बत्तीसवां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा–XXXII), 1 फरवरी से 31 जुलाई, 2016 (26 प्रतिभागी)
- राजस्थान के जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन और प्रशासन, 29–30 अप्रैल, 2015 (283 प्रतिभागी)
- राजस्थान के जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन और प्रशासन, उत्तराखंड, 15–16 दिसंबर, 2015, (250 प्रतिभागी)।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

2015–16 में केंद्र द्वारा पूर्ण की गईं गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

स्तर 1: क्षमता निर्माण कार्यशाला

- भोपाल, मध्यप्रदेश में स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए स्टेट रिसोर्स ग्रुप (एसआरजी) की क्षमता निर्माण, जुलाई 2–11, 2015, (58 प्रतिभागी)।
- नेतृत्व और प्रशासन पर एक महीने का ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम, 1 जून, 2015 (41 प्रतिभागी)।
- बिहार राज्य में बिहार के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) (दो बैचों) की क्षमता निर्माण, 24 नवम्बर से 2 दिसंबर, 2015 पटना, बिहार (50 प्रतिभागी)।
- चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु राज्य में स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, मई 5–19, 2015, (52 प्रतिभागी)।
- उत्तराखंड राज्य में स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए एसआरजी का क्षमता निर्माण, जुलाई 27 से 5 अगस्त 2015 (50 प्रतिभागी)।
- असम में 29 फरवरी से 9 मार्च, 2016 तक असम राज्य में स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) की क्षमता निर्माण (28 प्रतिभागी)।
- श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में जम्मू और कश्मीर राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) की क्षमता निर्माण,

3–12 सितंबर, 2015 (50 प्रतिभागी)।

- स्कूल लीडरशिप और मैनेजमेंट 2015–16 का एक साल का कार्यक्रम, 3 अगस्त 2015 से अगस्त 2016 (37 प्रतिभागी)।
- त्रिपुरा में राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) त्रिपुरा की क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला, 17–18 अगस्त 2015 (49 प्रतिभागी)।
- सिक्किम राज्य में स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए 24 अगस्त से 2 सितंबर, 2015 तक गंगटोक, सिक्किम में आयोजित राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) का क्षमता निर्माण, (35 प्रतिभागी)।
- शिमला, हिमाचल प्रदेश में राज्य विद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम में स्कूल प्रमुखों के लिए फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, 6–8 अक्टूबर, 2015 (30 प्रतिभागी)।
- क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के लिए स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट पर क्षमता निर्माण कार्यशाला, 26 से 31 अक्टूबर 2015, (31 प्रतिभागी)।
- लक्षद्वीप और चंडीगढ़ के केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए स्टेट रिसोर्स ग्रुप (एसआरजी) की क्षमता निर्माण, 16–25 नवंबर 2015, (19 प्रतिभागी)।
- दिल्ली में राज्य संसाधन समूह के लिए स्कूल लीडरशिप पर क्षमता निर्माण कार्यशाला, 27 जनवरी से 5 फरवरी, 2016, (33 प्रतिभागी)।
- चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु राज्य में स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) की क्षमता निर्माण, 27 जनवरी से 5 फरवरी, 2016, (48 प्रतिभागी)।

स्तर 2: नेटवर्किंग और संस्थानिक निर्माण

- आंध्र प्रदेश में एसएलडीपी के कार्यान्वयन के लिए एसआरजी के लिए योजना कार्यशाला, 6–11 अक्टूबर, 2015, (50 प्रतिभागी)।
- आईएचसी, नई दिल्ली में लीडरशिप अकादमियों पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक, 23–24 फरवरी, 2016, (60 प्रतिभागी)।
- स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम 'पाठ सीखना कार्यशाला' 14–15 जुलाई, 2015, (17 प्रतिभागी)।
- सामरिक योजना और केस स्टडी रिसर्च कार्यशाला, सितंबर 22–23, 2015, (17 प्रतिभागी)।

स्तर 3: पाठ्यचर्या और सामग्री विकास

- गुवाहाटी, असम में उड़ीया में पाठयक्रम और कार्यक्रम रूपरेखा और हस्तपुस्तिका अनुवाद के लिए कार्यशाला, 9–13 सितंबर, 2015, (15 प्रतिभागी)।
- प्रणाली स्तर प्रशासन के लिए मॉड्यूल विकास पर एनआरजी कार्यशाला, 17–18 सितंबर, 2015 (18 प्रतिभागी)।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

- भारत में उच्च शिक्षा का प्रशासन और प्रबंधन, 8–9 अप्रैल 2015 (15 प्रतिभागी)।
- भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता: संस्थागत स्तर पर आंतरिक और बाहरी गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन, 16–17 अप्रैल, 2015 (12 प्रतिभागी)।
- भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण: अप्रैल 22–23, 2015 (15 प्रतिभागी) से फंड का प्रवाह और उनकी उपयोगिता का अध्ययन।
- भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम, 28–29 अप्रैल, 2015, (12 प्रतिभागी)।
- भारतीय उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2016 के लेखकों की पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक, 30 अप्रैल, 2015 (17 प्रतिभागी)।
- भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2016 के लेखकों की दूसरी पीयर रिव्यू बैठक, 14 अगस्त 2015, (28 प्रतिभागी)।
- उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 23–24 सितंबर, 2015, (16 प्रतिभागी)।
- भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता: संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन, 21–22 जनवरी 2016, (15 प्रतिभागी)।

- उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 25–26 फरवरी, 2016, (159 प्रतिभागी)।
- उच्च शिक्षा में अध्यापन में अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला, फरवरी 29 से 1 मार्च, 2016, (12 प्रतिभागी)।

स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक

- आईएचसी, नई दिल्ली में स्कूल मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम, 21–22 मार्च, 2016 (99 प्रतिभागी)।

अन्य कार्यक्रम

- मूडल एमओसी का उपयोग तकनीक के साथ शिक्षण पर कार्यशाला, जुलाई 1–3, 2015 (19 प्रतिभागी)।
- मूडल एमओसी का उपयोग तकनीक के साथ शिक्षण पर कार्यशाला, 26–28 अगस्त, 2015 (33 प्रतिभागी)।
- शिक्षा 2030 एजेंडा और सतत विकास लक्ष्य पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 11–12 दिसंबर, 2015 (18 प्रतिभागी)।
- वर्ष 2015–16 के दौरान, विश्वविद्यालय ने डिप्लोमा कार्यक्रम के अलावा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 91 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ सेमिनार, सम्मेलन और बैठक आदि का आयोजन किया, कुल 4418 प्रतिभागी में से 4353 (तालिका 2.4) भारतीय प्रतिभागी और अन्य देशों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से 65 (तालिका 2.3) भागीदार थे।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष 11 अगस्त को अपना स्थापना दिवस मनाता है। प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान 2007 में प्रो. प्रभात पटनायक, उपाध्यक्ष, केरल राज्य योजना बोर्ड, 'आल्टरनेटिव पर्सपेक्टिवस आन हायर एजुकेशन इन द कांटेक्स्ट आफ ग्लोबलाईजेशन' पर दिया गया। 2008 में 'डिजाईनिंग आर्किटेक्यर फार लाईफ साईकिल एप्रोच' पर प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन, संसद सदस्य (राज्य सभा), यूनेस्को इकोटेक्नोलॉजी पीठ, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउन्डेशन ने दिया, तीसरा व्याख्यान 2009 में प्रो. आंदेबेतिल, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर तथा प्रोफेसर ऐमिरेटस, समाजशास्त्र, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'यूनिवर्सीटीज़ इन द टवेन्टी फर्स्ट सेंचूरी' विषय पर दिया। 2010 में चौथा व्याख्यान प्रो. मृणाल मिरी, अध्यक्ष, सेंटर फार द स्टडी आफ डवलपिंग सोसायटीज़ ने 'एजुकेशन, ऑटोनामी एंड अकाउन्टेबिलिटी' विषय पर दिया। सातवां स्थापना दिवस व्याख्यान प्रो. कृष्ण कुमार, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'एजुकेशन एंड मोर्डनटी इन मोर्डन इंडिया' विषय पर दिया। आठवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2014 में इमेजिंग नॉलेजः ड्रीमिंग डेमोक्रेसी' पर प्रो. शिव विश्वनाथन, प्रोफेसर, स्कूल आफ गवर्नमेन्ट एंड पब्लिक पॉलिसी, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनीवर्सीटी ने दिया। नौवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2015 में रिपोर्ट की समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रो. टी.के. ओमेन, प्रो. ऐमिरेटस, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने 'एजुकेशन एस एन इंस्टरूमेन्ट ऑफ सोशल ट्रांसफोरमेशन, द रोल आफ मदर टंग विषय पर दिया।

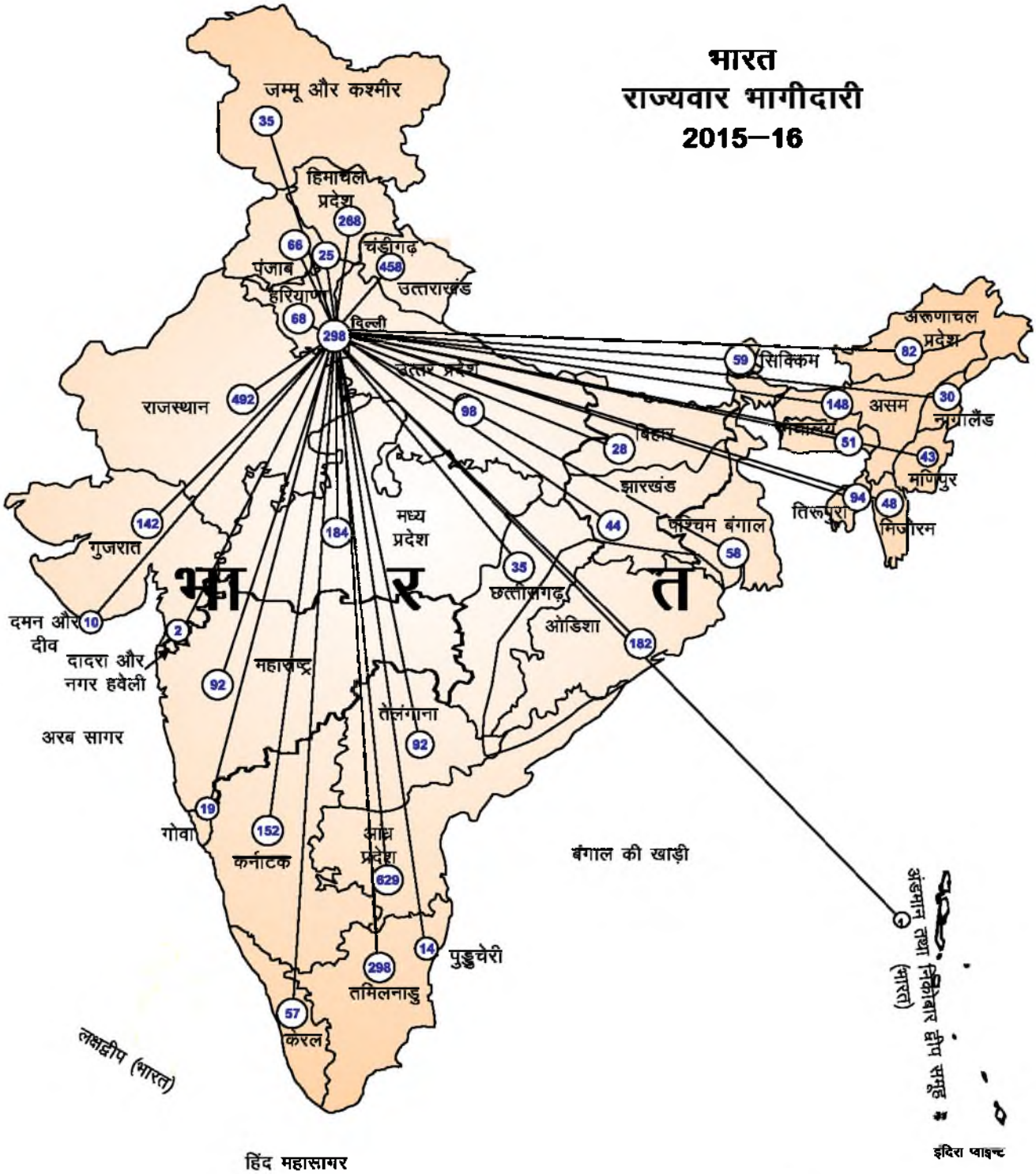

भारत
राज्यवार भागीदारी
2015–16

3 अनुसंधान

अनुसंधान

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, शिक्षा क्षेत्र में विकासात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने हेतु तथ्यों आधारित विकल्पों और रणनीतियों को बनाने के लिए नवीन ज्ञान जुटाने हेतु, शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन को विशेषकर ध्यान में रखते हुए, विभिन्न विषयों में पारस्परिक शोध और अध्ययनों को बढ़ावा और सहायता प्रदान करता आ रहा है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भारत के विभिन्न राज्यों और अन्य देशों में भी गुणात्मक तथा गणनात्मक दोनों प्रकार के शोध, वर्तमान नीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पुनरीक्षण और मूल्यांकन की तकनीकों तथा प्रशासनिक ढ़ांचों एवं प्रविधियों में तुलनात्मक अध्ययन करता है।

अध्ययनों सहित ऐसे कार्य–शोध पर जोर दिया जाता है, जो शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन में सुधार के लिए मुख्य क्षेत्रों में नवीन ज्ञान को सृजित कर सकता है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एम.फिल. और पी–एच. डी. कार्यक्रमों के अतिरिक्त, संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले शोध अध्ययनों, अन्य ऐजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध अन्तरर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त अध्ययनों कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययनों और आंकड़ा प्रबंधन अध्ययनों जैसे शोध कार्यक्रम को भी सहायता प्रदान करता है। शिक्षा प्रणाली में उठने वाले संभावित प्राथमिकता के मुद्दों अथवा भारतीय शिक्षा प्रणाली वास्तव में जिन मुद्दों से जूझ रही है, उनसे संबंधित शोध अध्ययन होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 1 शोध अध्ययन पूर्ण हुआ, जबकि 25 अध्ययन जारी थे।

पूर्ण हो चुके शोध अध्ययन

(31 मार्च, 2016 तक)

1. स.शि.अ. में लैंगिक समता के परिणाम : पूर्वी दिल्ली और अजमेर जिले का क्षेत्रीय कार्य

अन्वेषक : प्रो. रत्ना सुदर्शन

प्रस्तुत क्षेत्रीय अध्ययन में यह पता करना है कि चुनिंदा जिलों में सर्व शिक्षा अभियान का बालिका शिक्षा और लैंगिक समता पर कितना और किस प्रकार से प्रभाव पड़ा है। इस अध्ययन में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तलाशने के प्रयास हैं:

- विभिन्न हितधारकों के बीच शिक्षा में लैंगिक समता के बारे में क्या समझ है।
- स.शि.अ. के अंतर्गत उपलब्ध सामग्री अध्ययन के संदर्भ और इसके लक्ष्य के प्रति कितना प्रासंगिक है।
- इसके लक्ष्य को प्राप्त करने में हस्तक्षेप का समग्र प्रभाव कितना कारगर है और अधिकतम सकारात्मक प्रभाव बनाने हेतु किस प्रकार की सामग्री की आवश्यकता है।

प्रस्तुत अध्ययन को परिवर्तन विधि के सिद्धांत का प्रयोग करके निरुपित किया गया है। स.शि.अ. टो.ओ.सी. नहीं बन सकता है फिर भी इसे टी.ओ.सी. के रूप में देखा जा सकता है। जो कार्यक्रम दस्तावेज पर आधारित है। विशिष्ट संदर्भों के विश्लेषण से अनुभवाश्रित पर्यवेक्षण पर आधारित परिवर्तन मॉडल विकसित होता है। अभिष्ट और अनाभिष्ट निष्कर्षों की पहचान कर ली गई है। साक्षात्कार और समूह चर्चा के माध्यम से आंकड़ा संग्रहित किया गया है।

क्षेत्र कार्य के लिए ऐसे क्षेत्रों का चयन किया गया जिससे प्रतिदर्श में सभी प्रकार की विविधताएं हो। अजमेर, राजस्थान जिले का पिसांगन ब्लॉक अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड जिले का धौलादेवी ब्लाक, पूर्वी दिल्ली से कल्याणपुरी प्रतिदर्श के क्षेत्र थे। प्रत्येक स्थान पर एक या दो माध्यमिक विद्यालयों, और केजीबीवी (पिसांगन और धौलादेवी) कक्षा 6–12 को नोडल बिंदु बनाया गया जिसके चारों ओर प्रतिदर्श चुने गए। प्रतिदर्श में स्कूल के अध्यापक 12/13 वर्ष और अधिक आयु के लड़के–लड़कियां थे। अभिभावक, भाई–बहन, और शिक्षा अधिकारी थे। पिसांगन और धौलादेवी, प्रत्येक ब्लाक में लगभग 100 प्रतिदर्श लिए गए और दिल्ली से 45 प्रतिदर्श थे।

जारी अनुसंधान अध्ययन

1. तमिलनाडु और ओडिशा में आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत जिला सैंकेडरी शिक्षा योजना के विकास पर क्रिया–निष्ठ अनुसंधान योजना

अन्वेषक : प्रो. एस. एम. आई. ए. जैदी, प्रो. के बिस्वाल और डॉ. एन.के. मोहंती

यह अध्ययन आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत क्रिया–निष्ठ अनुसंधान के माध्यम से राज्यों द्वारा अपनी जिला सैकेंडरी शिक्षा योजनाएँ (परिप्रेक्ष्य और वार्षिक योजनाएँ) तैयार करने के लिए अनुसरण की जाने वाली योजना प्रक्रिया, कार्य–पद्धति और तकनीकों की आलोचनात्मक समीक्षा करने का एक प्रयास है। इसका मूल उद्देश्य योजना निर्माण के लिए वर्तमान संदर्भ स्थितियों और संस्थागत, तकनीकी और अन्य बाधाओं को समझना और यह जानना है कि आर.एम.एस.ए. संरचना को किस हद तक कार्यान्वयन के लिए समझा गया है और सैकंडरी शिक्षा की योजना और प्रबंधन के लिए जिला स्तर पर कितना लागू किया गया है।

इसके अध्ययन के अलावा जिला–स्तर पर योजना प्रक्रिया का अन्वेषण करने और डी.एस.ई.पी. के निर्माण में संस्थागत, तकनीकी और व्यावसायिक बाधाओं का आकलन करने संबंधी कोई अध्ययन उपलब्ध नहीं है। इसीलिए, अध्ययन का लक्ष्य शैक्षणिक योजना में प्रभावी डिज़ाइन और क्षमता–निर्माण गतिविधियाँ प्रदान करने हेतु प्रशिक्षकों के रूप में न्यूपा संकाय की व्यावसायिक क्षमताओं को सवंर्धित करने के लिए क्रिया–निष्ठ अनुसंधान के माध्यम में अतिरिक्त ज्ञान सृजित करना है। इस संदर्भ में, तमिलनाडु और ओडिशा में क्रिया–निष्ठ अनुसंधान कार्यान्वित किया जा रहा है। तमिलनाडू में चार जिलों (सेलम, थेनी, कुड्डुलोर, मदुरै) और ओडिशा के दो जिलों (क्योनझार और गंजाम) को अनुसंधान कार्यान्वित करने के लिए चुना गया।

अब तक, संबद्ध साहित्य की समीक्षा की जा चुकी है। अनुसंधान दल के प्रतिदर्श राज्यों में राज्य और जिला योजना दलों के साथ अंतःक्रिया के कई दौर हुए। सामान्य रूप में विद्यालय शिक्षा में, जिला योजना के और विशेष रूप में, आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत योजना के विभिन्न पहलुओ को दर्शाने के लिए दो कार्यशालाएँ और चार परामर्शी बैठके आयोजित की गईं। संरचित डी.सी.एफ.एस. तैयार किए गए और प्रयोग से पहले संगत मात्रात्मक और गुणात्मक आँकड़े एकत्रित करने के लिए उनका परीक्षण किया गया। सामूहिक कार्य, फोकस, समूह चर्चाएं, क्षेत्र अवलोकन, औपचारिक और अनौपचारिक साक्षात्कार के साथ जिला और उप–जिला स्तरीय प्रशासनिक इकाइयों और विद्यालयों के क्षेत्र के दौरे किए गए। आँकड़ों का कूट–लेखन, उनको फीड करने (feeding) और डाटा परिमार्जन (cleaning) का कार्य किया जा चुका है। टी.एस.जी., आर.एम.एस.ए., भारतीय जनगणना, एन.एस.एस.ओ. और यू.डी.आई.एस.ई. जैसे स्रोतों से एकत्रित किए गए उन आंकड़ों को संसाधित किया जा रहा है। प्रतिदर्श राज्यों के आर.एम.एस.ए. योजना दस्तावेजों की समीक्षा की गई। क्रिया–निष्ठ अनुसंधान की प्रथम अवस्था की रिर्पोट का प्रारूप तैयार किया गया। क्रिया–निष्ठ अनुसंधान की दूसरी अवस्था में अंतःक्षेप जारी हैं।

2. भारत में माध्यमिक शिक्षा के प्रसार की सीमाएँ: प्रारंभिक शिक्षा के विद्यार्थी – प्रवाह पैटर्नों और आंतरिक क्षमता का विश्लेषण

अन्वेषक : प्रो. के. बिस्वाल

यह अध्ययन 2009 में प्रो. कीथ लूइस (सुजैक विश्वविद्यालय, यू.के.) द्वारा और न्यूपा दल द्वारा आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत भारत में सैकेंडरी शिक्षा के प्रसार के लिए नीति–मार्गदर्शक नोट तैयार करते समय किए गए पिछले कार्य का विस्तार है। इस अनुसंधान का लक्ष्य प्राथमिक से उच्च प्राथमिक और उच्च प्राथमिक से सैकेंडरी स्तरों में संक्रमण दरों के सम्भावित विकास को ध्यान में रख कर सैकेंडरी विद्यालय में प्रारंभिक स्तर के माध्यम से राज्यवार प्रवाह दरों का आंकलन करना है। यह लक्ष्य यू.डी.आई.एस.ई. आंकडे और अखिल भारतीय

विद्यालय शिक्षा सर्वेक्षण (ए.आई.एस.ई.एस.), मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रकाशनों, भारतीय जनगणना इत्यादि जैसे अन्य स्रोतों के आंकडों का प्रयोग कर प्राप्त किया जा सकता है। अध्ययन में विद्यालयी शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी प्रवाह का आकलन करने के लिए ओडिसा और तमिलनाडू को दो प्रतिदर्श राज्यों के रूप में लिया गया है।

इस अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

(i) ग्रेड 10 को आधार बनाकर ग्रेड 1 से विद्यार्थी प्रवाह के गतिकी को समझना चूँकि ये सैकेंडरी विद्यालय के प्रसार की गतिकी और लागतों को प्रभावित करते हैं।

(ii) विद्यार्थी प्रवाह प्रतिमानों पर आधारित राज्यों और जनसंख्या उप–समूहों के समूहों की पहचान करना/पता लगाना जिन्हें नियत लक्ष्यों को प्राप्ति की संभावना के विभिन्न स्तरों को दर्शाने के लिए वर्गीकृत किया जा सकता है।

(iii) आर.एम.एस.ए. और प्रेरित विद्यार्थी प्रवाह द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों के बीच अंतराल का पता लगाना और पता लगाई गई वृद्धि पर इन्हें मुख्य बाधाओं से संबद्ध करना।

(iv) सैकेंडरी विद्यालय के प्रसार की विभेदक दरों की लागतों और निहितार्थों (आशयों) का आकलन करना और सैकेंडरी शिक्षा की क्षमता में विस्तार के लिए निवेश के वर्तमान स्तरों के साथ इनकी तुलना करना।

(v) विभिन्न समुदायों में सैकेंडरी विद्यालय की पहुँच को विस्तृत करने के लिए आपूर्ति और मांग को आकार देने वाले तथा प्रभावित करने वाले घटकों को समझने के लिए केस अध्ययनों और लक्ष्यानुसरण अध्ययनों (अवस्था 2 में) की योजना बनाना व उन्हें प्रारंभ करना।

अभी, संगत आंकड़े एकत्रित किए जा रहे हैं, और संबद्ध साहित्य की समीक्षा की जा रही है। गौण आंकड़ों के आधार पर, मुख्यतः यू.डी.आई.एस.ई. और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रकाशनों और भारतीय जनगणना, के आंकड़ो से तमिलनाडू के लिए प्रक्षेपण मॉडल के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

3. उच्च शैक्षणिक प्रवर्जन के कारणों और परिणामों के स्थानिक परिप्रेक्ष्यः हिमालय प्रदेश का केस अध्ययन

अन्वेषक : डॉ. सुमन नेगी

संबद्ध साहित्य की समीक्षा और आंकड़े एकत्रित करने का कार्य प्रगति पर है। गौण आंकडों के आधार पर अध्ययन क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक और शिक्षा प्रोफाइल के दो अध्ययनों की रूपरेखा का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। प्रवर्जन से संबंधित आंकड़े (जनसंख्या 2011 की तालिका डी2 और डी3) पूरी हो चुकी हैं। डी 4 की प्रवर्जन तालिकाओं की छंटाई का कार्य चल रहा है। सभी राज्यों के लिए अंतिम तालिकाएं बनाई जा चुकी हैं। प्रश्नावलियाँ तैयार हो चुकी हैं और कुल्लू जिले के दो गाँवों में स्वचालित है। क्षेत्र कार्य नवम्बर 2014 को पूरा हो गया था। पहले पाँच अध्यनों के प्रारूप की रूपरेखा का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्यतः प्राथमिक आंकडे का विश्लेषण चल रहा है। दो जिलों से एकत्रित किए गए आंकड़ों से एम.एस.एक्सेल में डाल दिया गया है। एस.पी. एस.एस. में आंकड़ा परिमार्जन, छंटाई और कोडिंग का कार्य प्रगति पर है।

4. जेंडर पर एक शिक्षा–एटलस : एक जिला–स्तरीय प्रस्तुति

अन्वेषक : डॉ. सुमन नेगी और प्रो. मोना खरे

मानचित्र उपयोगी सूचना का दृश्य रूप प्रस्तुतिकरण है, जो विचारों और डिज़ाइनों को अभिव्यक्त करते हैं। आकड़ों की श्रृंखला (सीरिज़) के रूप में स्थानिक सूचना के प्रतिरूप और उन्हें संगठित करने के लिए ये एक प्रभावी रूपक प्रदान करते हैं। आज शिक्षा और शिक्षण संसाधनों में/के रूप में इन भौगोलिक या बिम्ब निरूपणों का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। 'मानचित्र' साधन के महत्व के मद्देनज़र 'मानचित्र' के माध्यम से विभिन्न चीज़ों के लिए सूचना की प्रस्तुति की जा सकती है, इनमें एक शिक्षा और उससे संबद्ध घटक भी है जिन्हें इस माध्यम के द्वारा अभिव्यक्त किया जा सकता है।

इस शैक्षणिक आंकडे के प्रसार को आगे बढ़ावा देने के लिए सूचना प्रसार के अन्य पूरक तरीकों का भी अन्वेषण किया जा सकता है। इनमें एक है जी.आई.एस. और एटलस के रूप में मानचित्र आधारित सूचना–प्रसार, जो विश्व भर में एक प्रभावी माध्यम है।

भारत जैसे विविधता वाले देश में असंख्य विषमताओं और भेदभाव के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जेंडर असमानता प्रमुख क्षेत्रों में से एक हैं, जहाँ समूचे सामाजिक–आर्थिक पहलुओं में विषमता दृष्टिगत होती है और इस प्रक्रिया में शिक्षा भी पीछे नहीं है। शैक्षणिक विकास के विभिन्न पहलुओं में संबंधित आंकड़े पहुँच (सुलभता) और सामाजिक के संदर्भ में जेंडर में व्याप्त भिन्नताओं को दर्शाते हैं, और यह पहलू ग्रामीण जनसमूह, उपेक्षित जातियों और दूरस्थ क्षेत्रों में ज्यादा दृष्टिगत होता है।

इस संबंध में, इस अध्ययन में उन शिक्षा आंकड़ों को उपयोग करने का प्रयास किया गया है जिन्हें न्यूपा एकत्रित व समेकित करता है और पूरे भारत के विभिन्न जिलों में इन जेंडर–अंतरालों को सुव्यवथित करता है। प्रदर्शित सूचकों की पुष्टि के लिए आंकड़ा निरूपणों के अन्य रूपों के साथ एक संक्षिप्त विश्लेषणात्मक नोट भी प्रदान किया जाएगा। यह पहल शैक्षणिक योजना, नीति–निर्माण, शिक्षकों और अनुसंधान में जुड़े व्यक्तियों को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। अनुसंधान प्रक्रिया में योगदान और इसके परिणाम मुख्यतः आँकड़ा समुच्चयों, के माध्यम में निरुपित किए गए। यहाँ हमारा उद्देश्य शैक्षणिक विकास के इन सूक्ष्म भेदों को दर्शाना और मानचित्र साधनों का प्रयोग करके इसे मानचित्रों द्वारा निरूपित करना है।

उद्देश्य और अपेक्षित परिणाम

अध्ययन का विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं :

(i) जेंडर से जुड़े चयनित सूचकों को निरूपित करने के लिए डी.आई.एस.आर. और यू.डी.आई.एस.ई. आंकड़ों का प्रयोग करना।

(ii) राष्ट्रीय स्तर पर कुछ कालसापेक्ष (कालिक) प्रवृत्तियाँ को निरूपित करना।

(iii) सांख्यिकीय रूप में परिकलित आंकड़ा प्रवृत्यिों को भी निरूपित करना।

क्रिया–विधि

यूनिसेफ द्वारा तैयार की गई डी.ई.वी.इन्फो. (DevInfo) प्रणाली का प्रयोग करके मानचित्र बनाए जाएँगे। जिला इस साफ्टवेयर में उपलब्ध सीमाओं का तीसरा और निम्नतम स्तर है और इस विशिष्ट अध्ययन में आंकड़े इस और इससे ऊपर के स्तर को निरुपित कर रहे हैं। न्यूपा के ई.एम.आई.एस. विभाग को यह सॉफ्टवेयर यूनिसेफ द्वारा प्रदान किया गया है और इस परियोजना के लिए इसे साझा करने के लिए तैयार है। डी.आई.एस.ई. और यू.डी.आई.एस.ई. आंकड़ों का प्रयोग उन विभिन्न चुने गए सूचकों को निरुपित करने के लिए किया जाएगा जो शैक्षणिक पहुँच और सहभागिता में जेंडर अंतराल को व्यक्त करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर सूचकों और संबद्ध सूचकों से संबंधित कालिक प्रवृत्तियों के संक्षिप्त विश्लेषण का प्रयोग निरुपण के लिए भी किया जाएगा।

निरुपित किए गए कुछ सूचक निम्नलिखित हैं :

- विद्यालय शिक्षा में उत्तरजीविता दरें
- विशिष्ट आय समूहों में जनसंख्या वृद्धि
- प्रक्षेपित जनसंख्या और उसकी वृद्धि
- कुल नामांकन अनुपात
- निविल (नेट) नामांकन अनुपात
- विद्यार्थी उपलब्धि और पुनरावृत्ति
- जेंडर समता (समानता) सूचकांक

वर्तमान में आँकड़ा–संग्रहण के लिए अनिवार्य साधन विकसित किए गए हैं, और संगत आंकड़ों के संग्रहण का कार्य प्रगति पर है।

5. भारत में सैकेंडरी शिक्षा में सार्वजनिक और निजी मिश्रण : आकार, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं और प्रवेश प्रोफाइल

अन्वेषक : डॉ एन.के. मोहंती और प्रो. एस.एम. आई.ए. ज़ैदी

सामान्यतः शिक्षा में निजी क्षेत्र और शिक्षा सेवा प्रदान करने में सार्वजनिक–निजी सम्मिश्रण की भूमिका पर विचार–विमर्श (चर्चा) को ध्यान में रखते हुए इस बृहद स्तर के अध्ययन का लक्ष्य प्रबंधन और क्षेत्र द्वारा सैकेंडरी विद्यालय नेटवर्क के आकार और संरचना, सुविधाओं के संदर्भ में उनकी विशेषताओं कर्मचारी अभिविन्यास और देश भर के राज्यों की सामाजिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में विद्यार्थी प्रोफाइल पर विचार करना है। आय–वर्ग के आधार पर राज्य में जनसंख्या वितरण के लिए निजी और सार्वजनिक संस्थानों में सहभागिता दरों को संबद्ध करने का प्रयास भी किया जाएगा। यह प्रबंधन द्वारा सैकेंडरी शिक्षा में सहभागिता दरों में प्रतिमान और समानता के लिए उनके निहितार्थ ज्ञात करने में सहायक

हो सकता है, विशेष रूप से सैकेंडरी विद्यालयी प्रावधानों में क्षेत्रीय असंतुलनों पर विचार करने के लिए आर.एम. एस.ए. कार्यनीतियों और राज्य भूमिका की छानबीन करने के लिए।

उदाहरण के लिए, कुछ राज्यों (पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश) में सैकेंडरी विद्यालय नेटवर्कों के बाजार प्रेरित निर्माणों के बजाय सांस्थनिक रूप से प्रेरित निहितार्थों में जाँचने में सहायक होगा। यह अध्ययन विभिन्न राज्यों में जिस तरह से सैकेंडरी शिक्षा को व्यवस्थित और प्रदान किया जाता है, उससे संबंधी अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

विशिष्ट रूप से अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) प्रारंभिक और सैकेंडरी स्तरों पर संस्थागत मिश्रण (निजी और सार्वजनिक) के पैटर्न को स्थापित करना;

(ii) विद्यालय में उपलब्ध प्रावधानों, कर्मचारी अभिविन्यास और प्रवेश विशेषताओं द्वारा निजी और सार्वजनिक संस्थानों को रूपरेखा बनना;

(iii) विद्यालयों के मिश्रण के संदर्भ में व्यापक पहुँच के लिए आर.एम.एस.ए. हेतु निहितार्थ और समता के संभावित प्रभावो का पता लगाना; और

(iv) आर.एम.एस.ए. के तहत योजना के लिए निहितार्थ निकालना और संसाधनों का आबंटन।

अध्ययन में प्रमुख राज्यों में सैकेंडरी विद्यालय नेटवर्क की रूपरेखा बनाने का प्रयास किया जाएगा और राज्यों में सैकेंडरी शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न मॉडलों के प्रति संस्थागत और उत्तरदायी कारकों का पता लगाने का प्रयास करेगा (उदाहरण के लिए, सरकारी अ–सहायता प्राप्त संस्थानों या सहायता प्राप्त संस्थानों या सरकार द्वारा प्रबंधित संस्थानों का बड़ा हिस्सा)। यह सरकारी सहायता प्राप्त और निजी संस्थानों की रूपरेखा भी तैयार करेगा। (सैकेंडरी स्तर पर प्रवेश आकार, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और सहभागिता दरों और समूह की सामाजिक–आर्थिक विशेषताएँ के संदर्भ में)। राज्यों में सैकेंडरी शिक्षा वितरण प्रणालियों और समता व गुणवता को बेहतर बनाने के लिए उनके निहितार्थों के संबंध में अंतर्दृष्टि (जानकारी) प्रदान करेगा।

सैकेंडरी आंकड़ा विश्लेषण के आधार पर राज्यों के चयन का कार्य पहले से ही पूरा हो चुका है। संबद्ध साहित्य की समीक्षा की जा रही है। यू.डी.आई.एस.ई., एन.एस. एस.ई. और भारतीय जनगणना से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।

परियोजना का कार्य जारी है। आगामी छः महीने में यह परियोजना कार्य पूरा किया जाएगा।

6. शैक्षणिक प्रशासन का तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण

अन्वेषक : डॉ. आर.एस. त्यागी

राष्ट्रीय शैक्षणिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) दो शैक्षणिक प्रशासन सर्वेक्षण कर चुका है (पहला, 1973 में और दूसरा 1990 में), जिसमें सभी राज्यों और संघ शासित राज्यों को शामिल किया गया था। सर्वेक्षण का मूल प्रयोजन शैक्षणिक प्रशासन की प्रतिस्थिति और प्रणाली की परिवर्तनशील मांगों के प्रति अनुक्रियाशीलता की छानबीन करना था। पिछले दो दशकों के दौरान कई नीति पहलों और शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत की गई जिनके परिणामस्वरूप विभिन्न स्तरों अर्थात राज्य, क्षेत्रीय, जिला, उप–जिला और संस्थागत स्तरों, पर प्रशासनिक संरचनाओं और कार्य प्रणाली में सुधार एवं बदलाव हुए हैं। इन पहलों और अंतःक्षेपों से शैक्षणिक शासन में नए आयाम जुड़े हैं। विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक प्रशासन की स्थिति की छानबीन करने के लिए और शैक्षणिक शासन में परिवर्तनों की योजना बनाने के लिए तथा शैक्षणिक प्रशासन और शासन के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए कई विषय संबंधी अध्ययनों के लिए न्यूपा ने 2013 में तीसरा अखिल भारतीय शैक्षणिक प्रशासन सर्वेक्षण प्रारंभ किया।

सर्वेक्षण के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- सभी राज्यों और संघ राज्यों क्षेत्रों की संरचनाओं, पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संदर्भ में शैक्षणिक प्रशासन की वर्तमान प्रतिस्थिति का निरीक्षण करना;
- शैक्षणिक प्रशासन को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए पद्धति–निर्मित करने हेतु कार्यनीतियाँ तैयार करने के लिए प्रमुख मुद्दों और अंतक्षेप क्षेत्रों की पहचान करना; और
- राष्ट्रीय, राज्य और संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर विद्यालय–शिक्षा के शासन में सुधार के लिए उपाय सुझाना।

एक बड़े (बृहत्तर) सर्वेक्षण के रूप में, निम्नलिखित

अध्ययन और गतिविधियाँ की गईं:

- डॉ. आर.एस. त्यागी द्वारा केरल शैक्षणिक प्रशासन पर प्रायोगिक/अग्रगामी अध्ययन;
- डॉ. मंजू नरुला द्वारा बिहार में शैक्षणिक प्रशासन पर प्रायोगिक अध्ययन; अंतिम रूप दिए जाने की अवस्था में।
- इन प्रायोगिक अध्ययनों के आधार पर तीसरे सर्वेक्षण के लिए साधनों को अंतिम रूप दिया जा रहा है; और
- प्रो. कुमार सुरेश द्वारा मध्य प्रदेश और बिहार में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय निकायों के दायित्वों और क्षमता पर अध्ययन।

अब तक, राज्यों के साथ संस्थागत व्यवस्थाएँ की गई हैं और सर्वेक्षण करने के लिए आंकड़ा संग्रहण साधन विकसित कर लिए गए हैं। केरल और बिहार में अध्ययन की रिपोर्टों को बनाने का काम प्रगति पर है। बिहार और केरल में प्रारंभिक अध्ययन किए गए है। सर्वेक्षण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। 30 जून 2016 तक संकलित राष्ट्रीय रिपोर्ट उपलब्ध हो जाएगी।

7. मध्य प्रदेश और बिहार में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय निकायों के साझे दायित्वों और क्षमता पर अध्ययन

अन्वेषक : प्रो. कुमार सुरेश

इस अध्ययन में प्रारंभिक विद्यालयों के प्रबंधन में राज्य और स्थानीय निकायों के बीच संबंध के स्वरूप की योजना बनाने के लिए प्रमुख रूप से प्रयास किया गया हैं। संबंध की योजना बनाने के दो स्तर हैं। प्रथम स्तर पर, इसका लक्ष्य राज्य अधिनियमों, सरकारी आदेशों और परिपत्रों के माध्यम से उन्हें प्रदत शक्ति (अधिकार) और दायित्वों के आधार पर स्थानीय निकायों की सक्षमता की जाँच करना है। जाँच के दूसरे स्तर पर यह सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है कि आनुभविक रूप से बुनियादी स्थिति में स्थानीय निकायों के बीच शक्ति और दायित्वों को कितना साझा किया गया है।

चूँकि संगत अधिनियम, परिपत्र, सरकारी आदेश अध्ययन के सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक घटकों में से है, अधिकांश संबद्ध दस्तावेज़ बिहार से एकत्रित करके समीक्षा कर ली गई है। प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में राज्य और स्थानीय निकायों के बीच संबंध से संबंधित संगत आकड़े एकत्रित करने के प्रयोजन से प्रतिदर्श राज्यों में क्षेत्र दौरे किए गए। संगत आंकड़ें और सूचना को संसाधित किया जा चुका है। मसौदा रिपोर्ट लिखने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

8. आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों के गैर–नामांकन और पढ़ाई/स्कूल बीच में ही छोड़ने (Drop-out) के कारण : एक तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषक : डॉ. वी.पी.एस. राजू

इस अध्ययन का मुख्य लक्ष्य भारत के दो राज्यों में प्रारंभिक अवस्था में मुस्लिम बच्चों के गैर–नामांकन और पढ़ाई बीच में ही छोड़ने के कारणों का पता लगाना है। तदनुसार प्रारंभिक अवस्था में मुसलमानों में गैर–नामांकन और स्कूल बीच में ही छोड़ने के कारणों के मुद्दे पर विचार करके शोध/शैक्षिक कार्य के स्वरूप का प्रारंभिक आकलन करने के लिए उपलब्ध साहित्य की समीक्षा का कार्य पूरा हो गया है। साहित्य समीक्षा दर्शाती है कि कोई भी ऐसा सारगर्भित अनुसंधान या शैक्षिक साहित्य नहीं मिला जिसमें प्रारंभिक स्तर पर मुसलमानों में गैर–नामांकन और स्कूल बीच में ही छोड़ने के विषय में काम किया हो। इसके अलावा, एन.एस.एस.ओ., डी. आई.एस.ई. और जनगणना रिपोर्टों से संगत गौण आंकड़े भी एकत्रित किए जा चुके हैं। आजकल, अनुसंधान रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने का कार्य चल रहा है। यह कार्य छः महीने में पूरा हो जाएगा।

9. भारत में इंजीनियरिंग शिक्षा की वृद्धि

अन्वेषक : प्रो. जे.बी.जी. तिलक

बी.आर.आई.सी. देशों में उच्च शिक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय तुलनात्मक अध्ययन के एक हिस्से के रूप में 2009–2010 में दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारत के लगभग 40 इंजीनियरिंग कॉलेजों और संस्थानों के बड़ी मात्रा में आंकड़े एकत्रित किए गए हैं। यह सर्वेक्षण इन संस्थानों के विद्यार्थियों की विशेषताओं, उनकी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि, उनकी शिक्षा पर व्यय और इंजीनियरिंग शिक्षा पर गुणवत्ता संबंधी प्रत्यक्ष ज्ञान संबंधी आंकडे प्रदान करता है।

विगत में भारत में ऐसे बहुत ही कम अध्ययन हुए हैं जिनमें उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण किया गया

है। निर्धारित अध्ययनों में शामिल हैं 1962 में दिल्ली विश्वविद्यालय पर वी.के.आर.वी. राव द्वारा किया गया अध्ययन, 1970 के दशको में पश्चिम बंगाल में विकास सन्याल द्वारा आई.आई.ई.पी. अध्ययन।

वित्तीयन, शुल्क, लोन और अन्य पहलुओं से संबंधित नीति–निर्माण के लिए विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि का विस्तृत विश्लेषण काफी महत्वपूर्ण होगा। अन्तर्राष्ट्रीय तुलनात्मक अध्ययन पूरा हो चुका है और अंतिम परिणाम पुस्तक के रूप में स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए। भारत पर इतनी बड़ी मात्रा में एकत्रित किए गए आंकड़ो का प्रयोग करके भारत में इंजीनियरिंग शिक्षा की वृद्धि पर अध्ययन तैयार किया जा रहा हैं जिसमें निम्नलिखित पहलुओं पर फोकस किया गया है:

- इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए वृद्धि : सार्वजनिक और निजी
- इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में कौन से विद्यार्थी जाते हैं
- इंजीनियरिंग शिक्षा की माँग के निर्धारकों की छानबीन करना
- प्राइवेट शिक्षा की वृद्धि को स्पष्ट करने वाले कारक
- इंजीनियरिंग शिक्षा की लागतें (घरेलू और निजी)

अध्ययन की रिपोर्ट लिखने का कार्य प्रगति पर है; कुछ अध्यायों के प्रारूप पूरे हो चुके है और शेष पर कार्य चल रहा है। अध्ययन पूरा करने में और चार महीने का समय लगेगा।

10. शिक्षा ऋणों पर ब्याज–आर्थिक सहायता की केन्द्र–सेक्टर योजना का मूल्यांकन : लाभार्थियों के सामाजिक–आर्थिक प्रोफाइल का एक विश्लेषण

अन्वेषक : डॉ. गीता रानी

भारत सरकार ने अपने वर्ष 2009–10 के संघ बजट में भारतीय बैंक एसोसिएशन की शिक्षा लोन योजना के तहत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंको में लिए गए लोनों को कवर (वसूली) करने के लिए अधिस्थगन अवधि के दौरान ब्याज आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए एक पूरक योजना प्रारंभ की। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने ब्याज आर्थिक सहायता योजना प्रारंभ की जिसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सहायता करना है। योजना के पूरक उद्देश्य है समानता सार्वजनिक जवाबदेही और नवप्रर्वतन को संवर्धित करना। यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए है जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हैं (जिनकी पैतृक आय प्रतिवर्ष 4–5 लाख से कम है) और उच्च शिक्षा की आकांक्षा रखते हैं।

इस मूल्यांकन का उद्देश्य यह जानना है कि शिक्षा लोन पर केन्द्रीय सेक्टर की ब्याज आर्थिक सहायता योजना से कौन लाभान्वित होते हैं। तदनुसार इस मूल्यांकन से निम्नलिखित शोध प्रश्न उठते हैं:

- सामाजिक समूहों को प्रदान की गई (द्वारा ली गई) ब्याज आर्थिक सहायता में क्या कोई विसंगति है?
- आर्थिक समूहों को प्रदान की गई आर्थिक सहायता में क्या कोई विसंगति है?
- राज्यों को प्रदान की गई ब्याज आर्थिक सहायता में क्या कोई विसंगति है?
- बैंकों को प्रदान की गई ब्याज आर्थिक सहायता में क्या कोई विसंगति है?

इस मूल्यांकन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- समूह द्वारा प्राप्त की गई ब्याज आर्थिक सहायता में असमानता की छानबीन करना।
- समूह द्वारा प्राप्त की गई ब्याज आर्थिक सहायता के वितरण की छानबीन करना।
- समूह द्वारा प्राप्त की गई ब्याज आर्थिक सहायता में विसंगति का आकलन करना।
- समूह द्वारा प्राप्त की गई ब्याज आर्थिक सहायता में भिन्नताओं का विश्लेषण करना।

बैंकों से प्राप्त किए गए आंकडें इसमें प्रस्तावित अनुसंधान प्रश्नों और उद्देश्यों की छानबीन करने में प्रयुक्त होंगे। अब तक संगत आंकड़े एकत्रित किए जा चुके हैं। आंकड़ा–परिमार्जन और एकरूपता की जाँच का कार्य प्रगति पर है।

11. चुने गए राज्यों में मुक्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत निजी विद्यालयों में कमजोर वर्गों और सुविधावंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों के सांविधानिक प्रावधान का अध्ययन

अन्वेषक : प्रो. अविनाश कुमार सिंह

मुक्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आर. टी.ई.) के कार्यान्वयन के साथ अधिनियम की धारा 12(1) (सी) के अंतर्गत राज्यों में निजी सहायता प्राप्त प्रारंभिक विद्यालयों में कमजोर वर्गों और सुविधावंचित समूहों के बच्चों के लिए 25% निःशुल्क सीटें प्रदान करनी प्रारंभ कर दी हैं। यद्यपि अधिनियम के कार्यान्वयन का यह चौथा वर्ष है फिर भी प्रावधानों से संबंधित नियमों और विनियमों को कार्यान्वित करने के संबंध में कार्यकर्ताओं को ज्यादा स्पष्ट जानकारी नहीं है। उदाहरण के लिए, बच्चों की पहचान करने और चयन के लिए पात्रता मानदंड का अनुसरण कैसे किया जा रहा है? विभिन्न राज्यों में निजी विद्यालय संविधानिक प्रतिबद्धताओं और प्रावधानों को पूरा करने के लिए नियमों और विनियमों का अनुसरण किस प्रकार कर रहे हैं? इन अधिकारो को प्राप्त करने के लिए बच्चों और अभिभावकों को किन समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? आर.टी.ई. प्रावधान के कार्यान्वयन में अंतर और अंतरा राज्य दोनों में भिन्नताओं की सूचना है। इस संदर्भ में, देश के पाँच अलग–अलग जोनों में व्याप्त 10 चुने गए राज्यों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत सुविधावंचित बच्चों की शिक्षा की नीति और पद्धति (प्रचलन) की समझ को विकसित करने के लिए अन्वेषी अध्ययन का आयोजन किया जा रहा है। इस अध्ययन के मुख्य उद्देश्य हैं (क) नीति और पद्धति के संदर्भ में विभिन्न राज्यों में आर.टी.ई. अधिनियम के तहत आरक्षण प्रावधान के कार्यान्वयन का स्वरूप और सीमा का निर्धारण करना; (ख) सुविधावंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की श्रेणियों के बच्चों और माता–पिता में आरक्षण प्रावधानों संबंधी जागरूकता के स्तर का पता लगाना; (ग) विद्यालय और कक्षा में विविध सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों के समायोजन से संबंधित मुद्दों की जाँच करना; (घ) विभिन्न राज्यों के विद्यालयों में आरक्षण प्रावधानों के कार्यान्वयन के संबंध में नवीन प्रचलनों का पता लगाना; (ड.) विभिन्न सहयोगियों (स्टैकहोल्डर्स), माता–पिता, बच्चों, अध्यापकों और शिक्षा कार्यकर्ताओं को आर.टी. ई. प्रावधानों के कार्यान्वयन में जो समस्याएँ और बाधाएँ आती है उनका पता लगाना; और (च) निजी विद्यालयों में आरक्षण संबंधी आर.टी.ई. प्रावधान की योजना और कार्यान्वयन को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए उपुयक्त उपाय सुझाना।

उपर्युक्त अनुसंधान परियोजना कार्यान्वयन की प्रारंभिक अवस्था है जिसके अंतर्गत अनुसंधान साधनों के वर्ण्य–विषय और विकास से संबंधित साहित्य का संकलन और समीक्षा शामिल हैं।

इसके अलावा, आंकड़ें एकत्रित करने के साधनों के फॉर्मेट तैयार हो रहे हैं, निम्नलिखित साधन डिज़ाइन किए गए:

- घरेलू/पारिवारिक सूचना अनुसूचियाँ
- विद्यालय सूचना अनुसूची
- मुख्याध्यापक और अन्य अध्यापकों के लिए अनुसूची
- सुविधावंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए अनुसूची
- इन बच्चों और अन्य समुदाय सदस्यों के माता–पिता के लिए अनुसूचियाँ
- विद्यालय संचालन समितियों के सदस्यों के लिए अनुसूचियाँ
- विभिन्न स्तरों (समूह, खंड, जिला, राज्य) पर शिक्षा कार्यकर्ताओं के लिए जाँच सूचियाँ यह अध्ययन जारी है।

12. विद्यालयों में 'विशिष्ट सीखने की अक्षमता वाले (अधिगम अशक्तता)' बच्चों के समावेशन के लिए नीति और पद्धतियों (प्रचलनों) का एक अध्ययन

अन्वेषक : डॉ. वीरा गुप्ता

विद्यालय शिक्षा में बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली अक्षमताओं के विभिन्न स्वरूप के प्रति बढ़ती जागरूकता से अधिगम अक्षमता शिक्षा और नीति सरोकार के महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरी है। आर.टी.ई. अधिनियम 2009 और पी.डब्ल्यू.डी. विधेयक–2012, दोनों ने समस्या से निपटने के लिए अपने कार्यक्षेत्र में अधिगम अशक्तता को शामिल किया है। यद्यपि प्रयास किए जा रहे हैं तथापि नीति निर्धारण (आकलन) और कार्यक्रम संबंधी अंतःक्षेपों के संबंध में संस्थागत और विद्यालय स्तरों पर ज्यादा स्पष्टता नहीं है। अधिगम अक्षमता के स्वरूप और सीमा के संबंध में राज्यों में अत्यधिक भिन्नता है। अड़मान निकोबार में 0% एस.एल.डी. है जबकि गोवा में 45% एस.एल.डी है (डी.आई.एस.ई., 2011–12)। यह समझने की जरुरत है कि नीति और प्रचलनों के संदर्भ

में अधिगम–विशिष्ट अशक्तता से संबद्ध वर्तमान और उभरने वाली समस्याओं से निपटने के लिए विद्यालय और संस्थागत स्तरों पर अधिगम अशक्तता की संकल्पना किस प्रकार संचालित है। प्रस्तावित अनुसंधान इस दिशा में एक वास्तविक कदम है। तथापि भारत में एस.एल.डी. पर नीति नवजात अवस्था में है, क्षेत्र में उपलब्ध सर्वोत्तम प्रचलनों के साक्ष्य एकत्रित करने के लिए समन्वेषी अध्ययनों की आवश्यकता है।

प्रस्तावित अध्ययन का लक्ष्य नीति और नीति–क्रिया–विधियों के निर्माण के लिए साक्ष्य फीड करने के उद्देश्य से आधारभूत स्तर पर यथार्थता का पता लगाना है। इसलिए, अध्ययन में प्रस्तावित है कि डिसलेक्सिया के विशेष संदर्भ में स्कूली शिक्षा में अधिगम अशक्तता वाले बच्चों को समावेशित करने की नीति और अभ्यास की छानबीन की जाए।

इस अध्ययन के मुख्य लक्ष्य हैं:

(क) अधिगम विशिष्ट अक्षमता की समस्या का स्वरूप और सीमा तथा नीतियों और पद्धतियों के संदर्भ में अनुसरणशील कार्यक्रम अंतःक्षेपों को सुनिश्चित करना।

(ख) भारत के विशिष्ट राज्यों में एस.एल.डी. की पहचान, परामर्श और शैक्षिक अंतःक्षेप के लिए राज्य व जिला स्तरीय नीतियों और व्यवहारों का अध्ययन करना।

(ग) एस.एल.डी. से अधिगगम परिणामों पर कार्यक्रम अंतःक्षेपों के प्रभाव और क्षेत्र में उपलब्ध सर्वोत्तम प्रचलनों संबंधी दस्तावेज का अध्ययन करना।

(घ) आकलन, निदान, शिक्षण नीतियों और कार्यक्रम प्रावधानों के लिए एस.एल.डी. पर नीति–निर्धारण के लिए योगदान (आगत) प्रदान करना।

यह अध्ययन बी.आर.सी. और विद्यालय स्तर पर गौण दस्तावेजों के विश्लेषण और क्षेत्र आधारित अनुभवजन्य (आनुभविक) आंकड़े दोनों के सम्मिश्रण पर आधारित है। इसमें एस.एल.डी. की पहचान, आकलन और अंतःक्षेपों के लिए जिलों, बी.आर.सी. और विद्यालयों की संबद्ध राज्य सरकारों द्वारा जारी मार्गदर्शी निर्देशों, परिपत्रों और आदेशों का विश्लेषण किया जाएगा। इसके अलावा प्रचालन संबंधी वास्तविकताओं को सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र आधारित अनुभवजन्य आंकड़ा एकत्रित किया जाएगा, उसका विश्लेषण किया जाएगा। विद्यालय आधारित अनुसंधान आंकड़े चुने गए विद्यालयों से एकत्रित किए जाएंगे। आंकड़े अवलोकन और साक्षात्कार अनुसूचियों की सहायता से एकत्रित किए जाएंगे। ये अध्यापकों, परामर्शदाताओं और विद्यार्थियों के लिए तैयार किए जाएंगे। क्षेत्र आधारित आंकडे 30 विद्यालयों से एकत्रित किए जाएंगे।

वर्तमान में रिपोर्ट का प्रारूप तैयार किया जा रहा है।

13. आर.टी.ई. के अंतर्गत समता का पुनर्मूल्यांकनः नीति परिप्रेक्ष्य और लोकप्रिय

अन्वेषक : डॉ. नरेश कुमार

इस अध्ययन का आशय क्षेत्र के सामाजिक प्रत्यक्ष को ध्यान में रखकर समता के विचार में बहुमूल्य अंतर्दृष्टियों को जोड़ना है। इस प्रयोजन के लिए आर.टी.ई. के अंतर्गत प्रदत्त समता प्रावधान मुख्य केन्द्र बिंदु होंगे। इस मुद्दे पर अत्यधिक अस्पष्टता होने के बावजूद समता पर 'सामाजिक प्रत्यक्ष' की प्रासंगिकता का महत्व बढ़ा है। इस प्रवृति में विभिन्न प्रावधानों वाला आर.टी.ई. अधिनियम 6–14 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए साम्यिक शिक्षा निष्पादित करने के लिए अत्यंत समग्र संरचना प्रदान करता है। विभिन्न समावेशी प्रावधानों वाला आर.टी.ई. अधिनियम शिक्षा में समानता की प्राप्ति के लिए पिछले सभी प्रयासों से सार्थक गुणात्मक रूप में हटने को प्रतिबिंबित है। स्वतंत्रता के पश्चात भारत में आर.टी.ई. अधिनियम से पहले कोई ऐसी नीति/कार्यक्रम नहीं है जो समता के विचार को इतने मूलरूप में प्रस्तुत करता है।

इस अध्ययन का लक्ष्य एक व्यापक संरचना तैयार करना और शिक्षा में समता के विषय में उत्तर देने वालों (प्रत्यर्थियों) के शैक्षिक अनुभवों और संबद्ध सामाजिक दृष्टिकोणों को ध्यान में रखना है। 'शिक्षा में समता' को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न सहयोगियों के दृष्टिकोण (प्रत्यक्ष ज्ञान) को समझना भी शामिल है। इस तरह, इस शोध में इन प्रत्यक्ष ज्ञानों के लिए आधार बनाने वाले मानदंड का पता चल सकेगा।

सामान्यतः अनुसंधान का मुख्य लक्ष्य नीति परिप्रेक्ष्यों और सामाजिक प्रत्यक्ष ज्ञान के अध्ययन में शिक्षा में समता की तुलनात्मक जानकारी तक पहुँचना और विशिष्ट संदर्भों में आर.टी.ई. के अंतर्गत समता प्रावधानों पर सामाजिक प्रत्यक्ष को समझना है। इस अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य

निम्नलिखित हैं:

- सामाजिक प्रत्यक्ष ज्ञान से आर.टी.ई. के अंतर्गत 'साम्यिक शिक्षा' के विचार को समझना
- आर.टी.ई. प्रावधानों (सम्मिश्र कक्षा, समीपस्थ शिक्षा/स्कूल) और शिक्षा में समता के बीच संबंध को समझना
- 'आर.टी.ई. अधिनियम' द्वारा दिए गए और 'लोगों द्वारा अपेक्षित' के रूप में समता के अर्थ में अंतर को समझना
- साम्यिक शिक्षा नीति से लोगों की मुख्य अपेक्षाओं का पता लगाना।

अब तक संबद्ध साहित्य की समीक्षा की जा चुकी है। परियोजना वर्ण्य–विषय से संबद्ध दस्तावेज पर प्रस्ताव आलेख तैयार किया गया है सितंबर 2016 तक इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी जाएगी।

14. भारत के शहरी स्लमों के बच्चों की शिक्षा में सहभागिता का समीक्षात्मक आंकलन (मूल्यांकन)

अन्वेषक : डॉ. सुनीता बुध

इस अध्ययन में भारत के चुने गए दस शहरो के स्लमों में जीवन यापन कर रहे बच्चों की शैक्षणिक स्थिति का आंकलन करने का प्रयास किया गया है। इस अध्ययन में विशेष रूप से यह छानबीन करने का प्रयास किया गया है कि क्या राज्य चुने गए स्लम क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था कर रहा है या नहीं, विशेषतौर पर आर.टी.ई. 2009 अधिनियम के संदर्भ में। इस अध्ययन से अपेक्षा है कि इसमें उन मुद्दों/व्यवधानों का पता लगाया जाए जो आर.टी.ई. 2009 अधिनियम के अधिदेश को पूरा करने में बाधक हैं।

- शहरी क्षेत्रों और स्लम क्षेत्रों दोनों में सुलभता (पहुंच) और गुणवत्ता प्रावधान पर केन्द्रित करते हुए प्रारंभिक शिक्षा की वर्तमान स्थिति की जानकारी हासिल करना;
- चुने गए स्लम क्षेत्रों में रह रहे बच्चों के लिए समीपस्थ (नजदीकी) विद्यालयी में कितनी सुविधाएं उपलब्ध हैं छानबीन करना;
- प्रावधान और विद्यालयों में बच्चों की सहभागिता में विविधता का अन्वेषण करना;
- विविधीकृत प्रावधान में बच्चों की सहभागिता को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान करना;
- शिक्षा के सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों के प्रति अभिभावकों की मनोवृत्ति का पता लगाना;
- विद्यालय से बाहर के बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रावधान का पता लगाना;
- प्रारंभिक शिक्षा चक्र (सत्र) में नामांकन, प्रतिधारण और समापन को सुनिश्चित करने में एस.एम.सी. की भूमिका की छानबीन करना।

चूँकि यह अध्ययन शहरी क्षेत्रों से संबंधित है, अतः जनगणना, एन.एस.एस.ओ. जैसे गौण स्रोतों से एकत्रित किए गए आंकड़े और गौण स्रोतों पर आधारित चुने गए शहरों का शैक्षिक प्रोफाइल तैयार किया गया है। संगत अध्ययनों की समीक्षा की जा रही है और काफी अध्ययनों की समीक्षा की जा चुकी है।

आंकड़े एकत्रित करने में सहायता के लिए शहर के स्तर पर कुछ नोडल संस्थान और मुख्य व्यक्तियों की पहचान की गई है। आंकड़ा–संग्रहण के साधन तैयार किए जा रहे हैं। आंकड़ा–संग्रहण के लिए प्रतिदर्श डिज़ाइन और साधनों को अंतिम रूप देने के लिए सारे नगर समन्वयकों के साथ परामर्शी बैठक आयोजित की जा रही है।

अब तक, संबद्ध साहित्य की समीक्षा पूरी हो चुकी है। आंकड़ा–संग्रहण के लिए साधन विकसित किए जा चुके हैं। क्षेत्र कार्य प्रगति पर है।

15. उच्च शिक्षा में वित्तीयन और सामर्थ्य (यू.जी.सी. से फंड प्राप्त)

अन्वेषक : प्रो. सुधांशु भूषण

विस्तार और गुणवत्ता सुधार के परिणामस्वरूप, जब सामर्थ्य का मुद्दा आता है तब उच्च शिक्षा में नीति एक कठिन कार्य हो जाता है। एक ओर सार्वजनिक व्यय निर्णायक है और निर्धनों के लिए संसाधन जुटाने और लक्ष्य आर्थिक सहायता प्रदान करने के तरीकों का पता लगाना होगा, यहाँ उच्च शिक्षा के प्राइवेट वित्तीय का प्रश्न उठता है। उच्च शिक्षा के पारिवारिक वित्तीयन को निजीकरण की ओर बढ़ती प्रवृत्तियों के मद्दे नज़र महत्व प्राप्त हुआ है। उच्च शिक्षा के निजीकरण के कारण शुल्क बढ़ने की प्रवृत्तियों से उच्च शिक्षा में पैसा लगाने के कारण पारिवारिक बोझ बढ़ा है।

इसी से सामर्थ्यता का मुद्दा उठता है। इसके बदले सामर्थ्यता से पहुँच तथा विषयों की पसंद और पर इसका प्रभाव पड़ा है। भिन्न–भिन्न सामाजिक और आर्थिक समूहों में सामर्थ्य के संबंध में भी अलग–अलग प्रवृत्तियाँ हो सकती हैं। शहरी और ग्रामीण संदर्भों व विभिन्न व्यवसाय श्रेणियों में अंतर हो सकता है। उपर्युक्त को देखते हुए, अनुसंधान परियोजना का मुख्य लक्ष्य निजीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के संदर्भ में सामर्थ्य का अध्ययन करना है।

आजकल, अनुसंधान रिपोर्ट का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। जून 2016 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की संभावना है।

16. भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता

अन्वेषक : डॉ नीरू स्नेही

उच्च शिक्षा संसधानों की स्वायत्तता का मुद्दा भारतीय उच्च शिक्षा पद्धति में सुधारों को प्रस्तुत करने के लिए कार्यसूची का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। स्वायत्तता प्रदान करना ऐसा सूचित करता प्रतीत होता है कि स्वायत्तता असंख्य समस्याओं का सामना करने वालों के लिए रामबाण है। इस परियोजना का लक्ष्य इस बात का अन्वेषण करना है कि सामान्य रूप में स्वायत्तता किस हद तक भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रचलित है अर्थात विशेष रूप से स्नातकपूर्व कॉलेजों। कितनी स्वायत्तता प्रदान की जानी चाहिए; क्या कॉलेजों के लिए स्वायत्तता होनी चाहिए; किस वर्ग–प्रबंधन, अध्यापक, विद्यार्थी को स्वायत्ता दी जानी चाहिए और केन्द्र, राज्य, विश्वविद्यालय, यू.जी.सी. किससे स्वायत्तता मिलनी चाहिए?

इन्हीं लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए इन अध्ययन को मुख्य उद्देश्य है उच्च शिक्षा संस्थानों की कार्य–पद्धति में स्वायत्तता की भूमिका को जानना है। विशिष्ट रूप में स्नातकपूर्व संस्थानों में, स्नातकपूर्व संस्थानों को स्वायत्तता प्रदान करने में स्टैकहोल्डरों की भूमिका की छानबीन करना, संबद्ध कॉलेजों व स्वायत्त संबद्ध कॉलेजों की कार्यपद्धति का विश्लेषण व तुलना करना, और स्वायत्त और गैर–स्वायत्त संबद्ध कॉलेजों की कार्य–पद्धति के अनुभवों के प्रलेख देना।

इस परियोजना की कार्य–पद्धति उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता की संकल्पना, स्वायत्तता प्रदान करने में स्टैकहोल्डरों की भूमिका, विभिन्न संस्थानों की कार्य–पद्धति में विद्यमान स्वायत्तता के प्रभाव को समझने के लक्ष्य पर आधारित है। अध्ययन में विषयवस्तु विश्लेषण और तुलनात्मक अध्ययन का मिश्रण है। इस संबंध में विश्वविद्यालय और उनके कॉलेजों के अधिनियमों, संविधियों और अध्यादेशों के साथ–साथ विश्वविद्यालयों के लिए राज्यों के अधिनियमों और संविधियों का विश्लेषण किया जा रहा है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा पद्धति में स्वायत्तता की संकल्पना के विकास का विश्लेषण किया जा रहा है।

इस संबंध में गौण आंकड़ों की समीक्षा जारी है जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों, शोध–लेखनों और विभिन्न पुस्तकों की विषयवस्तुओं का विश्लेषण करना भी शामिल है। इसके अलावा, क्षेत्र कार्य भी इस परियोजना की अनिवार्यता है जिसके लिए प्रश्नावलियों का पहला सैट तैयार किया जा रहा है। गौण आंकड़ों के विश्लेषण का कार्य प्रगति पर है।

17. विद्यालय शिक्षा की भू–स्थानिक सूचना प्रणाली पर एक प्रायोगिक अध्ययन

अन्वेषक : अनुगुला एन.रेड्डी

विद्यालय शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली विकसित करने की इस प्रायोगिक परियोजना के दो लक्ष्य हैं। पहला लक्ष्य विद्यालयों को भू–स्थानिक आंकड़ों को एकत्रित करने और शैक्षणिक योजना और मॉनीटरिंग में उनका प्रयोग करने हेतु विद्यालय शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणालियाँ विकसित करने में विभिन्न राज्य सरकारों के अनुभवों की समीक्षा करना। दूसरा उद्देश्य खंडों में विद्यालय शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का आदि रूप विकसित करना और स्थानीय स्तर पर शैक्षणिक योजना में भू–स्थानिक आंकड़ों की पद्धति और अनुप्रयोग दर्शाना। जी.आई.एस. वेबसाइटों पर जाकर और वेबसाइटों की विषयवस्तुओं की छानबीन करके और विद्यालय के स्थान की योजना बनाने और मानीटरिंग के लिए प्रयोग किए जा सकने वाले विभिन्न साधनो की वेबसाइटों पर उपलब्धता की समीक्षा की जा रही है।

इसके बाद विद्यालय शिक्षा के लिए जी.आई.एस. विकसित करने के लिए अपनायी गई पद्धतियों और योजना व मॉनिटरिंग में इनका प्रयोग करने पर गहन विचार–विमर्ष

करने हेतु राज्यों के दौरे किए जाएंगे। आद्य रूप भौगोलिक सूचना प्रणाली विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हरियाणा से एकत्रित किए गए विद्यालयों के भू–स्थानिक आँकड़ें पहले से ही सुलभ हैं। इन आंकड़ों की सहायता से आद्य रूप जी.आई.एस. विकसित करने और उसे आरंभ करने की योजना बनायी गई है। अब तक, क्षेत्र कार्य पूरा हो चुका है, और आँकड़ा–विश्लेषण का कार्य चल रहा हैं।

18. अनुसूचित जाति के बच्चों में शिक्षा : राजस्थान के दो गाँवों का गहन अध्ययन

अन्वेषक : प्रो. बी.के. पांडा

स्वतंत्रता के बाद, संविधानिक लोकतंत्र ने सामाजिक–आर्थिक सीढ़ी पर आगे बढ़ने के मार्ग प्रशस्त किए है, क्योंकि अवसर की समता और सामाजिक न्याय को स्वतंत्र भारत की विकास योजना के मार्गदर्शी सिद्धांत के रूप में स्वीकार किया गया था। संविधानिक संरक्षण और बेहतर शैक्षणिक आर्थिक सुविधाओं के कारण ही यह आशा की जाती है कि यह ऊर्ध्वमुखी सामाजिक गतिशीलता के लिए प्रेरक कारक का कार्य करेगा और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों की गैर अनुसूचित आबादी के बराबर लाएगा।

अतः प्रश्न उठता है कि विद्यालय किस हद तक इन समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को बेहतर बनाने में समर्थ रहे हैं और यदि विद्यालय इन समुदाय के बच्चों को आकृष्ट करने की स्थिति में नहीं हैं तो कौन से कारक हैं जो इन समुदायों के बच्चों की शिक्षा अर्जित करने में बाधक हैं। ऐसी मान्यताओं के आधार पर अध्ययन के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों की पहचान की गई:

राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारणों को जानना;

- अनुसूचित जाति परिवारों की तुलना में समुदायों और शिक्षा के लिए उनकी वरीयता/आकांक्षा को विस्तार से समझना;
- अनुसूचित जाति के परिवारों के बच्चों में शिक्षा प्राप्त करने में आने वाले विभिन्न सामाजिक–आर्थिक व्यवधानों का पता लगाना; और
- राज्य नीतियों के उन प्रावधानों को जानना जो अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के योग्य बनाते हैं।

अब तब, समीक्षा और साधनों को विकसित करने का मूलभूत कार्य किया गया है और साधनों को आज़माने और आधारभूत आंकड़े एकत्रित करने का कार्य किया जा चुका है। अध्ययन रिपोर्ट को तैयार किया जा रहा है। अगले 5 महीने में यह अध्ययन पूरा किया जाएगा।

19. दिल्ली शाला–पूर्व शिक्षा प्रदान करने में निजी मताधिकारियों (Franchises) का अध्ययन

अन्वेषक : डॉ. सविता कौशल

इस अध्ययन का उद्देश्य चुने गए निजी मताधिकारियों (विशेषाधिकारियों) की शैक्षिक और प्रशासनिक संरचना व शासन का विश्लेषण करना है। इसके अलावा, चयनित निजी फ्रैंचाइज शालापूर्व विद्यालय में प्रवेश प्रक्रियाओं और प्रदान की गई आधारभूत सुविधाओं की छानबीन भी की जाएगी।

इन विद्यालयों में आने वाले बच्चों की पृष्ठभूमि का भी अध्ययन किया जाएगा। इसमें प्रतिदर्श विद्यालयों में अध्यापकों द्वारा अपनाई गई पाठ्यचर्चा तकनीकों का अन्वेषण किया जाएगा और प्राइवेट फ्रैंचाइज शालापूर्व विद्यालयों की कार्य पद्धति से संबंधित उपलब्धियों या कमियों, यदि कोई हों तो, का पता लगाया जाएगा।

अब तब, शालापूर्व विद्यालयों के आंकड़ें एकत्रित किए जा चुके हैं। आंकड़ों का विश्लेषण हो चुका है; और अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने का कार्य चल रहा है। और अध्ययन पूरा करने में और दो महीने का समय लगेगा।

20. ओडिसा में सैकेंडरी स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों में छात्रवृत्ति योजना और शैक्षणिक गतिशीलता का अध्ययन

अन्वेषक : डॉ. एस.के. मलिक

संविधान को अपनाने के बाद में, हम उच्च प्राथमिक शिक्षा की सर्व–व्यापकता का प्रयास कर रहे हैं। हमने नब्बे के प्रारंभिक दशक में डी.पी.ई.पी. कार्यक्रम प्रारंभ किया और 21वीं शताब्दी के प्रारंभ में सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत की ताकि देश में प्रारंभिक शिक्षा का सर्व–व्यापकीकरण किया जा सके। स्कूल बीच में छोड़ने की दर अत्यधिक है, शिक्षा की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं हैं, विद्यालय–बाह्य (Out-of-School) बच्चों की

संख्या निरंतर बढ़ रही है। सभी सुधारों के बावजूद दर अभी भी पीछे है। जहाँ तक शैक्षणिक सूचकों का संबंध है सुविधावंचित वर्गों के बच्चे अन्य समूहों से पीछे हैं। आर. टी.ई. अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक प्रारंभिक विद्यालय के लिए एस.एम.सी. निर्धारित करना अनिवार्य है। इसी तरह आर.एम.एस.ए. ने योजना, कार्यान्वयन, मॉनीटरिंग और मूल्यांकन प्रक्रिया में विद्यालय प्रबंधन समितियों और अभिभावक–अध्यापक संघ जैसे निकायों के माध्यम से सैकेंडरी शिक्षा के प्रबंधन के लिए पंचायतीराज संस्थानों और निकायों, समुदाय, अध्यापकों, अभिभावकों और अन्य सहयोगियों को शामिल किया। आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत यह सुझाव है कि राज्य लड़कियों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों जैसे सुविधावंचित समूहों के विद्यार्थियों को मुफ्त (निशुल्क) वास और आवास सुविधाएँ, छात्रवृत्ति और नकद प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए केन्द्र द्वारा प्रायोजित स्कीमों, केन्द्रीय सेक्टर की स्कीमों और राज्य स्कीमों का लाभ उठाया जाना चाहिए। अब यह अध्ययन करना महत्वपूर्ण है कि सैकेंडरी स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति कितनी सहयोगी (मददगार) है।

अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

(क) सैकेंडरी स्तर की शिक्षा समाप्त हो जाने पर छात्रवृत्ति की प्रभाविता और उच्च ग्रेडों के लिए अनुसूचित जाति के बच्चों की शैक्षणिक गतिशीलता का अध्ययन करना;

(ख) समापन दर और संक्रमण दर के संदर्भ में, योगदान और परिणामों के संबंध में स्कीमों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना;

(ग) छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यान्वयन में कार्यकर्ता जिन समस्याओं व व्यवधानों का सामना करते हैं, उनका पता लगाना

(घ) अनुसूचित जाति के बच्चों द्वारा सैकेंडरी शिक्षा पूरी न कर पाने के कारणों का पता लगाना;

(ड.) छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपायों की छानबीन करना।

यह अध्ययन ओड़ीसा राज्य में किया जा रहा है। इसमें 30 जिले हैं। इन 30 जिलों में से अनुसूचित जाति की ज्यादा आबादी वाले दो जिलों को चुनकर अध्ययन किया गया। दो जिलों में से छह खंडो का चयन किया गया। गहन अध्ययन के लिए प्रत्येक खंड में से 10 सरकारी सैकेंडरी विद्यालयों को चुना गया। इस अध्ययन के प्रत्यर्थियों में अध्यापक, मुख्यध्यापक, विद्यार्थी, प्रशासक और अभिभावक हैं।

इस अध्ययन के अंतर्गत संबंधित साहित्य का अध्ययन पूरा कर लिया गया है, आंकड़ा संग्रह के लिए आवश्यक उपकरण तैयार किए गए और अध्ययन क्षेत्र में विपरीत किए गए क्षेत्रीय कार्य जारी है।

21. विविधता और भेदभाव : नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक कार्य के लिए उच्च शिक्षा

जाँचकर्त्ता : डॉ. निधि एस. सब्बरवाल और डॉ. मलिश सी.एम.

यह अनुसंधान परियोजना छह राज्यों के 11 उच्च शिक्षा संस्थानों का केस अध्ययन है। इस अनुसंधान का लक्ष्य कॉलेज परिसरों में विविधता और भेदभाव के मुद्दे की जानकारी हासिल करना है ताकि युवाओं में लोकतांत्रिक कार्य और नागरिकता का सवंर्धित करने के लिए नीति और पद्धतियाँ विकसित की जा सके।

अनुसंधान परियोजना में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों विधियों का प्रयोग करके चुने गए 11 उच्च शिक्षा संस्थानों की गतिविधियों में विविधता की छानबीन की गई है।

इन केस अध्ययनों में बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों और संबद्ध सरकारी कॉलेजों दोनों के केस अध्ययन शामिल हैं।

यह परियोजना कार्यान्वयन अधीन है और अब तक इस अनुसंधान परियोजना की संपन्न हो चुकी गतिविधियाँ हैः

(i) अनुसंधान प्रस्ताव तैयार किया गया;

(ii) अनुसंधान प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का अयोजन;

(iii) छह अनुसंधान टीमें गठित की गई;

(iv) अनुसंधान दस्तावेज विकसित किए गए;

(v) अग्रगामी अध्ययन आयोजित किया गया;

(vi) अनुसंधान क्रिया–विधि कार्यशाला के लिए सामग्री तैयार की गई;

(vii) छह अनुसंधान टीमों के साथ अनुसंधान क्रिया–विधि

कार्यशाला आयोजित की गई; और

(viii) अनुसंधान परियोजना की शुरुआत की गई।

यह परियोजना छह राज्यों – बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में कार्यान्वित है। आंकड़ा संग्रह का कार्य पूरा हो चुका है। तालिकाएं तैयार की जा रही है। अक्टूबर 2016 तक यह अध्ययन पूरा कर लिया जाएगा।

22. भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तीयन : फंडों के प्रवाह और उनके उपयोग का एक केस अध्ययन

अन्वेषक : डॉ. जीनुशा पाणिग्रही

इस अनुसंधान का उद्देश्य संसाधन आबंटन; भारतीय संदर्भ में आय सृजन गतिविधियों के जरिए और अनुदानों के रूप में प्राप्त संसाधनों की उपयोगिता के पैटर्नों का अध्ययन करना है। अध्ययन के लक्ष्य हैं; नव उदारवादी विपणन सिद्धांत की पृष्ठभूमि में उच्च शिक्षा संस्थानों के विविधीकृत फंडों के स्रोतों का अध्ययन करना; संसाधनों की पर्याप्तता या अपर्याप्तता का विश्लेषण करना; विविध उच्च शिक्षा संसथानों द्वारा अतिरिक्त संसाधनों को जुटाने में आने वाले सापेक्षिक चुनौतियों को जानना, उन गतिविधियों का पता लगाना जो निधि की कमी के कारण आयोजित नहीं की जा सकी, उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संसाधनों के व्यय और उपयोग करने के पैटर्न का विश्लेषण करना।

यह परियोजना पाँच राज्यों – बिहार, ओड़ीसा, पंजाब, तेलंगाना और उत्तरांचल, के 10 उच्च शिक्षा संस्थानो का केस अध्ययन है।

यह परियोजना कार्यन्वित है और इस अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत संपन्न हो चुकी गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

(i) अनुसंधान प्रस्ताव तैयार किया गया,

(ii) जनवरी 2015 में परियोजना के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की गई। इस क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञ – जो शिक्षक और नीति–निर्माता हैं, विशेषज्ञ समिति का हिस्सा थे,

(iii) परियोजना के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक प्रपत्र विकसित किए गए,

(iv) मार्च 2015 में आयोजित प्रपत्रों की बैठक में प्रपत्रों पर चर्चा की गई,

(v) परियोजना को प्रारंभ करने से पूर्व अग्रगामी अध्ययन आयोजित किया गया। यह अध्ययन दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक कॉलेजों (सरकारी मान्यताप्राप्त) में से एक कॉलेज में किया गया,

(vi) अनुसंधान परियोजना प्रारंभ की गई।

अब, आंकड़ा–संग्रहण के साधनों के विकास का कार्य प्रगति पर है। यह अध्ययन नवंबर 2016 तक पूरा हो जाएगा।

23. भारत में उच्च शिक्षा का शासन और प्रबंधन

अन्वेषक : डॉ. गरिमा मलिक

इस अनुसंधान का लक्ष्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय उच्च शिक्षा कार्यों का शासन और प्रबंधन कैसे किया जाता है तथा उच्च शिक्षा संस्थान के शासन व प्रबंधन को जानना है।

अनुसंधान परियोजना के विशिष्टि उद्देश्य हैं :

(i) राष्ट्रीय, राज्य और संस्थागत स्तर पर शासन संरचना और प्रक्रियाओं के विकास पर विचार–विमर्श करना;

(ii) राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं और उनकी भूमिकाओं का अध्ययन करना और शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा निदेशालय, उच्च शिक्षा राज्य परिषदें और उच्च शिक्षा संस्थान परस्पर मिलकर कैसे कार्य करते हैं, इसका अध्ययन करना; और

(iii) विश्वविद्यालय और कॉलेजों में शासी निकायो की भूमिका और कार्य–शैली का अध्ययन करना।

संस्थागत स्तर पर उच्च शिक्षा के प्रबंधन का अध्ययन करना है।

परियोजना कार्यान्वित है और अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत पूरी की गई गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं :

(i) अनुसंधान प्रस्ताव तैयार किया गया

(ii) 4 दिसंबर, 2014 को आयोजित विशेषज्ञ समिति बैठक में प्रस्ताव की समीक्षा की गई

(iii) गुणात्मक और मात्रात्मक प्रपत्र तैयार किए गए

(iv) अनुसंधान क्रिया–विधि कार्यशाला की सामग्री तैयार की गई

(v) अनुसंधान क्रिया–विधि कार्यशाला आयोजित की गई

यह परियोजना पाँच राज्यों – हरियाणा, महाराष्ट्र,

राजस्थान, तमिलनाडू और उत्तर प्रदेश में कार्यान्वित है। वर्तमान में आंकड़ा विश्लेषण का कार्य प्रगति पर है। यह अध्ययन नवंबर 2016 तक पूरा हो जाएगा।

24. भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता : संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन

अन्वेषक : डॉ. अनुपम पचौरी

यह अनुसंधान अध्ययन एक बहु–राज्य, बहु–संस्थागत अध्ययन है और इसका लक्ष्य बाह्य गुणवत्ता आश्वासन (ई.क्यू.ए.) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (आई. क्यू.ए.) की संरचना और कार्य, उनके परस्पर संबंध और मिश्रित–विधियों की उपागम के जरिए पाँच राज्यों – कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तैलंगाना के 10 उच्च शिक्षा संस्थानों में संस्थागत स्तर पर गुणवत्ता आश्वासन के सहभागियों की सहभागिता को जानना है।

परियोजना कार्यान्वित है और अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत पूरी की गई गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं :

(i) अध्ययन के लिए अनुसंधान प्रस्ताव तैयार किया गया और 24 सितंबर, 2014 को आयोजित आंतरिक (पी.आर.एम.ई.) (विभागीय) संकाय की बैठक में प्रस्तुत किया गया;

(ii) प्रतिपुष्टि और साहित्य समीक्षा के बाद प्रस्ताव को संशोधित करके 8 जनवरी, 2015 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया;

(iii) पाँच राज्यों के पाँच विश्वविद्यालयों और चुने गए विश्वविद्यालयों से एक–एक संबद्ध कॉलेज से पाँच संस्थागत टीमें गठित की गई;

(iv) गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान प्रपत्र तैयार किए गए जिनमें विद्यार्थी और संकाय सर्वेक्षण प्रश्नावलियाँ, संकाय और विद्यार्थियों के साथ एफ.जी.डी. के लिए फोकस समूह विचार–विमर्श वर्ण्य विषय, चुने गए विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों के संस्थागत नेताओं के लिए इंटरव्यू अनुसूचियाँ शामिल हैं;

(v) अध्ययन के लिए उच्च शिक्षा में बाहरी विशेषज्ञों के विशेषज्ञ समूह/उच्च शिक्षा में अनुसंधानकर्ताओं से परामर्श करके अनुसंधान प्रपत्रों का पुनरीक्षण किया गया;

(vi) अनुसंधान क्रिया–विधि कार्यशाला आयोजित की गई;

(vii) परियोजना प्रारंभ की गई;

(viii) प्रश्नावलियों को कूटबद्ध किया जा रहा है और अनुसंधान टीमों की सुगमता के लिए कोड–पुस्तिका तैयार की जा रही है। वर्तमान में आंकड़ा विश्लेषण का कार्य जारी है। यह अध्ययन नवंबर 2016 तक पूरा हो जाएगा;

परियोजना पाँच राज्यों – कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तेलगांना में कार्यान्वित है।

25. उच्च शिक्षा में अध्ययन अध्यापन (शिक्षण–शिक्षा)

अन्वेषक : डॉ. सयांतन मंडल

परियोजना का लक्ष्य भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययन–अध्यापन के पहलुओं का विश्लेषण करना है। यह अनुसंधान परियोजना बहु–राज्य, बहु–संस्थागत अध्ययन है और इसमें छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडू और पश्चिम बंगाल प्रत्येक राज्यों से (एक विश्वविद्यालय और एक इसके संबद्ध कॉलेज) चुने उच्च शिक्षा संस्थानों में विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों अध्ययन–अध्यापन की छानबीन करने के लिए मिश्रित विधियों की उपागम का प्रयोग किया गया।

परियोजना कार्यान्वित है और अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत पूरी की गई गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं :

(i) प्रारंभिक कार्यों में अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करना सम्मिलित है;

(ii) अनुसंधान प्रपत्रों का विकास;

(iii) अनुसंधान दलों का चयन;

(iv) प्रपत्र बैठक में विशेषज्ञों के साथ विचार–विमर्श करना;

(v) परियोजना की योजना बनाना;

(vi) भारतीय उच्च शिक्षा में अध्ययन–अध्यापन पर कार्यशाला के लिए दस्तावेज तैयार किए गए;

(vii) अनुसंधान क्रिया–विधि कार्यशाला आयोजित की गई।

यह परियोजना पाँच राज्यों– छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडू और पश्चिम बंगाल में कार्यान्वित है। वर्तमान में आंकड़ा विश्लेषण का कार्य जारी है। यह अध्ययन अक्टूबर 2016 तक पूरा हो जाएगा।

4 पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नवीनतम ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्य आरंभ किए हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान और सूचना प्रलेखन और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र द्वारा वर्ष 2015–16 में की गई प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

कम्प्यूटरीकृत है। इसके लिये लिबसिस 7 साफ्टवेयर पैकेज का नवीनतम वर्ज़न का प्रयोग किया जा रहा है। न्यूपा में लैन से इंटरनेट या फिर इंटरानेट के माध्यम से सीधे या यू.आर.एल. के माध्यम से न्यूपा की वेबसाईट पर वेब ओपेक का प्रयोग करके ओपेक का उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से न्यूपा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, जर्नलों और लेखों का डाटाबेस देख सकते हैं।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने हेतु न्यूपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र डेलनेट का सदस्य हैं इससे न्यूपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र में उपलब्ध शैक्षिक योजना और प्रशासन पर वृहद रूप से उपलब्ध अमूल्य अधिकारिक दस्तावेज़ों के पहचान की सुविधा उपलब्ध हुई है। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुये सभी दस्तावेज़ों तथा रिकार्ड का डिजीटलीकरण हेतु परियोजना चलाई जा रही है। यह अपेक्षा की जा रही है कि इससे देश में शिक्षा पर वृहद ऑनलाईन अभिलेखीय सूचना उपलब्ध हो पायेगी।

डिज़ीटल संसाधनों की पहुंच

इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय तथा अनुसंधानविदों के बीच विभिन्न प्रकार की सूचना की साझेदारी, संपर्कता, सहभाजन के लिए इंटरनेट गतिविधियों को सुदृढ़ तथा विकसित किया गया है। यह सूचना तथा ज्ञान का संग्रह, सृजन, हस्तांतरण तथा एकीकरण करता है। इसके डिज़ीटल संसाधन जैसे पुस्तकें, आलेख, अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, सम्मेलन संगोष्ठी के कार्यकलाप, विख्यात शिक्षाविद् व्याख्यान श्रृंखला, दृश्य–श्रव्य व्याख्यान, समिति तथा समिति रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। यह सभी संसाधन पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र के वेब पृष्ठ [http://www.nuepa.org/libdoc/index.html] पर भी उपलब्ध हैं। प्रलेखन केन्द्र शिक्षा तथा इससे संबंधित क्षेत्रों के 11,000 दस्तावेज़ों के डिजीटल अभिलेख उपलब्ध कराता है। यह दस्तावेज़ इंटरनेट या इंटरानेट के माध्यम से [http://www.nuepa.org.archives/index.html] पर देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त नई प्राप्तियों की सूची, नए जर्नलों तथा बंद किऐ जाने वाले जर्नलों की सूची, पाक्षिकों के वर्तमान घटक; जे. स्टोर तथा ऑनलाईन जर्नल डाटाबेस का सम्पूर्ण टेक्स्ट एक्सेस; संदर्भ ग्रंथ सूची – मांग पर प्रेस कतरनें, साहित्य की खोज तथा इलैक्ट्रानिक दस्तावेज़ वितरण प्रणाली (ई.डी.डी.एस.) के लिये इंटरनेट के माध्यम से चौबीस घंटे की पहुंच पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र को विस्तारित की गई हैं। इससे अंतः पुस्तकालय ऋण तथा डेलनेट के माध्यम से पुस्तकों, दस्तावेज़ों, आलेखों, इत्यादि के लिये प्रयोगकर्त्ता की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सुदृढ़ीकरण हुआ है।

5 कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। कैम्पस नेटवर्क आधार तथा इसके सक्रिय संघटकों को कंप्यूटर केंद्र द्वारा संचालित, रखरखाव तथा नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र एन.एम. ई.आई.सी.टी परियोजना के अंतर्गत एन.के.एन. /एम.टी.एन.एल. द्वारा प्रदान की गई 1 जी.बी.पी.एस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट संपर्कता से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय में सतत रूप से हर समय इंटरनेट की संपर्कता 24x7x365 सुनिश्चित करने के लिए इंटरनेट से 10 एम.बी.पी.एस. का बैकअप की सुविधा उपलब्ध है।

कंप्यूटर केंद्र सभी स्टाफ सदस्यों, प्रशिक्षुओं, परियोजना स्टाफ, कार्यक्रम भागीदारों, अनुसंधानविदों को कंप्यूटर सुविधा तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है। नेटवर्क संसाधनों का प्रयोग करने हेतु सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय सदस्यों को उच्च गति वाली इंटरनेट संपर्कता तथा नेटवर्क प्वाइंट प्रदान किये गये हैं। न्यूपा डोमेन पर सभी स्टाफ तथा संकाय सदस्यों को व्यक्तिगत ई–मेल खाता की सुविधा दी गई है। कुलपति तथा अन्य सभी संकाय सदस्यों के निवास पर ब्राड–बैन्ड इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई गई है। सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय को डैस्कटाप/लैपटाप कंप्यूटर सुविधा दी गई है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केन्द्र पर विश्वविद्यालय के अपने कंप्यूटरों तथा संबंधित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी हैं।

कंप्यूटर केन्द्र विश्वविद्यालय की दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने हेतु सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम कंप्यूटर और प्रिंटरों तथा मल्टी–फंक्शन डिवाईज़ेज से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय के सभी तलों पर सभी कमरे नेटवर्क (विंडोज़ सर्वर 2012आर2) से जुड़े हुए हैं।

न्यूपा भवन से न्यूपा हास्टल को उच्च गति इंटरनेट संपर्कता उपलब्ध कराई गई है। न्यूपा छात्रावास के सभी तलों के कमरों में अतिथियों के लिये प्रमाणित तथा सुरक्षित वाई–फाई संपर्कता उपलब्ध–कराई गई है।

यह केंद्र अकादमिक एककों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर–अकादमिक एककों जैसे – पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/ कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लेखा अनुभाग को भी कंप्यूटर अनुप्रयोग के लिए समर्थन दिया जाता है। इसमें शामिल है, वेतन पर्ची, आयकर गणना, पेंशन, भविष्य निधि गणना आदि। इसके लिए एस.पी.एस.एस. सांख्यिकी पैकेज नेटवर्क वर्जन सर्वर के साथ स्थापित किया गया है ताकि प्रयोगकर्त्ता नेटवर्क पर गणना कर सकें। कंप्यूटर केंद्र दैनिक गतिविधियों के लिये ओपन स्रोत साफ्टवेयरों को प्रोत्साहन देता है।

विश्वविद्यालय की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आधुनिक डाटा केन्द्र स्थापित किया गया है। डाटा केन्द्र उच्च गुणवत्तायुक्त डाटा सर्वर तथा वेब सर्वर से जुड़ा है जोकि चौबीसों घंटे 24x7x365 उपभोक्ताओं के लिये ऑन–लाईन उपलब्ध है। डाटा सेंटर समर्पित समानांतर यू.पी.एस. सिस्टम से समर्थ है जो सर्वर को पावर बैक–अप प्रदान करता हैं। घरेलू डाटा सेंटर को सुदृढ़ बनाने हेतु एस.ए.एन. स्टोरेज़ के साथ ब्लेड सर्वर को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में इंटरनेट संलग्नता में वृद्धि तथा समर्थतता हेतु एवं डाटा केन्द्र का इंटरनेट लिंक हेतु बैक–अप कनेक्टिविटी के लिये 10 एम.बी.पी.एस. रेडियो फ्रीक्वेन्सी लिंक (आर.एफ. लिंक) किया गया है।

भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के फ्लैगशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत जाने–माने कार्यक्रम एकीकृत शैक्षिक जिला प्रणाली सूचना (यू–डाईस) के लिये सर्वर का रखरखाव संगणक केंद्र करता है। इसके अलावा संगणक केंद्र का डाटा केंद्र राष्ट्रीय विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन – शाला सिद्धि के राष्ट्रीय कार्यक्रम के वेब पोर्टल का रखरखाव भी करता है।

6 प्रकाशन

ELEMENTARY EDUCATION
IN INDIA
ELEMENTARY EDUCATION IN INDIA
Progress towards UEE
NUEPA
Compendium of
Research Publications and
परिप्रेक्ष्य
JOURNAL OF
EDUCATIONAL PLANNING
AND ADMINISTRATION

प्रकाशन

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रकाशन एकक विश्वविद्यालय द्वारा की गई शोध और विकास गतिविधियों के निष्कर्षों के प्रकाशन और प्रसारण द्वारा ज्ञान की साझेदारी संबंधी कार्यकलापों का अनुसमर्थन व्यापक स्तर के लिए करता रहा है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूरा करने के अनुक्रम में प्रकाशन एकक समसामयिक आलेख/जर्नल/पाक्षिक न्यूजलेटर, पुस्तकें, एम.फिल. और पी–एच.डी. की विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेण्डर प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षणों की रिपोर्टों की श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। प्रकाशन एकक कंप्यूटरों तथा प्रिंटरों से सुसज्जित है और विश्वविद्यालय के डीटीपी कार्य भी करता है।

वर्ष 2015–16 के अंतर्गत विश्वविद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले गए – जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (अंग्रेजी), परिप्रेक्ष्य (हिंदी) शिक्षा का सामाजिक–आर्थिक संदर्भ पर जर्नल और एंट्रीप न्यूज लेटर, एम.फिल तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका तथा पाठ्यचर्या गाईड। विश्वविद्यालय ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तक और मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित की। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने निम्नांकित प्रमुख प्रकाशन निकाले :

जर्नल

- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXIX, 2015 (अंक 1,2, 3 और 4)
- परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन में सामाजिक–आर्थिक संदर्भ हिन्दी जर्नल) जिल्द XXI, 2014 (अंक 1, 2 और 3)

समसामयिक आलेख:

- न्यूपा समसामयिक आलेख सं. 46: प्राईवेट युनिवर्सिटीज इन इंडिया: ग्रौथ स्टेट्स एंड कर्सन संगीता अंगोम, नई दिल्ली: न्यूपा, पृष्ठ 64

सीपीआरएचई शोध आलेख:

- सीपीआरएचई शोध आलेख 1: चैलेंज ऑफ मैसिफिकेशन ऑफ हायर एजुकेशन, एन.वी. वर्गीज, नई दिल्ली: न्यूपा पृष्ठ 52
- सीपीआरएचई शोध आलेख 2: रिफार्म इन हायर एजुकेशन इन इंडिया: ए रिव्यू आफ रिकमडेशन ऑफ कमीशन एंड कमीटीज ऑन एजुकेशन, ए. मैथ्यू, नई दिल्ली: न्यूपा, पृष्ठ 70

सशुल्क प्रकाशन:

- इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2015 (एन.वी. वर्गीज एवं गरीमा मलिक, संपादक), रूटलेज पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1295.00 (सजिल्द)
- एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडिया: पॉलिसीज एंड प्रैक्टिस (अविनाश कुमार सिंह, संपादक), रूटलेज पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1050.00 (सजिल्द)

निःशुल्क प्रकाशन :

- फ्लैश स्टैस्टिक्स 2014–15
- नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप रिपोर्ट 2013–15

- स्कूल लीडरशिप डवलपमेंट करीकुलम फ्रेमवर्क (हिदी (रिवाइज्ड एडीशन), इंग्लिस (रिवाइज्ड एडीशन), मिजो, मणिपुरी एडीसन)
- न्यूपा – अ ट्रांसफोरमेशनल जर्नी
- स्कूल लीडरशिप डवलपमेंटः अ हैन्डबुक (बंगाली एंड मणिपुरी वर्जन)
- मॉडल एजुकेशन कोड
- सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2014–15
- पब्लिकेशन फॉर नेशनल कान्फ्रेंस ऑन इनोवेशन्स इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन (दिसंबर 9–10, 2015)
- सार संक्षेप
- पुरस्कार विजेताओं के प्रोफाइल
- एमएचआरडी के लिए प्रकाशन/स्कूल स्टेंडर्ड्स एंड इवाल्यूशन यूनिट, न्यूपा – शाला सिद्धिः इवाल्यूशन फार इंप्रूवमेंट (शार्ट–रन बुकलेट्स थ्रू डिजिटल प्रिंटिंग)
- स्कूल्स स्टैन्डर्ड एंड इवाल्यूशन फ्रेमवर्क
- नेशनल प्रोग्राम ऑन स्कूल्स स्टैन्डर्ड्स एंड
- इवाल्यूशन एंड स्कूल डैश बोर्ड

अन्य

- न्यूपा कैलेंडर ऑफ ट्रेनिंग प्रोग्राम : 2015–16 (अंग्रेजी एवं हिन्दी)
- एनुअल रिपोर्ट 14–15
- वार्षिक रिपोर्ट 2014–15
- प्रॉस्पैक्ट्स (एम.फिल. एंड पी–एच.डी. कार्यक्रम 2016–17)

इसके अलावा न्यूपा द्वारा निम्नांकित प्रकाशन निकाले गये : ईयर प्लानर 2016; शीट प्लान 2016; डेस्क कैलेंडर 2016; ग्रीटिंग कार्ड; उच्च शिक्षा में शिक्षण–अधिगम पर आयोजित संगोष्ठी के लिए ब्रोशर; शाला सिद्धि का ब्रोशर; आईडेपा और पीजीडेपा तथा अन्य कार्यक्रमों के घोषण पत्र; राईटिंग पैड; डिजीटल आर्कीइव फोल्डर; शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रमाण–पत्र; स्थापना दिवस तथा मौलाना आजाद शिक्षा दिवस एवं अन्य दूसरे कार्यक्रमों के लिए पोस्टर आदि।

मिमियोग्राफ प्रकाशनः समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों, समसामयिक आलेखों, न्यूपा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/संगोष्ठियों की रिपोर्टें/प्रशिक्षण सामग्री/मिमियोग्राफ प्रकाशित किए।

न्यूपा वेबसाइट को योगदान : न्यूपा ने ज्ञान और सूचना के वृहद प्रचार–प्रसार के लिए वेबसाइट का निर्माण किया है। प्रकाशन विभाग ने अपने प्रकाशनों से संबंधित निम्नांकित सूचनाएं अपलोड करने हेतु उपलब्ध कराई है : न्यूपा के समूल्य तथा निःशुल्क प्रकाशनों की वृहद सूची तथा न्यूपा के लिए निजी प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की सूची; जेपा के वर्तमान तथा भविष्य के अंकों के बारे में सूचना; न्यूपा प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेंडर तथा एम.फिल और पी–एच.डी. प्रोग्राम; न्यूपा में दिए गए महत्वपूर्ण संभाषण एवं व्याख्यान; निगम ज्ञापन और नियम (न्यूपा); हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य; न्यूपा समसामयिक आलेख को अपलोड करना; एंट्रीप न्यूजलेटर को अपलोड करना; न्यूपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी तथा हिंदी संस्करण) 2014–15, सी.पी.आर.एच.ई. का संपूर्ण टेक्स्ट वर्ज़न तथा वेब वर्ज़न ऑफ डाईस पब्लिकेशन इत्यादि।

7

न्यूपा में सहायता अनुदान योजना

न्यूपा में सहायता अनुदान योजना

कार्य योजना के विस्तार के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्यवाही योजना में उनकी पुनः व्याख्या के विभिन्न मानकों का क्रियान्वयन हेतु उद्देश्यों का वृहद प्रचार आवश्यक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों तथा स्वैच्छिक एजेंसियों तथा सामाजिक संगठनों के साथ निकटतम सहयोग आवश्यक है। नीति के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वयन हेतु, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर पर समर्थन व्यवस्था समेत अंतःशास्त्रीय उपागम आवश्यक है।

इस संदर्भ में ये आवश्यक हैं: (अ) देश में शैक्षिक नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रति वृहद जागरूकता पैदा करना, (ब) नीति उन्मुख अध्ययनों तथा संगोष्ठियों को आरंभ करना ताकि मध्य–पाठ्यक्रम सुधार, संशोधन तथा नीति हस्तक्षेपों के साथ समायोजन किया जा सके (स) अध्यापकों, छात्रों, युवाओं तथा महिलाओं और संचार माध्यमों को प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके साझा मंच प्रदान करना। (द) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी तथा अच्छे व्यवहार एवं सफल प्रयोग को बढ़ावा देना (य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कार्य योजना की समीक्षा को सुविधाजनक बनाना।

उपरोक्त प्रयोजन के लिये, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत योग्य संस्थानों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता शिक्षा नीति के प्रबंधन तथा क्रियान्वयन पक्ष पर सीधे प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के आधार पर प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत सम्मेलनों का आयोजन, प्रभावी तथा मूल्यांकन अध्ययन, सर्वोत्तम विकल्पों पर परामर्शकारी अध्ययन, भारत सरकार को सलाह देने हेतु तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु मॉडल, विडियो फिल्म इत्यादि का निर्माण सम्मिलित हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय के माध्यम से यह योजना संचालित की है जो सहायता अनुदान समिति के द्वारा इसे संचालित करता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत विभिन्न संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन तथा अनुमोदन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। 31 मार्च, 2016 के अनुसार इस समिति के निम्नांकित सदस्य हैं:

1. प्रोफेसर ए.के. सिंह – अध्यक्ष
2. प्रोफेसर ए.के. शर्मा – सदस्य
3. प्रोफेसर उमा मेदुरी – सदस्य
4. प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति – सदस्य
5. प्रोफेसर नीलम सूद – सदस्य
6. प्रोफेसर कुमार सुरेश – सदस्य
7. प्रोफेसर वीरा गुप्ता – सदस्य
8. प्रोफेसर प्रमिला मेनन – सदस्य
9. प्रोफेसर के. बिस्वाल – सदस्य
10. श्री बसवराज स्वामी – सदस्य सचिव

सहायता अनुदान समिति ने इस योजना के अन्तर्गत अनुदान हेतु आवेदन करने की प्रक्रिया को सरल बनाने का निर्णय लिया है। इसके अनुसार डाटाबेस तैयार किया गया और सहायता अनुदान समिति की बैठकों में प्रस्तुत किया गया।

समीक्षाधीन वर्ष 2015–16 के दौरान समिति ने निम्नांकित सहायता अनुदान की संस्तुति प्रदान की। जिसका विवरण नीचे तालिका में प्रस्तुत है :

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान संस्तुत प्रस्तावों की सूची

क्र. सं.	संगठन का नाम	परियोजना का शीर्षक	स्वीकृत सहायता अनुदान राशि
1.	द ग्राम प्रगति सोसायटी, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी : बालिका शिक्षा के सरोकार एवं चुनौतियां	Rs. 3,00,000/-
2.	सोसायटी फार सोशियल ट्रांसफोरमेशन, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी: सेमेस्टर प्रणाली और चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के प्रभावी कार्यान्वयन के मुद्दे और चुनौतियां	Rs.3,00,000/-
3.	परिवर्तन बहुद्देश्य शिक्षण संस्था, ओस्मानाबाद	कार्यशाला : 'शिक्षा का अधिकार' को लागू करने में पंचायती राज प्रतिनिधियों की भूमिका	Rs. 3,00,000/-
4.	चैतन्य युवाजन संगम, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी: वर्तमान शिक्षा के परिदृश्य में मौन शिक्षा की प्रासंगिकता	Rs. 3,00,000/-
5.	अनुराधा एजुकेशन सोसायटी, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी: 'शिक्षा का अधिकार' अधिनियम 2009 के 5 वर्ष के कार्यान्वयन का प्रभाव	Rs. 3,00,000/-
6.	साई एजुकेशनल रूरल एंड अर्बन डवलपमेंट कुरनूल, आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी: डिजीटल इंडिया में दूरवर्ती तथा मुक्त शिक्षा व्यवस्था में आईसीटी की भूमिका और महत्व	Rs. 3,00,000/-
7.	अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बंगलुरू, कर्नाटक	6वां सीआईएसआई इंटरनेशनल कान्फ्रेंस 2015 शिक्षा, प्रभुत्व, मुक्ति तथा प्रतिष्ठा संगोष्ठी	Rs. 3,00,000/-
8.	समता सोसायटी फार रूरल एजुकेशन – डवलपमेंट, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी: विशेष आवश्यकता समूह के बच्चों की शिक्षा के सरोकार और चुनौतियां	Rs. 3,00,000/-
9.	विवेकानन्द कॉलेज, कोल्हापुर, महाराष्ट्र	संगोष्ठी: उच्च शिक्षा में समान अवसर के सम्मुख चुनौतियां	Rs. 3,00,000/-
10.	सेंटर फार प्रोमोशन ऑफ एजुकेशनल एंड कल्चर एडवांसमेंट ऑफ मुस्लिम ऑफ इंडिया (सीईपीईसीएएमआई), अलीगढ़, उत्तर पद्रेश	संगोष्ठी: भावी मदरसा शिक्षा	Rs. 3,00,000/-
11.	इंडियन एकेडमी आफ सोशल साइंसेज, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	सम्मेलन: 39वां भारतीय समाज विज्ञान कांग्रेस: भारत में समाज विज्ञान तथा लोकनीति के उभरते परस्पर संबंध	Rs. 3,00,000/-
12.	अखिल भारत दलित विकास परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	संगोष्ठी: राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा शैशवकालीन देखभाल	Rs. 3,00,000/-
13.	सोसायटी फॉर वूमन इंपावर– मेंट थ्रू डवलपमेंट एक्शन, पुरी, ओडिशा	संगोष्ठी: स्कूल विकास योजना की तैयारी	Rs. 3,00,000/-

14.	पीपुल्स काउंसिल आफ एजुकेशन, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	संगोष्ठी : भारत में विश्वविद्यालय शिक्षा व्यवस्था : बदलते प्रतिमान और गहरे संकट	Rs. 3,00,000/-
15.	जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, स्कूल आफ सोशल साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली	संगोष्ठी: शिक्षा और लोक परिदृश्य : भारतीय उपनिवेश के बाद चिंतन के स्वरूप की खोज	Rs. 3,00,000/-
16.	कुण्डु एरिया रूरल डवलपमेंट सोसायटी (केएआरडीएस), डिस्ट्रिक्ट कुरनूल, आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी: अध्यापक शिक्षा – अध्यापन शिक्षण : संभावनाएं एवं चुनौतियां	Rs. 3,00,000/-
17.	कला बंधु कला परिषद, कुरनूल, आंध्र प्रदेश	प्रस्ताव : शिक्षा, मूल्य तथा मानवाधिकार : चुनौतियां तथा सुझाव	Rs. 3,00,000/-
18.	न्यू शिव शक्ति शिक्षण समीति, भिवानी, रोहतक, हरियाणा	संगोष्ठी : राष्ट्रीय शिशु देखभाल तथा शिक्षा नीति	Rs. 3,00,000/-
19.	दलित ग्रामीण विकास संस्थान, बुदौन, उत्तर प्रदेश	संगोष्ठी : बाल श्रमिक और प्राथमिक शिक्षा में बच्चों की पहुँच तथा भागीदारी पर प्रभाव	Rs. 3,00,000/-
20.	प्रगति जुबक संघ, भद्रक, ओडिशा	संगोष्ठी : बालिकाओं के प्रारंभिक शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए स्कूल सफाई कार्यक्रम के प्रति स्कूल प्रबंधन समितियों की भूमिका	Rs. 3,00,000/-
21.	सुमन शिक्षा एवम समाज कल्याण समिति, ग्वालियर, मध्य प्रदेश	कार्यशाला : डिजीटल साक्षरता प्रयास	Rs. 3,00,000/-
22.	समाज कल्याण मंडल, बेतुल, मध्य प्रदेश	संगोष्ठी: घरेलू हिंसा तथा ग्रामीण महिलाओं के शिक्षा के अधिकार	Rs. 3,00,000/-
23.	आर्शीवाद रूरल डवलपमेंट, ट्रस्ट, चिकबालापुर, कर्नाटक	संगोष्ठी : भारत में अध्यापक प्रशिक्षण और पाठ्यचर्या सुधार	Rs. 3,00,000/-
24.	एस.एफ.टी. ट्रेनिंग सेंटर, कुरनूल आंध्र प्रदेश	संगोष्ठी : अल्पसंख्यकों का शैक्षिक विकास – नीतिगत प्रयास तथा प्रभाव	Rs. 3,00,000/-
25.	लर्निंग इन ज्योग्राफी, ह्युमानिटीज, टैक्नोलॉजी एंड साइंसेज, नई दिल्ली	संगोष्ठी : कालेज स्तर पर नियमित पाठ्यचर्या में जीआईएस समेकन की आवश्यकता	Rs. 3,00,000/-
26.	सिंह स्वाथ्य सेवा समिति, अमेठी, उत्तर प्रदेश	संगोष्ठी : शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई)	Rs. 3,00,000/-
27.	अलीगढ़ हिस्टोरियन सोसायटी, अलीगढ़, उ.प्र.	संगोष्ठी : भारतीय इतिहास में राज्य तथा धर्म	Rs. 3,00,000/-
28.	इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, अलीगढ़, उ.प्र.	76वां भारतीय इतिहास कांग्रेस का वाषिक सत्र	Rs. 3,00,000/-
29.	सासोयटी फॉर एजुकेशन एंड इकोनोमिक डवलपमेंट (सीड), नई दिल्ली	शोध अध्ययन : उच्च शिक्षा की संवृद्धि और विकास पर उदारीकरण नीति का प्रभाव	Rs. 5,00,000/-

8

प्रशासन और वित्त

प्रशासन और वित्त

प्रशासन

विश्वविद्यालय के पास हाउसकीपींग तथा सुरक्षा सेवाओं के लिये बाह्य सेवा–स्रोतों के अतिरिक्त निम्नांकित स्वीकृत पद हैं।

प्रशासन तथा अकादमिक एंव तकनीकी समर्थन सेवाएं प्रशासन के कार्य के अनुसार स्थापित अनुभागों द्वारा नियंत्रित तथा समन्वित की जाती हैं।

इसके अनुभाग कार्यकलापों के अनुसार स्थापित किये गए हैं जिन्हें संगठनात्मक आरेख में प्रदर्शित किया गया है। विश्वविद्यालय में स्वीकृत पदों के अलावा विभिन्न अकादमिक और अनुसचिवीय पदों पर 70 परियोजना कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं।

बाह्य संवर्ग पद	**संख्या**
कुलपति	01
कुलसचिव	01
संवर्ग पद	
संकाय (कुलपति, प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	42
अकादमिक समर्थन स्टाफ	11
प्रशासन, वित्त, सचिवीय तथा अन्य तकनीकी स्टाफ	70
सहायक स्टाफ (एम.टी.एस.)	37
कुल	162

समीक्षाधीन वर्ष 2015–16 के अंतर्गत, निम्नांकित सेवानिवृत्तियां की गईं।

सेवानिवृत्ति

समूह 'ए'

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	प्रो. वाई. जोसेफिन	प्रोफेसर	30.9.2015
2.	डा. कौसर विज़ारत	सहायक प्रोफेसर	30.9.2015

समूह 'सी'

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्रीमती उषा अरोरा	स्टैनोग्राफर ग्रेड–।।	29.02.2016
2.	श्रीमती अनीता मोहन	निम्न श्रेणी लिपिक	29.02.2016

समूह 'डी' अब समूह सी

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्रीमती ओमवती	एम.टी.एस.	30.09.2015
2.	श्री गोरख नाथ प्रसाद	एम.टी.एस.	29.02.2016
3.	श्री रणधीर सिंह	एम.टी.एस.	31.03.2016
4.	श्री लक्ष्मण सिंह	एम.टी.एस.	31.03.2016

वित्त तथा लेखा विभाग

न्यूपा में वित्त तथा लेखा सेवाएं लेखा अनुभाग द्वारा संचालित की जाती हैं जिसका अध्यक्ष वित्त अधिकारी होता है जिसके अंतर्गत अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय के आठ सदस्य तथा अनुसचीवीय स्टाफ होता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन तथा पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति जैसे चिकित्सा, एल.टी.सी. बिल, अग्रिम इत्यादि, वस्तुओं की खरीद के लिये बिल भुगतान प्रक्रिया, कार्य, संविदा इत्यादि, पूर्व लेखा परीक्षा, बाह्य परीक्षा के साथ समन्वयन तथा वित्त तथा लेखा से जुड़े अन्य मसलों के लिये उत्तरदायी होता है। यह सभी वित्तीय मसलों पर समयबद्ध परामर्श देता है तथा वित्तीय भागीदारी, लेखा बयान, उपयोगिता

प्रमाण–पत्र इत्यादि हेतु सभी प्रस्तावों के परीक्षण हेतु प्रभावी सहायता प्रदान करता है। वित्त अधिकारी वित्त समिति का सदस्य सचिव होता है जो विश्वविद्यालय के वित्त, निर्देशन तथा विभिन्न श्रेणियों के लिये व्यय की सीमा तय करता है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय से प्राप्त अनुदान निम्नांकित है :

प्राप्त अनुदान का ब्यौरा (2011–2016) (रु. लाख में)

क्र. सं.	शीर्ष	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
1.	सहायता अनुदान (योजना)	1197.60	1129.80	1185.00	1206.97	1425.28
	सहायता अनुदान (योजनेतर)	1033.55	1070.44	1415.00	1511.60	1769.80
	आंतरिक प्राप्तियां	110.11	101.87	102.81	71.75	131.70
	योग	**2341.26**	**2302.11**	**2702.81**	**2790.32**	**3326.78**
2.	व्यय (योजना)	1106.38	1325.69	1,272.97	1239.00	1239.97
	व्यय (योजनेतर)	1059.36	1307.54	1441.86	1643.35	1690.36
	योग	**2165.74**	**2633.23**	**2714.83**	**2882.35**	**2930.33**
3.	आंतरिक प्राप्तियां व्यय के प्रतिशत के रूप में	1%	1%	1%	1%	1%
4.	सहायता अनुदान व्यय का प्रतिशत	100%	100%	100%	100%	100%

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2011–12 से 2015–16 के दौरान सहायता अनुदान में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और इसी अनुपात में इसका व्यय भी बढ़ा है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि न्यूपा अपनी मुख्य गतिविधियों को पर्याप्त महत्व दे रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन/ हिन्दी कक्ष

हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष अनुवाद की सुविधा के माध्यम से अनुसंधान प्रशिक्षण और प्रशासन में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष विभिन्न प्रकाशनों के हिंदी संस्करण प्रकाशित करने के साथ–साथ राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहायता प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय के हिंदी कक्ष द्वारा वर्ष 2015–16 के दौरान रोजमर्रा के कार्यों के अलावा निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए गए:

(क) हिंदी में प्रगामी प्रयोग के लिए विश्वविद्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

(ख) शैक्षिक योजना और प्रशासन के सामाजिक–आर्थिक संदर्भ से संबंधित हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य के तीन अंक प्रकाशित किए गये।

(ग) हिंदी में निम्नलिखित सामग्री का अनुवाद करके उन्हें प्रकाशन के लिए तैयार किया गया:

(i) वार्षिक रिपोर्ट : 2014–15

(ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम : 2015–16

(iii) हैंडबुक, पाठ्यचर्या तथा अनेक शोध उपकरणों का हिंदी अनुवाद

(iv) परिपत्रों, पत्रों, अधिसूचनाओं, नोटिस, कार्यालय ज्ञापनों आदि का हिन्दी अनुवाद

(घ) हिंदी दिवस समारोह : हिंदी दिवस के उपलक्ष में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

(i) हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 14–28 सितम्बर 2015 के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गए। हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी प्रारूपण और टिप्पण प्रतियोगिता, हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता, हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ग 'घ' के कर्मचारियों के लिये हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(ii) एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के 5 अधिकारियों और 15 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

(ङ.) एनसीएसएल तथा सीपीआरएचई के लिए अनेक प्रशिक्षण सामग्री तथा शोध उपकरणों का हिंदी अनुवाद।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग

एस.एम.आई.ए. जैदी (विभागाध्यक्ष)

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय/बैठक संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भागीदारी

राष्ट्रीय

आईसीएसएसआर व्याख्यान हॉल, नई दिल्ली में 07 सितंबर, 2015 को एक दिवसीय 'माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा का विस्तार' विषय पर नई शिक्षा नीति के सूत्रीकरण से संबंधित परामर्शदात्री बैठक का आयोजन किया और मानव संसाधन विकास मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट भेजी।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित 'माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा का विस्तार विषय पर भागीदारी और राष्ट्रीय स्तर की विषयगत चर्चा में एक प्रस्तुति पेश की, 30 नवंबर 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

'शैक्षिक प्रशासन में नवाचार', दिसंबर 09–10, 2015 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय सभागार, तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली में न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता और भागीदारी।

'भारत में जिला स्तरीय योजना 'और' भारत में प्राथमिक शिक्षा का विकासः हम कहां खड़े हैं?' दिसंबर 15–16, 2015 को राज्य स्तरीय डीईओ और बीईओ, उत्तराखंड देहरादून में न्यूपा द्वारा आयोजित सम्मेलन में एक सत्र को संबोधन।

16 जुलाई, 2015 से एनसीईआरटी और एससीईआरटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राज्य स्तरीय नई शिक्षा नीति पर परामर्शदात्री की बैठक में भाग, एससीईआरटी, दिल्ली।

न्यूपा, नई दिल्ली में 29 दिसंबर, 2015 को ई.एम.आई.एस. विभाग द्वारा आयोजित डाईस डेटा का उपयोग कर प्राथमिक शिक्षा पर अनुसंधान पर एक दिवसीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

07 जनवरी, 2016 को न्यूपा और व्यय प्रबंधन आयोग, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजितः 'वैकल्पिक तरीकेः शिक्षा प्रदर्शन सूचकांक' राष्ट्रीय परामर्श बैठक में भाग लिया। राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली, भारत।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाओं का आयोजन

अप्रैल 20–25, 2015 भारत में जिला माध्यमिक शिक्षा

योजना तैयार करने पर थेनी, तमिलनाडु में कार्यशाला की रूपरेखा और आयोजन (प्रो. के. बिस्वाल और डॉ एन.के. मोहंती के साथ)।

क्योंझर, ओडिशा में मई 25–30, 2015 से आयोजित कार्यशाला, ओडिशा में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना की रूपरेखा तैयार की (प्रो. के. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती के साथ)।

आरएमएसए के तहत तमिलनाडु और ओडिशा मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर समीक्षा बैठक पर चल रही कार्रवाई अनुसंधान परियोजना के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर संसाधन व्यक्ति के रूप में (प्रो के. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती के साथ) कार्य, रूपरेखा और आयोजन, भुवनेश्वर, ओडिशा, सितंबर 10–11, 2015।

क्षेत्र निदान पर अभ्यासः पहुंच और भागीदारी के संकेतक (डा. एन.के. मोहंती के साथ) विकसित – अगस्त, 2015।

क्षेत्र निदान पर अभ्यासः आंतरिक क्षमता के संकेतक (डा. एन.के. मोहंती के साथ) विकसित – अगस्त, 2015।

महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएं

नवंबर 6–7, 2015 राजसमंद जिले में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में राजस्थान में प्राथमिक स्तर पर प्रभावशीलता और शैक्षिक हस्तक्षेप की क्षमता पर सलाह निरीक्षण हेतु दौरा। गांव प्रगति के लिए संयुक्त पहल (जीव), जो एक बहु परत एकीकृत सामुदायिक विकास परियोजना है जो जिला राजसमंद राजस्थान के रेलमागरा ब्लॉक में आधारित है।

एक सदस्य के रूप में 'सिलेबस में कमी पर, सरकार के निदेशालय द्वारा गठित कोर टीम की बैठक एवं सह कार्यशाला में भाग लिया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली 22 दिसंबर, 2015 को एससीईआरटी, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित।

न्यूपा के एक प्रतिनिधि के रूप में 11 जनवरी, 2016 को सीआईईटी में आरएमएसए सेल एनसीईआरटी द्वारा आयोजित आरएमएसए के लिए राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनएसजी) की बैठक में भाग लिया।

आईएएसई, जामिया मिलिया इस्लामिया में सम्मेलन कक्ष में जामिया मिलिया इस्लामिया शिक्षा संकाय की संकाय बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया, फरवरी 27, 2016।

महत्वपूर्ण बैठकों में भागीदारी

माध्यमिक शिक्षा के लिए तकनीकी सहयोग कोष (टीसीएफ) (आरएमएसए) की बैठक में भाग लिया। दिसंबर 17, 2015 को एनसीईआरटी, नई दिल्ली में टीसीए द्वारा आयोजित कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।

एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में जनवरी 05, 2016 को आरएमएसए परियोजना सेल एनसीईआरटी, सीआईईटी, एनसीईआरटी में आयोजित विभागीय सलाहकार बोर्ड (थपका) की बैठक में भाग लिया।

पूरक परियोजना अनुमोदन बोर्ड की बैठक में वर्ष 2015–16 के लिए आठ राज्यों (जम्मू–कश्मीर, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब) 13 जनवरी, 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय में एकीकृत आरएमएसए योजना के लिए न्यूपा प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।

एक सदस्य के रूप में डाईट (पूर्वी दिल्ली जिला) की वार्षिक बैठक में भाग लिया पीएसी, कड़कड़डूमा फरवरी 08, 2016, एससीईआरटी, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित।

एक सदस्य के रूप में डाईट (नई दिल्ली जिला) की वार्षिक बैठक में भाग लिया पीएसी, आर.के. पुरम 10 फरवरी, 2016, को एससीईआरटी (दिल्ली), डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित।

एक सदस्य के रूप में डाईट (दक्षिण दिल्ली जिला) की वार्षिक बैठक में भाग लिया पीएसी, मोती बाग 10 फरवरी, 2016, को एससीईआरटी (दिल्ली), डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित।

एक सदस्य के रूप में डाईट (उत्तरी दिल्ली जिला) की वार्षिक बैठक में भाग लिया पीएसी, केशवपुरम 15 फरवरी, 2016 को एससीईआरटी (दिल्ली), डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित।

एक सदस्य के रूप में डाईट (मध्य दिल्ली जिला) की वार्षिक बैठक में भाग लिया पीएसी, दरियागंज 16 फरवरी, 2016 एससीईआरटी (दिल्ली), डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित।

18 फरवरी, 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन में आयोजित सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए वार्षिक कार्य योजना एवं बजट (ए.डब्ल्यू. पी एंड बी) केरल, तेलंगाना और जम्मू–कश्मीर के लिए 2016–17 को पीएबी की बैठक में भाग लिया।

संस्थान के बाहर व्याख्यान

मई 15–16, 2015 सीमैट, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा आयोजित उत्तराखंड के शिक्षा अधिकारियों के प्रवेश प्रशिक्षण में 'शैक्षिक योजना' पर व्याख्यान दिए।

इलाहाबाद, सीमैट, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित, 'शैक्षिक योजना' और शैक्षिक प्रशासन में डिप्लोमा कार्यक्रम में संस्थागत नियोजन पर व्याख्यान मई 15–16, 2015

संसाधन व्यक्ति, अध्यापक शिक्षा के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (08–28 मार्च, 2016), कश्मीर विश्वविद्यालय के यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित 'अध्यापक शिक्षा के लिए योजना' विषय पर व्याख्यान दिया, श्रीनगर, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मार्च 17–19 2016।

के. बिस्वाल

प्रकाशन

शोध पत्र/लेख/टिप्पणी

"द ट्रांजिसन टू हायर एजुकेशन इन इंडिया" इन द ट्रांजिसन फ्रॉम सैकेण्डरी एजुकेशन टू हायर एजुकेशनः केस स्टडीज फ्रॉम एशिया एंड द पैसिफिक," (जे.बी. जी. तिलक के साथ) यूनेस्को द्वारा प्रकाशित, http://unesdoc.unesco.org/images/0023/002328/232851E.pdf

इंडिया कंट्री पेपर ऑन चैलेजेज ऑफ एक्सेस एंड क्वालिटी इन एजुकेशन इन इंडिया, फार द वर्कशॉप आन चैलेजेज ऑफ एक्सेस एंड क्वालिटी इन सार्क कन्ट्रीज, सार्क सचिवालय के साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 26–28 अगस्त 2015, (मिमियो)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और सम्मेलनों में भागीदारी

नई दिल्ली में आयोजित 'सार्क देशों में पहुँच और गुणवत्ता की चुनौतियां' विषय पर कार्यशाला में भाग लिया, भारत में स्कूली शिक्षा की पहुँच और गुणवत्ता पर प्रस्तुति, 26–28 अगस्त, 2015।

नई शिक्षा नीति के विकास के लिए देश भर में व्यापक विचार–विमर्श के लिए अभ्यास के हिस्से के रूप में 07 सितंबर, 2015 को माध्यमिक शिक्षा के लिए विस्तार विषय पर आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार की बैठक में भाग लिया।

'भाषा और गरीबी' भाषा कौशल और श्रम बाजार परिणामों, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक लेख प्रस्तुत किया। भाषा नीति से बहुभाषायी, शिक्षा और श्रम पर सार्वजनिक नीति के लिए, संयुक्त रूप से आयोजित ब्रिटिश काउंसिल और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित। नवंबर 17, 2015।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाओं का आयोजन/संगठित

तमिलनाडु में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना की रूपरेखा और आयोजन करने पर कार्यशाला (प्रो. एस.एम.ए.आई. जैदी और डॉ एनके मोहंती के साथ) थेनी, तमिलनाडु में, अप्रैल 20–25, 2015।

अप्रैल 29–30, 2015 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राजस्थान के डीईओ और बीईओ के राज्य स्तरीय सम्मेलन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

क्योंझर, ओडिशा में मई 25–30, 2015 के दौरान आयोजित कार्यशाला में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना की रूपरेखा और आयोजन, तैयार करना (प्रो. एस.एम. आई.ए. जैदी और डा. के. बिस्वाल के साथ)।

तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास' पर कार्रवाई अनुसंधान परियोजना, (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया। 23–24 जुलाई, चेन्नई, 2015, तमिलनाडु।

आंध्र प्रदेश के डीईओ और बीईओ के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति, अगस्त 12–13, 2015 तिरुपति, आंध्र प्रदेश।

जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर समीक्षा बैठक 'तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास' कार्रवाई अनुसंधान परियोजना, (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) सितंबर 10–11, 2015 भुवनेश्वर, उड़ीसा।

असम के गुवाहाटी में सितंबर 21–24, 2015 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में माध्यमिक शिक्षा की निगरानी के लिए परिणाम ढांचे का उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन एवं रूपरेखा।

तमिलनाडु और ओडिशा में ड्राफ्ट मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को अंतिम रूप के लिए अनुवर्ती कार्यशाला का आयोजन एवं रूपरेखा 'जिला माध्यमिक शिक्षा के विकास पर कार्रवाई अनुसंधान परियोजना तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत शिक्षा योजना', (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डॉ एन.के. मोहंती के साथ) मार्च 21–23, 2016 से भुवनेश्वर, ओडिशा।

तमिलनाडु और ओडिशा में ड्राफ्ट मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को अंतिम रूप के लिए अनुवर्ती कार्यशाला का आयोजन एवं रूपरेखा 'जिला माध्यमिक शिक्षा के विकास पर कार्रवाई अनुसंधान परियोजना, तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत शिक्षा योजना', (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) नवंबर 17–20, 2015 से चेन्नई, तमिलनाडु।

क्षमता सामरिक योजना, वित्त पोषण और श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता के विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रूपरेखा और आयोजन (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) जनवरी 18–30 2016 से न्यूपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और निष्पादित

सम्पादित वैकल्पिक कोर्स नं सीसी–6 एम.फिल./पी.एचडी कार्यक्रम के लिए (शिक्षा में उन्नत योजना तकनीक) (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ)। 2015–17।

कोर्स के संयोजक के रूप में, पीजीडेपा कोर्स न. 903 शैक्षिक योजनाः अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण आयोजित सितंबर, 2015।

कोर्स के संयोजक के रूप में, पीजीडेपा ऑनलाइन उन्नत कोर्स 907: शैक्षिक योजना, जुलाई, 2015।

कई अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों और न्यूपा के शैक्षिक योजना पाठ्यक्रमों का संचालन।

एम.फिल./पी.एचडी, डेपा और आईडेपा शोध प्रबंधों का मूल्यांकन एवं निरीक्षण

'भारत में प्राथमिक शिक्षा में जीआईएस आधारित स्कूल मैपिंग पर एक अध्ययन,' सुश्री निधि रावत द्वारा पर्यवेक्षण।

'स्कूल आधारित प्रबंधन और पश्चिम बंगाल में समुदाय की भागीदारीः बर्दवान और पुरुलिया जिलों में चयनित माध्यमिक स्कूलों के एक अध्ययन'। श्री दीपेंद्र कुमार पाठक का पर्यवेक्षण।

पीजीडेपा 2015 श्री कोगे इशी द्वारा 'निधि प्रवाह और अरुणाचल प्रदेश में इसके उपयोग पद्धति पर एक अध्ययन' शोध प्रबंध, पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

पर्यवेक्षण शोध प्रबंध एकिति केंद्रीय प्रशासनिक समिती शिक्षा जिले में चयन माध्यमिक स्कूलों का एक केस स्टडी, माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में सेवा प्रदान करने में शिक्षक गुणवत्ता प्रभावित करने वाले कारक' ओलुवले एकोदु (नाइजीरिया)।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, और राष्ट्रीय संस्थाओं को महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएं।

नई शिक्षा नीति के विकास के लिए समिति के सचिव के रूप में कार्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 12 नवंबर, 2015 से 30 अप्रैल, 2016 तक श्री टीएसआर सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में गठित, न्यूपा समिति का सचिवालय था।

योगदान तैयारी और परिणाम रूपरेखा को अंतिम रूप देने में (डॉ एनके मोहंती के साथ) और आरएमएसए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की निगरानी के दस्तावेज। यूडाइस आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर आरएफडी में सभी प्रदर्शन संकेतक के लिए 2014–15 डेटा प्रदान की। इसके अलावा, आरएफडी में प्रदर्शन संकेतक अतीत के रुझान और भविष्य की संभावना आरएमएसए और माध्यमिक शिक्षा के उप–क्षेत्र में अन्य संबंधित हस्तक्षेप के कार्यान्वयन के कारण परिवर्तन के विश्लेषण के आधार पर प्रत्येक के लिए लक्ष्यों को सेवाएं प्रदान की है। इसके अलावा, 4 राज्यों के आरएफडी विकसित और आरएमएसए के 6वें जेआरएम करने के लिए प्रदान किया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरएमएसए के क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए एकीकृत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजना (परिप्रेक्ष्य और ए.डब्ल्यू.पी एंड बी.) आरएमएसए के तहत तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

फरवरी, 2016 से मई, 2015 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित आरएमएसए के विभिन्न परियोजना अनुमोदन बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

सदस्य, स्कूल शिक्षा पर वित्तीय आंकड़ों के विशेषज्ञ समूह, प्रो. जे.बी.जी. तिलक, न्यूपा की अध्यक्षता में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

प्रमुख परियोजना प्रबंधन इकाई, न्यूपा।

न्यूपा अनुसंधान, प्रकाशन श्रृंखला शुरू करने के लिए कार्य समूह के संयोजक 2015 रिपोर्ट।

न्यूपा के कार्य और सलाहकार समीक्षा समिति के सदस्य।

न्यूपा की प्रकाशन सलाहकार समिति के सदस्य।

सदस्य, न्यूपा नीति संक्षिप्त श्रृंखला के लिए संपादकीय समिति।

एम.फिल./पी.एचडी कार्यक्रम में प्रवेश परीक्षा हेतु रूपरेखा समिति के सदस्य, न्यूपा।

भारत में माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में विकेन्द्रीकृत नियोजन को बढ़ावा देने के लिए आरएमएसए–टीसीए और न्यूपा सहयोगी कार्यक्रमों में भाग लिया।

एम फिल/पीएचडी में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन में सहायता प्रदान की। एम.फिल./पीएचडी कार्यक्रम 2015/16।

अनुसंधान अध्ययन

तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर परियोजना (एस.एम.ए.आई. जैदी और एन.के. मोहंती के साथ) अनुसंधान कार्य किए गए। यह परियोजना चार जिलों तमिलनाडु के (थेनी और सलेम जिले) और ओडिशा के (क्योंझार और गंजाम जिले) में कार्यान्वित किया जा रहा है। परियोजना के पहले चरण में, अनुसंधान टीम राज्य और जिला योजना टीमों के साथ बातचीत के कई दौर। दो कार्यशालाओं और दो परामर्शदात्री बैठकों का आयोजन किया गया; नमूना राज्यों और संबंधित साहित्य की योजना के दस्तावेजों की समीक्षा की गई; और प्राथमिक और माध्यमिक डेटा एकत्र की गयी थी। डेटा और सूचना और फील्ड नोट्स नमूना राज्यों और जिलों से एकत्र के आधार पर, पहले चरण की मसौदा रिपोर्ट तैयार किया गया था, जो स्कूल शिक्षा और उनके सामाजिक–आर्थिक और संस्थागत संदर्भ में योजना प्रथाओं को समझने पर ध्यान केंद्रित किया।

कार्रवाई अनुसंधान के पहले चरण में नमूना जिलों के योजना टीमों के क्षमता निर्माण जरूरतों की पहचान होने के बाद, हस्तक्षेप नियोजन के तरीकों में सुधार और तमिलनाडु और ओडिशा में मॉडल जिले माध्यमिक शिक्षा योजना विकसित की गयी है। अनुसंधान लगभग खत्म हो गया है। और अनुसंधान के द्वितीय चरण की रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया जा रहा है।

एन.के. मोहंती

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और सम्मेलनों में भागीदारी

26 से 28 अगस्त, 2015 नई दिल्ली में आयोजित 'पहुँच और गुणवत्ता सार्क देशों में चुनौतियां' विषय पर कार्यशाला में भाग लिया।

नई शिक्षा नीति के विकास के लिए देश भर में व्यापक विचार–विमर्श के लिए अध्ययन के हिस्से के रूप में 07 सितंबर, 2015 को माध्यमिक शिक्षा के लिए विस्तार, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार की बैठक में भाग लिया।

नवंबर 28–29, 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में न्यूपा द्वारा आयोजित शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

एक सदस्य के रूप में भाग लिया और नूर सोसायटी के 5वें कार्यकारी समिति की बैठक में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य पर चर्चा की और वर्ष 2016–17 के लिए एकीकृत ए.डब्ल्यू.पी. एंड बी. आरएमएसए का अनुमोदन करने के लिए, 09.02.2016 को राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, जम्मू–कश्मीर सरकार के निदेशालय द्वारा आयोजित। पर सिविल सचिवालय, जम्मू, जम्मू और कश्मीर।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाओं का आयोजन/संगठित

रूपरेखा और आयोजित अप्रैल 20–25, 2015, तमिलनाडु में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना तैयार करने पर कार्यशाला थेनी में, तमिलनाडु (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ)।

क्योंझर, ओडिशा में मई 25–30, 2015 से आयोजित कार्यशाला में जिला माध्यमिक शिक्षा योजना की रूपरेखा तैयार करने पर प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ)।

प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. एन.के. बिस्वाल के साथ) मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर समीक्षा बैठक का आयोजन 'तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास' पर कार्रवाई अनुसंधान परियोजना की रूपरेखा तैयार करना, 23–24 जुलाई, चेन्नई में 2015, तमिलनाडु।

न्यूपा, नई दिल्ली में सितंबर 1–4, 2015 से योजना और माध्यमिक शिक्षा की निगरानी के लिए परिणाम ढांचे का उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन किया।

(प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर समीक्षा बैठक में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य, आरएमएसए के तहत कार्रवाई अनुसंधान परियोजना 'जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर तमिलनाडु और ओडिशा, भुवनेश्वर में, सितम्बर 10–11, 2015।

असम के गुवाहाटी में सितंबर 21–24, 2015 से योजना और माध्यमिक शिक्षा की निगरानी के लिए परिणाम ढांचे का उपयोग पर कार्यशाला (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) एक संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया।

कार्रवाई की जा रही अनुसंधान परियोजना के तहत मूल्यांकन और तमिलनाडु और ओडिशा में जिला ड्राफ्ट मॉडल माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए अनुवर्ती कार्यशाला में (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) एक संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया 'जिले के विकास माध्यमिक शिक्षा तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत योजना', मार्च 21–23, 2016 से भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित।

कार्रवाई की जा रही अनुसंधान परियोजना के तहत मूल्यांकन और तमिलनाडु और ओडिशा में जिला ड्राफ्ट मॉडल माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को अंतिम रूप के लिए अनुवर्ती कार्यशाला में (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) एक संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया 'जिले के विकास माध्यमिक शिक्षा तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा विकास योजना', नवंबर 17–20, 2015 से चेन्नई, तमिलनाडु।

शैक्षिक विकास और असमानताएं अगस्त 3–21, 2015 से न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित पर मात्रात्मक अनुसंधान के तरीके प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति।

योजना में संकेतकों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति और माध्यमिक शिक्षा की निगरानी अक्टूबर 8–9, 2015, यशोदा, पुणे में न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

क्षमता सामरिक योजना, वित्त पोषण और श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता के विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) जनवरी 18–30 2016 न्यूपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और निष्पादित

सम्पादित एम.फिल./पीएचडी के लिए वैकल्पिक कोर्स नं सीसी–6 (शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत योजना तकनीक) (प्रो. के. बिस्वाल के साथ)। कार्यक्रम, 2015–17।

पाठ्यक्रम समन्वयक, आयोजित आईडेपा कोर्स न. 204: फरवरी 2016, शैक्षिक योजना।

मार्च, 2016 कार्यप्रणाली और शैक्षिक योजना की तकनीक: आईडेपा कोर्स नं. 205 संचालन।

कोर्स के संयोजक के रूप में आयोजित, पीजीडेपा कोर्स न. 903: शैक्षिक योजना: अवधारणा, प्रकार और दृष्टिकोण सितंबर, 2015।

जुलाई, 2016 शैक्षिक योजना: पाठ्यक्रम के संयोजक के रूप में, पीजीडेपा ऑनलाइन उन्नत पाठ्यक्रम नं. 907 का आयोजन।

कई अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों और न्यूपा के पाठ्यक्रम शैक्षिक योजना के संचालन से संबंध।

संशोधित आरएमएसए अगस्त 2015, माध्यमिक शिक्षा में जिला योजना पर सतत अभ्यास (प्रो. के. बिस्वाल के साथ)।

संशोधित यूपीई सितंबर, 2015 के लिए योजना के परिप्रेक्ष्य विकास पर सतत अभ्यास (प्रो. के. बिस्वाल के साथ)।

विकसित सेक्टर निदान पर सतत अभ्यास (प्रो. एस.एम. आई.ए. जैदी और प्रो के. बिस्वाल के साथ): पहुंच और भागीदारी, अगस्त 2015 के संकेतक।

विकसित सेक्टर निदान पर सतत अभ्यास (प्रो. एस.एम. आई.ए. जैदी और प्रो के. बिस्वाल के साथ): आंतरिक क्षमता, अगस्त 2015 के संकेतक।

महत्वपूर्ण कंसल्टेंसी और सलाहकार सेवाएं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, और राष्ट्रीय संस्थाओं को प्रदान की गई।

योगदान तैयारी और परिणाम रूपरेखा को अंतिम रूप देने में (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) और आरएमएसए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दस्तावेज का पर्यवेक्षण । सेमिस 2009/10 और यूडाइस 2014–15 के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर आरएफडी में सभी मात्रात्मक संकेतकों के लिए 2014–15 का आंकड़ा प्रदान किया। इसके अलावा, आरएफडी में मात्रात्मक संकेतक अतीत के रुझान और भविष्य की संभावना, आरएमएसए और माध्यमिक शिक्षा के उप–क्षेत्र में अन्य संबंधित हस्तक्षेप के कार्यान्वयन के कारण परिवर्तन के विश्लेषण के आधार पर प्रत्येक के लिए लक्ष्य प्रदान किये गये। यह दाताओं के साथ बातचीत और आरएमएसए में प्रगति की निगरानी के लिए आरएफडी को अंतिम रूप देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सक्षम करेगा। अलावा, 4 राज्यों मे आरएफडी विकसित की है और 6वें जे.आर.एम के लिए आंकड़ा प्रदान किया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरएमएसए के क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए एकीकृत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और ए.डब्ल्यू.पी. एंड बी.) आरएमएसए के तहत तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

आरएमएसए की विभिन्न परियोजना अनुमोदन बोर्ड बैठक में भाग लिया मई, 2015 से फरवरी, 2016 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

डेपा 2015 शोध प्रबंध 'आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन का एक अध्ययन निरीक्षण और मूल्यांकन किया – हरिद्वार के रुड़की ब्लॉक, उत्तराखंड में 2009' श्री ब्रिजपाल सिंह राठौड़, उपशिक्षा अधिकारी, रुड़की ब्लॉक, हरिद्वार, उत्तराखंड।

शोध प्रबंध पर्यवेक्षण उपयोग प्रभावित करने वाले कारक – ई–लर्निंग नाइजीरियाई विश्वविद्यालयों में: नाइजीरिया लागोस अध्ययन केंद्र के राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के एक मामले का अध्ययन,' निगरानी आईडेपा 2014 नाइजीरिया के श्री उचेची ई ओंगबाजे द्वारा।

एम.फिल./पीएचडी के एक सदस्य के रूप में पीएचडी प्रवेश समिति, एम.फिल./पीएचडी में प्रवेश के लिए संसाधन अनुप्रयोगों और अन्य संबंधित गतिविधियों में सहायता प्रदान की। विकास कार्यक्रम 2015–17।

विकास कार्यक्रम 2015–17, एम.फिल./पीएचडी में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन में सहायता प्रदान की।

अनुसंधान अध्ययन

तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर अनुसंधान परियोजना (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और एन.के. मोहंती के साथ)। यह परियोजना तमिलनाडु (थेनी और सलेम जिले) और ओडिशा में चार जिलों में गंजाम और क्योंझार में कार्यान्वित किया जा रहा है। परियोजना के पहले चरण में, अनुसंधान टीम राज्य और जिला योजना टीमों के साथ बातचीत के कई दौरे किये। दो कार्यशालाओं और दो परामर्शदात्री बैठकों का आयोजन किया गया, नमूना राज्यों और संबंधित साहित्य की योजना के दस्तावेजों की समीक्षा की गई और प्राथमिक और माध्यमिक डेटा एकत्र किए गए थे। डेटा और सूचना और फील्ड नोट्स नमूना राज्यों और जिलों से एकत्र के आधार पर, पहले चरण की मसौदा रिपोर्ट तैयार की गई, जिनमें स्कूल शिक्षा और उनके सामाजिक–आर्थिक और संस्थागत संदर्भ में योजना प्रथाओं को समझने पर ध्यान केंद्रित किया।

कार्रवाई अनुसंधान के पहले चरण में नमूना जिलों के योजना टीमों के क्षमता निर्माण जरूरतों की पहचान होने के बाद, हस्तक्षेप नियोजन के तरीकों में सुधार और तमिलनाडु और ओडिशा में मॉडल जिले माध्यमिक शिक्षा योजना को विकसित किया गया है। अनुसंधान लगभग खत्म हो गया है; और अनुसंधान के द्वितीय चरण की रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया जा रहा है।

भारत में माध्यमिक शिक्षा में सार्वजनिक–निजी मिश्रण पर एक अनुसंधान परियोजना शुरू की आकार, में स्कूल सुविधाएं और सेवन प्रोफाइल अब तक, और साहित्य उत्तेजित समीक्षा की गई है यू–डीआईएसई से, माध्यमिक डेटा और जानकारी एकत्र की जा रही है और विश्लेषण किया।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

प्रो. के. सुजाता (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

हवट मेक्स स्कूल्स इफैक्टिव?: केस स्टडी ऑफ स्कूल्स सैकेण्डरी इन केरल, न्यूपा

हवट मेक्स स्कूल्स इफैक्टिव?: केस स्टडी ऑफ स्कूल्स सैकेण्डरी इन आन्ध्र प्रदेश, न्यूपा

हवट मेक्स स्कूल्स इफैक्टिव?: केस स्टडी ऑफ स्कूल्स सैकेण्डरी इन महाराष्ट्र, न्यूपा

हवट मेक्स स्कूल्स इफैक्टिव?: केस स्टडी ऑफ स्कूल्स सैकेण्डरी इन उत्तर प्रदेश, न्यूपा

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सितंबर 7–11, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन और राज्य और जिला स्तर महिलाओं व्यवस्थापकों के लिए प्रबंधन पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला।

शोध छात्रों के लिए लेखन कौशल, 1–4 सितंबर, 2015, न्यूपा पर कार्यशाला आयोजित।

आपदा और विस्थापन की स्थिति में शैक्षिक प्रशासन की प्रतिक्रिया पर कार्यशाला, 22–24 सितम्बर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशासन, 09–10 दिसंबर 2015, न्यूपा, योजना और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रबंधन पर नई दिल्ली अभिविन्यास कार्यक्रम में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 30 नवंबर 4 दिसंबर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

12वीं से 16 अक्तूबर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली से पूर्वोत्तर के सभी राज्यों से जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम।

जनवरी 4–8, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

फरवरी 8–12, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश, से राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में विविधता और इक्विटी का प्रबंधन मार्च 07–11, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली में ओरिएंटेशन सह कार्यशाला।

दिसंबर 9–10, 2015 से शैक्षिक प्रशासन और पुरस्कार समारोह में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

डीईओ और आंध्र प्रदेश में बी.ई.ओ.एस. के राज्य स्तरीय सम्मेलन

डीईओ, डीडीईओ और विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, 12–13 अगस्त, 2015 में बीईओएस के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन।

डीडीईओ और बीईओएस के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन में, 26 और 27 अगस्त 2015। तिरुपथी, आंध्र प्रदेश।

शैक्षिक प्रशासन पर तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर क्षेत्रीय कार्यशाला

20–22 अप्रैल, 2015 के लिए कर्नाटक, गोवा, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र, न्यूपा, नई दिल्ली सहित पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के लिए शैक्षिक प्रशासन की तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर क्षेत्रीय कार्यशाला (डॉ आरएस त्यागी के साथ)।

18–20 मई, 2015 से उत्तर–पूर्वी राज्यों, मई, 2015 गुवाहाटी में क्षेत्रीय कार्यशाला, असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, मणिपुर और त्रिपुरा राज्य (डॉ आर.एस. त्यागी के साथ)।

13–15 जुलाई, 2015 उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के राज्यों के लिए शैक्षिक प्रशासन के तीसरे क्षेत्रीय सर्वेक्षण पर कार्यशाला, न्यूपा, नई दिल्ली (डॉ आरएस त्यागी के साथ)।

चल रहे शोध

3 अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण 2012–2015, (डॉ. आर.एस. त्यागी के साथ संयुक्त अध्ययन)।

सम्मेलन/संगोष्ठी में भाग लिया/सेमिनारों/कार्यशालाओं में भागीदारी

मई 1–2, 2015 को एक संसाधन व्यक्ति के रूप में सीमैट में शैक्षिक प्रशासन की तीसरे अखिल भारतीय

सर्वेक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, उत्तराखंड में भाग लिया।

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में शिक्षक सदन में मई 12–13, 2015 बैंगलोर, कर्नाटक में शैक्षिक प्रशासन की तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।

तुलनात्मक शिक्षा, बंगलौर के भारतीय समाज द्वारा दिसंबर 2015 में तुलनात्मक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सीआईईएस 2016 सम्मेलन, वैंकूवर में भाग लिया। तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा जायजा लेने और मार्च 6–10, 2016 के दौरान आगे की तलाश के छह दशक वैंकूवर, कनाडा में आयोजित और सरकार में सार्वजनिक परीक्षा में निजी शिक्षण और भारत में निजी स्कूलों के प्रदर्शन पर एक आलेख प्रस्तुत।

पाठ्यक्रम संचालित

डेपाः शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम (10 सत्र)

आईडेपा (फरवरी–अप्रैल, 2015) पाठ्यक्रम शैक्षिक प्रशासन (10 सत्र) पर।

एम.फिल/पीएचडी शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर कोर पाठ्यक्रम (10 सत्र)।

एन.सी.एस.एल. द्वारा स्कूलों के प्रिंसिपलों के लिए पीजी डिप्लोमा के लिए अतिथि व्याख्यान।

अनुसंधान पर्यवेक्षणः

पीएचडीः (एक)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

प्रशिक्षण सामग्री/पाठ्यक्रम अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए नेतृत्व पर शैक्षिक प्रशासन में जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए विकसित, 8–12 सितंबर, 2014, न्यूपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण (डॉ. आर.एस. त्यागी के साथ)

अब तक 17 राज्यों की रिपोर्ट पूरी हो चुकी है और प्राप्त हो प्राप्त हो गयी है।

17 शैक्षिक प्रशासन संरचनाओं पर अंतिम अवस्था रिपोर्ट, कार्यों और प्रक्रियाओं को प्राप्त किया गया है।

आंध्र प्रदेश	मध्य प्रदेश
अरुणाचल प्रदेश	महाराष्ट्र
असम	मणिपुर
बिहार	मिजोरम
छत्तीसगढ़	नगालैंड
गोवा	ओडिशा
गुजरात	सिक्किम
कर्नाटक	उत्तराखंड
केरल	

सदस्यता (न्यूपा में समितियां)

प्रबंधन, न्यूपा बोर्ड

शैक्षणिक परिषद न्यूपा

विभागीय पदोन्नति समिति

एम.फिल. और पी.एच.डी. के लिए स्थायी समिति

एम.फिल. और पी.एच.डी. के लिए पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति

सचिव समिति एम.फिल. और पी.एच.डी. की प्रगति की समीक्षा के लिए

एमफिल और पी.एच.डी. के लिए लिखित परीक्षा के लिए मॉडरेशन कमेटी

अध्यक्ष, एम.फिल./पी.एच.डी. में प्रवेश के लिए साक्षात्कार समिति (2014)

अध्यक्ष, जांच समिति (संकाय की स्थिति अनुप्रयोग)

प्रोफेसर के लिए सेमिनार प्रस्तुति और एसोसिएट प्रोफेसर के पदों पर समिति

न्यूपा अनुसंधान समिति

सदस्यता (न्यूपा के बाहर समितियां)

सदस्य संपादकीय बोर्डः उच्चतर शिक्षा इंडियन जर्नल।

"अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा" पर अखिल भारतीय अध्ययन के लिए समन्वय समिति, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

कार्यकारी निकाय, नेगफायर, नई दिल्ली।

सदस्य, कार्यकारी समिति, मामला।

संपादकः

अंतरीप न्यूजलेटर (द्वि–वार्षिक)

न्यूपा समसामयिक पेपर सीरीज

न्यूपा समसामयिक पत्र श्रृंखला (संपादक)

शिक्षा, गरीबी और बहिष्करण, डॉ मधुमिता बंदोपाध्याय

भारत में निजी विश्वविद्यालयः विकास, स्थिति और चिंताएं, डॉ संगीता अंगोम

एक केस स्टडी, प्रो रत्न सुदर्शन द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के लैंगिक समानता परिणाम

प्रो. कुमार सुरेश

प्रकाशन

पुस्तकें/दस्तावेज/रिपोर्ट/तैयार/प्रकाशित

अबस्ट्रैक्ट ऑफ इनोवेशंस इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन 2015 (के. सुजाता और कुमार सुरेश)

इनोवेशंस इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशनः स्लैक्ट केस ऑफ इनोवेशंस 2015 (संपादक के. सुजाता और कुमार सुरेश)

शोध पत्र/आर्टिकल/नोट्स

'साइटस फॉर एजुकशन एक्सक्लूजन एंड क्वैस्ट फॉर इन्क्लूजन, संगोष्ठी प्रस्तुति आलेख, संगोष्ठी रिपोर्ट में प्रकाशित, 2015 लोकाश्रया फाउण्डेशन, नई दिल्ली

'इक्विटी एंड इंक्लूजन इन एजुकेशन इन इंडियाः पॉलिसीज, प्रोग्राम्स एंड चैलेंजेज, एंट्रीप न्यूजपेपर, वाल्यूम. 21 नं. 1, 2015

पुस्तक में अध्याय

'सिटीजनशिप एंड अफरमेशन ऑफ ग्रुप डिफरेंसः कंस्टीट्यूशनल मोड ऑफ नेगोसिएटिंग रिलीजियस आइडेंटिटी इन इंडिया'. इन अनवर आलम एंड कोनराड पेजीविटर. स्टेट्स एंड मुस्लिम इन यूरोप एंड इंडिया, न्यू सेंचुरी पब्लिकेशन (प्रकाशनाधीन)।

'डिसेंट्रलाइजेशन एंड पार्टिसिपेटरी स्कूल गवर्नेंसः पॉलिसी एंड प्रैक्टिस इन्टरफेस' रूटलेज द्वारा प्रकाशति किया जाएगा(प्रकाशनाधीन)।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला में भाग लिया

अंतरराष्ट्रीयः

"सहकारी संघवाद को मजबूत बनानाः राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और अंतरराष्ट्रीय अनुभव" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग

लिया महासंघों, यूएनडीपी, विश्व बैंक के फोरम के सहयोग से अंतर–राज्य परिषद, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 20–21 जनवरी, 2016, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, भारत।

गोलमेज सम्मेलन (संघवाद और शैक्षिक विकेंद्रीकरण) पर एशिया–प्रशांत कार्यशाला में आमंत्रित करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया "क्यों केंद्रीकरण और महासंघों में विकेन्द्रीकरण?" फेडरल स्टडीज, केंट विश्वविद्यालय, ब्रिटेन और के अध्ययन के लिए केंद्र के लिए केंद्र द्वारा आयोजित राज्य और स्थानीय सरकार, लफयेत्ते कॉलेज, संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से लेवरहम ट्रस्ट, ब्रिटेन और रूस कनाडा के फोरम, 20 फरवरी 2016 शेरेटन होटल, नई दिल्ली।

नीतिगत सुधार और संघीय शासन उच्च शिक्षा: आवर्ती मुद्दे और उभरती चिंताएं पर परिवर्तन के लिए रास्ते अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और भारत के लिए उच्च शिक्षा में सुधार, शिक्षा नीति विभाग द्वारा आयोजित तुलनात्मक विचार के लिए भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किया, न्यूपा, 4–5 मार्च, 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय:

संगोष्ठी आलेख प्रस्तुत शैक्षिक बहिष्करण और समावेशन की खोज के लिए वेबसाइट, लोकशरय फाउंडेशन, नई दिल्ली, 31 जुलाई 2015 को आयोजित।

भाग लिया और दो प्रसंग– पर पैनलिस्ट के रूप में प्रस्तुति दी उच्च शिक्षा और उच्च शिक्षा में शिक्षकों की गुणवत्ता में शासन, मुद्दों गुणवत्ता की शिक्षा के लिए शासन सुधार, उच्चतर विभाग और व्यावसायिक शिक्षा, न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परामर्श बैठक। 8–9 सितंबर, 2015 को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

कार्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशाला आयोजित

आपदा और विस्थापन, की स्थिति में शैक्षिक प्रशासन की प्रतिक्रिया पर संगठित की तीन दिवसीय कार्यशाला 22–24 सितम्बर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशासन, 09–10 दिसंबर, 2015 में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन, नई दिल्ली (प्रोफेसर के. सुजाता के साथ)।

विश्वविद्यालयों में विविधता और इक्विटी का प्रबंधन और कॉलेज मार्च 07–11, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली पर अभिविन्यास सह कार्यशाला।

शोध छात्रों के लिए लेखन कौशल पर कार्यशाला आयोजित, 1–4 सितंबर, 2015, न्यूपा।

शैक्षिक प्रशासन पर तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण के तहत भागीदारी और संबंध क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय कार्यशालाएं

न्यूपा, पश्चिमी भारतीय राज्यों की क्षेत्रीय कार्यशाला, 20–22 अप्रैल, 2015।

उत्तराखंड में राज्य स्तरीय कार्यशाला, 30 अप्रैल–मई 01, 2015, देहरादून।

गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों की क्षेत्रीय कार्यशाला, 18–20 मई, 2015।

अहमदाबाद में गुजरात की राज्य स्तरीय कार्यशाला, 25–26 मई, 2015।

पटना में बिहार की राज्य स्तरीय कार्यशाला 08–09 जून, 2015।

हैदराबाद तेलंगाना राज्य स्तरीय कार्यशाला, जनवरी, 2016।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति के सदस्य अल फलाह विश्वविद्यालय, धौज, फरीदाबाद, यात्रा करने के लिए विश्वविद्यालय के मानदंडों की पूर्ति के मौके पर आकलन के रूप में यूजीसी नियमन में निर्धारित 29–30 मई, 2016।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, इग्नू आदि के 8 डॉक्टरेट शोध, बाहरी परीक्षक के रूप में सेवा।

शोध अध्ययन, ग्रामीण विकास बोर्ड विभाग, एस.ओ.सी.ई, इग्नू, नई दिल्ली।

चार परियोजना रिपोर्ट, आईसीएसएसआर के एक विशेषज्ञ के रूप में सेवा और मूल्यांकन, आईसीएसएसआर के लिए प्रस्तुत।

शैक्षणिक सलाहकार समिति, मानव संसाधन विकास केन्द्र, रायपुर विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के सदस्य।

शासी निकाय के सदस्य, सैंट जेवियर्स कॉलेज, (ऑटोनोमस) पलायामकोट्टई, तमिलनाडु।

शासी निकाय, तारा गवर्नमेंट कॉलेज के सदस्य (ऑटोनोमस) , संगारेड्डी, मेढक जिला, तेलंगाना।

न्यूपा के बाहर शैक्षिक निकायों में सदस्यता

भारतीय सामाजिक सोसायटी के आजीवन सदस्य।

आजीवन सदस्य आईआईपीए, नई दिल्ली।

गांधीयन अध्ययन के संपादकीय बोर्ड के जर्नल, नई दिल्ली के सदस्य।

अन्य:

एम.फिल. और पी.एच.डी.

''विकेंद्रीकरण और शैक्षिक प्रशासन के संस्थागत गतिशीलता: राजस्थान के अलवर जिले में तीन स्कूलों के एक अध्ययन'' पर एम.फिल. निबंध सुश्री अनुराधा बोस ने 2015 में पूरा किया गया और सम्मानित किया।

तीन पी.एच.डी. विद्वान सुश्री सोनाली चितालकर, सुश्री पूजा शुक्ला और सुश्री ओरधा बोस के डॉक्टरेट की शोध।

डेपा के पर्यवेक्षण और आईडेपा परियोजना का काम

''घाना शिक्षा सेवा में शिक्षक अवधारणा पर मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं के प्रभाव, श्री ओ. डीकोस्टा द्वारा आईडेपा परियोजना 2015 में पूरी की सम्मानित किया।

भोपाल जिले में प्रतिभा पर्व (मध्य प्रदेश) श्री राकेश पांडे के माध्यम से सीसीई कार्यान्वियन के एक अध्ययन पर पीजीडेपा परियोजना 2015 में पूरी की और सम्मानित किया।

'अग्रणी स्कूल प्रशासन प्रभावी ढंग, उप–प्रधान की भूमिका', स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए परियोजना का काम 2015 में पूरा किया और सम्मानित किया।

समन्वय और एम फिल/पी.एच.डी. में शिक्षण कार्यक्रम

कोर पाठ्यक्रम सीसी–07 शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर समन्वित और दो सम्पादित।

इक्विटी और बहुसांस्कृतिक शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी –07 समन्वित और 10 सम्पादित।

सीसी–01 के पाठ्यक्रम टीम के एक सदस्य के रूप में शिक्षा पर राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर 10 सम्पादित।

शैक्षिक प्रशासन में समन्वय और पीजीडेपा उन्नत पाठ्यक्रम में शिक्षण

पाठ्यक्रम के रूप में समन्वयक पाठ्यक्रम के लेन–देन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की और अन्य लोगों के साथ पाठ्यक्रम सम्पादित।

मानव संसाधन केंद्रों में आमंत्रित व्याख्यान

'लोकतंत्र और उच्च शिक्षा के परिसरों पर नागरिकता', यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, 15 अक्तूबर, 2015।

'बहुलवाद और भारतीय सोसायटी' ह्यूमन राइट्स एंड यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र (अकादमिक स्टाफ कॉलेज), जामिया मिलिया इस्लामिया में सामाजिक समावेश में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 03 अगस्त, 2015।

'बहुसंस्कृतिवाद और भारतीय समाज' यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र (अकादमिक स्टाफ कॉलेज) में राजनीति विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, जामिया मिलिया इस्लामिया, 06 नवम्बर, 2015।

'सिद्धांत और भारत में बहुसंस्कृतिवाद की प्रैक्टिस' यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र (अकादमिक स्टाफ कॉलेज) पर विशेष शीतकालीन स्कूल, जामिया मिलिया इस्लामिया, 14 दिसंबर, 2015।

एक संसाधन व्यक्ति और 15 से अधिक प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक नीति विभाग, स्कूल स्टैंडर्ड और मूल्यांकन, स्कूल लीडरशिप आदि के लिए राष्ट्रीय केन्द्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में चर्चाकार के रूप में सेवा।

पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति में शामिल न्यूपा के विभिन्न शैक्षिक निकायों के एक सदस्य के रूप में योगदान; समिति एम.फिल./पी.एच.डी. के काम की प्रगति की समीक्षा करने के लिए। एम.फिल/पी.एच.डी. कार्यक्रम की संचालन समिति; छात्र परामर्श केन्द्र; यह भी सलाहकार समिति के सदस्य और न्यूपा के विभागों के विभिन्न कार्य बलों के कार्यक्रमों के संचालन के संबंध के रूप में योगदान।

विनीता सिरोही

प्रकाशन

आलेख प्रकाशित

"स्किल इंफॉरमेशन बेस फॉर टैक्निकल एंड वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग पॉलिसी" पब्लिस्ड इन इंडियन एजुकेशनल रिव्यू जर्नल, वाल्यूम 52 नं.2 जुलाई 2014, एनसीईआरटी, दिल्ली

"वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन इंडिया: पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज" अन्डर रिवीजन फॉर पब्लिकेशन इन एन इंटरनेशनल जर्नल

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

सत्र के लिए अध्यक्ष 'स्कूल महिलाओं के लिए काम करने के लिए संक्रमण' – ए.आई.डब्ल्यू.एफ.ए. और यूनेस्को द्वारा आयोजित सम्मेलन 27 मई, 2015

राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया और 12 जनवरी, 2016 को आरएमएसए के तहत व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार की समीक्षा और कार्यान्वयन पर परामर्श बैठक, स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विभाग (एमएचआरडी), भारत सरकार के सहयोग से पी. एस.एस.सी.आई.वी.ई. द्वारा आयोजित।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण का आयोजन

योजना और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रबंधन पर पुनश्चर्या कार्यक्रम 30 नवम्बर से 4 दिसंबर 2015, न्यूपा।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/सम्पादित

एसोसिएट संकाय और पी.एच.डी./एम.फिल. कोर पाठ्यक्रम शिक्षा के सीसीआई–परिप्रेक्ष्य में टीचिंग (12 सत्र)।

शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम पीजीडेपा कोर्स में संकाय शिक्षण और सहयोगी।

एडवांस कोर्स में सामग्री की तैयारी और (संगठनात्मक व्यवहार) शैक्षिक प्रशासन कोर्स पर पीजीडेपा में अध्यापन।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

एप्टीट्यूड (एमएचआरडी) स्कूलों में माध्यमिक स्तर पर मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

सदस्य, पुराना सचिवालय, दिल्ली, 8 मई 2015 को एससीईआरटी दिल्ली की कार्यकारी समिति की बैठक।

कक्षा छठी से आठवीं और नौवीं पर शिक्षा और एससीईआरटी दिल्ली निदेशालय द्वारा आयोजित 22 दिसम्बर 2015 को पाठ्यक्रम की कमी पर कोर कमेटी के सदस्य।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

न्यूपा रिसर्च के कार्य समूह के सदस्य रिपोर्ट के प्रकाशन श्रृंखला।

पी.एच.डी. और एम.फिल. विद्वानों को अनुसंधान मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण तथा सम्मानित।

एक पी.एच.डी. प्रदान

शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम पीजीडेपा कार्यक्रम में संकाय शिक्षण और सहयोगी।

पीजीडेपा और आईडेपा निबंध का पर्यवेक्षण – एक

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

संपादकीय टीम के सदस्य व्यावसायिक शिक्षा पीएसएससीआईवीई इंडियन जर्नल।

एप्लाइड मनोविज्ञान इंडियन एकेडमी के आजीवन सदस्य।

नैदानिक मनोवैज्ञानिक इंडियन एसोसिएशन के आजीवन सदस्य।

आर.एस. त्यागी

प्रकाशन

पुस्तक प्रकाशित

मॉडल एजुकेशन कोड – प्रैक्टिस एंड प्रोसेस ऑफ स्कूल मैनेजमेंट, न्यूपा द्वारा प्रकाशित जुलाई 2015. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित समिति के रूप में काम किया और पाँच अध्यायों में योगदान– (1) एडमिशन, (2) सुपरविज़न एंड सपोर्ट एट द स्कूल लेवल, (3) स्कूल एसैसमेंट एंड इवाल्यूशन, (4) स्कूल मैनेजमेंट कमिटी और (5) कोर्डीनेशन विद लोकल अथॉरिटी।

शोध पत्र प्रकाशित

"लोकल लेवल एडमिनिस्ट्रेटिव रिफ्रॉम एंड मैनेजमेंट ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया" इंटनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, वाल्यूम 4, इश्यू 4, दिसंबर, 2015

कार्यशालाओं का आयोजन

शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण, कर्नाटक, गोवा, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र, सहित पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला के समन्वयक, 20–22 अप्रैल, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

उत्तर–पूर्वी राज्यों (असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, मणिपुर और त्रिपुरा) के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला के लिए समन्वयक 18–20 मई, 2015, गुवाहाटी, असम

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के राज्यों के लिए शैक्षिक प्रशासन का तीसरा सर्वेक्षण पर क्षेत्रीय कार्यशाला के समन्वयक 13–15 जुलाई, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

कार्यशालाओं में भाग लिया

संसाधन व्यक्ति के रूप में सीमैट में शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, उत्तराखंड में भाग लिया, मई 1–2, 2015।

संसाधन व्यक्ति के रूप में शिक्षक सदन, बैंगलोर, कर्नाटक में शैक्षिक प्रशासन की तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया, मई 12–13, 2015।

गांधी नगर में शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण, गुजरात गांधी नगर पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया, 25–26 मई, 2015।

एससीईआरटी में शैक्षिक प्रशासन को तीसरी अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया, गोवा 15 जून, 2015।

गुवाहाटी में शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण, असम राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया 24–25 जून, 2015।

गंगटोक में शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण, सिक्किम, राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया 26–27 जून, 2015।

एससीईआरटी में शैक्षिक प्रशासन की तीसरी अखिल भारतीय सर्वेक्षण, गुड़गांव राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया 28 सितंबर, 2015।

सीमेट राज्य स्तरीय कार्यशाला, इलाहाबाद उत्तर प्रदेश, में भाग लिया, 24–25 अगस्त, 2015।

राज्य स्तरीय कार्यशाला प्रशासन, मध्य प्रदेश अकादमी राज्य शिक्षा केन्द्र, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित में भाग लिया, 26 अगस्त, 2015।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पूर्वोत्तर के सभी राज्यों से जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम 12–16 अक्टूबर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा कोर्स 904 के संयोजक।

शोध–पत्र कार्यशाला/सम्मेलन

शोध पत्र "भारत–एक तुलनात्मक विश्लेषण में स्कूल शिक्षा के प्रबंधन में अनुसंधान" जनवरी 2016 में आयोजित स्कूल शिक्षा में सुधार की गुणवत्ता पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता, राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए भारत सरकार के विभाग को प्रस्तुत की।

एक सामयिक पेपर "प्राथमिक शिक्षा की विकेन्द्रीकृत प्रबंधन और स्थानीय स्वशासन संस्थाओं की भूमिका" तैयार किया है और न्यूपा को प्रस्तुत किया।

अप्रैल, 2015 में आयोजित अंतरीप कार्यशाला के लिए संरचना और कार्य (प्रो के. सुजाता और डॉ आर.एस. त्यागी) – भारत में स्कूली शिक्षा का प्रशासन।

शोध पत्र, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत नीति सुधारों का भारत में स्कूली शिक्षा के प्रशासन में परिवर्तन पर फरवरी 2016 में तैयार, 24 से 28 अप्रैल 2016, पुनर्जागरण वाशिंगटन डीसी, डाउन टाउन होटल, वाशिंगटन, अमेरीका।

शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण

प्रोजेक्ट इंचार्जः प्रो. के. सुजाता और डा. आर. एस. त्यागी।

अब तक 17 राज्यों की रिपोर्ट पूरी हो चुकी है और प्राप्त कीं।

17 शैक्षिक प्रशासन संरचनाओं पर अंतिम अवस्था रिपोर्ट, कार्य और प्रक्रियाएं प्राप्त किया गयी है।

आंध्र प्रदेश	मध्य प्रदेश
अरुणाचल प्रदेश	महाराष्ट्र
असम	मणिपुर
बिहार	मिजोरम
छत्तीसगढ़	नगालैंड
गोवा	ओडिशा
गुजरात	सिक्किम
कर्नाटक	उत्तराखंड
केरल	

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

स्कूल शिक्षा, भिवानी, हरियाणा के बोर्ड में विनियम समिति और समानता के सदस्य।

शिक्षक प्रशिक्षकों के अखिल भारतीय संघ के आजीवन सदस्य।

भारत के तुलनात्मक एजुकेशन सोसायटी के आजीवन सदस्य (सी.ई.एस.आई.) शिक्षा सोसायटी के वर्ल्ड कांग्रेस के–एक सहबद्ध सदस्य।

अन्य गतिविधियां

एम.फिल. छात्र वर्तिका कौशल का पर्यवेक्षक।

एक पीजीडेपा और उनके क्षेत्र के अध्ययन की तैयारी में एक आईडेपा भागीदार।

मॉडल शिक्षा संहिता गठित की तैयारी पर समिति मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा भारत सरकार के संयोजक। मॉडल शिक्षा संहिता न्यूपा में परियोजना मोड में तैयार किया गया है। तैयारी और कोड को अंतिम रूप देने के लिए समिति, उप–समिति और विशेषज्ञ समिति की कई बैठकों का समन्वय। अंत में मॉडल शिक्षा संहिता जुलाई, 2015 में न्यूपा द्वारा प्रकाशित किया गया है।

मंजू नरूला

प्रकाशन

रिफ्लैक्शन ऑन रिफ्रॉम इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशनः केस स्टडी ऑफ बिहार, इंडिया, एक्स्पैटेड इन जर्नल–अमेरिकन सोसायटी ऑफ बिजनेस एंड बिहेवियर साइंसेज, पेपर एक्स्पैटेड इन द जर्नल ऑफ एएसबीबीएस।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

18–21 फरवरी, 2016 से व्यापार और व्यवहार विज्ञान के अमेरिकन सोसायटी के लिए 23वें वार्षिक सम्मेलन (एएसबीबीएस), में भाग लिया लास वेगास, अमेरिका, शैक्षिक प्रशासन में सुधार पर विचार पत्र प्रस्तुत कियाः बिहार, भारत के मामले का अध्ययन।

राष्ट्रीय

28 एससीईआरटी में शैक्षिक प्रशासन पर तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण, गुड़गांव पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया 28 सितंबर, 2015।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण का आयोजन कार्यक्रम

7–11 सितंबर, 2015 (प्रो. के. सुजाता के साथ संयुक्त रूप से) से शैक्षिक प्रशासन और राज्य और जिला स्तर पर महिलाओं व्यवस्थापकों के लिए प्रबंधन पर अभिविन्यास–सह–कार्यशाला।

4–8 जनवरी, 2016 से प्रो. के. सुजाता के साथ समन्वयक के रूप में आंध्र प्रदेश से राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

8–12 फरवरी, 2016 से प्रो. के. सुजाता के साथ समन्वयक के रूप में आंध्र प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेजों के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

पटना, बिहार में शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण के तहत शैक्षिक प्रशासन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला, 08–09 जून, 2015।

कोलकाता में शैक्षिक प्रशासन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण, पश्चिम बंगाल 18–19 मार्च, 2016 के तहत शैक्षिक प्रशासन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/वर्ष के दौरान रिपोर्ट सम्पादित

कोर्स टीम के सदस्य एवं शिक्षण पाठ्यक्रम "शैक्षिक प्रशासन इकाई" शैक्षिक प्रबंधन, पीजीडेपा।

सामग्री की तैयारी और पाठ्यक्रम में "शैक्षिक प्रशासन" पीजीडेपा में शैक्षिक प्रशासन कोर्स पर उन्नत पाठ्यक्रम में इकाई, शैक्षिक प्रबंधन में शिक्षण।

समन्वय एवं आईडेपा में शैक्षिक प्रशासन पाठ्यक्रम।

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन

पीजीडेपा भागीदार

"आरटीई के प्रकाश में कोहिमा जिले में सरकारी और निजी स्कूलों में शिक्षकों की योग्यता पर एक तुलनात्मक अध्ययन"

आईडेपा भागीदार

"बांग्लादेश में लड़कियों की समस्याएं और संभावनाओं के लिए माध्यमिक शिक्षा: कुछ चयनित स्कूलों पर एक अध्ययन" सुश्री साइमा रहमान एफ.ओ.एम. बांग्लादेश आईडेपा–XXXI

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल/पी.एच.डी. कार्यक्रम के लिए चयन समिति के सदस्य।

लिखित परीक्षा लिपियों के मूल्यांकन के लिए सदस्य।

आवास आवंटन समिति के सदस्य।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

शिक्षक प्रशिक्षकों के अखिल भारतीय संघ की आजीवन सदस्यता।

भारत के तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी की आजीवन सदस्यता।

शिक्षा और आर्थिक विकास के लिए समाज की आजीवन सदस्यता।

शैक्षिक वित्त विभाग

जांध्याला बीजी तिलक (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

समिति की रिपोर्ट

रिपोर्ट ऑफ द एक्स्पर्ट कमिटी ऑन स्टैटिक्स ऑन स्कूल फाइनेंस, नई दिल्ली: मा.सं.वि.मं., भारत सरकार, मार्च 2016 (कमिटी की अध्यक्षता)।

शोध पत्र

ए डिकेड ऑफ अप एंड डाउन इन पब्लिक एक्पेंडीचर आन हायर एजुकेशन, इन इंडिया: हायर एजुकेशन रिपोर्ट. (संपा.: एन.वी. वर्गीज एंड जी. मलिक) लंदन: रूटलेज/न्यूपा, 2016, पृष्ठ 307–332।

इक्विटेबल एक्सेस टू एजुकेशन एंड स्किल डवलपमेंट एंड प्राइवेटाजेशन आफ हायर एजुकेशन, कीनोट लैक्चर, 98 अनुअल कान्फ्रेंस आफ द इंडियन इकोनोमिक एसोसिएसन 2015, सैन्टर फार इकोनोमिक एंड सोशियल स्टडीज, हैदराबाद, 27–29 दिसंबर 2015।

हाउ टू केरल डूइंग इन हायर एजुकेशन? पेपर प्रजेंटेड इन फस्ट अनुअल कान्फ्रेंस आफ द केरल इकोनोमिक एसोसिएशन, कोच्चि (8–10 मई, 2015)।

हाउ इंक्लूसिव इज हायर एजुकेशन इन इंडिया? सोशल चेंज 45(2) (जून 2015): 185–223 http://sch.sagepub.com/content/45/2/185.full.pdf+html

प्रोमोशन एंड एकेडमिक प्रोफेशन इन इंडिया: अपवर्ड मोबिलिटी ऑफ टीचर इन हायर एजुकेशन, इन द चेनिंग एकेडमिक प्रोफेशन इन एशिया: द चैलेंजज एंड द ट्रांसफोरमेशन ऑफ एकेडमिक प्रोफेशन इन एशिया, आरआईएचई इंटरनेशनल सेमीनार रिपोर्ट नं. 23. हिगासी हिरोशिमा: हिरोशिमा युनिवर्सिटी (दिसंबर 2015), पृष्ठ 119–48 (मैथ्यू के साथ)।

ट्रांजिशन टू हायर एजुकेशन इन इंडिया, इन ट्रांजिशन फ्रॉम सेकेण्डरी एजुकेशन टू हायर एजुकेशन: केस स्टडीज फ्रॉम एशिया एंड द पैसिफिक. पेरिस: यूनेस्को एंड यूनेस्को बैंकाक, 2015, पृष्ठ 47–66 (के. बिस्वाल के साथ)।

लघु/लोकप्रिय लेख/न्यूजलेटर में लेख

फंडिंग फार कॉमन गुड: फाइनेंसिंग एजुकेशन, योजना वाल्यूम 60 (स्पेशल इश्यू) (जनवरी 2016): 12–13

टूवार्ड्स ए सस्टेनेबल, ह्यूमन सोसायटी, यूनिवर्सिटी वर्ल्ड न्यूज इश्यू नं. 00363 (17 अप्रैल 2015)।

http://www.universityworldnews.com/article.php?story=20150414061656391

नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन: प्राइओरिटीज फॉर पॉलिसी मेकर, एडु टैक (20 फरवरी 2015) (ऑनलाइन) http://www.edu-leaders.com/column/1002239/नेशनल–पॉलिसी– ऑन– एजुकेशन–इश्यू–इन–फाइनेंसिंग–ऑफ हायर– एजुकेशन; 'नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन: इश्यू इन फाइनेंसिग ऑफ हायर एजुकेशन' नोराग न्यूज 52 (अगस्त 2015): 73–74

विशेष व्याख्यान

प्रमुख वक्ता के रूप में व्याख्यान, 98वें भारतीय आर्थिक संघ के 2015 का वार्षिक सम्मेलन, आर्थिक और सामाजिक अध्ययन के लिए केंद्र, हैदराबाद, 27 दिसंबर, 2015।

दीक्षांत समारोह, गायत्री विद्या परिषद, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, 21 दिसंबर, 2015।

सार्वजनिक व्याख्यान 39वीं सामाजिक विज्ञान के इंडियन एकेडमी ऑफ सोशल साइंस कांग्रेस। मंगलौरः मंगलौर विश्वविद्यालय, 3 दिसंबर, 2015।

दसवां मुनिस रजा मेमोरियल लेक्चर, क्षेत्रीय विकास के अध्ययन के लिए केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 6 नवंबर, 2015।

सेमिनार/सम्मेलन में भागीदारी

आरटीई अधिनियम के क्रियान्वयन की स्थिति पर 6वें राष्ट्रीय सम्मेलन निर्दिष्टकालिक, 2009 नई दिल्लीः शिक्षा मंच (21 मार्च 2016) उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और एक विशेष भाषण दिया।

भारत में उच्च शिक्षा पर रजत जयंती स्मारक संगोष्ठीरू उत्कृष्टता, के साथ विस्तारः कोलकाता, कलकत्ता विश्वविद्यालय 18 मार्च 2016 एक विशेष उद्घाटन सत्र में भाषण दिया।

21वीं शताब्दी में भारत में, उच्च शिक्षा और बढ़ती विश्व व्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। केरल – राजनीतिक वैज्ञानिकों के संघ का सम्मेलन। आँचल, केरलः सेंट जॉन्स कॉलेज उद्घाटन भाषण, (10–11 मार्च, 2016।

शिक्षा के क्षेत्र में सार्वजनिक–निजी भागीदारी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में विशेष भाषण दिया, चंडीगढ़ः पंजाब विश्वविद्यालय का लोक प्रशासन विभाग, 8 मार्च, 2016।

सर्व शिक्षा अभियान, स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन भाषण, 5 मार्च, 20016 तिरुवनंतपुरम।

उत्कृष्टता, बनाए रखने के लिए नई शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः कासरगोड केरल 28–29 जनवरी, 2016, की केन्द्रीय विश्वविद्यालय उद्घाटन भाषण।

विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी मानदंड स्थानांतरण और शिक्षा संकट। शिक्षा का भारतीय संस्थान, पुणे पर 'पीपुल्स काउंसिल (16–18 जनवरी 2016)। पैनलिस्ट; एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता एक और तकनीकी सत्र के लिए चर्चाकार।

98वें भारतीय आर्थिक संघ, 2015, आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र, हैदराबाद के वार्षिक सम्मेलन, 27–29 दिसंबर, 2015 मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान।

ज्ञान समाज के प्रति शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन पर ध्यान देने के साथ शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासनिक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। तिरुवनंतपुरम केरल सीमेट (17–18 दिसं, 2015) मुख्य भाषण दिया।

भारत में उच्च शिक्षा पर गोलमेज सम्मेलन। अहमदाबादः गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (5 दिसंबर, 2015)।

39वें भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस। भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी मंगलौर, मंगलौर विश्वविद्यालय (1–5 दिसंबर 2015) सार्वजनिक व्याख्यान। 3 दिसंबर, 2015।

नई शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कोलकाता रामकृष्ण मिशन संस्कृति संस्थान, पैनल भाषण दिया, 8 नवंबर, 2015।

शैक्षिक वित्त पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों के लिए वित्तीय समर्थन तंत्र। बीजिंगः पीकिंग विश्वविद्यालय, (27–28 अक्टूबर 2015) मुख्य भाषण दिया।

ब्रिक्स विश्वविद्यालय अध्यक्ष फोरम बीजिंगः बीजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी (17–18 अक्टूबर 2015) एक पूर्ण सत्र में पैनलिस्ट और मुख्य भाषण।

नई शिक्षा नीतिः राज्य लोक विश्वविद्यालयों में सुधार पर परामर्श बैठक। गांधीनगरः गुजरात (26 सितम्बर 2015) के केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

समाज को उच्च शिक्षा से जोड़ने पर परामर्श बैठक, शिमलाः भारतीय एडवांस्ड स्टडीज संस्थान (27–28 अगस्त, 2015) एक प्रस्तुति पेश की।

नई शिक्षा नीति 2015, परामर्शदात्री बैठक, हैदराबादः मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (24 अगस्त 2015) उद्घाटन सत्र में भाषण दिया।

मध्य यूरोपीय विश्वविद्यालय, बुडापेस्ट/ओपन सोसायटी मूलाधार, 'शिक्षा के लिए अभिनव वित्तपोषण' न्यूयॉर्क (12–17 जुलाई 2015) एक व्याख्यान दिया।

"उच्च शिक्षा वित्त और राज्य," वित्त शैक्षिक अनुसंधान, पीकिंग विश्वविद्यालय/शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय अनुसंधान विश्वविद्यालय, उच्च अर्थशास्त्र (5–11 जुलाई 2015), चीन संस्थान में एक व्याख्यान दिया।

उच्च शिक्षा संस्थानों की सामाजिक जिम्मेदारी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। तिरुपतिः श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय (3–4 जुलाई 2015) उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण।

प्रथम वार्षिक केरल अर्थशास्त्र एसोसिएशन का सम्मेलन। कोच्चि (8–10 मई 2015) एक पूर्ण सत्र में पैनलिस्ट।

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक निकायों के लिए सेवा

सदस्य, 2015 सी.आई.ई.एस. सम्मेलन सलाहकार समिति। तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी, संयुक्त राज्य अमेरिका (2014–15)।

एकेडमिक संयोजक, तुलनात्मक शिक्षा समितियां, 2016 के 16वां वर्ल्ड कांग्रेस (बीजिंग)।

मोना खरे

प्रकाशन

प्रकाशन/मिमियो का शीर्षक

"टेकिंग द स्किल मार्च फारवर्ड इन इंडिया – ट्रांजिसनिंग टू द वर्ल्ड ऑफ वर्क, (2016) इन मथैस पिल्ज संपा. इंडिया प्रेपेरेशन फॉर द वर्ल्ड ऑफ वर्क, स्प्रिंगर वर्स।

एजुकेशन एड एंड इंटरनेशनल कॉपरेशन इन इंडियाः शिफ्टिंग डयनामिक्स, इंक्रीजिंग कोलाबोरेशन. (2015) चैप्टर इन आई–हुआन चैंग, शेंग–जू चान एड "इंटरनेशनल एजुकेशनल ऐड इन डवलपिंग एशिया–पालिसीज एंड प्रैक्टिसेज" स्प्रिंगर साइंस बिजनैस मीडिया सिंगापुर प्रा. लि.।

"संचार कौशल – एक कला, एक विधा, व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयाम – दृष्टि बदलने से सृष्टि बदलेगी" मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल (2015)।

ग्रेजुएट इम्प्लेबिलिटीः इंडिया चैलेंज पोस्ट 2015 डवलपमेंट एजेंडा इन इंडियन इकोनोमिक जर्नल, दिसंबर 2015, पृष्ठ 97–111.

शोध पत्र/लेख प्रकाशित

इंडियाज इमरजेंस एज रीजनल एजुकेशन हब, (2015) नम्बर 83ः स्पेशल इश्यू, द बोस्टन कॉलेज सेन्टर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई)।

ग्रेजुएट इम्प्लायबिलिटीः इंडियाज चैलेंज पोस्ट 2015 डवलपमेंट एजेंडा. इन इंडियन इकोनोमिक जर्नल, दिसंबर 2015, पृष्ठ 97–111

सेमिनार/सम्मेलन में भागीदारी/रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान कार्यशालाएं

भारत पर चर्चा संगोष्ठीः काम की दुनिया के लिए तैयारी – शिक्षा प्रणाली के लिए लेखक योगदान पुस्तक का

विमोचन, स्प्रिंगर प्रकाशन स्कूल 12 फरवरी 2016, आईआईएम, बैंगलोर में आयोजित कोलोन, जर्मनी विश्वविद्यालय के साथ सहयोग, भारतीय संस्थान प्रबंधन बंगलौर।

नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (सभागार), नई दिल्ली में 9 दिसंबर को "शैक्षिक प्रशासन में नवाचार" पर नवाचारों की प्रस्तुति नेशनल कांफ्रेंस में (हरियाणा व सिक्किम) पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

"ग्रामीण विकास में जेंडर बजट पर राष्ट्रीय कार्यशाला" 19 से 21 अगस्त 2015 एनआईआरडी और पीआर, हैदराबाद।

इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 19–01–2016 को आयोजित स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला में गुणवत्ता में सुधार लाने पर सम्मेलन।

प्रगति, चुनौतियां और उत्तरोत्तर–2015 के लिए प्राथमिकताएं शिक्षा एजेंडा, भारत में सभी के लिए शिक्षा पर गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया, नई दिल्ली, 09 अप्रैल, 2015।

ईएफए वैश्विक निगरानी रिपोर्ट, 2015 मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और नई दिल्ली में यूनेस्को, द्वारा अप्रैल 09, 2015 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रक्षेपण में भाग लिया।

विशेषज्ञ समवर्ती सत्र/जूरी/ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की 9 वीं राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन (एनआरसी) 'भारत में प्रबंधन शिक्षा के भविष्य, 31 मार्च से 1 अप्रैल, 2015 आईआईसी, नई दिल्ली–3।

अध्यक्ष/सत्र की अध्यक्षता/आमंत्रित वक्ता, काशी विद्यापीठ में मानव संसाधन विकास में चुनौतियां पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, वाराणसी "मानव संसाधन विकास –ज्ञान के लिए उच्च शिक्षा में बदलाव कैसे" 28 मार्च,, 2015।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण का आयोजन

लोक वित्त एवं नीति के राष्ट्रीय संस्थान (एनआईपीएफपी) 07 जनवरी, 2016 को हाल ही में विकसित शिक्षा परिणाम ढांचे पर चर्चा करने के लिए एक दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया, नई दिल्ली में संयुक्त रूप से व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी), भारत सरकार।

संगठित विशेषज्ञ समिति 26 अक्टूबर, 2015 को सी.पी. आर.एच.ई. में परियोजना पर बैठक "रोजगार और उच्च शिक्षा भारत में स्नातकों के रोजगार"।

शिक्षाः शैक्षिक विकास और असमानताओं को समझना (न्यूपा, नई दिल्ली, अगस्त 3–21, 2015) (28 प्रतिभागियों द्वारा मार्गदर्शन 18 विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों के 10 युवा संकाय सदस्यों और 18 अनुसंधान स्कोलर रिपोर्ट और संबंधित सामग्री शामिल वेबपोर्टल पर अपलोड किया गया है)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/सम्पादित

निम्नलिखित पाठ्यक्रम में शिक्षण

एम.फिल पी.एच.डी. – सीसी3, सीसी5 और ओसी 11।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में इंटरनेशनल डिप्लोमा (आईडेपा)

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा)

एम.फिल./पी.एच.डी. कार्य की देखरेख

क्र.सं.	पीएचडी का शीर्षक	रिसर्च स्कॉलर का नाम	वर्तमान स्थिति
1	पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले में माध्यमिक स्तर पर विद्यालय छाया शिक्षणः एक बहुस्तरीय विश्लेषण	शॉविक मुखर्जी	जारी
2	ज्ञान आधारित उद्योगों के स्थानिक वितरण और प्रवासन के बीच भारत में उच्च शिक्षा के लिए अंतःसंबंध	सुमित कुमार	जारी
क्र. सं.	**एम.फिल. अध्ययन का शीर्षक**	**रिसर्च स्कॉलर का नाम**	**वर्तमान स्थिति**
1.	भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अवसर की असमानता	सुहैल अहमद मीर	प्रस्तुत

पठन सामग्री विकासः

शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों की पहचान करने के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण (अनुसंधान मोनोग्राफ)	प्रो. मोना खरे	मोनोग्राफ का पहला मसौदा तैयार किया गया है। अंतिम संशोधन और संपादन जारी है।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

''शिक्षा प्रदर्शन सूचकांक'' वैकल्पिक तरीके' पद्धति नोट तैयार के अनुरोध पर व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी), भारत सरकार के क्रम में भारत में शिक्षा प्रदर्शन की परिचालन क्षमता में सुधार करने के लिए उपयोग, लक्ष्य और परिणामों पर ध्यान केंद्रित के माध्यम से व्यय।

विषय ''शिक्षा पर आलेख तैयार सार्वजनिक–निजी भागीदारी, निगमित सामाजिक खोज शामिल है फाइनेंसिंग के रूप में करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वांछित जिम्मेदारी'' में नई दिल्ली में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के राष्ट्रीय कार्यशाला मध्य जनवरी, 2016।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदानः

समन्वयक, रखरखाव और प्रबंधन, न्यूपा वेब पोर्टल

समन्वयक, रखरखाव और प्रबंधन, न्यूपा वेब पोर्टल

सदस्य, पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति।

सदस्य, एम फिल और पीएचडी, प्रवेश समिति।

सदस्य, एम.फिल./पी.एच.डी. के लिए प्रश्नों की स्थापना के लिए समिति प्रवेश परीक्षा।

डैक, शैक्षिक वित्त विभाग

डैक, उच्च शिक्षा विभाग

सदस्य – एम.फिल. पाठ्यक्रम संशोधन और पुनर्गठन समिति।

डैक, शैक्षिक योजना विभाग

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सलाहकार, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), धौलपुर हाउस, नई दिल्ली। साक्षात्कार हेतु।

सदस्य, उप–समिति सूचकांक पर शिक्षा के क्षेत्र में सेवा उत्पादन के सांख्यिकी मंत्रालय और पीआई, सीएसओ।

सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी)।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (नोएडा) की उप स्थायी समिति।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड एवं अनुश्रवण विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

विशेषज्ञ, दूरवर्ती शिक्षा ब्यूरो जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम

पुस्तक प्रस्ताव के लिए समीक्षक: स्प्रिंगरर्स सिंगापुर के लिए।

संपादकीय सलाहकार बोर्ड: हिमगिरी शिक्षा की समीक्षा आईएसएसएन 2321–6336

विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक (पीएचडी डी। मूल्यांकन)

अन्य

संगठित विशेषज्ञ समिति, 26 अक्टूबर, 2015 को सीपीआरएचई में परियोजना पर बैठक "रोजगार और उच्च शिक्षा भारत में स्नातकों के रोजगार"।

बैंगलोर के लिए प्रारंभिक फील्ड विजिट की पहचान की कंपनियों और विश्वविद्यालय टीम के साथ सर्वेक्षण/साक्षात्कार/योजना पर आगे निश्चित रूप से मिलने के लिए संपर्क किए जाने पर चर्चा की, साक्षात्कार, दौरा कंपनियों की यात्रा निम्नलिखित हैं:

अमित फडणीस
अध्यक्ष, इंजीनियरिंग और भारत
साइट नेता, सिस्को सिस्टम्स।
सेज यूनिट, सेसना बिजनेस पार्क,
कादूबिसनाहल्ली ग्राम,
वर्थूर होबली, सरजापुर – मराथल्ली,
बाहरी रिंग रोड,
बंगलौर – 560087 कर्नाटक और
कार्यालय 2: स्तर 1, ब्लॉक–बी, एस्क्वायर केंद्र
9, एमजी रोड, बंगलौर – 560001 कर्नाटक

डा. विजय जसवा (सीईओ)
और उसके साथी विनोद कुमार
सामरिक प्रणालियों प्रा. लि. (स्टार्ट–अप)
12, सेकंड और थर्ड फ्लोर
सेकेण्ड क्रॉस, 13 मेन वसथनगर,
बंगलौर, पिन–560052
राज्य की टीम प्रमुख, प्रो. रमायनजेनेलु की अध्यक्षता में, अर्थशास्त्र विभाग, बंगलौर विश्वविद्यालय।

यजाली जोसफिन

प्रकाशन

पुस्तकें/अध्याय

"21वीं सेंचुरी लीडरशिप इन स्कूल मेंनेजमेंट मैपिंग द वे अहैड: लीडिंग एजुकेशनल लीडरशिप इनटू द ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड थ्रू (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड" पब्लिस्ड इन एडिटेड बुक अन्डर द टाइटल एशियन एजुकेशनल लीडरशिप एंड लीडिरशिप अनुदेश सामग्री **शैक्षणिक प्रशासकों और योजनाकारों के लिए विकसित सामग्री**

1. उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में हाल ही में वैश्विक प्रवृत्तियों
2. भारत में उच्च शिक्षा के वित्त पोषण के नए तरीके – हाल में हुए बदलाव

आयोजित कार्यक्रम: विश्वविद्यालय वित्त के प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम (27–31 जुलाई, 2015)

परियोजनाओं में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को दी मार्गदर्शन (आईडेपा)

1	श्री अब्दलाह एहमद	स्टडी आफ आलटरनेटिव स्ट्रैटीज़ ऑफ फाइनेंसिन्ग ऑफ एलिमेन्ट्री एजुकेशन – ए केस स्टडी आफ सुन्नी मदरसा स्कूल – जंजीबार	जंजीबार	2015

वेटुकुरी पी.एस. राजू

प्रकाशन

'एलिमेंट्री एजुकेशन ऑफ मुस्लिम इन इंडिया' इन 'एजुकेशन एज ए बेसिक राइट ऑफ ह्यूमनकाइन्ड', इंडिया लॉग फाउण्डेशन, में अध्याय, नई दिल्ली (2015)।

'एथिक्स इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशनः प्लानिंग एंड स्ट्रेटेजी' इन 'ए डिस्कोर्स ऑन वैल्यू एजुकेशन' में अध्याय (संपा. अजीत मंडल एवं जयंत मेटे). दिल्लीः कुनाल बुक्स (2015)।

'कॉज़ेज ऑफ नॉन–इनरोलमेंट एंड ड्रॉप–आउट ऑफ मुस्लिम चिल्ड्रेन एट एलिमेंट्री स्टेज इन मेवात डिस्ट्रिक्ट ऑफ हरियाणा' सी.आर.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनोमिक चेंज, में अध्याय, महर्षि दयानन्द युनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा (प्रेस में)।

'इम्प्लीमेंटेशन ऑफ सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम इन एजुकेशन थ्रू डायरेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर विद स्पेशल रिफ्रेंन्स टू एनएसआईजीएसई स्कीम', में अध्याय इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली (प्रेस में)।

शोध पत्र/लेख/टिप्पणियाँ

शोध पत्र 'नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीमः अल्टरनेटिव एक्शन फॉर इक्विटी इन सेकेण्डरी एजुकेशन' एशियन नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट इन एजुकेशनल प्लानिंग (एंट्रीप) न्यूजलेटर (संपा. के. सुजाता) नई दिल्लीः न्यूपा, वाल्यूम 19 नं. 2, जुलाई–दिसंबर 2013 – वाल्यूम 21 नं. 2, जुलाई–सिंबर 2015।

लेख 'श्रीलंका में विद्यालयी शिक्षा में बदलाव के रुझान' (चेंजेज इन स्कूल एजुकेशन इन श्रीलंका). परिप्रेक्ष्य, न्यूपा, वाल्यूम 22 नं. 1, अप्रैल 2015।

अनुसंधान

पूर्ण अनुसंधान

'जम्मू–कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना' का मूल्यांकन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

जारी अनुसंधान परियोजनाएं

तुलनात्मक अध्ययनरू आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्टेज पर गैर नामांकन और मुस्लिम बच्चों के स्कूल छोड़ने के कारण।

'कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केन्द्रीय क्षेत्र के मध्य अवधि योजना का मूल्यांकन', मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

राष्ट्रीयः

'गैर–नामांकन के कारणों और ड्रॉप आउट, हरियाणा के मेवात जिले में प्राथमिक स्टेज पर मुस्लिम बच्चों के विकास की गतिशीलता, रणनीति, व्यवहार्यता और हरियाणा में आर्थिक चुनौतियां, सी.आर.पी. संस्थान और महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित में आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 23–24 मई, 2015, रोहतक, हरियाणा।

सामाजिक न्याय, भारतीय डॉ अम्बेडकर पीठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शडिजिटल भारत के साथ लिंक करना समाज कल्याण प्रशासन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी "प्रत्यक्ष लाभ विशेष संदर्भ के साथ एन.सी.आई.जी.एस. ई. योजना के लिए स्थानांतरण के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन पर एक पत्र प्रस्तुत किया, 26–27 नवंबर, 2015, लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली।

'जाति और सामाजिक बहिष्कार: मुद्दे और चुनौतियां हरियाणा में' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हरियाणा में अनुसूचित जातियों के शैक्षिक विकास में असमानता' सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन, पर एक पत्र प्रस्तुत, सी.आर.पी. संस्थान, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित 19–21 जनवरी, 2016, रोहतक, हरियाणा।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शासन में (आईसीटी) संचार और सूचना सेवाओं, विषय पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 30 जनवरी, 2016।

'उच्च शिक्षा: भारत की जरूरत?' शिक्षा विकास और अनुसंधान केंद्र (सीईजीआर), दिल्ली द्वारा आयोजित दूसरी राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 2015।

एम.फिल. पूर्व प्रस्तुत न्यूपा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

10–11 जून 2015 विवांता, फरीदाबाद, हरियाणा में फ्रांसिस भारत की ओर से आयोजित, भारतीय शिक्षा कांग्रेस 2015 में भाग लिया।

शिक्षा नीति संकाय, न्यूपा विभाग द्वारा 'नीतियों और प्रथाओं शिक्षा और विकास के अधिकार आधारित दृष्टिकोण' अनिल बोर्डिया पॉलिसी संगोष्ठी में भाग लियाए 15–16 फरवरी, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली।

'शिक्षा का अधिकार का समर्थन करने पर चर्चा' स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा 22–23 फरवरी, 2016 को आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर न्यूपा द्वारा आयोजित 'गुणवत्ता शिक्षा के लिए शासन सुधारों पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक' में भाग लिया आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, 8 सितंबर, 2015।

पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में 9 सितंबर, 2015 को प्रथम वर्षगांठ की उपलब्धियों भारत में सहस्राब्दि विकास लक्ष्य पर संगोष्ठी।

अंतरराष्ट्रीय:

3–4 अक्टूबर, 2015 के दौरान अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर इंडिया लॉग फाउंडेशन, जामिया द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती सम्मेलन 2015 'मानव जाति के एक मूलभूत अधिकार के रूप में शिक्षा' भारत में मुसलमानों की प्रारंभिक शिक्षा विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया जामिया मिलिया इस्लामिया और गांधी स्मृति दर्शन समिति, नई दिल्ली।

'शिक्षा: शासन, मुक्ति और गरिमा' पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में दलितों के बीच में स्कूल शिक्षा पर एक पत्र प्रस्तुत, भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सेसी) और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बंगलौर द्वारा आयोजित 14–16 दिसम्बर, 2015।

इंडिया हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली में व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षिक नीति और उच्चतर विभाग द्वारा आयोजित 'पब्लिक यूनिर्वसेलिटीज और भारत के लिए उच्च शिक्षा में सुधारों के लिए तुलनात्मक विचार परिवर्तन के रास्ते पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 4–5 मार्च, 2016।

आईएचसी, नई दिल्ली में 25–26 फरवरी, 2016 से 'शिक्षण और उच्च शिक्षा में अधिगम' विषय पर संगोष्ठी उच्च शिक्षा विभाग, न्यूपा और भारत ब्रिटिश काउंसिल में सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाओं में भागीदारी

एनआईआरडी और पीआर, हैदराबाद में भाग लिया 'मास्टर ट्रेनर्स के लिए ग्रामीण विकास में जेंडर बजट पर राष्ट्रीय कार्यशाला' 19–21 अगस्त, 2015।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

न्यूपा, नई दिल्ली में अक्टूबर 5–9, 2015 के दौरान 'योजना और स्कूल वित्त के प्रबंधन' में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन औ रूपरेखा।

कोर्स नं 207, रूपरेखा और समन्वितः शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा में 'वित्तीय योजना और शिक्षा में प्रबंधन' (32वां आइडेपा)

पाठ्यक्रम नं 903: शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में 'शैक्षिक योजना' (पीजीडेपा) रूपरेखा और समन्वित

लोक वित्त एवं नीति राष्ट्रीय संस्थान (एनआईपीएफपी), हाल ही में विकसित शिक्षा परिणाम ढांचे पर चर्चा करने के लिए संयुक्त रूप से आयोजित व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी), भारत सरकार की एक दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक (प्रोफेसर मोना खरे के साथ) भाग लिया नई दिल्ली, 07 जनवरी, 2016।

प्रशिक्षण सामग्री, पाठ्यक्रम विकसित और निष्पादित

प्रशिक्षण सामग्री विकसित, न्यूपा, नई दिल्ली में 'स्कूल वित्त के प्रबंधन और योजना' अभिविन्यास कार्यक्रम में सम्पादित।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित, न्यूपा में योजना और विश्वविद्यालय वित्त के प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (32वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कोर्स नं 207 'वित्तीय योजना और शिक्षा में प्रबंधन', सम्पादित, न्यूपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित और सम्पादित, कोर्स नं 903 न्यूपा में शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (पीजीडेपा) में 'शैक्षिक योजना' न्यूपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित और सम्पादित, कोर्स 905: न्यूपा में शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (पीजीडेपा) 'परियोजना का काम और लेखन' न्यूपा, नई दिल्ली।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा, पीजीडेपा भागीदार,

परियोजना का काम/निबंध के लिए पीजीडेपा प्रतिभागी को मार्गदर्शन दिया;

परियोजना का काम/निबंध के लिए आईडेपा प्रतिभागी को मार्गदर्शन दिया;

विद्या भारती स्कूल प्रधानाध्यापकों के लिए 'स्कूल कामकाज के बेहतर प्रबंधन की जरूरत और विकासशील स्कूल नेतृत्व के महत्व विषय पर व्याख्यान दिया।

लिंगाया विश्वविद्यालय में संकाय विकास कार्यक्रम, फरीदाबाद, हरियाणा के लिए संसाधन व्यक्ति

26–27 अगस्त, 2015 से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में डी.ई.ओ. और एम.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन, न्यूपा द्वारा आयोजित, संसाधन व्यक्ति।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के विभाग के लिए मध्यावधि मूल्यांकन, दो केंद्र प्रायोजित योजनाओं का अध्ययन।

त्रिपुरा के 'वन–डे प्रेरण स्कूलों का नया इंस्पेक्टर और पुनरभिविन्यास प्रशिक्षण के लिए मौजूदा इंस्पेक्टर के लिए प्रशिक्षण, में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। सर्व शिक्षा अभियान के स्कूलों और संसाधन व्यक्तियों 'राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान

के राज्य मिशन, त्रिपुरा, शिक्षा विद्यालय विभाग, भारत सरकार के कार्यालय द्वारा आयोजित। 15 मई 2015 प्रांगण भवन, अगरतला में।

सदस्य, सीबीएसई, नई दिल्ली के लिए अंतिम पुरस्कार विजेताओं के चयन के लिए स्क्रीनिंग कमेटी।

'नई शिक्षा नीति' के लिए सलाहकार से मिलने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया कुरुक्षेत्र में चर्चा के लिए (i) व्यापक शिक्षाः आचार, शारीरिक शिक्षा, कला और शिल्प और जीवन कौशल (ii) में सुधार विद्यालय परीक्षा प्रणाली (iii) स्कूल के मानकों, स्कूल आकलन और स्कूल प्रबंधन प्रणालियों सीबीएसई और मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित, 18 अगस्त, 2015।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआइईएस), संयुक्त राज्य अमरीका,

आजीवन सदस्य, भारत, नई दिल्ली तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी,

सदस्य, शैक्षिक योजना (आईआईईपी/यूनेस्को की अंतर्राष्ट्रीय संस्थान), पेरिस के पूर्व छात्र,

विभिन्न प्रशासनिक और शैक्षणिक समितियों में सदस्य,

एम.फिल./पी.एच.डी. की प्रवेश परीक्षा के आयोजन समिति के सदस्य,

एम.फिल./पी.एच.डी. आवेदनों की जांच समिति के सदस्य,

परियोजना स्टाफ चयन समिति और साक्षात्कार जांच बोर्ड के सदस्य,

शैक्षिक प्रशासन 2015 में नवाचार के लिए 'राष्ट्रीय पुरस्कार की समिति (दो स्तरों) के जाचं सदस्य, न्यूपा

एम.फिल./पी.एच.डी. और अन्य परीक्षाओं की प्रवेश परीक्षा के लिए अन्वीक्षण काम, 20 जून, 2015

न्यूपा की निविदा ओपन समिति के सदस्य,

प्रशासनिक पदों के लिए डीपीसी समिति के सदस्य,

चयनित लेख पर चर्चा बैठक के आयोजन के लिए न्यूपा स्टडी सर्किल समूह के सदस्य (मासिक),

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश कुमार सिंह (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

पुस्तक (संपादित खण्ड) एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडिया – पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज, 2016 रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस, नई दिल्ली।

संगोष्ठी/सम्मेलन में भागीदारी

स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचारों पर चर्चा बैठक, 12 जनवरी, 2016 न्यूपा, नई दिल्ली।

'नीति, परिसर और आचरणः अधिकार आधारित शिक्षा के लिए दृष्टिकोण', तृतीय अनिल बोर्डिया मेमोरियल पॉलिसी संगोष्ठी, 15–16 फरवरी, 2016 न्यूपा, नई दिल्ली।

भागीदारी/आलेख/व्याख्यान/वार्ता

'शिक्षा के क्षेत्र में शोध पद्धति पर उन्मुखीकरण कार्यशाला में' गुणात्मक अनुसंधान के तरीके और तकनीक, संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य।

असम में मध्याह्न भोजन योजना का कार्यान्वयन' संयुक्त समीक्षा मिशन के सदस्य के रूप में कार्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, मार्च–अप्रैल 2015 के दौरान।

'शिक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार' नीतियाँ और प्रथाएँ, 'सही आधारित शिक्षा के लिए दृष्टिकोण पर आलेख प्रस्तुत किया, सीईएसआई सम्मेलन, दिसंबर 2015।

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन

श्री अजय कुमार चौबे, पी.एच.डी. विद्वान को मार्गदर्शन प्रदान किया (अंशकालिक), 'स्कूल और समुदाय में बहिष्करण की गतिशीलता का अध्ययन' न्यूपा, नई दिल्ली।

सुश्री लबोनी दास, पी.एच.डी. विद्वान को मार्गदर्शन, (अंशकालिक), वंचित समूह की भागीदारी के संदर्भ में 'सामाजिक न्याय एवं प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन पर अध्ययन।

श्री सज्जाद अहमद पीएचडी विद्वान को मार्गदर्शन प्रदान किया 'शिक्षा, संस्कृति और आजीविका: जम्मू एवं कश्मीर में खानाबदोश पेस्टोरालिस्ट बकलवाल्स का एक अध्ययन।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का एक केस अध्ययन: विचारधारा, नेतृत्व और उच्च शिक्षा में संस्थागत विकास एम.फिल. अनुसंधान पर शोध प्रबंध में सुश्री अर्चना सिंह को मार्गदर्शन प्रदान किया।

आईडेपा शोध प्रबंध में बयोडे लॉरेंस ओगुनमोला को मार्गदर्शन।

नाइजीरिया में माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययन अधिगम की प्रक्रिया: बतंगड़ स्थानीय सरकार क्षेत्र, एकिति राज्य में पांच चयनित स्कूलों का एक अध्ययन हेतु मार्गदर्शन।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

एम.फिल./पी.एच.डी. पाठ्यक्रम गाइड का समन्वित संशोधन (मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम)।

'शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य एम.फिल./पी.एच.डी. में कार्यक्रम 2015–16 में समन्वित और कोर पाठ्यक्रम पढ़ाया

पीजीडेपा और आईडेपा 2015–16 में अनिवार्य पाठ्यक्रम पढ़ाया

वर्ष 2015–16 के दौरान विभिन्न समितियों में सदस्य (अनुसंधान सलाहकार समिति, प्रवेश समितियाँ) न्यूपा

मनीषा प्रियम

प्रकाशन

2016: "पॉलिसी रिफ्रॉम एंड एजुकेशनल डवलपमेंट इन ए फेडरल कान्टैक्स्ट: रिफ्लैक्शन ऑन एन अनइवन प्रोसेस आफ चेंज इन बिहार", इन अविनाश कुमार सिंह, एडिटेड एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडिया: पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज, रूटलेज, लन्दन एंड न्यूयार्क, पीपी. 159–178।

2016: "फ्राम क्लाइन्ट टू सिटीजन्स: लर्निंग फ्रॉम ब्राजील बोल्सा फैमिलिया प्रोवाइडेड अपरचुनिटी टू दिल्ली" इन एन जयराम एडीटेड सोशल डायनॉमिक ऑफ द अर्बन, स्प्रिंगर (आगामी)।

पुस्तक

2015: कॉन्टेस्टेड पॉलिटिक्स ऑफ एजुकेशनल रिफ्रॉम्स इन इंडिया: अलाइनिंग अपरच्युनिटी विद इंट्रेस्ट, ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रैस

पत्रिका में लेख

2016: पौलिटिकल इथनोग्राफी एज ए मेथॅड फॉर अन्डरस्टैडिंग अर्बन पॉलिटिक्स एंड इलैक्ट्रोन्स इन इंडिया, नोट्स ऑन मैथड्स, स्टडीज इन इंडियन पालिटिक्स, वाल्यूम 4, नं. 1, पीपी. 1–9।

2015: "इलैक्टिंग द रूलिंग पार्टी एंड द अपोजिशनः वोटर डेलिब्रेशन फ्रॉम संगम विहार, दिल्ली, लोक सभा इलैक्शन 2014", स्टडीज इन इंडिया पॉलिटिक्स, सेज, जुलाई।

2015: "द युनिवर्सिटी एज एन आइडिया एंड एज ए प्रैक्टिसः रिफ्लैक्शन ऑन द क्वेस्ट फॉर ऑटोनामी इन इंडिया", युनिवर्सिटी न्यूज, वाल्यूम 53, नं. 3, जनवरी 19–25, पीपी. 217–220।

समन्वित सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला

उच्च शिक्षा पर अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 4–5 मार्च, 2016।

11–12 मार्च 2016 'भारत में शिक्षा नीति सुधार,' मोदी के अन्तर्गत भारत, कैलिफोर्निया, बर्कले, एसएफ, सीए, संयुक्त राज्य अमेरिका विश्वविद्यालय (अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी)।

7 मार्चः उच्च शिक्षा में समता मुद्दों पर पैनल चर्चा, शैक्षिक प्रशासन, न्यूपा विभाग।

4–5 मार्चः सम्मेलन मुख्य वक्ता, 4 मार्च, 'नीति सुधार से जीवन की दुनियाः अभ्यास में स्वायत्तता लागू करना प्रस्तुति, उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, मार्च 4–5 न्यूपा (अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी)।

15 फरवरीः लोकतंत्र की एक नई लहर में अधिकार और जिम्मेदारियों की एक तीसरी पीढ़ी की संकल्पना" विकास के लिए अधिकार आधारित दृष्टिकोण पर अनिल बोर्डिया राष्ट्रीय संगोष्ठी, न्यूपा, नई दिल्ली।

'जाति और/या विकास, बिहार के विधानसभा चुनावः मध्य बिहार से विगनेट्स', ई.ई.सी.यू.आर.आई. सम्मेलन, सरिस्का 17–18 जनवरी 2015 (अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी)।

2015:

28 दिसंबरः 'उत्तर और दक्षिण भारत में शैक्षिक विकास और अल्प विकास समाज सुधारकों की भूमिका', वक्कोम मौलवी स्थापना दिवस व्याख्यान, तिरुवनंतपुरम, केरल।

21 दिसंबरः "एक बदलती दुनिया में शिक्षा", आमंत्रित व्याख्यान, आदित्य बिड़ला समूह, स्कूल प्रधानाचार्य का सम्मेलन, नवी मुंबई, भारत।

18 दिसंबरः "मार्जिन से दिल्ली को समझनाः शहर में नागरिकता की नई धारणाएं", शहरी और क्षेत्रीय विकास, एम.ए. कोर्स टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई के लिए आमंत्रित व्याख्यान।

18 नवंबरः "एक बदलती दुनिया में शिक्षा", आमंत्रित व्याख्यान, 58वें अखिल भारतीय आईसीएसई और आईएससी स्कूल प्रधानाचार्यों का सम्मेलन, भुवनेश्वर, उड़ीसा, भारत।

17 नवंबरः "एक युवा भारत के लिए चुनौतियांः शिक्षा, रोजगार के अवसर, और आकांक्षाएं", आमंत्रित व्याख्यान, मद्रास रोटरी क्लब, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत।

4 नवंबरः "अंडर ग्रेजुएट भारत में शिक्षाः चुनौतियां और संभावनाएं", संयुक्त राज्य अमेरिका टीम का न्यूपा भ्रमण।

26 अक्टूबरः भारत, नई दिल्ली में इरास्मस मुंडस कार्यक्रम और उच्च शिक्षा पर यूरोपीय संघ का सम्मेलन।

9 अक्टूबरः कुलपति सम्मेलन को संबोधन, आईआईएसईआर, पुणे (9 डॉट 9 द्वारा आयोजित)।

27–28 अगस्तः 'विश्वविद्यालय और समुदाय संबंधः सन्निहित स्वायत्तता के लिए बहस', समाज को जोड़ने के लिए उच्च शिक्षा पर परामर्श बैठक, शिमला के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज।

22 जूनः "नेता, पार्षद, और विधायकः दिल्ली के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में राजनीतिक अभिनेता, विज्ञान पो, पेरिस, ई.ई.सी.यू.आर.आई. सम्मेलन, 22–23 जून।

7 अगस्त 2014: बंदे नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (हिंदी में) "भारतीय भाषाओं में राजनीतिक चिंतन: शोध विमर्श और बहस", उद्घाटन भाषण, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 7–8 अगस्त 2015।

भागीदारी/आलेख/व्याख्यान/वार्ता

"बड़े एन या छोटे एन?: अनुसंधान रणनीति के रूप में मामला विधि", गुणात्मक अनुसंधान के तरीके पर कार्यशाला, डॉ नरेश कुमार, शिक्षा नीति विभाग।

"बाधाओं के बावजूदरू दंतेवाड़ा में शैक्षिक पहल", प्रशिक्षण कार्यक्रम, डॉ एस.के. मलिक, शिक्षा नीति विभाग द्वारा आयोजित।

"विश्लेषण सार्वजनिक नीति: कार्यान्वयन अध्ययन का परिप्रेक्ष्य", डॉ वीरा गुप्ता, शिक्षा नीति विभाग द्वारा कार्यक्रम।

"न्याय और विश्वविद्यालय के विचार: रॉल्स और सेन के साथ संबंधता", पोस्ट ग्रेजुएट प्रमुखों और डीन के लिए न्यूपा कार्यशाला, शिक्षण में अधिगम क्षमता विकास, प्रशिक्षण, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा–पटना, 8–10 दिसंबर 2014।

"भारत में उच्च शिक्षा: संस्थान और रोजगार", प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रोफेसर कौसर विजारत, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, जबलपुर, नवंबर 201।

आमंत्रित व्याख्यान/संगोष्ठी अंतर्राष्ट्रीय

2015:

9 जनवरी: "भारत में चुनाव को समझने में नृवंशविज्ञान का प्रयोग: कुछ पद्धतिगत विचार", कार्यशाला चुनाव अध्ययन: तरीके पर विचार" ग्रामीण और शहरी भारत में चुनाव बदलावों को समझना, यूरोपीय सामाजिक अनुसंधान परिषद और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय।

आमंत्रित व्याख्यान/संगोष्ठी–राष्ट्रीय

2015:

16 फरवरी: "लोकतंत्र या कुलीन नियंत्रण को मजबूत बनाना" कितनी दूर संस्थागत रूपरेखा शैक्षिक विकेन्द्रीकरण के परिणाम पर प्रभाव करता है?" राष्ट्रीय संगोष्ठी लोगों की भागीदारी और विकेन्द्रीकृत शैक्षिक शासन: नीतिगत सुधार और कार्यक्रम परिप्रेक्ष्य, न्यूपा।

11–12 मार्च: "बिहार में स्कूल की स्थिति का विश्लेषण हेतु गुणात्मक अनुसंधान विधि", शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, पटना, बिहार सरकार।

13 मार्च: "भारत में शिक्षा में सुधार का चुनाव हेतु राजनीति" राजनीति विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

17 मार्च: बराबर का उपयोग और बराबर की भागीदारी पर पैनल चर्चा में "उच्च शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में नीति और शासन", नीति की रूपरेखा और संस्थागत संदर्भ, विश्वविद्यालयों में विविधता और इक्विटी के प्रबंधन पर पुनश्चर्या कार्यक्रम, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

20 मार्च: "शहरी उपांत और दिल्ली में स्कूल शिक्षा", सत्र पर सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली और शहरी गरीबों की शिक्षा राष्ट्रीय संगोष्ठी, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित।

परामर्श और आलोच्य अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

एम.फिल. कार्यक्रम: "सीसी4: शैक्षिक नीति", पाठ्यक्रम पढ़ाया

डिप्लोमा कार्यक्रमः स्कूल लीडरशिप–यूनिट 4 परिवर्तन को समझना, पाठ्यक्रम पढ़ाया

एस. के. मलिक

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय/आलेख/पुस्तक समीक्षा

को–ऑथर "रोल ऑफ स्कूल मैनेजमेंट कमिटीज इन क्वालिटी स्कूल एजुकेशन – इश्यूज, चैलेंजेज एंड पर्सपैक्टिव" नेशनल कान्फ्रेंस ऑन 'क्वालिटी स्कूल एजुकेशन' एट इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली (ए.के. सिंह एंड एस.के. मलिक)।

समन्वित सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला

आरटीई अधिनियम के तहत वंचित बच्चों की शिक्षा पर संगठित उन्मुखीकरण कार्यशाला, न्यूपा, नई दिल्ली, 24–28 अगस्त, 2015।

"स्थानीय प्राधिकारी और स्वायत्त परिषद – पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में कामकाज" पर उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की, होटल राजधानी रीजेन्सी, गुवाहाटीः 14–18 मार्च, 2016)।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, रिपोर्टर के रूप में कार्य, नई दिल्ली, 9–10 दिसंबर, 2015।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित "स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता", पर एक दिवसीय बैठक में भाग लिया 19 जनवरी, 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

"शिक्षा और विकास के लिए अधिकार आधारित दृष्टिकोणः नीतियों और प्रथाओं" पर तीसरी अनिल बोर्डिया मेमोरियल पॉलिसी संगोष्ठी में भाग लिया नई दिल्लीः 15–16 फरवरी, 2016)।

"शिक्षण और अधिगम में नई प्रौद्योगिकी आधारित उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 25–26 फरवरी, 2016।

"परिवर्तन के लिए रास्तेः सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और भारत के लिए उच्च शिक्षा में सुधारों के लिए तुलनात्मक प्रतिबिंब" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया (नई दिल्लीः 4–5 मार्च, 2016)।

स्कूल के मानकों और मूल्यांकन (शाला सिद्धि) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 21–22 मार्च, 2016।

भागीदारी/आलेख/व्याख्यान/वार्ता

"उच्च शिक्षा का सामूहीकरण वृहद शैक्षिक प्रणाली" में संयुक्त रूप से उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान केन्द्र, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय और ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 10–11 नवंबर, 2014।

"शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी और रिपोर्टर के रूप में भाग लिया, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, 28–29 नवंबर, 2014)।

संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया, 16–17 जनवरी, 2015।

स्कूल के मानकों और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भाग लिया, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्लीः 10–11 फरवरी, 2015।

द्वितीय अनिल बोर्डिया मेमोरियल पॉलिसी संगोष्ठीः लोगों की भागीदारी और विकेंद्रीकरण शासनः नीति, सुधार और कार्यक्रम आचरण, नई दिल्लीः 16–17 फरवरी, 2015)।

"हाशिए पर समूह की शिक्षा – नीतियां कार्यक्रम और चुनौतियां, एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला में रिपोर्टर के रूप में काम (25–27 मार्च, 2015, नई दिल्ली।

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन

"उजबेकिस्तान में शिक्षा प्रणाली के सुधार में सिविल सोसायटी संस्थाओं की भूमिका" विषय पर आईडेपा भागीदार को निर्देशित किया।

असम के धेमाजी जिले के तहत मुरकोंगसेलेक ब्लॉक में प्राथमिक विद्यालयों के कामकाज में एसएमसी की भूमिका के संदर्भ में सामूहिक भागीदारी विषय पर पीजीडेपा भागीदार को मार्गदर्शन।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

एम.फिल./पी.एच.डी. में वैकल्पिक शिक्षण पाठ्यक्रम: 05 (समुदाय की भागीदारी और शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन)।

प्रशिक्षण कार्यक्रम और अनुसंधान समूह के सदस्य

एम.फिल./पी.एच.डी. कोर्स के सदस्य

एम.फिल./पी.एच.डी. के लिए जांच समिति के सदस्य

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन को जर्नल के संपादकीय समर्थन (न्यूपा जर्नल)

नरेश कुमार

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय/आलेख/पुस्तक समीक्षा

2015 पुस्तक समीक्षा 'मैपिंग सोशल एक्सक्लूजन इन इंडिया: कास्ट, रिलीजन एंड बार्डरलैन्डस' पी.एस. जज, सोसियोलॉजी बुलेटिन में प्रकाशित (सितंबर–दिसंबर 2015) 64(3): 412–14।

2015 'एजुकेशन, मार्जिनालाइज्ड एंड प्राईवेट स्कूलिंग' (अब्ट्रैक्ट). इन द प्रोसिडिंग ऑफ द इंटरनेशनल सेमीनार ऑन एथनिसिटी एंड डवलपमेंट इन साउथ एशिया: इश्यू एंड चैलेंज्ज, इग्नू द्वारा आयोजित (जनवरी 21–22, 2016), नई दिल्ली।

2015 'रिकालिंग एन एजुकेशनल जर्नी', द न्यू लीफ, 1(4): 10–11।

समन्वित सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला

'शिक्षण–अधिगम और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकी सीपीआरएचई, आईएचसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 25–26 फरवरी, 2016।

16 अप्रैल, 2015, "मुख्य धारा विश्वविद्यालय–समुदाय अनुसंधान भागीदारी पर विचार मंच व्याख्यान आयोजित, प्रोफेसर बड हॉल, विक्टोरिया, कनाडा विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया।

22 जुलाई 2015 को "एक संवर्धन आयोजित: एक केस स्टडी : सर्व शिक्षा अभियान में लैंगिक समानता परिणाम" व्याख्यान प्रोफेसर रत्न एम. सुदर्शन, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा दिया गया।

12 नवंबर 2015, एक संवर्धन संगठित, हाई स्कूल से विश्वविद्यालय की ओर: व्यक्तिगत इच्छा और संगठनात्मक बाधाएँ", प्रोफेसर विलियम जी रियर्नी, उच्च शिक्षा के लिये पुलियाम केन्द्र, दक्षिण कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय द्वारा व्याख्यान दिया गया।

18 नवंबर, 2015, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ परियोजना आधारित अधिगम की संबंधता, विचार मंच आयोजित किया। व्याख्यान प्रोफेसर ग्रेगरी ट्यूक द्वारा दिया गया था। वर्तमान में तिब्बती अध्ययन, वाराणसी के केन्द्रीय विश्वविद्यालय में फुलब्राइट–नेहरू शिक्षण कार्य ।

ग्लोबल अध्ययन पर चार सप्ताह के अंत:विषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया जेएनयू, नई दिल्ली, 16 नवंबर से 11 दिसम्बर, 2015।

संरचनात्मक रूकावटों के बावजूद महत्वपूर्ण शिक्षा शास्त्र का विस्तार और आवश्यकता', प्रो अविजित पाठक, जेएनयू और डा. ज्योति रैना गार्गी कॉलेज, 7 जनवरी, 2016।

'शैक्षिक मूल्य ढांचे का उपयोग करते हुए शहरी संबद्ध कॉलेजों के लिए नीति निहितार्थ' डा. मैथ्यू विन्टेस्टीन द्वारा, सान डिएगो विश्वविद्यालय, 12 जनवरी, 2016।

27–29 दिसंबर 2015,'भारत में निजी विद्यालय की एक समाजशास्त्रीय जांचः सीमांत वर्ग को शिक्षा, भारतीय समाज शास्त्रीय समाज के अखिल भारत समाजशास्त्रीय सम्मेलन के आई.एस.एस., केआईटीटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा।

'असमानता के मानदंड', बाबे नानकी जीएनडीयू कालेज, मिथर, जालंधर द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की। 15–16 जनवरी, 2016।

आलेख प्रस्तुत 'शिक्षा, उपांत और निजी विद्यालय' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में दक्षिण एशिया में जातीयता और विकास के मुद्दे और चुनौतियां एस.ओ. ई.डी.एस., इग्नू नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 21–22 जनवरी 2016।

25 जनवरी, 2016, "चिकित्सा शिक्षा और भारत में स्वास्थ्य के लिए मानव विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका" पर विचारमंच डा. प्रदीप कुमार चौधरी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा।

09 फरवरी, 2016 'शिक्षा का उपयोग, इक्विटी और विकास योजनाः अधिकार वास्तविकताओं के लिए योजना' संवर्धन' प्रोफेसर कीथ एम लेविन, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, ससेक्स विश्वविद्यालय द्वारा।

"शिक्षा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोगः? क्या एसडीजी से फर्क पड़ेगा" अंतरराष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा के लिए संवर्धन प्रोफेसर केनेथ राजा, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, संपादक, नोरॉग समाचार और राष्ट्रपति, ब्रिटिश एसोसिएशनए 07 मार्च, 2016।

भागीदारी/आलेख/व्याख्यान/वार्ता

"हिमाचल प्रदेश राज्य से प्रतिभागियों द्वारा स्कूलों की प्रस्तुति" पर एक सत्र की अध्यक्षता उत्तरी क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य परियोजना के लिए दूसरी अनुवर्ती कार्यशाला' न्यूपा द्वारा आयोजित, 21 अप्रैल 2015।

5 अगस्त "दृश्य नृविज्ञान, 'शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान क्रियाविधि 27 जुलाई से 14 अगस्त, 2015।

'उपांत वर्ग को शिक्षित करनाः निजी विद्यालय में सामाजिक जांच' पर आलेख प्रस्तुति 41वां ए.आई.एस. सी. भुवनेश्वर केआईएसएस 28 दिसंबर 2015 से जनवरी 07, 2016।

आलेख प्रस्तुत 'शिक्षा, उपांत और निजी स्कूली शिक्षा' पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी दक्षिण एशिया में विकास और जातीयताः मुद्दे और चुनौतियां, जनवरी 21–22 जनवरी, 2016 से इग्नू द्वारा आयोजित।

दो सत्रों में क्यू.आर.एम. कार्यशाला पश्चिम क्षेत्रीय केंद्र, आई.सी.एस.सी. और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 05 फरवरी, 2016।

1. **संग्रह और गुणात्मक अनुसंधान की व्याख्या की तकनीक**
2. **शोध निष्कर्षों का लेखन**

आईडेपा कोर्स 202 पर सत्र "निरंतर, समावेशी और सतत आर्थिक विकास और सभ्य काम को बढ़ावा देना" 10 फरवरी, 2016

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन

पर्यवेक्षक, 2015 एमफिल समूह परियोजना 'शोध पद्धति' पर 5 छात्रों (सीसी 5) परियोजना का शीर्षक 'बहुसंस्कृतिवाद के लिए पथः दिल्ली की शैक्षिक संस्थाओं से उत्तर–पूर्व छात्रों के अनुभव'।

2015 आईडेपा शोध प्रबंध पर्यवेक्षण 'घाना में बेसिक शिक्षा में विद्यार्थियों के लिए स्कूल को फीडिंग परियोजना का प्रभावः अलानापेम उत्तरी क्षेत्र में अब्रीयू प्रेसिली जूनियर हाई स्कूल में विद्यार्थियों के बीच में किशोर गर्भावस्था के केस (कक्षा 7–8)', एक उत्तर औपनिवेशिक स्तर के माध्यम से शिक्षा सेवा में शिक्षक प्रेरणा को देखने का एक केस अध्ययन 'श्री ओबेद क्वाबेना अगयाक्वा द्वारा (घाना)।

2015 डेपा शोध प्रबंध पर्यवेक्षण श्री एस पीटर द्वारा प्रस्तुत 'तमिलनाडु में नागापट्टीनम जिले के किलवेलूर ब्लॉक के निजी और सरकारी स्कूल में शिक्षकों प्रबंधन पर एक तुलनात्मक अध्ययन' (तमिलनाडु)।

पर्यवेक्षक, 2015 पी.जी.डी.एस.एल.एम. – छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने में माता–पिता के समर्थन की भूमिका' विद्या भूषण चौबे द्वारा प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट।

2015 पीजीडेपा निबंध पर्यवेक्षण 'शहरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए पलायन छात्रः जम्मू–कश्मीर के शोपियान जिले का अध्ययन' रईस अहमद डार द्वारा प्रस्तुत।

शिक्षण एवं सत्र

2015, एम.फिल. वैकल्पिक कोर्स 'समुदाय की भागीदारी और स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय प्रशासन (सी.सी. –5)'।

2016 एम.फिल. 'अनिवार्य पाठ्यक्रम' अनुसंधान विधि–द्वितीय' (सीसी 5)।

2016 आईडेपा अनिवार्य शिक्षा और विकासः एक अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य (कोर्स सं. 202)।

पर्यवेक्षण और मौखिक परीक्षा आयोजित

2015 मई 08 पीजीडेपा श्री एस पीटर की मौखिक परीक्षा, न्यूपा तमिलनाडु।

2015 आईडेपा XXXI : घाना में अब्रियू जिले में चयनित स्कूलों में किशोर गर्भावस्था और स्कूल त्याग' पर अपने शोध प्रबंध के लिए श्री ओबेद क्वाबेना अगयाका (घाना) का पर्यवेक्षण।

2015 'बहुसांस्कृतिक शिक्षा' पर सीसी–5 समूह परियोजना का काम, एम.फिल. के छात्रों द्वारा पर्यवेक्षण।

2015 पीजीडीएसएलएम – 'बढ़ाना छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि में माता–पिता के समर्थन की भूमिका' विद्या भूषण चौबे द्वारा प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट पर्यवेक्षण।

2015 (27 मई) श्री विद्या भूषण चौबे, स्कूल नेतृत्व में पीजी डिप्लोमा और प्रबंधन 2014–15 की प्रस्तुति का मूल्यांकन।

2016 (मार्च) पीजीडेपा निबंध, श्री रईस अहमद डार द्वारा शहरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का पलायन जम्मू–कश्मीर के शोपियां जिले का अध्ययन।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

न्यूपा के लिए विकसित एम.फिल. और पी.एच.डी. प्रोग्राम कोर्स

सीसी 03: अनुसंधान क्रियाविधि I

सीसी 05: शैक्षिक अनुसंधान तरीके और तकनीक

ओसी 09: शिक्षा, लिंग और विकास

ओसी 14: विकलांग व्यक्तियों के शिक्षा में समावेशन

ओसी 07: इक्विटी और बहुसांस्कृतिक शिक्षा

2015, रजिस्ट्रार द्वारा गठित जाँच समिति के सदस्य, परियोजना, जूनियर परामर्शदाता, फरवरी 09, 2015 के पद के लिए।

2015, समूह की रिपोर्ट 'शिक्षण और प्रशिक्षण दस्तावेज: न्यूपा के लिए एक विजन दस्तावेज' संकाय, सूरजकुंड बैठक जनवरी 16–17, 2015।

18 मार्च, 2015 को एक विचारमंच का आयोजन किया, अमेरीकी शिक्षा अंतर्राष्ट्रीयकरण और भारत के प्रति इसके निहितार्थ, डॉ. राहुल चौधा द्वारा (न्यूयार्क, विश्व शिक्षा सेवा)

2015 (मार्च 19) मलेशिया के निजी–सार्वजनिक उच्च शिक्षा व्यवस्था : क्या 2020 तक उच्च आय वाले राज्य का दर्जा पाने के लिए यह समेकन उच्च गुणवत्ता प्रतिभा को चिन्हित कर पाएगा? प्रो. सेल्वा रत्नम, वक्ता, मलाया विश्वविद्यालय।

स्कूल एवं गैर औपचारिक शिक्षा विभाग

नलिनी जुनेजा (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

जुनेजा नलिनी (2015) कंस्टीट्यूशनल मेंडेट फॉर फ्री एंड कम्पलसरी एजुकेशनः न्यू लाईट ऑन द इंटेंशन ऑफ द 'द फॉडिंग फादर' कंटैम्पोरेरी एजुकेशन डायलॉग, 12 (2) 208–237।

प्रकाशन के लिए स्वीकार पत्र

नेशन–बिल्डिंग, फंडामेंटल राइट्स एंड एजुकेशनः सेंटर–स्टेट डायनामिक्स ऑफ कंस्टीट्यूशनल स्टेट्स इन ए.के. सिंह (संपा.) पीपुल्स पार्टिसिपेशन एंड डिसेंट्रलाइजेशन इन एजुकेशनः पॉलिसिज एंड प्रैक्टिस. नई दिल्लीः रूटलेज पीपी 241–258 (प्रैस में)।

राइट टू एजुकेशन थ्रू लैगल ऐड फॉर पीपुल इम्पावरमेंट इन ए.के. सिंह (संपा.) राइट बेस्ड अप्रोचेज टू एजुकेशन – पालिसीज एंड प्रैक्टिसेज, नई दिल्लीः रूटलेज. पीपी xxx-xxx (प्रैस में)।

एजुकेशन इन अर्बन एरिया इन कृष्ण कुमार (संपा) हैण्डबुक आन एजुकेशन इन इंडिया, नई दिल्लीः रूटलेज. पीपी xxx-xxx (प्रैस में)

सेमिनार/सम्मेलन में भागीदारी

"असफल नीति या विफल कार्यान्वयन? नहीं–विरोध और सीसीई" की चर्चाओं में भाग लिया शिक्षा पर विचार–विमर्श, गुरुवार, 30 अप्रैल, 2015 सेमिनार रूम, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, एनेक्सी, नई दिल्ली, फोरम आफ डेलिबेरेशन।

महिला शिक्षक नेशनल कन्वेंशन में 23 नवंबर को 'नई शिक्षा नीति, 2015' पर आलेख प्रस्तुत, इंडिया स्कूल टीचर्स फेडरेशन द्वारा 22 और 23 नवंबर, 2015 से हैदराबाद में आयोजित।

"अल्पसंख्यक और वंचित समूहों के लिए शिक्षा का अधिकार पर तुलनात्मक दृष्टिकोण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 14 और 15 जनवरी 2016 को विधि कानूनी नीति, ऑक्सफोर्ड मानवाधिकार हब और ओपन सोसायटी मूलाधार के लिए केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

आलेख प्रस्तुत किया "शिक्षा सही है, अगर यह न्यायोचित नहीं है" 'शिक्षा का अधिकार आधारित दृष्टिकोण: नीति, परिसर और आचरण' पर राष्ट्रीय नीति संगोष्ठी, फरवरी 15–16, 2016 के दौरान न्यूपा में आयोजित।

26 फरवरी, 2016 को भारतीय इस्लामिक सेंटर में एकाधिक कार्रवाई संसाधन समूह द्वारा आयोजित मुस्लिम बच्चों में शिक्षा का अधिकार पर राष्ट्रीय परामर्श पर 'नीति विचारों' पर पत्र प्रस्तुत किया।

रिपोर्ट स्टेट ऑफ द नेशन पर द्वितीय संस्करण के विमोचन पर भागीदारी: आरटीई की धारा 12(1)(सी), 10 मार्च 2016, भारतीय पुनर्वास केन्द्र, आरटीई संसाधन केन्द्र (आईआईएम) अहमदाबाद, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन, द अकाउन्टेबिलिटी इनिशिएटिव तथा विधि कानूनी नीति केन्द्र।

आरटीई अधिनियम, 2009 के क्रियान्वयन हेतु छठें स्टॉक टेकिंग कन्वेन्शन में भागीदारी, कंस्टीट्यूशनल क्लब, रफी मार्ग, नई दिल्ली में, 21 मार्च 2016।

कंसल्टेंसी और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

नई शिक्षा नीति के विकास संबंधी समिति (नवंबर 2015–मार्च 2016) के लिए समर्थन।

निबंध का मूल्यांकन – भारतीय लोक प्रशासन संस्थान।

निबंध का मूल्यांकन – सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सदस्य, मध्याह्न भोजन के लिए 9वां संयुक्त समीक्षा मिशन, 23 मार्च 2016।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित/विकसित

महिला शिक्षकों के राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए 'नई शिक्षा नीति, 2015', पर सामग्री विकसित, भारत के स्कूल शिक्षक संघ द्वारा हैदराबाद में आयोजित।

95वें ओरिएंटेशन कोर्स में 21 अप्रैल को व्याख्यान "शिक्षा के क्षेत्र में अधिकार" पर सामग्री, अकादमिक स्टाफ कॉलेज (एएससी) जेएनयू, मंगलवार, 21 अप्रैल, 2015।

ग्रीष्मकालीन शिक्षक शोधवृत्ति कार्यक्रम, 2015 8 जून, 2015 सत्र के लिए 'आरटीई के समय में समावेशन', पर सामग्री, प्राथमिक शिक्षा क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय।

हिमाचल प्रदेश में ब्लॉक प्राथमिक शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन के लिए सामग्री, कुफरी रिसॉर्ट, शिमला, 17–18 जून, 2015।

"शिक्षा का अधिकार के न्यायोचित का समर्थन करने पर चर्चा बैठक" के लिए सामग्री, फरवरी 22–23, 2016 को आयोजित।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, शिक्षा सीआईई संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

नीलम सूद

प्रकाशन

शोध पत्र/लेख/नोट्स

को–ऑथर्ड ए रिसर्च पेपर "टूवार्ड ससटेनेबल डवलपमेंट ऑफ स्कूल लीडरशिप इन केरल।

लीडिंग स्कूल लीडरशिप डवलपमेंटः ए न्यू अप्रोच, पॉपुलर राइटिंग इन अध्ययन स्टैण्डर्ड, नवंबर 2014 – मई 2015, मुंबई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाओं का आयोजन

यूकेआईईआरआई परियोजना टीम का हिस्सा, न्यूपा की ओर से, माध्यमिक स्कूलों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजितः

लेसन लर्नड न्यूपा, 14–15 जुलाई, 2015 को चार राज्यों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यशाला।

सामरिक योजना और एस.एल.डी.पी. पर कार्यक्रम प्रभाव कार्यशाला, 22–23 सितम्बर, 2015 न्यूपा।

अंतिम चरण ट्यूटर सुविधाकर्त्ता के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम 7 सितंबर, 2015 और क्षमता निर्माण आमने–सामने, पुडुचेरी, 8–9 सितम्बर, 2015 को प्रथम चरण।

नोडल संस्था और प्रारंभिक तैयारी की पहचान पर 7 अक्टूबर, 2015, वैचारिक ढांचा, 4–5 जनवरी, 2016, 7 जनवरी, 2016, मसौदा तैयार करने की योजना, 29–30 जनवरी, 2016 और केरल नेतृत्व अकादमी के लिए 25–27 फरवरी, 2016, कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला।

6 जनवरी, 2016 तिरुवनंतपुरम में वरिष्ठ शिक्षक फैसिलिटेटर क्षमता निर्माण का अंतिम चरण।

11–12 जनवरी, 2016 को सीमेट में विकसित नेतृत्व अकादमी की योजना पर हितधारकों और राज्य के महत्वपूर्ण अधिकारियों के साथ चर्चा के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला।

केरल नेतृत्व अकादमी के लिए रणनीतिक योजना प्रक्रिया समापन, 29 मार्च, 2016 को कार्यशाला।

शिक्षण/शैक्षणिक योगदान

टीम शिक्षण और मूल्यांकनः

कोर पाठ्यक्रम सीसी 03 : अनुसंधान क्रियाविधि और सांख्यिकी एम.फिल./पी.एच.डी. कार्यक्रम।

पाठ्यक्रम संख्या 905 परियोजना कार्य और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर पीजी डिप्लोमा में लेखन (पीजीडेपा)।

कोर्स संख्या 103, स्कूलों के प्रिंसिपलों के लिए स्कूल लीडरशिप पर पीजी डिप्लोमा में स्व विकास।

डॉक्टोरल कार्य का पर्यवेक्षण

दिल्ली विश्वविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा में छात्रों की भागीदारीः एक लिंग–आधारित विश्लेषण (जारी)।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शीघ्र हस्तक्षेपः सेवा प्रदाताओं की भूमिका (जारी)।

स्कूल लीडरशिप पर पीजी डिप्लोमा में अनुसंधान परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

छात्र नेतृत्वः कक्षा कार्यों में छात्रों की आवाज।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता पर संगोष्ठी में सचेतन में कौशल के लिए सत्र की सह–अध्यक्षः किशोरों और बच्चों का पोषण, 2 मार्च, 2016, इग्नू द्वारा आयोजित।

"ईसीडी नीतिः भविष्य परिप्रेक्ष्य" प्रारंभिक विकास पर 20 नवंबर, 2015 को आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "उभरती दुनियाः नीतियां और ईसीडी के लिए अभ्यास", 19–20 नवंबर 2015 बचपन विकास एवं अनुसंधान केन्द्र और जामिया मिलिया इस्लामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

बचपन शिक्षा 12 जून, 2015 को राष्ट्रीय कार्यशाला: 24–26 जून, 2015, एनसीईआरटी द्वारा आयोजित।

प्रगति, चुनौतियां और प्राथमिकताएं: गोलमेज सम्मेलन, नई दिल्ली 9 अप्रैल, 2015 शिक्षा एजेंडा: 2015 उत्तरोत्तर।

यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर कार्यशाला, 24 अगस्त, 2015, कानून–व्यवस्था में विकास के लिए भागीदार द्वारा आयोजित।

नई शिक्षा नीति पर नई दिल्ली में 4–5 दिसंबर, 2015 को एनसीईआरटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परामर्श।

त्रिवेंद्रम में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन, 17–18 दिसम्बर 2015 को सीमेट, केरल द्वारा आयोजित, एक आलेख प्रस्तुत, केरल में स्कूल लीडरशिप के सतत विकास की दिशा, यूकेआईईआरआई परियोजना टीम द्वारा एक संयुक्त प्रस्तुति।

मानव अधिगम विज्ञान, 4–6 फरवरी, 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर में "एटमा" द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सलाहकार समूह एवं अनुसंधान प्रसार कार्यशाला "वयस्कता में लैंगिक असमानता और संक्रमण" फरवरी 23, 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर में युवा जीवन भारत की ओर से आयोजित।

शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक इंडिया हैबिटेट सेंटर, 21–22 मार्च, 2016 भागीदार, न्यूपा द्वारा आयोजित।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

महाराष्ट्र में क्षेत्र के आधार पर स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम के लिए "प्रभावी स्कूल नेतृत्व" और "स्कूल नेतृत्व विकास फ्रेमवर्क" पर इकाइयाँ।

राज्य स्तरीय अनुकूलन के लिए टीम सदस्य और चार राज्यों में स्कूल नेतृत्व विकास पर प्रशिक्षण सामग्री का संदर्भीकरण।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

सतत् शिक्षा स्कूल, इग्नू, 21 जुलाई, 2015 और 29 दिसंबर, 2015 डॉक्टरेट समिति की बैठक।

28 मई 2015, परीक्षक स्नातकोत्तर छात्र (शैक्षिक योजना एवं प्रशासन) जामिया मिलिया इस्लामिया।

चयन समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23 जुलाई, 2015 की बैठक।

6 अगस्त, 2015, जामिया मिलिया इस्लामिया में बचपन शिक्षा केन्द्र के अध्ययन की समिति की बैठक।

एस.ओ.ई.सी. के स्कूल बोर्ड की 52वीं और 53वीं बैठक, इग्नू, 24 जुलाई 2015 और 26 नवंबर, 2015।

अन्य कार्य

सदस्य, अप्रैल 12–14, 2015, न्यूपा में प्रोफेसरों/एसोसिएट प्रोफेसरों की भर्ती के लिए पूर्व साक्षात्कार आकलन बोर्ड।

13 मई, 2015, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूकेआईईआरआई और एन.सी.टी.एल. के साथ स्कूल लीडरशिप पर गोलमेज।

सदस्य, एम.फिल/पीएचडी में प्रवेश के लिए बोर्ड, न्यूपा साक्षात्कार 22–23 जून, 2015।

अध्यक्ष, आंतरिक शिकायत समिति, 9, 13, 17, 20 जुलाई, को बैठक और 7 अगस्त, 28 सितंबर, 2015 को बैठक, जांच का आयोजन किया और मानव संसाधन विकास मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी।

परियोजना अनुमोदन बोर्ड 4, 5 और 12 फरवरी, 2016, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, मध्याह्न भोजन, सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए पर बैठक।

23 अक्टूबर, 2015 को लैंगिक संवेदीकरण पर शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक गृह कार्यशाला का आयोजन।

न्यूपा, 18 अगस्त 2015 को डॉक्टरेट छात्रों की पूर्व प्रस्तुत संगोष्ठी।

सदस्य, न्यूपा पीएच.डी. विद्वानों के प्रवेश के लिए साक्षात्कार बोर्ड, 14 सितंबर, 2015 और 2 नवंबर, 2015।

सदस्य, सलाहकार समूह, शाला सिद्धि कार्यक्रम।

सदस्य, विद्यालय नेतृत्व केन्द्र के लिए राष्ट्रीय सलाहकार समूह।

न्यूपा पर समितियों में भागीदारी

सदस्य, एम.फिल./पी.एच.डी. पर स्थायी सलाहकार समिति। कार्यक्रम में भागीदारी।

अध्यक्ष, परीक्षा समिति, निर्देश समीक्षा, अधिसूचना के लिए परिणाम के समेकन और डॉक्टरेट और एम.फिल. विद्वानों की मौखिक परीक्षा का पर्यवेक्षण।

अध्यक्ष, आवास आवंटन समिति,

अध्यक्ष, अनुदान सहायता समिति, 29 दिसंबर, 2015 को बैठक।

प्रख्यात निकायों में सदस्यता

सदस्य, प्रारंभिक बचपन में एशिया प्रशांत क्षेत्रीय नेटवर्क।

सदस्य, ईसीडी के अधिकार के लिए गठबंधन।

सदस्य, स्कूल बोर्ड, सतत् शिक्षा विद्यालय, इग्नू।

सदस्य, जर्नल "रीसेन्ट एजुकेशन एंड साईकोलोजिकल रिसर्च" के लिए संपादकीय बोर्ड।

सदस्य, कोबसे की कार्यकारी परिषद (भारत में स्कूली शिक्षा बोर्डों की परिषद)।

सदस्य, अध्ययन समिति, प्रारंभिक शैशवकालीन शिक्षा केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया।

मधुमिता बंद्योपाध्याय

सेमिनार/सम्मेलन में भागीदारी

भारत में स्कूल छोड़ने वालों की रोकथाम के पायलट कार्यक्रम पर नीति वार्ता, क्वेस्ट एलायंस द्वारा आयोजित, बैंगलोर में 5–6 अगस्त, 2015 से चाणक्य होटल, पर बीयर चंद पटेल पथ, पटना, बिहार

अन्य मंत्रालयों के साथ अभिसरण के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत बनाने' 19 जनवरी, 2016 को 'स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता सुधार' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए 'आलेख योगदान मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा।

कंसल्टेंसी और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

केब की उप–समिति के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परिप्रेक्ष्य से सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार के लिए रास्ते वसीयत और 12 जनवरी, 2016 को इसे प्रस्तुत करने के लिए: भारत में स्कूलों में ढांचागत सुविधाओं की वर्तमान स्थिति पर एक पृष्ठभूमि पेपर तैयार किया।

केब की उप–समिति की बैठक में भाग लिया पहला शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में 18 नवंबर, 2015 को सरकारी स्कूलों (एनयूईपीए), नई दिल्ली की स्थिति में सुधार के लिए रास्ते वसीयत करने के लिए।

भाग लिया 2 एन डीकेब की उप–समिति की बैठक शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय 12 जनवरी, 2016 को सरकारी स्कूलों (एनयूईपीए), नई दिल्ली की स्थिति में सुधार के लिए रास्ते वसीयत करने के लिए।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित/विकसित

तैयार पृष्ठभूमि नोट और पठन सामग्री के लिए दक्षिणी राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी

में सुधार के लिए भागीदारी कार्य अनुसंधान परियोजना के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, अप्रैल 8–10, 2015।

स्कूल शिक्षा में अभिभावकों की भागीदारी अवधारणा पत्र तैयार किया, दक्षिणी राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य अनुसंधान परियोजना के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, अप्रैल 8–10, 2015।

अवधारणा पत्र तैयार किया है और पर प्रस्तुत "भागीदारी कार्य रिसर्च" में उत्तरी राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य अनुसंधान परियोजना के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, अप्रैल 20–24, 2015।

तैयार पृष्ठभूमि नोट और पठन सामग्री के लिए 2 एन डी उत्तरी राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य अनुसंधान परियोजना के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, अप्रैल 20–24, 2015।

तैयार पृष्ठभूमि नोट और पठन सामग्री के लिए उत्तर–पूर्वी राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य अनुसंधान परियोजना के लिए अनुवर्ती कार्यशाला, सितंबर 14–16 , 2015।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारत के तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी की आजीवन सदस्यता (सीईएसआई)।

एएसपीआईआरई बोर्ड ऑफ इंडिया के सदस्य दिल्ली स्थित गैर–सरकारी संगठन स्कूली शिक्षा के लिए काम कर रहा है।

उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

अध्याय 'जस्टिस फ्रेमवर्क ऑफ पब्लिक पॉलिसी इन हायर एजुकेशन' इन अविनाश के. सिंह (संपा.) 'एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडिया: पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज' 2016, रूटलेज (टैलर एंड फ्रांसिस)।

अध्याय 'इंस्टीट्यूशनल ऑटोनॉमी एंड लीडरशिप इन हायर एजुकेशन इन इंडियन हायर एजुकेशन रिपोर्ट, 2015, (संपा. एन.वी. वर्गीज एंड गरिमा मलिक,) रूटलेज (टैलर एंड फ्रांसिस ग्रुप)।

अतिथि संपादक 'हायर एजुकेशन पॉलिसी: स्टूडेंट्स एंड फैकल्टी पर्सपैक्टिव इन युनिवर्सिटी न्यूज, दिसंबर 19–20, 2015, एआईयू द्वारा प्रकाशित और (1) युनिवर्सिटी एंड कम्यूनिटी पार्टनरशिप, (2) इम्प्रूविंग द क्वालिटी ऑफ रेगुलेशन, (3) डवलपिंग बैस्ट टीचर्स, (4) गर्वनेंस रिफ्रॉम्स फॉर क्वालिटी इन हायर एजुकेशन, (5) रैंकिंग एंड एक्रेडिटेशन इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूटशन, (6) इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन: इंस्टीट्शनल पर्सपैक्टिब्ज।

आलेख प्रस्तुति

श्रीनगर में 'एनईपी 2015 के प्रस्तावों के विशेष संदर्भ में प्राथमिकताओं को बदलने के संदर्भ में परीक्षाओं से मूल्यांकन सुधारों पर एक आलेख प्रस्तुत 5 मई, 2015।

'पूर्वोत्तर भारत में उच्च शिक्षा में बदलाव' राष्ट्रीय संगोष्ठी एक आलेख प्रस्तुत 8–9 मई, 2015 को थौबल द्वारा आयोजित कॉलेज, थौबल मणिपुर।

गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानव संसाधन विकास केंद्र में जून 4–5, 2015 विभागों और कॉलेजों के प्रिंसिपलों के प्रमुखों के लिए शैक्षणिक प्रशासन पर एक आलेख प्रस्तुत।

ब्रिक्स विश्वविद्यालय के अध्यक्ष फोरम की एक बैठक में भाग लिया 16 से 20 अक्टूबर 2015 के बीजिंग, चीन में आयोजित।

शिक्षा और बीबीए विश्वविद्यालय में भारत में सामाजिक न्याय, लखनऊ के निजीकरण पर एक आलेख प्रस्तुत 16–17 नवंबर 2016।

'सोशल साइंस और भारत में सार्वजनिक नीति के उभरते इंटरफेस' पर एक पूर्ण व्याख्यान, ग्रग्प भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, दिसंबर 1–5, 2015, मंगलौर युनिवर्सिटी, मंगलोर वितरित।

भारतीय नवीनता पारिस्थितिकी तंत्र का इस्तेमाल में उच्च शिक्षा की भूमिका पर एक आलेख प्रस्तुत, होटल ली मेरिडियन–, नई दिल्ली में पर 17 फरवरी, 2016 9 एसोचौम उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2016।

'टीचिंग–लर्निंग और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियां न्यूपा पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षक की सुकराती आइडिया 25–26 फरवरी 2016: उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम एक आलेख पर प्रस्तुत।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की योजना बना और डीन और विभागों के प्रमुखों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में समावेशी शिक्षा शास्त्र के लिए संस्था की योजना पर प्रस्तुत दस्तावेज। केरल विश्वविद्यालय के तहत 3 मार्च 2016।

एक लोकतंत्र एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सार्वजनिक विश्वविद्यालय पर एक आलेख प्रस्तुत "परिवर्तन के लिए रास्ते' सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और भारत के लिए उच्च शिक्षा में सुधारों के लिए तुलनात्मक विचार', न्यूपा, 4–5 मार्च 2016।

राष्ट्रीय शैक्षणिक लेखा परीक्षा पर उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता संवर्धन सम्मेलन और में एक महत्वपूर्ण नोट पते प्रस्तुत, अरुल अनान्दर कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडु में 22 मार्च, 2016।

सदस्य

राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड के आईसीएआर क्षेत्रीय समिति (एनएईएबी) पर मानदंड के सदस्य, न्यू विश्वविद्यालयों/कालेजों/कार्यक्रम, 22 मार्च 2016 को बैठक में भाग लिया।

समिति पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी. स्क्रीनिंग के सदस्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय कई बैठकों में भाग लिया।

स्कूल बोर्ड के सदस्य, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में शिक्षा संकाय, 18 जून, 2015 की बैठक में भाग लिया।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद के सदस्य, धर्मशाला सीयूएचपी, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में 15 जून, 2015 बैठक में भाग लिया।

आरती श्रीवास्तव

प्रकाशन

'जेंडर, एजुकेशन एंड इंप्लायमेंट', दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट, एफओईआरए, 9वां वार्षिक अंक, जनवरी 2016 (ऑएसएसएन0974–7966)

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

एक संसाधन व्यक्ति के रूप

कन्या महाविद्यालय, जालंधर, पर मुख्य वक्ता के अध्यक्ष, 18 सितंबर, 2015

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और समग्रता पर शिखर सम्मेलन 2015 होटल रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली, दिसंबर 4, 2015।

दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी संगोष्ठी, 17 जून, 2015।

कालका एडवांस्ड स्टडीज अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में संकाय विकास कार्यक्रम 4 नवंबर, 2015।

एचआरडीसी, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, 15 दिसंबर, 2015।

अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

ब्रिक्स विश्वविद्यालय के अध्यक्ष फोरम 16 से 20 अक्टूबर, 2015 के बीजिंग, चीन, में आयोजित (उच्च शिक्षा समस्याएं और संभावनाएं, गलती लाइनों की पहचान करना)।

तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआईईएस) वैंकूवर, कनाडा में मार्च 6–10, 2016 को आयोजित करने के लिए 60वें वार्षिक सम्मेलन (युवाओं के बीच शिक्षा और कौशल अंतरालः दक्षिण एशिया से परिप्रेक्ष्य)।

आईएचसी, नई दिल्ली में 25–26 फरवरी, 2016, शिक्षण और अधिगम के उच्च शिक्षा, में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

उत्तर पूर्व में कॉलेज के प्रिंसिपलों के लिए योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, सिक्किम, 23–27 नवंबर, 2015।

विभागीय कार्यक्रमों का आयोजन

सबसे अच्छा शिक्षकों का विकास पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक 9 सितंबर, 2015।

गुणवत्ता की शिक्षा के लिए प्रशासन और सुधार पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक, 8 सितंबर, 2015।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/सम्पादित

एम.फिल./पी.एच.डी. के लिए किए गए कार्य पाठ्यक्रम।

अनिवार्य पाठ्यक्रम, सीसी–2

वैकल्पिक पाठ्यक्रम, सीसी–1

कंसल्टेंसी और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

शिक्षण और उच्च शिक्षा में लर्निंग आचरण का अनुभव भारत और ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग परियोजना में समर्थन।

एम.फिल./पी–एच.डी. के लिए प्रवेश परीक्षा समिति। (न्यूपा)

एम.फिल./पी–एच.डी. के लिए मूल्यांकन समिति (न्यूपा)

एम.फिल के लिए परीक्षक (जेएनयू)

एम–एड. गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के लिए परीक्षक (सेंट सोल्जर कालेज)

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

निम्नलिखित निकायों के आजीवन सदस्य

प्रौढ़ शिक्षा, आईटीओ, नई दिल्ली के संघ (1999)

भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, नई दिल्ली (1999)

भारतीय आर्थिक संघ (2004)

श्रम अर्थशास्त्र के भारतीय समाज (1998)

नेशनल बुक ट्रस्ट (1998)

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड (2003)

थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी (2004)

सीईएसआई, नई दिल्ली (2010)

शैक्षिक अनुसंधान ऑल इंडिया एसोसिएशन (2009)

अध्यापक शिक्षा के इंडियन एसोसिएशन (2015)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2016)

अन्य सूचना

पर्यवेक्षण

पीएचडी – अपराजिता गंतामेत

पीएच.डी. – अनुनिता मित्रा

पीजीडेपा

पीजीआईडेपा

नीरू स्नेही

प्रकाशन

शोध पत्र/लेख/नोट्स

'डेलीनीटिंग आफ हायर एजुकेशन पॉलिसीः ए पर्सपैक्टिव, युनिवर्सिटी न्यूज'; वाल्यूम 54 नं. 07, फरवरी 15–21, 2016।

'रिफार्मिंग अन्डरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडियाः इज इंस्टीटयूशन ऑटोनॉमी ए मेजर कन्सर्न?' (संप्रेषित)।

प्रशिक्षण

अक्टूबर 5–9 2015, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक में समन्वित, 'दक्षिणी क्षेत्र के कॉलेज प्रधानाध्यापकों के लिए योजना और उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रबंधन में ओरिएंटेशन कार्यक्रम'।

समन्वित, 'डीन, प्रमुखों वरिष्ठ शिक्षकों के लिए उच्च शिक्षा पर नीति कार्यशाला' दिसंबर 3–5, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

'पूर्वोत्तर भारत के कॉलेज प्रधानाध्यापकों के लिए योजना और उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम' में भाग और योगदान, नवंबर 23–27, 2015, गंगटोक, सिक्किम।

'गुणवत्ता शिक्षा में सुधार और अभिशासन पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में योगदान और भागीदारी' 8 सितंबर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का विकास पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भाग और योगदान, 9 सितंबर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

अध्ययन–शिक्षण और नई प्रौद्योगिकियों उच्च शिक्षा में शिक्षक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंडर ग्रेजुएट कॉलेजों में शिक्षण प्रत्युत्तर विश्लेषण पर एक आलेख प्रस्तुत किया, फरवरी 25–26, 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर (आईएचसी) लोधी रोड, नई दिल्ली, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

'भारत में स्नातक की शिक्षा में सुधारः संस्थागत स्वायत्तता क्या एक प्रमुख चिंता का विषय है?' तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा की 60वें वार्षिक सम्मेलन छह दशकों:

और आगे के दृष्टिकोण मार्च 6–10, 2016 शेरेटन वॉल केंद्र, वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा।

राष्ट्रीय

'तेलंगाना, राजस्थान और महाराष्ट्र पर अध्ययन रिपोर्ट उच्च शिक्षा में पहली पीढ़ी छात्राओं की शैक्षिक चुनौतियां' संगोष्ठी में भाग लिया, 26 जून, 2015, सी.पी.आर.एच.ई., न्यूपा, नई दिल्ली।

'उत्तर–पूर्वी राज्यों के लिए प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्रवाई परियोजना के लिए अनुवर्ती कार्यशाला' में एक सत्र की अध्यक्षता और भागीदारी, 14–16 सितंबर, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

दिसंबर 9–10, 2015, नेहरू स्मारक और लाइब्रेरी, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली में न्यूपा द्वारा आयोजित 'शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में भाग लिया।

दिसंबर 11–12, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली 'एजेंडा और सतत विकास लक्ष्य शिक्षा 2030 पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में भाग लिया।

न्यूपा से बाहर व्याख्यान

15 दिसंबर, 2015, सोनीपत, हरियाणा, मानव संसाधन विकास केंद्र, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां – व्याख्यान दिया यूजीसी के प्रतिभागियों के लिए 'उच्च शिक्षा में शासन' प्रदान किया।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

पर्यवेक्षण/मूल्यांकन

सुश्री अनीता सोंधी के शोध प्रबंध कार्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान – साक्षर भारत अभियान एक अध्ययन, धरसींवा ब्लाक, जिला रायपुर, (छत्तीसगढ़) के संदर्भ में (पीजीडीईपीए)।

सुश्री मंजू गौतम, स्कूल के नेतृत्व में पीजीडेपा के शोध प्रबंध कार्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

'उच्च शिक्षा में शासन' पर विकसित प्रशिक्षण मॉड्यूल।

कोर्स समन्वय

कोर्स 212 के संयोजकः शोध पद्धति और आईडेपा में सांख्यिकी।

कोर्स 902 के संयोजकः पीजीडेपा में भारतीय शिक्षा – एक परिप्रेक्ष्य

शिक्षण

आईडेपा में अनुसंधान क्रियाविधि और सांख्यिकी पाठ्यक्रम 212 के संचालन में शामिल

कोर्स 902 के संचालन में शामिलः पीजीडेपा में भारतीय शिक्षा – एक परिप्रेक्ष्य

कोर्स 104, स्कूल नेतृत्व में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, (पीजीडेपा) में परिवर्तनकारी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया पाठ्यक्रम के संचालन में शामिल

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओ.सी.आई. के संचालन में शामिलः एम.फिल. और पी.एच.डी. में उच्च शिक्षा में समकालीन कार्यक्रम

अन्य गतिविधियां

एम.फिल. और पी.एच.डी. के लिए 'लिखित परीक्षा प्रवेश के संचालन के लिए समिति' के सदस्य।

सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सी.ई.एस.आई.)

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सी.ई.एस.आई.)

संगीता अंगोम

प्रकाशन

शोध पत्र/पत्रिकाओं में लेख

प्राईवेट युनिवर्सिटीज इन इंडिया: ग्रोथ, स्टेटस एंड कनर्सन, न्यूपा समसामयिक पत्र 46, न्यूपा पब्लिकेशन, सितंबर, 2015।

पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप मॉडल एज एन इनोवेशन फार क्वालिटी हायर एजुकेशन इन इंडिया, पब्लिस्ड एज एक्सटेंडेड अब्स्ट्रैक्ट्स इन द कन्फ्रेंस प्रोसीडिंग आफ द 12 इंटरनेशनल रिसर्च कान्फ्रेंस ऑन क्वालिटी, इनोवेशन एंड नॉलेज मेंनेजमेंट 13–17 फरवरी 2016, नई दिल्ली।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक में अक्टूबर 5–9, 2015 के दौरान दक्षिणी क्षेत्र के कॉलेज प्रिंसिपलों के लिए समन्वित अभिविन्यास कार्यक्रम।

गंगटोक, सिक्किम में नवंबर 23–27, 2015 को पूर्वोत्तर भारत के कॉलेज के प्रिंसिपलों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम समन्वित।

उच्च शिक्षा पर नीति कार्यशाला में भाग और योगदान, दिसंबर 3–5, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली

सेमिनार और सम्मेलनों में भागीदारी

राष्ट्रीय

'उच्च शिक्षा संकाय के लिए व्यावसायिक आचार: शिक्षकों की भूमिका और दायित्व' पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के लिए अकादमिक सुधारों में शिक्षकों की भूमिका" पर आलेख प्रस्तुत किया, 29–30 अगस्त, 2015 मानविकी और समाज विज्ञान विभाग, 29–30 अगस्त 2015, आई.आई.टी, मद्रास, चेन्नई।

आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में 9 सितंबर, 2015 को न्यूपा द्वारा आयोजित 'गुणवत्ता शिक्षा और बेहतरीन शिक्षकों के विकास के लिए शासन सुधारों' पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक के दौरान एक सत्र की रिर्पोताज।

दिसंबर 9–10, 2015 को शैक्षिक प्रशासन और न्यूपा द्वारा आयोजित नवाचार पर पुरस्कार की प्रस्तुति में 'तमिलनाडु में नवाचार' नेशनल कांफ्रेंस के दौरान एक सत्र की भागीदारी और रिपोर्ताज।

स्कूल के मानक और मूल्यांकन 11 जुलाई, 2015 को न्यूपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया।

स्थानीय प्राधिकारी और स्वायत्त परिषद प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में पूर्वोत्तर राज्यों के उन्मुखीकरण कार्यशाला के दौरान एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया' न्यूपा, 14–18 मार्च, 2016, होटल राजधानी, गुवाहाटी।

अंतरराष्ट्रीय

उच्च शिक्षा में सामाजिक नीति पर अंतरर्राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई सम्मेलन "चुनौतियां और संभावनाएं" 'सी.आई.ई.एस., दिल्ली विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय निजी उच्च शिक्षा में पहुंच और क्षमता का विश्लेषण' एक आलेख प्रस्तुत किया 19–21 नवंबर, 2015।

'भारत में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के लिए नवाचार के रूप में सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल' पर आलेख प्रस्तुत, 12वां गुणवत्ता पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन, नवाचार और ज्ञान प्रबंधन में भागीदारी, 13–17 फरवरी, 2016, ली मेरिडियन होटल, नई दिल्ली।

उच्च शिक्षा में अध्यापन–शिक्षा और नई प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुछ विचार और संस्तुतियों में भाग लिया और एक ओपन पैनल सत्र की रिर्पोटिंग। 25–26 फरवरी 2016, सी.आर.एच.ई.–न्यूपा, नई दिल्ली।

'पूर्वोत्तर भारत में उच्च शिक्षा: इसके पुनर्गठन के लिए आवश्यकता' पर एक आलेख प्रस्तुत, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'परिवर्तन के लिए रास्ते: सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और भारत के उच्च शिक्षा में सुधारों के लिए तुलनात्मक विचार', न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा भारत में आयोजित मार्च 4–5, 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

आईडेपा कार्यक्रम

पाठ्यक्रम 212–अनुसंधान क्रियाविधि और सांख्यिकी के संचालन में शामिल

कोर्स 201 के समन्वयक: विषयगत संगोष्ठी

आईडेपा–32 भागीदार ट्रेसर नोडिका, कांगो, शोध प्रबंध, कांगो में एक स्कूल शिक्षक नियुक्ति नीति पर निगरानी: मोंट अंबा जिला, किंशासा राज्य का केस अध्ययन।

पीडीडेपा कार्यक्रम

पाठ्यक्रम 906 में शामिल: प्रतिभागियों को संगोष्ठी।

पाठ्यक्रम 905 में शोध पद्धति और सांख्यिकी के संचालन में शामिल।

पर्यवेक्षण, सेवाकालीन अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव पर एक अध्ययन, नागालैंड के सर्व शिक्षा अभियान के वोखा जिले द्वारा आयोजित द्वितीय पीजीडेपा भागीदार सुश्री लिथुंगलो मंथान के शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में भाग लिया

विशेष पाठ्यक्रम कार्यक्रम (एससीपी) शैक्षिक योजना और प्रबंधन, आई.आई.ई.पी./यूनेस्को (ई.पी.एम.), 11 अप्रैल 2016 से 20 मई 2016 तक, पेरिस में भाग लिया।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

पूर्वोत्तर भारत एजुकेशन सोसाइटी, शिलांग, आजीवन सदस्य, (एन.ई.आई.ई.एस.)

भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसायटी, आजीवन सदस्य, (एन.ई.आई.ई.एस.)

जीवन तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय एजुकेशनल सोसायटी (एन.ई.आई.ई.एस.)

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

अरुण सी मेहता (विभागाध्यक्ष)

कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित

अरुणाचल प्रदेश के यू–डीआईएसई एमआईएस अधिकारियों के लिए तकनीकी कार्यशाला, 7–8 जनवरी, 2016, ईटानगर।

ऑन लाइन यू–डीआईएसई सॉफ्टवेयर के विकास का पता लगाने के लिए कार्यशाला में भाग लिया, आरएमएसए–टीसीए, एनसीईआरटी, नई दिल्ली, 29 जून, 2015।

छत्तीसगढ़ के यू–डीआईएसई एमआईएस अधिकारियों के लिए तकनीकी कार्यशाला, रायपुर, 7–8 सितम्बर, 2015।

ओडिशा के यू–डीआईएसई एमआईएस अधिकारियों के लिए तकनीकी कार्यशाला, भुवनेश्वर, 23 सितंबर, 2015।

गुजरात में यू–डीआईएसई दिवस के अवसर पर पर यू–डीआईएसई प्रबंधन मुद्दे, प्रमुख भाषण, गांधीनगर, 30 सितंबर, 2015।

जिला एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डीआईएसई पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, जयपुर, 12–13 अक्टूबर, 2015।

जिला एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डीआईएसई पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, कोलकाता, 2–3 नवम्बर, 2015।

जिला एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डीआईएसई पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, चेन्नई, 5–6 नवंबर, 2015।

जिला एमआईएस अधिकारियों के लिए यू–डीआईएसई पर क्षेत्रीय तकनीकी कार्यशाला, चंडीगढ़, 22–23 नवंबर, 2015।

जम्मू–कश्मीर के यू–डीआईएसई एमआईएस अधिकारियों के लिए तकनीकी कार्यशाला, श्रीनगर, 15–16 अक्तूबर, 2015।

गोवा के यू–डीआईएसई एमआईएस अधिकारियों के लिए तकनीकी कार्यशाला, पणजी, 27–28 अक्टूबर, 2015 गोवा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला न्यूपा (ए.एन. रेड्डी के साथ) और व्याख्यान

आंध्र प्रदेश, के अधिकारियों के लिए यू–डीआईएसई, डेटा विश्लेषण और ईडीआई पर कार्यशाला आयोजित, हैदराबाद, मार्च 17–19, 2016।

यू--डीआईएसई पर संगठित राष्ट्रीय तकनीकी कार्यशाला, 25–26 अगस्त, 2015।

योजना एवं माध्यमिक शिक्षा पर्यवेक्षण, संकेतक का उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, पुणे, अक्टूबर 5–9, 2015।

व्याख्यान दिए

व्याख्यान यू–डीआईएसई/एमआईएस पर श्रीलंका, के शिक्षा अधिकारियों के लिए रणनीतिक योजना, वित्त पोषण और शिक्षा की गुणवत्ता के विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 18–20 जनवरी, 2016।

उत्तराखंड, देहरादून, के ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की पूर्व–प्रेरण कार्यक्रम में व्याख्यान, फरवरी 12–13, 2015।

एमआईएस और यू–डीआईएसई, डेपा, एमआईएस पर संगठित पाठ्यक्रम और व्याख्यान, 14 मार्च, 2016।

राजस्थान के जिला शिक्षा अधिकारियों एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राज्य स्तरीय सम्मेलन में यू–डीआईएसई पर व्याख्यान दिया। जयपुर, अप्रैल 29–30, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

उत्तराखंड, देहरादून, ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की पूर्व–प्रेरण कार्यक्रम में व्याख्यान, मई 15–16, 2015।

यू–डीआईएसई और यूनिसेफ में डेटा विश्लेषण प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, आरटीई, के तहत संकेतकों उपयोग पर पर व्याख्यान दिया, गुवाहाटी, मई 20–22, 2015।

गैर–संज्ञानात्मक कौशल और शैक्षिक सुधार के लिए सूचना का प्रयोग के मूल्यांकन पर यू.आई.एस. निदेशक पर एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजन, 24 जुलाई, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली।

एम.फिल./पी.एच.डी. कार्यक्रम

एम.फिल. और पी.एच.डी. प्रवेश परीक्षा के परीक्षा, नियंत्रक 2015, न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित।

एस.पी.एस.एस. पर एक कोर्स आयोजित (डॉ सुमन नेगी के साथ)

अंतरराष्ट्रीय

शिक्षा एवं विकास, को यू.के.एफ.आई.ई.टी. कैम्ब्रिज, ऑक्सफोर्ड अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी, सितम्बर 16–18, 2015 एन.एफ.ई.आर., स्लाव लंदन (यूके), (14 सितंबर, 2015 को भ्रमण)

बैठक

गूगल, द्वारा प्रायोजित ओपन डाटा बैठक और यू–डीआईएसई और डेटा विश्लेषण पर प्रस्तुति में भाग लिया, बैंगलोर, 11 अप्रैल, 2015।

शिक्षा पर 'नंबर गेम' में भाग लिया: सतह के नीचे एक नजर पॉलिसी रिसर्च केंद्र, नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2015।

केब उप–समिति की बैठक, सरकारी स्कूलों, में बुनियादी ढांचे में सुधार पर भाग लिया 17 नवंबर, 2015 न्यूपा, नई दिल्ली।

प्रस्तुतियाँ

कौशल विकास मंत्रालय के यू–डीआईएसई पर प्रस्तुति, 21 दिसम्बर, 2015।

जे.आर.एम में प्रस्तुतियाँ

यू–डाईस मुद्दे, आरएमएसए का छठां जे.आर.एम., 28 अगस्त, 2015, होटल पार्क।

यू–डाईस डाटा में सटीकता में सुधार में प्रौद्योगिकी के उपयोग, 22वां जे.आर.एम., 2 दिसंबर, 2015, इंडिया हैबिटेट सेंटर।

सदस्यता

अवधारणाओं के मानकीकरण के लिए उप–समूह, शिक्षा क्षेत्र से संबंधित संकेतकों की परिभाषाएँ एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन सांख्यिकी मंत्रालय, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, भारत सरकार।

पर्यवेक्षण

श्री सुरेंद्र कुमार, एससीईआरटी पटना, प्रथम पीजीडेपा, न्यूपा, नई दिल्ली एवं बिहार के पटना जिले में स्कूल परियोजना पर आईसीटी के शैक्षिक योजना और प्रशासन का एक अध्ययन।

एक एम.फिल और पी.एच.डी. में दो छात्रों को मार्गदर्शन

राज्यों का दौरा

मुंबई और पुणे, महाराष्ट्र, सरकार द्वारा शुरू 'सरल' का अध्ययन करने के लिए दौरा किया, 6–8 अगस्त, 2015।

सरकार द्वारा शुरु समग्रा परियोजना के अध्ययन हेतु स्कूल एवं रायसेन जिलों का दौरा, मध्य प्रदेश, भोपाल, जुलाई 14–16, 2015।

हैदराबाद, श्रीशैलम (कुरनूल) ऑन लाइन यू–डीआईएसई के कार्यान्वयन के अध्ययन करने हेतु दौरा किया, दिसंबर 30–31, 2015।

यू–डाईस के प्रबंधन के मुद्दों के संबंध में सीआरसी, बीआरसी, एचएमएस व अन्य अधिकारियों की सहभागिता: 2015–16।

फरीदाबाद, 10 दिसंबर,, 2015।

गाजियाबाद, 15 दिसंबर,, 2015।

मेवात, 29 जनवरी, 2016

गुड़गांव, 2 फरवरी, 2016

कोटपुतली, 10 फरवरी, 2016

ए.एन. रेड्डी

प्रकाशन/सेमिनार और सम्मेलन में आलेख

'टूवार्डस ससटेनेबल इंडीकेटर्स ऑफ फूड एंड नूट्रीशिनल आउटकम्स इन इंडिया' इन वर्ल्ड जर्नल ऑफ साइंस, टैक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट, वाल्यूम 13, नं. 2, (2016) पीपी. 128–142 (सह–लेखक)।

स्टेटस रिपोर्ट ऑन क्लोजर आफ स्कूल्स अफ्टर आरटीई एक्ट 2009 (सह–लेखक), एनसीई, 2016।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

मुद्दे और चुनौतियां: अध्यापक शिक्षा उत्तरदायित्व बहस और शिक्षक' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आलेख प्रस्तुत

सीआईई, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 11–12 फरवरी, 2016।

'अफ्रीका में शिक्षाः स्थिति और उभरते मुद्दों' पर एक आलेख प्रस्तुत, अफ्रीका पर 2000 के बाद से संक्रमण और परिवर्तन' अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18–19 फरवरी 2016।

'भारत में प्राथमिक शिक्षा प्रवृत्तियों पर एक आलेख तैयारः 19 जनवरी, 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए चयन संकेतकों के एक परीक्षा।

'भारत में अर्द्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय में कुछ गांवों में पुरुषों और महिलाओं द्वारा आर्थिक और गैर–आर्थिक गतिविधियों में समय का उपयोग' विषय पर एक शोध आलेख प्रस्तुत 'सभ्य काम और सतत विकास के साथ ग्रामीण – शहरी झुकाव ठी.आई.एस.एस. द्वारा आयोजित आई.सी.डी.डी. गुवाहाटी, फरवरी 19–20, 2016 को जिनेवा में आईएलओ द्वारा आयोजित चौथा सभ्य काम सम्मेलन के लिए विनियमन पर एक सम्मेलन 8–10 जुलाई 2015 (सह लेखक)।

'एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन शहरी भारत में स्कूली शिक्षा सम्मेलन, भारत में शहरीकरणः उभरते मुद्दें विषय पर एक शोध आलेख प्रस्तुत दिसंबर 10–11, 2015 को संयुक्त रूप से आई.ए.एस.एस. और आई.पी.ई, हैदराबाद द्वारा आयोजित।

सम्मेलन 'आंध्र प्रदेश में रुझान की एक महत्वपूर्ण समीक्षाः उच्च शिक्षा के वित्त पोषण' पर एक पत्र प्रस्तुत 'उच्च शिक्षा में सामाजिक नीतिः चुनौतियां और संभावनाएं' केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नवंबर 19–21, 2015 को आयोजित।

कार्यशालाएं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

गुवाहाटी, असम, में मई 20–22, 2015 को पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आरटीई के क्रियान्वयन के लिए यू–डीआईएसई डेटा के उपयोग पर कार्यशाला।

पुणे, महाराष्ट्र में अक्टूबर 5–9, 2015 को योजना में संकेतकों और माध्यमिक शिक्षा की निगरानी के प्रयोग पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

एक दिवसीय कार्यशाला, प्राथमिक शिक्षा पर अनुसंधान कार्यक्रम के तहत पूरा शोधकर्ताओं द्वारा डीआईएसई डेटा का उपयोग पर चर्चा, 29 दिसंबर 2015।

24 जुलाई, 2015 से गैर–संज्ञानात्मक कौशल और शिक्षा में सुधार के लिए सूचना का उपयोग, सुश्री सिल्विया मोंटोया, यूनेस्को सांख्यिकी संस्थान (यू.आई.एस.) के निदेशक द्वारा आकलन पर सार्वजनिक व्याख्यान।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

संयोजक, बेशक कोर्स 206: आईडेपा के भाग के रूप में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक तकनीकों का उपयोग।

अन्य

अवधारणाओं का मानकीकरण, शिक्षा सांख्यिकी से संबंधित एम.ओ.एस.पी.आई. द्वारा गठित परिभाषा पर उप–समूह की बैठक में भाग लिया 7 सितंबर, 2015 और 17 फरवरी, 2016 को आयोजित।

सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के आरएमएसए की कवरेज देने पर विशेषज्ञ समूह की कई बैठकों में भाग लिया।

उपकरण को अंतिम रूप देने के लिए अक्टूबर, 2015 को उत्तराखंड पर डीआईएसई डेटा के पोस्ट गणन सर्वेक्षण करने पर एक बैठक में भाग लिया।

सत्र आयोजित

एम.ओ.एस.पी.आई. द्वारा आयोजित, 21 जनवरी, 2016 को सीएसओ, अफगानिस्तान के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के लिए 'संग्रह और लैंगिक के नजरिए के साथ स्कूल शिक्षा सांख्यिकी के संकलन की प्रणाली' पर सत्र लिया।

समितियों में सदस्यता

सदस्य, उप–समूह अवधारणाओं का मानकीकरण, परिभाषाएँ शिक्षा सांख्यिकी से संबंधित पर एम.ओ.एस.पी. आई. द्वारा गठित।

मार्गदर्शन

प्राथमिक शिक्षा के संबंध में तुलना, नारागुण्ड ब्लॉक, गडग जिला, कर्नाटक में आरटीई अधिनियम –2009', डेपा प्रतिभागी को उपलब्ध मार्गदर्शन, एक अध्ययन।

'ग्लोबल वार्मिंग के प्रति जागरूकता का निर्माण करने के लिए प्रभावी शिक्षक और छात्रों द्वारा जागरूकता पर दीर्घकालीन नेतृत्व कार्यक्रम के प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

अनुसंधान अध्ययन

एक पायलट परियोजना (जारी) पर स्कूल शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली विकसित करने के लिए।

प्राथमिक शिक्षा पर समन्वित अनुसंधान कार्यक्रम डीआईएसई डेटा का उपयोग (प्रो ए.सी. मेहता के साथ)।

प्रशिक्षण विभाग और शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण

नज़मा अख़्तर (विभागाध्यक्ष)

अंतरर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों/सम्मेलनों में भागीदारी:

डिप्लोमा कार्यक्रम

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (डेपा) में 32वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम, 1 फरवरी से 30 अप्रैल, 2016।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजी डेपा) सितंबर 1 – नवंबर 30, 2015।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/पाठ्यक्रम विकास

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2015–16 में प्रथम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित। कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ तैयार किए, कार्यक्रम की हस्त पुस्तिका, पुस्तिका, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2016–17 में दूसरा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित। कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ तैयार किए, कार्यक्रम की हस्त पुस्तिका, पुस्तिका, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 31वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा आयोजित। 1 फरवरी, 2015–16 से (आईडेपा)। कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ तैयार किए, कार्यक्रम की हस्त पुस्तिका, पुस्तिका, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 32वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित। 1 फरवरी, 2016–17 से (आईडेपा)। कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ तैयार किए, कार्यक्रम की हस्त पुस्तिका, पुस्तिका, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

– पीजीडेपा के अंतर्गत परियोजना रिपोर्टों पर आधारित कार्यशाला का आयोजन, 05–08 मई, 2015।

– पीजीडेपा के अंतर्गत उन्नत पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशाला का आयोजन, 11–15 मई, 2015।

– पीजीडेपा के अंतर्गत पूर्ण परियोजना अध्ययनों पर आधारित कार्यशाला का आयोजन, पीजीडेपा के मूल्यांकन, प्रस्तुति और पुरस्कार पर 20–24, जुलाई 2015।

संगठित राज्य स्तरीय सम्मेलन

न्यूपा में 3–4 नवंबर, 2015 से आयोजित शिक्षा प्रशासकों के लिए संगठित परामर्श के लिए डिजाइनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं सलाहकारी बैठक।

उत्तराखंड में डीईओ व बीईओएस के लिए आयोजित राज्य सम्मेलन, देहरादून 15–16 दिसंबर, 2015, देहरादून।

न्यूपा की एम.फिल./पी.एच.डी. विद्वानों के लिए उपलब्ध मार्गदर्शन

एम.फिल. की छात्रा सुश्री श्रेया तिवारी को मार्गदर्शन "चुरू, राजस्थान के प्राथमिक विद्यालयों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बनाने के लिए प्रधान नेतृत्व प्रथाओं"।

पी.एच.डी. की छात्रा सुश्री मोनिका बिष्ट के अध्ययन – 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का एक अध्ययनः एनआरआई पूर्व छात्रों द्वारा अप्रवास परोपकार' में मार्गदर्शन।

पीजीडेपा/आईडेपा निबंध के लिए मार्गदर्शन

डेपा भागीदार सुश्री नफीस फातिमा के लिए शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन "जम्मू एवं कश्मीर के संघर्ष क्षेत्र श्रीनगर जिले में महिलाओं की शिक्षा"।

द्वितीय पीजीडेपा भागीदार सुश्री श्वेता पांडे को शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन "एक तुलनात्मक अध्ययन प्रशासन, प्रबंधन और वायु सेना स्कूलों चंडीगढ़ का अभिनव"।

डॉ संजय पिसुना क्लाउडियो (फिलीपींस), 32वां आईडेपा शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन विषय– "प्रबंधन से संबंधित तनाव और फिलीपींस के पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक प्रशासकों रणनीतियाँः तनाव प्रबंधन हस्तक्षेप के लिए आधार"।

पी.एच.डी. थीसिस, शैक्षिक अध्ययन विभाग में श्री मोहम्मद जावेद हुसैन द्वारा प्रस्तुत "नियमित शिक्षकों और बिहार के प्रारंभिक शिक्षा का कक्षा प्रदर्शनः एक तुलनात्मक अध्ययन" प्रोफेसर एज़ाज मासिह के मार्गदर्शन में।

विभाग के लिए परियोजनाएं

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण संस्थानों का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन, प्रो नजमा अख्तर और डॉ सविता कौशल द्वारा किया जाएगा।

वर्तमान की तुलना के साथ शैक्षिक प्रशासकों की जरुरत के लिए भविष्य की भूमिका और कार्य का गहन अध्ययन, डा. बी.के. पांडा और मोना सेदवाल।

परामर्शकारी और अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों (सार्वजनिक निकायों) को अकादमिक सहायता

भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, पुणे की योजना और प्रबंधक बोर्ड की बैठक में भाग लिया 25 जुलाई 2015।

नंबर गेम पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लियाः सतह के नीचे एक नजर, बुधवार 19 अगस्त 2015, 9.30–5.00 बजे, नीति अनुसंधान केंद्र और शिक्षा पर विवेचना विवेचना मंच द्वारा आयोजित।

बरेली में महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखण्ड विश्वविद्यालय की कार्य समिति की बैठक, 22 अगस्त, 2015, बरेली, उत्तर प्रदेश में भाग लिया।

आईसीएसएसआर में "माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा के विस्तार" पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया। 8 सितंबर, 2015 शैक्षिक योजना विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली के द्वारा आयोजित (डॉ. जैदी)।

"संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुति" पर एक सत्र की अध्यक्षता, 9 सितंबर, 2015 राष्ट्रीय परामर्श बैठकः अभिशासन, गुणवत्ता शिक्षा में सुधार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में 7–9 सितंबर, 2015।

पीजीडेपा का उद्घाटन 8 सितंबर, 2015 (प्रो मोहम्मद मियां मुख्य अतिथि)।

लेडी इरविन कॉलेज से लगभग 50 बी.एड. छात्रों की न्यूपा एक्सपोजन भ्रमण को आयोजित किया, 11.00–13.00 बजे। द्वितीय मंजिल, व्याख्यान हॉल, न्यूपा, नई दिल्ली, 10 सितंबर, 2015।

यूएसई की बीओएस की बैठक में भाग लिया, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, 14 सितंबर, 2015 को आयोजित, प्रातः 11.00 बजे।

क्षेत्रीय प्रशासकों के लिए विद्यालय नेतृत्व पर मॉड्यूल का विकास पर पहली सलाहकारी कार्यशाला, 17–18 सितंबर, 2015 को आयोजित, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, न्यूपा।

29 सितंबर, 2015 'नवाचार की योजना' द्वितीय स्तर पर स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक, शैक्षिक प्रशासन विभाग, 4.00 बजे प्रथम मंजिल, न्यूपा, नई दिल्ली।

'भारत में उच्च शिक्षा और निजी सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में सुधार के लिए तुलनात्मक प्रतिबिंबः परिवर्तन के मार्ग" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, उच्च शिक्षा और शैक्षिक नीति विभाग की एक संयुक्त पहल, न्यूपा 4–5 मार्च 2016 को आयोजित की।

शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक में भाग लिया, 21–22 मार्च 2016।

15 अक्टूबर, 2015 प्रो मैरी मैक एंड्रयू, मोंट्रियल यूनिवर्सिटी, क्यूबेक, पूर्व रात्रि भोज सत्र, द्वितीय पीजीडेपा कार्यक्रम।

'स्कूलों में सुरक्षा प्रबंधन' पर व्याख्यान दिया, 12–16 अक्तूबर, 2015, 14.00 बजे 'उत्तर–पूर्वी राज्यों से जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम' शैक्षिक प्रशासन विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

अंतरर्राष्ट्रीय अनुभव के साथ, क्या शिक्षा युवाओं को शांति के लिए कट्टरपंथ बना सकती है: शिक्षा और हिंसक परमपंथ पर चर्चा और विचार, टाल्किंग अक्रॉस जेनरेशन (टैग 2016) पर कार्यक्रम। 15 फरवरी 2016, स्टीन सभागार, इंडिया हैविटेट सेंटर, 12 से 1:30 अपराहन तक। कार्यक्रम महात्मा गांधी शांति तथा सतत् विकास संस्थान द्वारा आयोजित किया गया।

9 नवंबर 2015 डीपीएस, नई दिल्ली में डीपीएस शैक्षणिक बैठक में भाग लिया।

9 नवंबर, 2015, प्रो एनआर माधव मेनन, चांसलर न्यूपा के साथ बैठक,

,9 दिसंबर 2015 को "शैक्षिक प्रशासन में नवाचार" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में नवाचारों की प्रस्तुति (उत्तर प्रदेश) पर एक सत्र की अध्यक्षता की। सम्मेलन के आयोजन स्थल नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (सभागार) था।

सार्वजनिक नीति निर्माण पर शिक्षा के क्षेत्र में अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया अभिविन्यास कार्यक्रम 18 दिसम्बर, 2015, एक आलेख प्रस्तुत किया। स्कूल मानक और मूल्यांकन इकाई विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (डॉ वीरा गुप्ता)।

– "क्लब रचना– 'कार्निवल' सलवान पब्लिक स्कूल, राजिंदर नगर, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में 30 जनवरी, 2016,

एक पैनल चर्चा नीति की रूपरेखा और संस्थागत संदर्भः बराबर का उपयोग और बराबर की भागीदारी पर अध्यक्षता 7 मार्च, 2016। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में विविधता और इक्विटी का प्रबंधन पर उन्मुखीकरण सह कार्यशाला, 07 मार्च से 11 मार्च, 2016 न्यूपा, नई दिल्ली।

सीमेट, देहरादून शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राज्य स्तरीय डिप्लोमा कार्यक्रम के डिजाइन के लिए दो दिन परामर्शदात्री की बैठक में भाग लेने के लिए और राज्य प्रशिक्षण नीति के मसौदे पर चर्चा करने के लिए 14–15 मार्च 2016 सीमैट, देहरादून का भ्रमण।

आईडेपा प्रतिभागियों के लिए हैदराबाद के लिए एक शैक्षिक क्षेत्र की यात्रा आयोजित 11–13 मार्च, 2016 और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षुओं के लाभ के लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों में बैठकों का आयोजन किया।

एससीईआरटी, लखनऊ 16–17 मार्च, 2016 शैक्षिक व्यवस्थापक के लिए "प्रभावी शैक्षिक प्रशासन" विषय पर एक व्याख्यान।

आईडेपा और पीजीडेपा में समन्वित पाठ्यक्रम

आईडेपा–शैक्षिक प्रबंधन पर पाठ्यक्रम

कंट्री पेपर प्रस्तुतियों पर पाठ्यक्रम

शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण पर कोर्स

पीजीडेपा–शैक्षिक योजना और प्रबंधन में बेसिक कोर्स

शैक्षिक प्रबंधन पर पाठ्यक्रम

शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण पर उन्नत पाठ्यक्रम पर पाठ्यक्रम।

प्रशिक्षण सामग्री विभिन्न पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों के लिए विकसित

प्रशिक्षण रूपरेखा, मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित स्कूलों के प्रमुखों के लिए संस्था निर्माण के लिए पठन सामग्री।

सीबीएसई सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर प्रशिक्षण रूपरेखा और दो प्रबंधन विकास कार्यक्रम के लिए सामग्री।

स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए अनुभव उपकरण साझा करना।

उच्च शिक्षण संस्थानों के संस्थागत प्रमुखों के लिए अनुभव प्रोफार्मा साझा करना।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों के मूल्यांकन हेतु प्रशिक्षण उपकरण।

क्षमता निर्माण पर पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार और प्रशिक्षुओं के साथ साझा करना।

न्यूपा की शैक्षणिक परिषद

मार्च 2016 में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की बैठक में भाग लिया।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

जेएसएस लॉ कॉलेज के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स पर यूजीसी नामित (मैसूर विश्वविद्यालय)।

भारती विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय, पुणे, निगरानी और प्रबंधन बोर्ड पर यूजीसी नामिति।

जामिया मिलिया इस्लामिया की कार्यकारी परिषद में आगंतुक नामिति।

वायु सेना, केन्द्रीय विद्यालय, सदस्य शासी निकाय।

काम के स्थान पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए समिति, एनसीईआरटी –सदस्य

स्वायत्त प्रबंधन कॉलेज–गीतम पर यूजीसी प्रतिनिधि (आंध्र प्रदेश)

कोबसे की कार्यकारी समिति के सदस्य

अल्पसंख्यक बालिका शिक्षा के मुद्दों का अनुसमर्थन विशेष जनादेश के साथ अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीएमईआई) के मानद सदस्य।

चयन समिति पर आगंतुक नामित, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में शिक्षकों की नियुक्ति हेतु।

आंध्र विश्वविद्यालय – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य महाराजा कॉलेज को स्वायत्त स्थिति के विस्तार के लिए प्रदर्शन और शैक्षणिक उपलब्धियों का मूल्यांकन हेतु, विजयनगरम, मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन।

इंदौर विश्वविद्यालय, इंदौर के अकादमिक स्टाफ कॉलेज के सदस्य सलाहकार समिति।

गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अध्ययन के बोर्ड के सदस्य

जे.आई.ई.टी. के लिए केवीएस सलाहकार समिति के सदस्य

जनशक्ति (मैनपावर) जर्नल के सदस्य संपादकीय बोर्ड, XLVI, संख्या 3, अप्लाइड जनशक्ति अनुसंधान संस्थान।

आदर्श आचार संहिता समिति के सदस्य

डीपीएस एजुकेशनल सोसायटी के सदस्य

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सदस्य, स्वायत्त स्थिति

के विस्तार के लिए प्रदर्शन और शौक्षणिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन, एम.ई.एस. मम्पाड कॉलेज, मलप्पुरम, केरल।

डीपीएस सीतापुर, हाथरस, अलीगढ़, राजनगर गाजियाबाद के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य .. आदि

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, गुड़गांव, वाईएमसीए विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य।

बीके पांडा

कार्यक्रमों का आयोजन

डिप्लोमा कार्यक्रम

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2015–16 में प्रथम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित। कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्राउशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट तैयार की।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2016–17 में दूसरा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित। कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ कार्यक्रम की पुस्तिका, ब्राउशर, पठन सामग्री और रिपोर्ट।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 31वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा आयोजित कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ तैयार कार्यक्रम की पुस्तिका, पठन सामग्री और रिपोर्ट। 1 फरवरी, 2015–16 (आईडेपा)।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 32वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा आयोजित कार्यक्रम की टीम के सदस्यों के साथ तैयार कार्यक्रम की पुस्तिका, पठन सामग्री और रिपोर्ट। 1 फरवरी, 2016–17 (आईडेपा)।

संगठित राज्य स्तरीय सम्मेलन

न्यूपा में 3–4 नवंबर, 2015 से आयोजित शिक्षा प्रशासकों के लिए डिजाइनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए परामर्शदात्री बैठक संगठित।

उत्तराखंड में डीईओ और बी.ई.ओ. के लिए संगठित राज्य सम्मेलन, 15 से 19 दिसंबर, 2015, देहरादून में आयोजित।

न्यूपा की एम.फिल./पी–एच.डी. विद्वानों के लिए उपलब्ध

सशस्त्र संघर्ष के दौरान सुरक्षा के लिए और स्कूली शिक्षा के पुनर्निर्माण पर एक अध्ययनः सुश्री एन. रेबेका द्वारा मणिपुर के एक मामले का अध्ययन। अध्ययन प्रगति पर है।

श्री अजय कुमार ने उत्तराखंड के चमोली जिले में महिलाओं को सशक्त बनाने में विकेन्द्रीकरण और पंचायत राज संस्थाओं के प्रभाव का एक अध्ययन, अध्ययन प्रगति पर है।

सुश्री ज्योत्सना उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में अनुसूचित जनजाति के बीच शिक्षा का एक अध्ययन, अध्ययन जारी है।

सुश्री रेणु चौधरी द्वारा दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के प्रबंधन का एक अध्ययन, अध्ययन जारी है।

कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों का विकास

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडेपा) के लिए "विकास के लिए क्षमता निर्माण" पर एक उन्नत पाठ्यक्रम विकसित किया है।

चार सप्ताह की छोटी अवधि के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में प्रशिक्षण अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम शीर्षक से आईडेपा कार्यक्रम विकसित एवं तैयार किया है न्यूपा पर एक नियमित आधार पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार से मंजूरी मिल गई।

अनुसंधान परियोजना

अनुसूचित जाति के बच्चों के बीच शिक्षा – राजस्थान के दो गांवों के एक गहन अध्ययन – प्रगति में

सविता कौशल

प्रकाशन

पत्रिकाओं/पत्रिकाओं/पुस्तकों में लेख

'सामाजिक प्रारंभिक अध्ययन प्रारंभिक सीखने की सुविधा पारंपरिक शिक्षण' अवनीता में प्रकाशित वाल्यूम–6, संख्या–3, अगस्त–अक्टूबर, 2015, आईएसएसएन–2348–8824।

संयुक्त राष्ट्र–समझा अनुसूचित जाति की शिक्षा की शपथ और अनुसूचित जनजाति: संबंधित साहित्य के संदर्भ में एक विश्लेषण: शिक्षा पर पीपुल्स वार्ता, खंड–5, संख्या–1, जून 2013, आईएसएसएन–0974–5955, अक्टूबर 2015 में प्रकाशित।

कार्यक्रम/पाठ्यक्रम विकास

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, 2015–16 में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम के समन्वयक। तैयार पृष्ठभूमि कागज, पुस्तिका, ब्रोशर, पठन सामग्री, इस कार्यक्रम की रिपोर्ट और चयनित पठन सामग्री (कोर्स कोड, 901) कार्यक्रम के निदेशक और वरिष्ठ कार्यक्रम समन्वयक के साथ।

पीजीडेपा के तहत आयोजित परियोजना रिपोर्ट के आधार पर कार्यशाला समन्वित 05–08, मई 2015।

पीजीडेपा के तहत उन्नत पाठ्यक्रम काम के आधार पर समन्वित कार्यशाला से आयोजित 11–15 मई, 2015।

पीजीडेपा के तहत पूरा परियोजना रिपोर्ट के आधार पर समन्वित कार्यशाला जुलाई से आयोजित मूल्यांकन, प्रस्तुति और पीजीडेपा के पुरस्कार पर 20–24, जुलाई 2015

शिक्षा प्रशासकों के लिए डिजाइनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए परामर्शी मिलिए के कार्यक्रम समन्वयक, न्यूपा द्वारा आयोजित 3–4 नवंबर 2015।

विभागीय टीम के एक भाग के रूप में समन्वित उत्तराखंड राज्य सम्मेलन आयोजित 15–16 दिसंबर 2016।

न्यूपा प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में अंशदान

एसोसिएट संकाय और संसाधन व्यक्ति कोड–901 पीजीडेपा के लिए (शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में मूल बातें) और पीजीडेपा की (शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में मूल बातें) पाठ्यक्रम कोड–901 के लिए सोलह सत्र आयोजित।

कोर्स संयोजक और पीजीडेपा कोड 905 के लिए (परियोजना का काम और लेखन) और पाठ्यक्रम कोड–905 के लिए 23 सत्रों का आयोजन किया (परियोजना का काम और लेखन) के संसाधन व्यक्ति

आत्म विकास महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर पीजी डिप्लोमा के लिए संसाधन व्यक्ति। विभिन्न विषयों पर दो सत्रों में भाग लिया और सामग्री का योगदान दिया।

पीजीडेपा के मूल्यांकन के लिए, मूल्यांकन टीम के सदस्य स्कूल नेतृत्व और महत्वपूर्ण क्षेत्र में प्रबंधन पर पीजी डिप्लोमा: आत्म विकास

पीजीडेपा के लिए: (ए परिप्रेक्ष्य भारतीय शिक्षा) कोर्स संहिता 902 के चार सत्रों में ले लिया

20 जनवरी 2016, को न्यूपा में आयोजित कुलपति की अध्यक्षता में न्यूपा अनुरोध कार्यक्रम परीक्षा, शिक्षा विभाग, भूटान सरकार की ओर से उनके शिक्षा अधिकारियों के लिए चर्चा बैठक में भाग लिया।

आईडेपा कोर्स के लिए पाठ्यक्रम कोड–212 के पाठ्यक्रम, आईडेपा अनुसंधान की कार्यप्रणाली पाठ्यक्रम कोड–212, के लिए छह सत्रों में भाग लिया फरवरी 2016।

अनुवर्ती कार्रवाई के लिए कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की दक्षिणी राज्यों के लिए प्राथमिक स्कूल 08–10 अप्रैल 2015 से आयोजित में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य परियोजना।

दूसरे में एक सत्र की अध्यक्षता ऊपर का पालन कार्यशाला उत्तरी राज्यों के लिए प्राथमिक स्कूल में आयोजित में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए भागीदारी कार्य परियोजना के लिए 20–24 अप्रैल, 2015।

एनसीएसएल द्वारा आयोजित प्रस्तुतियों स्कूल लीडरशिप प्रतिभागियों में पीजीडिप्लोमा बैठक में भाग लिया 25–27 अप्रैल 2015।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, परियोजना का काम तौर–तरीकों पर आयोजित चर्चा बैठक में भाग लिया 9 नवंबर, 2015।

संकाय सलाहकार स्कूल नेतृत्व में स्नातकोत्तर परियोजना के काम की प्रस्तुति पर आयोजित बैठक, दिसंबर 2, 4 और 7, 2015, न्यूपा द्वारा आयोजित।

सेमिनारों/सम्मेलन में भागीदारी (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन (शाला सिद्धि) विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के शुभारंभ में भाग लिया 7 नवंबर, 2015।

दिसंबर 9–10, 2015 से आयोजित शैक्षिक प्रशासन और पुरस्कार प्रदान समारोह में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक सत्र के लिए रिपोर्ताज के रूप में काम किया।

परिवर्तन के लिए रास्ते तुलनात्मक विचार सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और भारत के लिए उच्च शिक्षा में सुधारों के लिए पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, उच्च शिक्षा और शिक्षा नीति विभाग के एक संयुक्त पहल, न्यूपा 4–5 मार्च 2016 तक आयोजित की।

शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भाग लिया 21–22 मार्च, 2016 को आयोजित।

कंसल्टेंसी और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

'कौशल विकास और रोजगार सृजन' का आयोजन के लिए वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा द्वारा व्यावसायिक शिक्षा मुक्त विद्यालयी शिक्षा और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पर व्याख्यान 21 अगस्त 2015।

(लाइव पीसीपी/वेब रेडियो कार्यक्रम) विषय 'बचपन की देखभाल और शिक्षा' (ईसीसीई) में एक वर्ष के प्रमाण पत्र के लिए 'तीन साल से कम उम्र के बच्चों के विकास को समझने के लिए मुक्ता विद्या वाणी कार्यक्रम' के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम पर एक व्याख्यान दिया, 7 जनवरी 2016।

प्राथमिक और माध्यमिक में शिक्षक प्रशिक्षकों की धारणारू एम.फिल का मूल्यांकन (शिक्षा) शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन संस्थान, जामिया मिलिया इस्लामिया, विषय 'इंटरफेस मानव अधिकार और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के बीच नई दिल्ली में सुश्री अर्चना सहरावत की थीसिस के लिए परीक्षक लेवल। इसके अलावा सुश्री अर्चना सहरावत की मौखिक का आयोजन किया।

ग्रीनर पत्रिकाओं के लिए एक समीक्षक की क्षमता में पांडुलिपि संख्या 1996 से 2011 के बीच मलावी प्राथमिक स्कूल शिक्षक उदासीनता शीर्षक के साथ छकंसं द्वारा प्रस्तुत की समीक्षा की।

ई–पीजी पाठशाला के लिए एम.एड. कार्यक्रम के मॉड्यूल की ई–सामग्री –वीडियो रिकॉर्डिंग, सामग्री/भाषा संपादन के विकास के लिए कार्यशाला में भाग लिया 01–05 फरवरी 2016।

21 मार्च 2016 को ई–पीजी पाठशाला के लिए एम.एड. कार्यक्रम के मॉड्यूल की ई–सामग्री वीडियो रिकॉर्डिंग, सामग्री/भाषा संपादन के विकास के लिए कार्यशाला में भाग लिया।

'बचपन की देखभाल और शिक्षा' (ईसीसीई) में एक वर्ष के प्रमाण पत्र मुक्ता विद्या वाणी कार्यक्रम के माध्यम से (लाइव पीसीपी/वेब रेडियो कार्यक्रम) 31.03.16 को आयोजित करने के लिए एक ईसीसीई केंद्र में स्टाफ विषय पर एक व्याख्यान दिया।

ई–सामग्री –वीडियो रिकॉर्डिंग, सामग्री/भाषा ई–पीजी पाठशाला के लिए एम.एड. कार्यक्रम के मॉड्यूल के संपादन के विकास के लिए कार्यशाला में भाग लिया 22–26 फरवरी, 2016।

सामाजिक विज्ञान में लघु अवधि के शोध पद्धति पटना विश्वविद्यालय शिक्षा के संकाय द्वारा आयोजित हकदार कार्यक्रम में तीन सत्रों में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया 26 फरवरी 2016

शैक्षिक अनुसंधान की ग्रीनर जर्नल और शैक्षिक अध्ययन के ग्रीनर जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य http-gjournal.org ISSN: 2354-225X

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

पीजीडेपा, आईडेपा स्कूल नेतृत्व प्रबंधन प्रतिभागियों और एम.फिल. के छात्रों में डिप्लोमा करने के लिए मार्गदर्शन

'हकदार शोध अध्ययन पर उत्तराखंड से पीजीडेपा भागीदार सुश्री रीना कुमारी को शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन हरिद्वार, उत्तराखंड के नरसन ब्लॉक में मध्याह्न भोजन योजना के कार्यान्वयन का एक अध्ययन।

'कक्षा दस में विद्यार्थियों के अनुत्तीर्ण होने के कारणों का अध्ययनः चित्रकुट मंडल के दो जिलों, बांदा वा चित्रकुट के परिप्रेक्ष्य में' शोध अध्ययन पर उत्तर प्रदेश से पीजीडेपा भागीदार सुश्री बीना गुप्ता के शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन।

स्कूल संपत्ति का सम्मान स्कूल को साफ रखते हुए शोध अध्ययन पर स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन परियोजना के काम करने के लिए मार्गदर्शन भागीदार श्री वीरेश कुमार में पीजी डिप्लोमा

डेपा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शोध प्रबंध के लिए गाइडेंस श्रीमती डीन बुई थी (वियतनाम) की एक खोज के शोध अध्ययन पर प्रयोग स्कूली वियतनाम राष्ट्रीय शैक्षिक विज्ञान, हनोई, वियतनाम के संस्थान में शिक्षकों की योगिनी अध्ययन।

श्रीमती चदोर वांगमो (भूटान) शोध अध्ययन पर 'स्कूल पर एक अनुवर्ती अध्ययन भूटान में शिक्षकों के पेशेवर विकास के संबंध में आधारित सेवाकालीन कार्यक्रम' आईडेपा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शन

मोना सेदवाल

प्रकाशन

सामग्री

समीक्षा– अनुसूचित जाति के बच्चों और शिक्षकों की स्कूल शिक्षा में भागीदारी, में प्रकाशित शैक्षिक अनुसंधान के लिए अखिल भारतीय एसोसिएशन के जर्नल। वाल्यूम–27, नंबर–1, जून 2015 पीपी 59–79 आईएसएसएन–0970–9827 में प्रकाशित ई–जर्नल www.aiaer.net/ejournal

समाचार पत्रों में लेख

आईटीआई के कौशल शिक्षा पर ध्यान केंद्रित दैनिक भास्कर के कैरियर परामर्श पर अनुपूरक मुद्दा, नामित लक्ष्य पर 2 और 3 नवंबर 2015 (हिन्दी में) जयपुर, राजस्थान और बिहार संस्करण में प्रकाशित।

सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

प्रस्तुतकर्त्ता के रूप में

शिक्षा के क्षेत्र में वंचित बच्चों के लिए भागीदारी लेख प्रस्तुत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक अवलोकन भारत में शिक्षा और सामाजिक न्याय का निजीकरण संगोष्ठी समाजशास्त्र विभाग सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद (द्वारा प्रायोजित द्वारा आयोजित किया गया था आईसीएसएसआर) बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, (एनएएसी मान्यता प्राप्त 'ए' ग्रेड केन्द्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ–226025, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया नवंबर 16–17, 2015

उच्च शिक्षा में प्रवेश और इक्विटीः दक्षिण एशियाई क्षेत्र की एक समीक्षा में उच्च शिक्षा में सामाजिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई सम्मेलनः चुनौतियां और संभावनाएं पर एक लेख प्रस्तुत प्रो बेतनात नाथ बसु सभागार में 19–21 नवंबर 2015, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय। व्याख्यान का शीर्षक प्रस्तुत। सम्मेलन सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

प्राथमिक स्तर पर स्कूल संकेतकों के एक विश्लेषण राजस्थान से दो ब्लॉकों में प्राथमिक शिक्षा पर अनुसंधान कार्यक्रम मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए डीआईएसई डेटा कार्यशाला का उपयोग कर पर पत्र प्रस्तुत शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली, 29 दिसंबर, 2015। कार्यशाला शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

अध्यक्ष के रूप में

चुनौतियां और संभावनाएंः उच्च शिक्षा में सामाजिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की। प्रो बेतनात नाथ बसु सभागार, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 19–21 नवंबर 2015। छह प्रस्तुतियों दोपहर के सत्र मेंकिए गए थे 20 नवम्बर 2015। सम्मेलन सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

दो सत्रों का आयोजन किया और में एक सत्र की अध्यक्षता उत्तराखंड के जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य सम्मेलन पेट्रोलियम के भारतीय संस्थान (आईआईपी), सभागार, देहरादून, उत्तराखंड में 15–16 दिसंबर 2015 से आयोजित की। सम्मेलन के सहयोग से शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (न्यूपा) के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण राज्य संस्थान (सीमैट) और स्कूल शिक्षा विभाग, उत्तराखंड की सरकार।

अतिथि वक्ता, पैनलिस्ट, चर्चाकार आदि के रूप में

राष्ट्रीय संगोष्ठी में पैनलिस्ट भारत में शिक्षा और सामाजिक न्याय के निजीकरण नवंबर 16–17, 2015 से पैनल चर्चा पर था फील्ड से कुछ अनुभवः शिक्षा और शिक्षा के निजीकरण का अधिकार। विषय पर विचारों का प्रस्तुत (आरटीई) और शिक्षा के क्षेत्र में वंचित बच्चों की भागीदारी का अधिकार। संगोष्ठी समाजशास्त्र विभाग सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद (आईसीएसएसआर) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में आयोजित किया है, (एनएएसी मान्यता प्राप्त 'ए' ग्रेड केन्द्रीय विश्वविद्यालय), लखनऊ–226025, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित द्वारा आयोजित किया गया था।

मुख्य आमंत्रित अतिथि, चुनौतियां और संभावनाएंः उच्च शिक्षा में सामाजिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई सम्मेलन में अतिथि वक्ता, प्रो बेतनात नाथ बसु सभागार,

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 19–21 नवंबर 2015। व्याख्यान का शीर्षक था प्रवेश और उच्च शिक्षा में इक्विटीः दक्षिण एशियाई क्षेत्र की एक समीक्षा सम्मेलन सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

उत्तर–पूर्व भारत के प्राथमिक स्तर की शिक्षा में आरटीई–2009 की दिशा में अंतिम रूप से तय द्व ारा प्रस्तुत में चर्चाकार, अरविंद महतो और राजीव दुबे प्राथमिक शिक्षा पर अनुसंधान कार्यक्रम मसौदा रिपोर्ट पर बहस करने के लिए डीआईएसई डेटा कार्यशाला का उपयोग पर पत्र प्रस्तुत राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली। कार्यशाला शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, 29 दिसंबर, 2015।

भागीदार के रूप में

तीसरी सामरिक बहस पर उच्च शिक्षा और काम की दुनिया पर अनुसंधानः क्या सबूत क्या शैक्षिक नीतियाँ शैक्षिक योजना के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान (आईआईईपी), पेरिस में आयोजित जून 2015।

उच्च शिक्षा में पहली पीढ़ी छात्राओं की शैक्षिक चुनौतियांः तेलंगाना, राजस्थान और महाराष्ट्र पर अध्ययन रिपोर्ट पर संगोष्ठी, न्यूपा में कक्ष संख्या 113 में 26 जून, 2015 को आयोजित की गई। संगोष्ठी उच्च शिक्षा में सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआरएचई), शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था।

स्टडी सर्किल लेख पर आधारित असमानता से संबंधित मुद्दों पर अर्थशास्त्र के केंद्र में लाना वितरण वापस 'इक्कीसवीं सदी में राजधानी' पर विचार आर्थिक परिप्रेक्ष्य जर्नल, वॉल्यूमः थॉमस पिकेटी द्वारा स्रोत। 29, नंबर 1 (शीतकालीन 2015), पृ. 67–88, विचार–विमर्श के कमरा नंबर 114 में इसे उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान (सीपीआरएचई), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली के लिए केंद्र की ओर से, 15.30 बजे से 3 जुलाई, 2015 को आयोजित की गई।

शैक्षिक नीति विभाग द्वारा आयोजित बैठक पर परियोजना के साक्षात्कार कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए माध्यमिक स्तर पर छात्रवृत्ति योजना और अनुसूचित जाति के बच्चों के बीच शैक्षिक गतिशीलता का एक अध्ययन, ओडिशा, में कम से बोर्ड रूम में 15.00 बजे 10 जुलाई, 2015 को आयोजित की गई राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली।

स्टडी सर्किल प्रतिभा से संबंधित मुद्दों पर लेख के आधार परमेरिट और न्यायमूर्ति अमर्त्य सेन स्रोत प्रतिभा और आर्थिक असमानता, केनेथ एरो, सैमुअल बाउल्स, और स्टीवन डरलौफ प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित एवं संपादित 1999, 5–16,। विचार–विमर्श के कमरा नंबर 114 में इसे उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान (सीपीआरएचई), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली के लिए केंद्र की ओर से आयोजित किया गया था में 15.30 बजे से 31 जुलाई, 2015 को आयोजित की गई।

शिक्षा डाटा और नीति पर संगोष्ठी नंबर गेमः सतह के नीचे की तलाश में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, कमलादेव ब्लॉक, प्रथम तल, नई दिल्ली में 19 अगस्त 2015 को आयोजन किया। संगोष्ठी सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड एजुकेशन पर विचार विमर्श के लिए मंच द्वारा आयोजित किया गया था।

स्टडी सर्किल लेख के आधार पर आलोचना क्या है?

फूको के सदाचार पर एक निबंधः जूडिथ बटलर स्रोत से कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, रेमंड विलियम्स व्याख्यान। इनग्राम, डेविड में नई 2000 पुनर्प्रकाशित। महाद्वीपीय दर्शन में राजनीतिक ब्लैकवेल रीडिंग। विले ब्लैकवेल। जनवरी 28, 2002.। विचार–विमर्श के कमरा नंबर 114 में इसे उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान (सीपीआरएचई), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली के लिए केंद्र की ओर से आयोजित किया गया था में 15.30 बजे पर 26 अगस्त, 2015 को आयोजित की गई।

पर सातवीं वार्षिक जी–20 सम्मेलन ठोस, सतत एवं संतुलित विकास के लिए चुनौतियां: जी–20 देशों से दृश्य से 14–15 सितंबर, 2015 सिल्वर ओक हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया। सम्मेलन अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध पर के लिए भारतीय परिषद (आईसीआरआईईआर), नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था।

मानव संसाधन विकास, स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय का आयोजन स्कूल शिक्षा में आईसीटी में नेशनल कांफ्रेंस 7 नवंबर, 2015 पूर्ण हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में। सम्मेलन श्रीमती ने भाग लिया। स्मृति ईरानी, मुख्य अतिथि के रूप में मानव संसाधन विकास मंत्री। प्रो राम शंकर कठेरिया, राज्य मंत्री सम्मानित अतिथि थे। न्यूपा के स्कूल मानक मूल्यांकन (शाला सिद्धि) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम एनसीईआरटी, सीबीएसई, केवीएस आदि के अन्य कार्यक्रमों के साथ शुरू किया गया था।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार, पर राष्ट्रीय सम्मेलन नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय सभागार, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली, भारत में 9–10 दिसंबर 2015 से आयोजित। प्रतिभागियों में भारत भर के जिला और ब्लॉक स्तर की शिक्षा अधिकारी थे और सम्मेलन का फोकस जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों द्वारा नवाचारों पर थे। संगोष्ठी शैक्षिक प्रशासन, विभाग द्वारा आयोजित किया गया था शैक्षिक योजना के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और प्रशासन (न्यूपा) नई दिल्ली।

चर्चा को पूरा करने पर स्वामी विवेकानंद की शैक्षिक विचार श्री स्वामी दयानन्दजी महाराज, रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली के कमरा नं 113, 12 जनवरी, 2016 को आयोजित की गई। भाषण सामाजिक व्यवस्था का अध्ययन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के लिए प्रोफेसर अविजित पाठक, सामाजिक विज्ञान के स्कूल, केंद्र की ओर से दिया गया था।

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन पर कार्यशाला महिला समाख्या के प्रभावः सबूत पर बिल्डिंग इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, कमला देवी ब्लॉक, बहुउद्देशीय हॉल, नई दिल्ली मैक्स मूलर मार्ग, नई दिल्ली 110003. कार्यशाला गया था ऊपर से सम्मेलन कक्ष में द्वितीय पर 16 जनवरी 2016 और अधिक पढ़ें आयोजित शिक्षा संसाधन इकाई (ईआरयू) के सहयोग से बजट और नीति अध्ययन (सीबीपीएस) के लिए केंद्र द्वारा आयोजित।

स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित सिल्वर ओक, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक 19 जनवरी 2016।

हिंसक उग्रवाद और शिक्षाः शांति के लिए शिक्षा पर विचार–विमर्श अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से जुड़े घटना शांति के लिए शिक्षा की यूनेस्को महात्मा गांधी संस्थान और सतत विकास (एमजीआईईपी) द्वारा आयोजित 9.30 बजे से 12–15 फरवरी 2016 घटना शांति के लिए शिक्षा की यूनेस्को की महात्मा गांधी संस्थान और सतत विकास

(एमजीआईईपी) द्वारा आयोजित स्टीन सभागार, इंडिया हैबिटेट सेंटर।

तीसरा राष्ट्रीय नीति संगोष्ठी 2015–16 पर शिक्षा का अधिकार आधारित दृष्टिकोणः नीति, परिसर और आचरण संगोष्ठी शिक्षा नीति, विभाग राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) नई दिल्ली कमरा नंबर 113 द्वारा आयोजित 15–16 फरवरी, 2016।

शिक्षा के अधिकार पर चर्चा के सहायक कक्ष संख्या 113 में 22–23 फरवरी 2016 को आयोजित बैठक में औपचारिक शिक्षा और स्कूल विभाग द्वारा आयोजित किया गया था उद्घाटन भाषण में प्रो एन.आर. माधव मेनन, चांसलर न्यूपा द्वारा दिया गया था।

टीचिंग–लर्निंग और नई प्रौद्योगिकियों उच्च शिक्षा में पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 25–26 फरवरी 2016 संगोष्ठी में भारत के ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) नई दिल्ली के उच्च शिक्षा में सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआरएचई) द्वारा आयोजित।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

31वां कार्यक्रम समन्वयक शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली अप्रैल 2015 के डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए सत्रह देशों से सत्ताईस प्रतिभागी, नई दिल्ली।

कार्यक्रम समन्वयक शिक्षा प्रशासकों के लिए रूपरेखा प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सलाहकार बैठक 3–4 नवंबर 2015 को आयोजित बैठक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) द्वारा आयोजित किया गया था और प्रशिक्षण विशेषज्ञता के विभिन्न विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम समन्वयक के लिए उत्तराखंड के जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पर राज्य सम्मेलन पेट्रोलियम के भारतीय संस्थान (आईआईपी), सभागार, देहरादून, उत्तराखंड में 15–16 दिसंबर 2015 को आयोजित की। सम्मेलन के सहयोग से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) द्वारा आयोजित किया गया था शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण राज्य संस्थान (सीमैट) और स्कूल शिक्षा विभाग, उत्तराखंड की सरकार। सम्मेलन में 181 जिला और ब्लॉक स्तर से शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया।

32वां कार्यक्रम समन्वयक शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (आईडेपा) में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) नई दिल्ली 1 फरवरी के बाद से – 30 अप्रैल 2016 कार्यक्रम में उन्नीस देशों से छब्बीस प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/किए गए कार्य

शैक्षणिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) की तैयारी, संकाय सदस्यों के साथ।

अन्य शैक्षणिक/व्यावसायिक योगदान

शिक्षक प्रशिक्षण के लिए शिक्षा को नई नीति पर नोट्स तैयार (एनपीई) 2016, 8 दिसंबर 2015 को प्रस्तुत की।

नेशनल कांफ्रेंस शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर द्वितीय तकनीकी सत्र, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय सभागार, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली, 9–10 दिसंबर, 2015।

शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला, स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर चर्चा बैठक 19 जनवरी 2016 को आयोजित मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सिल्वर ओक, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित। (प्रो. विजय कुमार पांडा के साथ)

प्राथमिक सेक्टर में शिक्षक प्रबंधन और विकास के लिए पर राष्ट्रीय कार्यशाला, स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर में चर्चा बैठक 19 जनवरी, 2016 मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सिल्वर ओक, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित। (प्रो. प्रणति पांडा के साथ)

स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला सुविधा समूह (तृतीय) विषय के लिए सभी पहलुओं/मुद्दे शिक्षक के लिए संबंधित में चर्चा, 19 जनवरी 2016 मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सिल्वर ओक, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित।

शिक्षा पर एक छाप पुस्तक प्रस्ताव की समीक्षा रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस, फरवरी 2016।

प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी (सीईएसआइ), सामाजिक विज्ञान शैक्षिक अध्ययन, जाकिर हुसैन केंद्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई महरौली रोड, नई दिल्ली में सचिवालय। सदस्यता संख्या: सेसी/एल एम/39।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान एसोसिएशन (एआइएईआर), भुवनेश्वर, उड़ीसा।

आजीवन सदस्य, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी (आईएसएस), नई दिल्ली, भारत

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान

प्रकाशन

लर्निंग अचीवमेंट इन मैथमेटिक्स एंड हिन्दी लेंगुएज इन म्युनिसिपल कोरपोरेशन स्कूल्स इन दिल्ली (इंडियन एजुकेशन रिव्यू, एनसीईआरटी, अगस्त 2016 (आगामी)।

स्कूल प्रबंधन और नेतृत्व में विशेषज्ञता के साथ शिक्षण

एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम: शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर कोर पाठ्यक्रम।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमारू अग्रणी स्कूल प्रशासन और प्रबंधन पर स्कूल नेतृत्व और महत्वपूर्ण क्षेत्र में दृष्टिकोण पर मुख्य क्षेत्र।

शैक्षिक योजना में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा और प्रशासन : शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन पर पाठ्यक्रम।

शोध मार्गदर्शन

एम.फिल. शोध अध्ययन के लिए राबिया इस्माइल को मार्गदर्शन शीर्षक दिल्ली के एमसीडी स्कूलों में : स्कूल विकास योजना के "निरूपण और कार्यान्वयन में स्कूल प्रमुख की भूमिका नीति की रूपरेखा के लिए "रियल" स्कूल आचरण"।

पी–एच.डी. शोध अध्ययन के लिए गीता बहल को मार्गदर्शन "नेतृत्व विकास और स्कूल सुधार: दिल्ली के सीनियर सेकेंडरी स्कूलों का अध्ययन"।

पी–एच.डी. शोध अध्ययन के लिए रश्मि वाधवा को मार्गदर्शन शीर्षक "भारत में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश के अवधारक"।

सांगे दोरजी "स्कूल कार्यकरण में स्कूल प्रबंधन बोर्ड की भूमिका : भूटान की राजधानी में सरकारी और निजी स्कूलों का तुलनात्मक अध्ययन" (आईडेपा भागीदार)।

सुश्री पूनम चिकारा को मार्गदर्शन "स्कूल विकास योजना की तैयारी और कार्यान्वयन की प्रक्रिया : स्कूल प्रधानाचार्य की भूमिका" (स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)।

सुश्री अलका भारद्वाज को मार्गदर्शन "रसायन विज्ञान के शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में परिवर्तनकारी नेतृत्व का उपयोग" (स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा)।

स्क्वाड्रन लीडर राजीव सक्सेना को मार्गदर्शन "स्कूल कार्यकरण: वायु सेना स्कूल, गुड़गाँव का नृवंशविज्ञान अध्ययन, (डेपा भागीदार)।

शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

सभी एनसीएसएल गतिविधियों का मार्गदर्शन एवं न्यूपा और मानव संसाधन विकास मंत्रालय और सभी राज्यों के बीच समन्वय।

सुनीता चुघ

प्रकाशन

स्कूलिंग आफ चिल्ड्रन लिविंग इन स्लम एरियाज: एन अनालिसिस ऑफ स्लैक्ट हाउसहोल्ड फ्राम हैदराबाद एंड लुधियाना इंडियन एजुकेशन रिव्यू, एनसीईआरटी, वाल्यूम 52, नं. 2, जुलाई 2014।

ट्रांसफोर्मिंग अर्बन पब्लिक स्कूल्स: ए चैलेज फार स्कूल लीडरशिप इंडियन एजुकेशन रिव्यू, एनसीईआरटी, मई 2016 (आगामी)।

लीडिंग स्कूल्स इन अर्बन इम्पावरिस्ड एरिया. परिप्रेक्ष्य, न्यूपा (आगामी)।

पोजिसनिंग स्कूल लीडरशिप इन इंडियन कॉनटैक्स्ट: रिव्यू एंड वे अहैड इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, वाल्यूम 5, मार्च 2016 आईएसएसएन 2277–3819।

प्रिपेयर्ड ए मैनुस्क्रीप्ट ऑफ बुक ऑन एजुकेशन इन द फ्रिंगेस आफ अर्बन सिटीज: ए केस आफ चिल्ड्रन इन स्लम्स इन हैदराबाद एंड लुधियाना।

अनुसंधान अध्ययन

जारी:

भारत में शहरी मलिन बस्तियों में शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों की भागीदारी के महत्वपूर्ण मूल्यांकन पर अध्ययन। यह परियोजना अध्ययन भारत के दस शहरों में किया जा रहा है। परियोजना के पहले चरण में परियोजना सलाहकार समिति के साथ बैठकों का आयोजन किया गया और उपकरण तैयार किए गए। उपकरण और सर्वेक्षण के साधन का चयन अध्ययन क्षेत्र में आयोजित किए जाने हेतु अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। संबंधित साहित्य की समीक्षा की गई और डेटा संग्रह का कार्य की देखरेख के लिए कुछ शहरों के छात्रों हेतु डेटा दर्ज किया जा रहा है और इस तरह की जनगणना, एनएसएसओ, यूडाईस और संबंधित साहित्य के रूप में माध्यमिक स्रोतों से जानकारी एकत्र की जा रही है।

कार्यशाला/परामर्श बैठकों का आयोजन

दिल्ली के स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूल नेतृत्व पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का निरूपण और समन्वय जनवरी 9–10, 2015।

दिल्ली राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी का क्षमता निर्माण निरूपण और समन्वय 27 जनवरी से 6 फरवरी, 2016।

चंडीगढ़ और लक्षद्वीप के स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम के लिए एसआरजी के क्षमता निर्माण के सह–समन्वयक, नवंबर 16–25, 2015।

3 अगस्त, 2015 से अगस्त 2016 को स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के वरिष्ठ समन्वयक।

स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम पर (उत्तराखंड और छत्तीसगढ़) के मुख्य संस्थानों के साथ बैठक का निरूपण और समन्वय मार्च 30, 2015।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

पीजीडेपा कार्यक्रम के प्रतिभागी संगोष्ठी में एक संबद्ध संकाय के रूप में।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में शिक्षण (जून 2– 27, 2015)।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा का निरूपण और अनेक सत्रों में शिक्षण/अभ्यास की तैयारी और साझेदारी नेतृत्व पाठ्यक्रम का संयोजक।

पीजीडेपा शोध प्रबंध : एससीईआरटी तमिलनाडु में सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम", श्री ए. मोहन सुंदर

पीजीडेपा शोध प्रबंध : "तंजानिया में प्राथमिक स्कूल शिक्षक अभिप्रेरणाः मासवा जिला, सिमिय को केस अध्ययन : जेनोवेवा गेरार्ड चुचुबा।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर पीजी डिप्लोमा में शोध प्रबंध का मार्गदर्शन और मूल्यांकन सहकारी अधिगम के माध्यम से रसायन विज्ञान में शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं का रूपांतरण अविनाश कुमार सिंह।

एम.फिल. शोध प्रबंध का मार्गदर्शन एवं मूल्यांकनः बीजापुर जिले में बच्चों की शिक्षा, सतीश कुमार।

पी–एच.डी. थीसिसः सामाजिक बहिष्कार और स्कूली शिक्षाः दिल्ली और जयपुर की मलिन बस्तियों का तुलनात्मक अध्ययन मृदुस्मिता सिंह।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

"उम्र उपयुक्त प्रवेश चुनौतियां और अवसर" 10 मार्च, 2016, को संगोष्ठी में भाग लिया एससीईआरटी, नई दिल्ली।

द्वितीय समीक्षा और योजना कार्यशाला स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम, मार्च 16–17, 2015 को।

'पाठ्यक्रम और शिक्षा प्रशासकों के उन्मुखीकरण के लिए विशेष संदर्भ के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए सामग्री' सितम्बर 17–18, 2015 को कार्यशाला में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां

सदस्य, एम.फिल/पी–एच.डी., एप्लीकेशन स्क्रीनिंग के लिए स्क्रीनिंग समिति।

एम.फिल की लिखित परीक्षा लिपियों के मूल्यांकन के लिए सदस्यीय समिति/पी–एच.डी. कार्यक्रम।

परीक्षा समिति के सदस्य

छात्र कल्याण समिति के सदस्य

सार्वजनिक निकायों के लिए परामर्श और अकादमिक सहायता

वर्ष 2015–16 के लिए चयनित राज्यों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास के लिए पीएबी बैठकों में भाग लिया।

कश्यपी अवस्थी

प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा/शोध लेख

दास अशीमा, दास, शंकर एंड कट्टुमुरी, रूथ (2013). इंक्लूसिव एजुकेशन : ए कांटैक्चुअल वर्किंग मॉडल, कन्सैप्ट पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, समीक्षा, जेपा, इंडिया (जुलाई, 2015)।

"इंप्लीमेंटेशन ऑफ आरटीई एंड स्टेटस ऑफ केजीबीवी इन गुजरात" जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, (मई 2016) एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

संगोष्ठी/सम्मेलन में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

15वें अंतरराष्ट्रीय समझ के लिए शिक्षा पर एशिया प्रशांत प्रशिक्षण कार्यशाला, वैश्विक नागरिकता शिक्षा शांति की संस्कृति की ओर 22–30 जुलाई, 2015, सियोल में दक्षिण कोरिया में भाग लिया।

राष्ट्रीय

एक सत्र की अध्यक्षता: "अम्बेडकर : जीवन और कार्य" राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री बाबा साहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा आयोजित, 125वें भारत रत्न बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती समारोह पर 14 अप्रैल 2016।

राष्ट्रीय संगोष्ठी : अध्यापक शिक्षा : मुद्दे और चुनौतियां, आयोजक के.शि.सं. नई दिल्ली में आलेख – पेशेवर समुदायों द्वारा शिक्षण से अधिगम की यात्रा' की प्रस्तुति।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श एवं अकादमिक सहायता

सलाहकार संपादकीय बोर्ड के सदस्य हिमगिरी एजुकेशन रिव्यू (एचईआर) आईएसएसएन 2321–6336।

मीरा मॉडल स्कूल में कुलभूषण मेमोरियल क्रियात्मक अनुसंधान पुरस्कार 2015 के लिए जूरी सदस्य, अप्रैल 30, 2016।

सदस्य के रूप में आमंत्रित, स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता के सुधार के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति जीसीईआरटी, गांधीनगर द्वारा आयोजित, गांधीनगर, गुजरात में 16 जुलाई, 2015।

डाइट पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला के लिए डाइट और एससीईआरटी के लिए संस्थागत योजना और मूल्यांकन पर दो सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति, परियोजना नियोजन, क्रियान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन एससीईआरटी, केरल द्वारा आयोजित, एनसीईआरटी, फरवरी, 2016।

पंजाब के अनुसूचित जाति सकेंद्रित जिलों के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति, अध्यापक शिक्षा में उभरते हुए मुद्दे, मार्च 1, 2016।

पश्चिमी क्षेत्र के डाइट और एससीईआरटी के शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में स्कूल नेतृत्व विकास, 9 फरवरी, 2016।

क्षमता निर्माण कार्यशाला – ज्ञान, कौशल और मनोवृत्ति का विकास : संपूर्ण स्कूल विकास उपागम में शांत एवं मानवीय समाज के विकास हेतु यूनेस्को की पहल के एक

भाग के रूप में मीरा मॉडल स्कूल का सेवारत शिक्षकों के क्षमता निर्माण पर तीन दिन के लिए संसाधन व्यक्ति, 28 से 30 दिसंबर, 2015।

"पढ़े भारत बढ़े भारत", अभियान के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा गठित समिति के सदस्य, कुलपति द्वारा नामित, कार्यक्रम कार्यान्वयन रणनीति पर अवधारणात्मक पत्र का विकास और कार्यान्वयन की कई बैठकों में भागीदारी।

पैनलिस्ट राष्ट्रीय प्रगतिशील स्कूल सम्मेलन के 43वें वार्षिक सम्मेलन "शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देना" एअरफोर्स सभागार, नई दिल्ली, 16 फरवरी 2016।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास

सिस्टम स्तरीय प्रशासकों के लिए तीन मॉड्यूल विकसित किये हैं।

स्कूल का समर्थन और सुधार के लिए प्रयासः सिस्टम स्तरीय प्रशासकों की भूमिका

व्यावसायिक शिक्षण समुदाय का विकासः अग्रणी शिक्षक व्यावसायिक विकास।

शैक्षिक पर्यवेक्षण और प्रतिक्रियाः क्षेत्र स्तरीय के नेतृत्व की क्षमता को साकार करना।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

सिस्टम स्तर नेतृत्व पर विकसित मॉड्यूल की समीक्षा करने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय संसाधन समूह कार्यशाला 17–18 सितंबर, 2015।

चार राज्यों के क्लस्टर, ब्लॉक और जिला स्तर के अधिकारियों के लिए प्रणाली स्तर नेतृत्व के लिए विकसित किया मॉड्यूल के परीक्षण के लिए 5 दिवसीय कार्यशाला। हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा में 26–31 अक्टूबर, 2015।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राज्य संसाधन समूह के लिए 10 दिनों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया 14, 26 जनवरी, 2016।

तीन दिन की समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यशाला, राज्य संसाधन समूह के सदस्य और हिमाचल प्रदेश में स्कूल प्रमुखों के लिए आयोजित, 6–9 अक्टूबर, 2015।

त्रिपुरा में राज्य संसाधन समूह के सदस्यों और स्कूल प्रमुखों के लिए तीन दिन की समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यशाला का आयोजन 17–19 अगस्त, 2015।

गुजरात, त्रिपुरा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और हिमाचल प्रदेश में आयोजित विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर रिपोर्ट तैयार की गई।

राज्य स्तर डीईओ/बीईओ हिमाचल प्रदेश में आयोजित सम्मेलन पर तैयार की गई रिपोर्ट, जून 17–19, 2015।

गांधीनगर, गुजरात में स्कूल लीडरशिप अकादमी की स्थापना के लिए आयोजित राज्य स्तरीय परामर्श बैठक 18 अप्रैल, 2016।

शिक्षण

'शैक्षिक प्रशासन' विषय पर पाठ्यक्रम टीम के सदस्य स्कूल लीडरशिप पर इकाइयों पर शिक्षण।

पाठ्यक्रम विकास के लिए टीम के सदस्य, एक साल स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और कोर्स 102 के संयोजक स्कूल लीडरशिप परिप्रेक्ष्य और रूपरेखा और पाठ्यक्रम मूल्यांकन के साथ–साथ 29 सत्रों में शिक्षण।

पाठ्यक्रम स्कूल प्रशासन के लिए टीम के सदस्य, स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 6 सत्रों में शिक्षण।

पाठ्यक्रम भागीदारी के निर्माण के लिए 4 सत्रों में शिक्षण, स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

कोर्स 102 स्कूल लीडरशिप परिप्रेक्ष्य – स्कूल लीडरशिप पर एक महीने का आवासीय कार्यक्रम के लिए शिक्षण।

अनुसंधान मार्गदर्शन

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा)

नागालैंड के जिला संस्थान शिक्षा और प्रशिक्षण (डीआईईटी), में शिक्षक तैयारी कार्यक्रम पर एक अध्ययन, सुश्री हुटोली सेमा।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में इंटरनेशनल डिप्लोमा (आईडेपा)

"नागरिक शास्त्र में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की गुणवत्ता का एक अध्ययन"।

सुश्री रामात्री वुलांड्री

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएसएलएम)

गतिविधि आधारित शिक्षण–सीखने की रणनीति के कार्यान्वयन के माध्यम से करना। के छात्रों के बीच सीखने के लिए एक सहयोगी संस्कृति का विकास

सुश्री रीना डागर

कक्षा 11 के छात्रों के बीच शिक्षण कौशल को बढ़ाने के लिए सहयोगी।

श्री राजीव झा

स्व विकास की ओर यात्रा का अध्ययन।

श्री सुरजन सिंह

एन. मैथिली

प्रकाशन

शोध आलेख/लेख

स्कूल लीडरशिप डवलपमेंट प्रोग्रामः ए रोड मैप फॉर आन्ध्र प्रदेश इन जेपा, वाल्यूम 29 नं. 4, अक्टूबर 2015 पीपी 279–400।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

'सिक्किम में अधिगम के लिए नेतृत्वः आचरण और दृष्टिकोण' विषय पर "मानव अधिगम विज्ञान', पर इटीएमए, आईआईसी नई दिल्ली, द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत, 4–6 फरवरी, 2016।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम पर संगठित राज्य स्तरीय परामर्श बैठक और सिक्किम में स्कूल नेतृत्व विकास पर एसआरजी कार्यशाला का आयोजन किया, 2 सितंबर 2015 से 24 अगस्त 2015।

नवंबर 2015 में आंध्र प्रदेश में एसएलडीपी के राज्यव्यापी कार्यान्वयन के लिए कार्यशाला योजना आयोजित।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/सम्पादित

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन कार्यक्रम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के पहले बैच का संचालन और समन्वयक जो जून 2015 में समाप्त हो गया। इसमें एक वर्ष के कार्यक्रम की पूरी अवधि के लिए पाठ्यक्रम रूपरेखा के विकास को शामिल किया, शैक्षणिक परिषद की अपनी मंजूरी की मांग, विज्ञापन और पात्र उम्मीदवारों, प्रचार, उम्मीदवारों के प्रवेश से लेकर प्रारंभिक अभ्यास, भागीदार संगोष्ठी और परियोजना का कार्य और अंतिम परिणाम की घोषणा सहित पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया। परिणाम 22 जून

2015 को घोषित किए गए। सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले उम्मीदवारों को कुलपति प्रो. गोविंदा द्वारा 9 जुलाई, 2015 को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

सभी जिलों में एसएलडीपी के राज्यव्यापी कार्यान्वयन के लिए आंध्र प्रदेश में दो दिवसीय योजना कार्यशाला (6–11 अक्टूबर 2015) के लिए संसाधन व्यक्ति। नवंबर 2015

अग्रणी नवाचार एसआरजी कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, दिल्ली 3 फरवरी, 2016, 2 सत्रों में शिक्षण।

न्यूपा, नई दिल्ली में, सिस्टम स्तरीय लीडरशिप कार्यक्रम में सिस्टम स्तरीय प्रशासन में संवाद की संभावना की तलाश में संसाधन व्यक्ति। अक्तूबर 26,31, 2015

स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम, गुवाहाटी, असम पर एसआरजी कार्यशाला में सत्र सह–सहयोग की 5–9 मार्च, 2016 को राज्य के स्कूल शिक्षा प्रणाली को समझने के हिस्से के रूप में, कामरूप और गुवाहाटी में शहरी स्कूलों के ग्रामीण क्षेत्रों में क्षेत्रीय कार्य।

नेतृत्व पर अनुसंधान प्रस्ताव को विकसित करने में (कॉर्ड और भारत से कैवल्य शिक्षा नींव के साथ समन्वय) भारतीय टीम के लिए 'स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन छात्र अधिगम' नॉटिंघम और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के साथ सहयोग से प्रो. आर. गोविंदा, कुलपति, न्यूपा के मार्गदर्शन में अनुसंधान प्रस्ताव, 14 मई 2015।

सिक्किम में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन को राज्यव्यापी मान्यता मिली, अखबार में शिक्षा मंत्री से प्रशंसा और कवरेज। – सचिव, उच्च शिक्षा और निदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा अवलोकन है कि प्रतिभागियों ने 10 दिवसीय कार्यशाला के दौरान सामान्य अनुसूची से बाहर काम किया। छुट्टियों और त्योहार के दिन भी थे पेंग लहवसोल (राज्य छुट्टी) और 30 अगस्त (रविवार)। निदेशक, स्कूल शिक्षा सह एसपीडी, सर्व शिक्षा अभियान और आरएमएसए, सिक्किम से एक पत्र उसकी सफलता की मान्यता में माननीय कुलपति, न्यूपा, प्रो. जे.बी.जी. तिलक द्वारा प्राप्त किया गया था। कार्य के महत्व का और रुचि को देखते हुए एचआरडीडी सिक्किम ने माननीय कुलपति प्रो. जे.बी.जी. तिलक के साथ राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर एक नीति दस्तावेज विकसित करने के लिए इच्छा व्यक्त की है।

आलेख 'भारत में महिलाओं के लिए स्कूल नेतृत्व के आशय और अवधारक: शिक्षा प्रणाली के विकास के लिए नीति निहितार्थ' कार्डेन पार्क, चेशायर, ब्रिटेन में बेल्मास वार्षिक सम्मेलन 2016 के लिए स्वीकार कर लिया है 8–10 जुलाई 2016 सम्मेलन, विभिन्न विषय संदर्भों में 'नेतृत्व और प्रबंधन उन्मुखीकरण के संभावित, 8–10 जुलाई 2016 (बेल्मास: ब्रिटिश शैक्षिक नेतृत्व प्रबंधन प्रशासन सोसायटी)।

डीएफआईडी के दस्तावेज आई लर्न पर अध्यक्ष, एनसीएसएल को टिप्पणी और प्रेक्षण, अक्टूबर 2015।

सिक्किम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, और मेघालय राज्यों के संबंध में स्कूल प्रमुखों पर प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रमुखों की स्थिति रिपोर्ट के लिए योगदान।

शिक्षण

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा में महत्वपूर्ण क्षेत्र 106–अग्रणी नवाचार के लिए पाठ्यक्रम संयोजक 0–278 फरवरी, 2016, 24 सत्रों में ले लिया।

जून 2015 में आयोजित और उसमें 4 सत्रों में शिक्षण और एक महीने के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के क्षेत्र में अग्रणी नवाचार पर सत्र के लिए समन्वयक।

अनुसंधान और मार्गदर्शन

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में परियोजना कार्य के लिए निर्देशन।

परियोजना के काम का शीर्षकः सीसीई कार्यान्वयन और अभिनव आचरण, दिल्ली में स्कूल परिवर्तन के लिए अपनाये गए।

स्थितिः डिग्री से सम्मानितः 2014–15, नामः संतोष कुमार।

वर्तमान में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन, 2015–16 में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में तीन छात्रों का मार्गदर्शन। परियोजना के लिए क्षेत्र हैंः छात्रों के बीच साफ्ट कौशल विकास, भौतिक विज्ञान शिक्षण में शिक्षक क्षमता निर्माण और शिक्षकों में किशोर छात्रों के लिए जीव विज्ञान में कुछ संवेदनशील विषयों को पढ़ाने के लिए मान्यताओं को दूर करना।

सिस्टम दृष्टिकोण का उपयोग कर भौतिकी पढ़ाने के लिए शिक्षकों की क्षमता निर्माण (विवेक यादव)।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अभिनव हस्तक्षेप के माध्यम से हमारे स्कूल में जीव विज्ञान के शिक्षण में सुधारात्मक व्यवस्था (संगीता केशव)।

स्कूल के कक्षा 6 से 11 के छात्रों की दक्षता में सुधार (गरिमा मलिक)।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्यः भारत का तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी।

सुमिथा जी.वी.

प्रकाशन

शोध पत्र

इफैक्टिव स्कूल लीडरशिप प्रोग्रामः ए स्टडी ऑफ प्रैक्टिसनर्स परसैप्शन इन इंडिया कान्टैक्स्ट. मलेशियन आनलाइन जर्नल ऑफ एजुकेशनल मैंनेजमेंट. वाल्यूम 4, इश्यू 1, जनवरी 2016।

ट्रांसफोरमेटिव एजुकेशनल एंड सोशल चेंज– ए थियोरेटिकल अनालिसिस, जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, वाल्यूम 41, नं. 2, अगस्त 2015

कार्यशालाओं/सम्मेलनों में भागीदारी

शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः मौजूदा प्रथाएं और नवाचार, पर एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला, 19–21 अप्रैल 2016।

शैक्षिक प्रशासन में अभिनव, के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 10 दिसंबर 2015।

कार्यशालाओं का समन्वन

राष्ट्रीय स्तर

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स, 30 जून, 2015।

राज्य स्तर

ओपेरा, भुवनेश्वर में ओडिया अनुवाद और संदर्भ अनुकूलन कार्यशाला, 9–13 सितंबर, 2015।

असम के गुवाहाटी, में एसआरजी क्षमता निर्माण कार्यक्रम 29 फरवरी से 9 मार्च 2016।

अन्य शैक्षणिक योगदान

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स हेतु हैंडबुक का संकलन और संपादन।

ओडिया और कन्नड़ में हैंडबुक को अंतिम रूप देने और पाठ्यक्रम समन्वयक।

स्कूल नेतृत्व में –एनसीएसएल में पीजीडेपा के लिए शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के रूपांतरण पर सत्र के लिए एक सुधारात्मक (2015–16)।

पीजीडेपा–न्यूपा के लिए शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया के रूपांतरण पर सत्र के लिए एक सुधारात्मक।

स्कूल के नेतृत्व पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के रूपांतरण पर सत्र के लिए सुधारात्मक (2015–16)।

फील्ड पदाधिकारियों के क्षमता निर्माण के लिए व्यावसायिक शिक्षण समुदाय सत्र के लिए एक सुधारात्मक (26–31 अक्टूबर, 2015।

एंथोनी जोसेफ़

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

राष्ट्रीय समीक्षा समूह, स्कूल नेतृत्व विकास, सितंबर 17–18, 2015 पर सिस्टम स्तर के अधिकारियों के लिए मॉड्यूल तैयारी कार्यशाला के लिए परामर्श, एनसीएसएल–न्यूपा, दिल्ली।

एनसीएसएल–न्यूपा, दिल्ली स्कूल नेतृत्व विकास पर सिस्टम स्तर के अधिकारियों के लिए मॉड्यूल का प्रयोग के लिए राष्ट्रीय संसाधन समूह कार्यशाला, अक्टूबर 6–10, 2015।

राष्ट्रीय अकादमी पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक 23–24 फरवरी 2016, जकरदां हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

प्रारंभिक शिक्षा टूलकिट कार्यशाला, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), 14 अप्रैल, 2016, दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय

आलेख प्रस्तुत 'प्रभावी शिक्षाशास्त्र : समेकित शैक्षिक दृष्टिकोण की तलाश और भारत का तुलनात्मक एजुकेशन सोसायटी का छठा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और सामाजिक संस्थान और आर्थिक परिवर्तन, बेंगलुरू, दिसम्बर 14–15 वर्ष 2015 तक आयोजित।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन

राष्ट्रीय व्यावसायिक विकास संसाधन सुविधा – राज्य संसाधन समूह के लिए स्कूल लीडरशिप विकास कार्यक्रम (एसएलडीपी) पर क्षमता निर्माण कार्यशाला, निम्नलिखित राज्यों में आयोजित हैं।

तमिलनाडु, चेन्नईः मई 04–14, 2015

जम्मू–कश्मीर, श्रीनगरः सितम्बर 03–12, 2015

लक्षद्वीप और चंडीगढ़ः नवंबर 14–26, 2015

तमिलनाडु, चेन्नईः जनवरी 27 से 05 फरवरी, 2016

अरुणाचल प्रदेश, ईटानगरः 07–12 फरवरी, 2016

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

शिक्षण

कोर्स 102 के सह–सुसाध्यकारक – शैक्षणिक वर्ष 2015–16 के लिए स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पीजीडीएसएलएम) और एक महीने, ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लिए स्कूल लीडरशिप का परिप्रेक्ष्य।

राष्ट्रीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में गुणात्मक अनुसंधान में रिफ्लैक्सिविटी पर सत्र, 03 अगस्त, 2015 को विषयगत ध्यान केंद्रित पर 'शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक अनुसंधान पद्धतिः नागरिकता, अधिकार, और सामाजिक नीति जुलाई 27–14 अगस्त, 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

ब्लॉग

एडिंग वैल्यू आफ लाईफ एंड लिविंग।

डिकोडिंग लर्निंगः टीचर लर्निंग, प्रो. कृष्ण कुमार एंड सोरेन कैर्केगार्ड।

एन ऑड टू शक्तिमान – अ होर्स विद अ नेम

टू ईमेल्स–वर्क टू फीड यूअर सूल

ट्रस्ट, कॉम्प्लेक्सिटी एंड एजिलिटी

लॉस्ट एंड फाउण्ड – द स्टोरी आफ टू रिंग्स

क्रिएटिव पेडागॉगी एंड स्ट्रक्चरल कन्स्ट्रेन्ट्स

गोल्ड एंड एजुकेशन – इंडियाज फेवोरेट्स?

मिन्डफुलनैशः द पावर ऑफ वर्ड्स

रिप्लेक्सीविटीः टूवर्ड्स रिप्रजेंण्टेशन, लेगिटिमेशन एंड प्रैक्सिस।

अग्रणी स्कूल सुधार : क्या स्कूलों को जानते हैं और क्या कर सकते हैं पर विमर्श

एक ही बार : स्कूल शिक्षा पर सरकारी व्यय पर प्लग खींच।

स्वयं और दूसरों का नेतृत्व करने के लिए स्कूल लीडरशिप व्यवहार, विचारों और संस्कृतियों से जुड़ना।

एनसीएसएल–न्यूपा अंडमान और लक्षद्वीप, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, केरल, नगालैंड, तमिलनाडु और त्रिपुरा के लिए पीएबी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारत के तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सीईएसआई)

चारु स्मिता मलिक

कार्यशालाएं समन्वय

राष्ट्रीय स्तर

नेतृत्व अकादमियों पर राष्ट्रीय परामर्श, 23–24 फरवरी 2016 के सह–समन्वयक।

सह–समन्वयकः चार राज्यों– हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा में क्लस्टर, ब्लॉक और जिला स्तर के अधिकारियों के लिए प्रणाली स्तर के नेतृत्व के लिए विकसित मॉड्यूल के परीक्षण के लिए 5 दिवसीय कार्यशाला। 26–31 अक्टूबर, 2015।

राज्य स्तर

भोपाल, मध्य प्रदेश में राज्य संसाधन समूह के क्षमता निर्माण, 2–11 जुलाई 2016 पर कार्यशाला का नेतृत्व।

शिक्षण

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन, जून 2015 को एक माह के सर्टिफिकेट कोर्स में स्कूल प्रशासन नेतृत्व पर पाठ्यक्रम में स्व–विकास पाठ्यक्रम और दो सत्रों में शिक्षण।

नई दिल्ली में आयोजित चंडीगढ़ और लक्षद्वीप द्वीपसमूह के लिए राज्य संसाधन समूह के क्षमता निर्माण पर कार्यशाला में शिक्षण, 16–25 नवंबर 2015।

दिल्ली के लिए राज्य संसाधन समूह के क्षमता निर्माण पर कार्यशाला में शिक्षण सत्र 27 जनवरी से 6 फरवरी 2016।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन 2015–16 पर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए स्वयं का विकास पर पाठ्यक्रम का समन्वयक। इस पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण सत्र और स्कूल प्रशासन नेतृत्व पर पाठ्यक्रम के कुछ सत्रों में शिक्षण।

शोध निर्देशन

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएसएलएम)।

एक शिक्षक को नेतृत्वकर्त्ता के रूप में विकसितः शिक्षण में सुधारात्मक प्रक्रिया को सशक्त बनाने का अध्ययन।

श्री रविन्द्र कुमार

उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में इतिहास के छात्रों के बीच समता हस्तक्षेप लाने में एक नेतृत्व की भूमिका।

श्री हरिंदर तिवारी

नई दिल्ली में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में परिवार सामुदायिक भागीदारी का अध्ययन।

श्री एन.एल. मीणा

अन्य शैक्षणिक योगदान

सिस्टम स्तर प्रशासन के लिए मॉड्यूल विकास पर राष्ट्रीय संसाधन समूह कार्यशाला में मॉड्यूल प्रस्तुत, 17–18 सितंबर, 2015।

सिस्टम स्तर पर पदाधिकारियों के लिए स्कूल प्रमुखों का समर्थन और सुधार करने के लिए स्कूल आधारित डेटा की समझ और कार्यान्वयन पर मॉड्यूल।

विकसित सामग्री कुंजी क्षेत्र 7 अग्रणी हैंडबुक के लिए स्कूल प्रशासन स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक माह सर्टिफिकेट कोर्स।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए हैंडबुक संपादन।

दरक्षां परवीन

प्रशिक्षण कार्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन

निम्नलिखित राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कार्यक्रमों के आयोजन में गतिविधियों में भाग लेने के लिए और उनके मिनट तैयारी के अलावा स्कूल लीडरशिप पर शैक्षिक और अन्य संबंधी सहायता प्रदान की।

सिस्टम स्तर प्रशासन के लिए मॉड्यूल विकास पर एनआरजी कार्यशाला (सितंबर, 2015)।

स्कूल लीडरशिप के लिए अभिविन्यास पर जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों के क्षमता निर्माण (अक्टूबर, 2015)।

चंडीगढ़ व लक्षद्वीप के राज्य संसाधन समूह के लिए स्कूल लीडरशिप पर क्षमता निर्माण कार्यशाला (नवंबर 2015)।

नेतृत्व अकादमी के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय परामर्श। (फरवरी 2016)।

राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक (मार्च 2016)।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम का विकास और निष्पादन

पाठ्यचर्या और सामग्री विकास में निम्नलिखित का समर्थनः

स्कूल लीडरशिप एंड मैनेजमेंट में एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्सः हैंडबुक में सत्र रूपांतरण।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

शिक्षण

क्षमता निर्माण स्कूल प्रमुखों की न्यूपा पर एक माह के

ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में जून 2015 में कार्यक्रमों में सहयोग।

न्यूपा पर स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के सत्रों में सहायता।

अन्य गतिविधियां

एक दस्तावेज तैयार स्कूल नेतृत्व विकास के रास्ते : नेतृत्व अकादमियों की स्थापना और विस्तार' यूडाइस डेटा 2013–14 का उपयोग करके।

विभिन्न बैठकों और कार्यशालाओं के रिपोर्ट लिए तैयार।

राज्य के अधिकारियों, राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनआरजी), राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) और स्कूल प्रमुखों की ई–डेटाबेस तैयार।

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए शैक्षिक और अन्य सहायता

एनसीएसएल (जारी) के लिए ई डेटाबेस का अद्यतन।

मोनिका बजाज

प्रशिक्षण कार्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन

निम्नलिखित राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कार्यक्रमों के आयोजन में समूह की गतिविधियों में भाग लेने के लिए और उनके मिनट तैयारी के अलावा स्कूल लीडरशिप पर शैक्षिक और अन्य सहायता प्रदान की।

सिस्टम स्तर प्रशासन के लिए मॉड्यूल विकास पर एनआरजी कार्यशाला (सितंबर, 2015)।

स्कूल लीडरशिप के लिए अभिविन्यास पर जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों के क्षमता निर्माण (अक्टूबर, 2015)।

चंडीगढ़ व लक्षद्वीप के राज्य संसाधन समूह के लिए स्कूल लीडरशिप पर क्षमता निर्माण कार्यशाला (नवंबर 2015)।

नेतृत्व अकादमी के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय परामर्श (फरवरी 2016)।

राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक (मार्च 2016)।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास एवं निष्पादन

पाठ्यचर्या और सामग्री विकास में निम्नलिखित का समर्थन:

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स: हैंडबुक का निरूपण सत्र।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

शिक्षण

स्कूल प्रमुखों के क्षमता निर्माण पर न्यूपा में एक माह के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में जून 2015 में सत्रों की सुविधाएं।

न्यूपा पर स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में सहायता।

अन्य गतिविधियां

स्कूल नेतृत्व विकास के लिए रास्ते 'नेतृत्व अकादमियों की स्थापना और विस्तार' यूडाइस डेटा 2013–14 का उपयोग करके एक दस्तावेज तैयार।

विभिन्न बैठकों और कार्यशालाओं की रिपोर्ट तैयार की गई

राज्य के अधिकारियों, राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनआरजी), राज्य संसाधन समूह (एसआरजी) और स्कूल प्रमुखों के

ई–डेटाबेस की तैयारी।

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए शैक्षिक और अन्य सहायता।

एनसीएसएल (जारी) के लिए ई डेटाबेस का अद्यतन।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

एन.वी. वर्गीज

प्रकाशन

पुस्तकें

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2015 (गरिमा मलिक के साथ), रूटलेज (फ्रांसिस एंड टैलर), साउथ अफ्रीका, नई दिल्ली, 2016

शोध पत्र/लेख

स्टेट, मार्केट एंड हाउसहोल्ड डिमांड फार एजुकेशन इन केरल, राय, एन. और मैथ्यु, जी. संपादक डवलपमेंट, डिसेंट्राइजेशन एंड डिमोक्रेसी, लंदन, जैडईडी बुक्स 2015 पीपी. 299–317।

'मैनेजिंग मैसीफिकेशनः इंस्टीट्यूशनल ऑटोनामी एंड लीडरशिप' लीडरशिप एंड गर्वनेंन्स इन हायर एजुकेशन, (आरएएबी, बर्लिन) नं.1, 2015; पीपी. 1–21।

रेशपिंग आफ हायर एजुकेशन इन एशियाः रोल ऑफ द प्राइवेट सैक्टर, वर्किंग पेपर 10, एचईएडी फाउंडेशन, सिंगापुर, 2015।

चैलेंजेज आफ मैसिफिकेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया, सीपीआरएचई शोध पत्र 1, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/न्यूपा 2015।

'ब्रिक्स एंड इंटरनेशनल कोलाबोरेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया', फ्रंटियर्स ऑफ एजुकेशन इन चीन, वाल्यूम 10, सं. 1, 2015, पीपी 46–65।

'ग्लोबल ट्रेंण्ड्स इन रिफार्म्स इन हायर एजुकेशन' इन मुखोपाध्याय, एम. एंड परहार, एम., संपादक, इंडियन एजुकेशनः ए डवलपमेंटल डिस्कोर्स, दिल्ली, शिप्रा, 2015 पीपी. 160–170।

'प्राईवेट हायर एजुकेशन इन एशिया', इन हैड फाउण्डेशन संपा. एशियन युनिवर्सिटीज इन न्यू टाइम्स, टीएचएफ कार्यशाला रिपोर्ट, सिंगापुर, हैड फाउण्डेशन 2015 पीपी. 19–30।

'गवरनेंन्स एंड इंस्टीट्यूशनल लीडरशिप इन हायर एजुकेशन इन इंडिया', आईएयू हॉरीजन, वाल्यूम 21, नं. 2, पीपी. 35–37।

'ब्रिक्स एंड इंटरनेशनल कोलाबोरेशन इन हायर एजुकेशन इन इंडिया, फ्रंटियर्स आफ एजुकेशन इन चीन, 2015, वाल्यूम 10, नं. 1 पीपी. 26–65।

इंडियन एफर्ट्स टूवार्डस डवलपिंग ए नेशनल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनक्यूएफ), आलेख प्रस्तुत द इआरआईनेट अनुवल मीटिंग आन एजुकेशन स्ट्रैटेजी एंड रिस्पांस टू ग्लोबलाईजेशन एंड रीजनलाईजेशन, टोक्यो, 22–24 फरवरी, 2016।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

न्यूपा, नई दिल्ली में 01 अप्रैल 2015 को राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (एनएचईक्यूएफ) पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरोध पर एक बैठक का आयोजन किया।

आईक्यूए पर दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय गुणवत्ता उन्नयन समिति (क्यूईसी) के एक सदस्य के रूप में कई बैठकों में भाग लिया।

12–13 मई 2015 हेड द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक सभा में विश्वविद्यालयों के भविष्य पर सिंगापुर की एक बैठक में भाग लिया और एक प्रस्तुतिकरण दिया।

यूजीसी की एक खोज समिति की बैठक में भाग लिया, 21 मई, 2015।

21 मई 2015 को एफआईसीसीआई उच्च शिक्षा समिति की बैठक में भाग लिया, एफआईसीसीआई नई दिल्ली।

बिजनेस वर्ल्ड इंडिया एजुकेशन के शिखर सम्मेलन में भाग लिया और लंबी छलांग की ओरः विश्व के मानचित्र पर भारतीय उच्च शिक्षा की स्थापना' पर आलेख प्रस्तुति, 28 मई 2015, नई दिल्ली।

प्रतिनिधियों के साथ बैठक यूजीसी, नई दिल्ली, 12 जून 2015, नाइजीरिया के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष में भारतीय उच्च शिक्षा पर एक प्रस्तुति।

आईआईसी में नई शिक्षा नीति पर बैठक आयोजित में भाग लिया 21 जून 2015, नई दिल्ली।

उच्चतर शिक्षा समिति की एक बैठक में भाग लिया सीयूटी एफआईसीसीआई उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली 17 जुलाई, 2015।

यूनेस्को बैंकॉक द्वारा आयोजित क्षेत्रीय योग्यता ढांचे पर कार्यशाला में भाग लिया, बैंकॉक, 27–29 जुलाई, 2015।

दक्षिण एशिया स्टडीज के एक संस्थान (आईएसएएस), एसयू, नई दिल्ली की स्थापना के रूप में एसयू कोर समूह की बैठक में भाग लिया।

ऑस्ट्रेलिया भारत नीति वार्ता में अंतर्राष्ट्रीयकरण पर एक प्रस्तुति पेश की 24 अगस्त 2015, नई दिल्ली।

एशिया विश्वविद्यालय लीडर्स प्रोग्राम में भाग लिया और भारत में उच्च शिक्षा नीति (एयूएलपी) पर एक प्रस्तुति दी, 31 अगस्त 2015, नई दिल्ली।

उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण 04–05 सितंबर 2015 को पुणे में शिक्षा नीति संगोष्ठी में भाग लिया।

दक्षिण अफ्रीका नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए स्काइप पर विश्वविद्यालय के संदर्भ में नेतृत्व और सुशासन पर व्याख्यान, 04 सितंबर 2015।

ग्रेजुएट सेमिनार में जेडएचसीईएस जेएनयू द्वारा दक्षिण एशिया में गतिशीलता और ज्ञान, शिक्षा और समाजः अंतःविषयक दृष्टिकोण पर एक सत्र के लिए अध्यक्षता जेडएचसीईएस, जेएनयू, 21 सितंबर 2015, नई दिल्ली।

उच्च शिक्षा में नवाचार पुरस्कार पर एफआईसीसीआई समीक्षा बैठकों में भाग लिया।

भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग पर यूजीसी समिति की बैठकों में भाग लिया।

इंटरनेशनल विश्वविद्यालय एसोसिएशन द्वारा आयोजित ईएफए के लिए उच्च शिक्षा पर कार्यशाला, 08–10 अक्टूबर 2015, बार्सिलोना में भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा के संवाद सत्र अंतर्राष्ट्रीयकरण पर संवाद

सत्र में भाग लिया और संचालन किया, 13 अक्टूबर, 2015।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली में प्रोफार्मा विकास संबंधी समिति पर बैठकों की अध्यक्षता।

एफआईसीसीआई उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली में भाग लिया, 03–04 अक्टूबर।

14 नवंबर 2015 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित गुणवत्ता के लिए अभिशासन पर नीतिगत परामर्श।

मुख्य वक्ता एएसएआईएचएल सम्मेलन (उच्च शिक्षा के दक्षिण पूर्व एशियाई संस्थाओं की एसोसिएशन) के लिए दिसंबर में सीएम रीप में, कंबोडिया, 02–04 दिसंबर 2015।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क पर प्रस्तुति, 09 दिसंबर 2015।

राष्ट्रीय मिशन के आयोजन पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ बैठक, 17 दिसंबर, 2015।

शिक्षा पर नई नीति का मसौदा तैयार करने में समिति की कई बैठकों में भाग लिया।

यूनेस्को तथा टोक्यो प्रौद्योगिकी संस्थान, टोक्यो द्वारा शिक्षा की रणनीतियां और भूमंडलीकरण तथा अंचलीकरण के प्रत्युत्तर पर आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी और आलेख प्रस्तुत, 23–24 फरवरी, 2015।

गुणवत्ता आश्वासन और शैक्षिक भ्रष्टाचार पर उच्च शिक्षा एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा आईआईइपी/यूनेस्को के विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया, वाशिंगटन डी सी। 30–31 मार्च, 2016।

कार्यशालाओं/बैठकों का आयोजन

30 अप्रैल 2015 को आयोजित भारत उच्च शिक्षा की रिपोर्ट पर पहली सहकर्मी की समीक्षा बैठक लेखक (आईएचईआर 2016) (निधि एस सब्बरवाल और सी.एम. मलिश के साथ)।

30 सितंबर 2015 को भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर 2016) दूसरी सहकर्मी की समीक्षा बैठक लेखक (सी.एम. मलिश और निधि एस. सब्बरवाल के साथ)।

उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभाव पर अनुसंधान परियोजना के दूसरी सलाहकार समिति की बैठक, 25 सितंबर 2015 (सी.एम. मलिश और निधि एस. सब्बरवाल के साथ) का आयोजन।

भारतीय तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी सम्मेलन में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पर एक पैनल चर्चा का आयोजन, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बंगलुरू, 16–17 दिसंबर, 2015, (अनुपम पचौरी के साथ)।

08 जनवरी 2016 को संस्थानों के कामकाज पर एनएएसी और आईक्यूएसी के प्रभाव पर शोध परियोजना की संगठित दूसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक (अनुपम पचौरी के साथ)।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण अधिगम और प्रौद्योगिकी पर सम्मेलन (सायंतन मंडल के साथ) अंतरराष्ट्रीय भारत पर्यावास केन्द्र, नई दिल्ली में 25–26 फरवरी, 2016।

14 मार्च 2016 को न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय से स्नातक छात्रों के दौरे का आयोजन (जिनुषा पाणिग्रही के साथ)।

समितियों में सदस्यता

अध्यक्ष, प्रोफार्मा विकास पर यूजीसी समिति, 2015–16

सदस्य, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग पर सदस्य यूजीसी समिति की बैठकें, 2015–16।

सदस्य, दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय में गुणवत्ता बढ़ाने पर सदस्यीय समिति 2015–16

सदस्य, एसएयू, नई दिल्ली, 2015–16 की स्थापना के लिए, एसयू कोर ग्रुप दक्षिण एशिया के स्टडीज का संस्थान (आईएसएएस)।

सदस्य, एफआईसीसीआई उच्चतर शिक्षा समिति, 2015–16।

सदस्य, राष्ट्रीय योग्यता (एनक्यूएफ) फ्रेमवर्क, 2015–16 पर यूनेस्को क्षेत्रीय संचालन समिति।

सदस्य, विश्वविद्यालय गुणवत्ता आश्वासन अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड, संयुक्त अरब अमीरात, दुबई, 2015–16।

शोध रिपोर्ट

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लिए (डॉ गरिमा मलिक और डॉ धर्म रक्षित गौतम के साथ): राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की भूमिका: भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षक भर्ती रिपोर्ट तैयार की।

मोना खरे

प्रकाशन:

प्रकाशन/मिमियो का शीर्षक

"टेकिंग द स्किल्स मार्च फॉरवर्ड इन इंडिया– ट्रांजिशनिंग टू द वर्ल्ड ऑफ वर्क, (2016) इन मैथियस पिल्ज़ ईडी इंडिया: प्रीपेरेशन फार द वर्ल्ड आफ वर्क, स्प्रिंगर वीएस।

एजुकेशन एड एंड इंटरनेशनल कोपरेशन इन इंडिया: शिफ्टिंग डायनामिक्स, इंक्रीजिंग कोलाबोरेशन. (2015) चैप्टर इन आई–हुआन चेंग, शेंग–जू चान एडीटर "इंटरनेशनल एजुकेशन ऐड इन डवलपिंग एशिया–पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज़" स्प्रिंगर साईंस+बिजनैस मीडिया सिंगापुर प्रा. लि.।

"संचार कौशल – एक कला, एक विधा", वैयक्तिक विकास के विभिन्न आयाम – दृष्टि बदलने से सृष्टि बदलेगी" मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल. (2015)।

शोध पत्र/लेख

इंडिया ईमरजेंस एज रीजनल एजुकेशन हब, (2015) नं. 83: स्पेशल इश्यू, द बोस्टन कॉलेज सेंटर फॉर इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई)।

ग्रेजुएट इम्प्लायबिलिटी: इंडिया चैलेंज पोस्ट 2015 डवलपमेंट एजेंडा, इन इंडियन इकोनोमिक जर्नल, दिसंबर 2015, पीपी. 97–111

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

"पुस्तक का विमोचन तथा परिचर्चा– भारत: कार्य की दुनिया की तैयारी – कार्य रूपांतरण हेतु शिक्षा पद्धति तथा स्कूल–2016, स्प्रींगर पब्लिकेशन, लेखक रूप में योगदान, 12 फरवरी 2016, आईआईएम, बैंगलोर के साथ कोलोन, जर्मनी के विश्वविद्यालय के साथ सहयोग।

नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय (सभागार), नई दिल्ली, 9 दिसंबर, 2015 को "शैक्षिक प्रशासन में नवाचार" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, नवाचार में हरियाणा व सिक्किम की प्रस्तुति पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

"ग्रामीण विकास में लैंगिक बजट पर राष्ट्रीय कार्यशाला" 19–21 अगस्त, 2015, एनआईआरडी और पीआर, हैदराबाद।

स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला में गुणवत्ता में सुधार लाने पर गोलमेज, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में मानव संसाधन

विकास मंत्रालय द्वारा, 19 जनवरी, 2016 को आयोजित।

2015 के बाद प्रगति, चुनौतियां प्राथमिकताएं शिक्षा एजेंडा, भारत में सभी के लिए शिक्षा पर गोलमेज में भाग लिया: अप्रैल 09, 2015, नई दिल्ली।

ईएफए वैश्विक निगरानी रिपोर्ट, 2015 के अंतरराष्ट्रीय प्रक्षेपण मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और यूनेस्को नई दिल्ली, अप्रैल 09, 2015, में भाग लिया।

विशेषज्ञ समवर्ती सत्र/जूरी/ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन की 9वीं राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन (एनआरसी) "भारत में प्रबंधन शिक्षा का भविष्य" 31 मार्च – 1 अप्रैल, 2015 आईआईसी, नई दिल्ली।

सत्र के अध्यक्ष/आमंत्रित वक्ता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में काशी विद्यापीठ, वाराणसी "मानव संसाधन विकास–ज्ञान या कैसे ज्ञान प्राप्त करें के लिए उच्च शिक्षा का स्वरूप" 28 मार्च, 2015।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण का आयोजन

राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी), नई दिल्ली 07 जनवरी, 2016 को हाल ही में विकसित शिक्षा रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए एक दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया, संयुक्त रूप से व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी) के साथ, भारत सरकार।

भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता पर विशेषज्ञ समीति की बैठक का आयोजन, सीपीआरएचई, 26 अक्टूबर, 2015।

शिक्षा में मात्रात्मक शोध विधियों पर राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शैक्षिक विकास की समझ और भेदभाव, न्यूपा, नई दिल्ली 3–21 अगस्त, 2015।

16 राज्यों के 18 विश्वविद्यालयों के 28 प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें 10 युवा संकाय सदस्य और 18 शोध अध्येता शामिल थे। इसकी रिपोर्ट तथा संबंधित सामग्री वेब पोर्टल पर अपलोड की गई है।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास तथा शिक्षण

निम्नलिखित पाठ्यक्रम शिक्षण में शामिल:

एम.फिल., पी–एच.डी. – सीसी–3, सीसी–5 और ओसी–11।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में इंटरनेशनल डिप्लोमा (आईडेपा)।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा)।

एम.फिल./पी–एच.डी. का निर्देशन

पी–एच.डी. कार्य (जारी)

शौविक मुखर्जी (रिसर्च स्कॉलर) – पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले में माध्यमिक विद्यालय स्तर पर छाया शिक्षा, एक बहुस्तरीय विश्लेषण।

सुमित कुमार (रिसर्च स्कॉलर) – भारत में उच्च शिक्षा के लिए ज्ञान आधारित उद्योगों और प्रवासन के स्थानिक वितरण के बीच अंतर–संबंध।

एम.फिल. अध्ययन (पूर्ण)

सुहैल अहमद मीर (रिसर्च स्कॉलर) – भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अवसर की असमानता

पठन सामग्री का विकास:

प्रो मोना खरे– शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों की पहचान करने के लिए वैकल्पिक उपागम (अनुसंधान मोनोग्राफ)

मोनोग्राफ का पहला मसौदा तैयार किया गया है। अंतिम संशोधन और संपादन कार्य जारी।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

व्यय प्रबंधन आयोग (ईएमसी), भारत सरकार के अनुरोध पर उपयोगिता, लक्ष्य तथा परिणाम के आधार पर व्यय का मापन करने के लिए भारत की संचालन दक्षता में सुधार हेतु शिक्षा कार्य निष्पादन।

"शिक्षा के वित्त पोषण सार्वजनिक निजी भागीदारी, निगमित सामाजिक दायित्व" विषय पर आलेख, नई दिल्ली में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता की राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वांछित मध्य जनवरी, 2016।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान:

जारी अनुसंधान परियोजना: अनुसंधान समन्वयक/प्रधान अन्वेषक: "भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारपरकता"

उच्च शिक्षा के स्नातकों के रोजगार की मांग और आपूर्ति पहलुओं का आकलन करना अध्ययन का उद्देश्य है।

पूर्ण कार्य

"रोजगार और उच्च शिक्षा अनुसंधान अध्ययन के प्रस्ताव का शीर्षक निर्धारित भारत में रोजगार विकसित किया गया।

प्रस्ताव विशेषज्ञों के लिए भेजा और विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया।

मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान के साधन विकसित किए गए।

बाहरी विशेषज्ञों के एक समूह के साथ अनुसंधान के साधन पर एक चर्चा बैठक आयोजित।

समन्वयक, रखरखाव और न्यूपा वेब पोर्टल का प्रबंधन।

सदस्य, पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति।

सदस्य, एम.फिल. और पी–एच.डी. प्रवेश समिति।

सदस्य, एम.फिल./पी–एच.डी. के लिए प्रवेश परीक्षा प्रश्न।

उच्च शिक्षा विभाग के डीएसी, विभाग।

डीएसी, शैक्षिक वित्त विभाग।

डीएसी, शैक्षिक योजना विभाग।

सदस्य – एम फिल पाठ्यक्रम संशोधन और पुनर्गठन समिति।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

साक्षात्कार के संचालन के लिए सलाहकार, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), धौलपुर हाउस, नई दिल्ली।

सदस्य, उप–समिति सूचकांक पर शिक्षा के क्षेत्र में सेवा उत्पादन के सांख्यिकी मंत्रालय और पीआई, सीएसओ।

सदस्य, स्थायी अनुसंधान की उप समिति सलाहकार समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (नोएडा)।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड (डीएबी), योजना एवं निगरानी विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।

दूरवर्ती शिक्षा के लिए एसएलएम मूल्यांकन विशेषज्ञ, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–दूरवर्ती शिक्षा ब्यूरो।

पुस्तक प्रस्ताव का समीक्षक: स्प्रींगर्स सिंगापुर।

सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड: हिमगिरी एजूकेशन रिव्यू, आईएसएसएन 2321–6336।

विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक (पी–एच.डी. मूल्यांकन)।

परियोजनाः भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता पर विशेषज्ञ समिति की बैठक का आयोजन, सीपीआरएचई, 26 अक्टूबर, 2015

सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत बैठकें/साक्षात्कार/योजना बनाने हेतु निम्नांकित व्यक्तियों से संपर्क, चर्चा, साक्षात्कार आदिः

श्री अमित फड़नीस
प्रेजीडेंट, इंजीनियरिंग एंड इंडिया
साइट लीडर, सिस्को सिस्टम्स, सेज यूनिट,
सेसना बिजनेस पार्क
कदूबीसानहली विलेज,
वर्थूर हुबली, सर्जापुर – मराठाहल्ली, आउटर रिंग रोड
बंगलौर–560087; एंड
कार्यालय 2: स्तर 1, ब्लॉक बी, एस्क्वायर केंद्र
9, एम.जी. रोड, बंगलौर – 560001

डॉ विजय जासवा (सीईओ) और उसके साथी विनोद कुमार
टक्टीकल सिस्टम प्रा. लि. (स्टार्ट–अप)
रु 12, द्वितीय और तीसरी मंजिल
सेकण्ड क्रॉस, 13 मेन बसंत नगर
बेंगलूर 560052

प्रो रामायनजयनेलू (स्टेट टीम हैड)
हेड, अर्थशास्त्र विभाग
बंगलौर विश्वविद्यालय

निधि एस. सब्बरवाल

प्रकाशन

पुस्तकें

बोरूह, वी.के. सभरवाल, एन.एस. दिवाकर, डी., मिश्रा वी.के., एंड नायक, ए.के., 2015. कास्ट, डिस्क्रिमिनेशन, एंड एक्सक्लूजन इन मॉडर्न इंडिया, नई दिल्लीः सेज।

शोध पत्र/लेख

सभरवाल, एन.एस. एंड सी.एम. मलिश (2016) दलित स्कॉलर सुसाइडः टाइम टू रिफ्लैक्ट आन इंस्टीट्यूशनल रिस्पॉस टू स्टूडेंट डायवरसिटी इन हायर एजुकेशन. डेली न्यूज अनालिसिस, http://www.dnaindia.com/analysis/columndalit-scholar-suicide-time-to-reflect-on-institutional-response-to-student-diversity-in-higher-education-2173929

सभरवाल, एन.एस. एंड सोनालकर डब्ल्यू 2015. दलित वूमन इन इंडियाः एट द क्रॉसरोड ऑफ जेंडर, कास्ट एंड क्लास. ग्लोबल जस्टिसः थियोरी प्रैक्टिस रेटोरिक (8). पीपी 44–73।

थोराट, एस.के., एंड सभरवाल, एन.एस. 2015. सोशल एक्सक्लूजन एंड पावर्टीः लिंकेज, कन्सेक्वैंसेज, एंड पॉलिसीज इन वर्मा वी. (संपा.) अनइक्वल वलर्ड्सः डिस्क्रीमिनेशन एंड सोशल इनइक्वालिटी इन माडर्न इंडिया. नई दिल्लीः आक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रैस।

थोराट, एस.के., एंड सभरवाल, एन.एस. 2015. कास्ट एंड सोशल एक्सक्लूजन कन्सैप्ट, इंडीकेटर्स एंड मेजरमेंट. इन कुमार ए.के.एस., रूस्तगी, पी. एंड सुब्रामणियम, आर. (संपा.) इंडिया चिल्ड्रन. नई दिल्ली 374–392. आक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रैस।

लाल डी., ओझा ए., सभरवाल एन.एस. (2015). इश्यू ऑफ अन्डर–रिप्रजेंटेशनः मैपिंग वूमन इन इंडिया पालिटिक्स. जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज (93–102), वाल्यूम 3, नं. 1, पीपी 93–102।

सभरवाल एन.एस. 2015. पेस सैटिंग रोल ऑफ सैन्टर युनिवर्सिटीजः इक्विटी एंड एक्सलैन्स. युनिवर्सिटी न्यूज. एसोसिएशन ऑफ इंडियन युनिवर्सिटीज, वाल्यूम 53, दिसंबर 14–20, 2015, पीपी 43.51।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

पत्र प्रस्तुति (अंतर्राष्ट्रीय)

शिक्षक–छात्र संलग्न और अधिगम के परिणामः एक प्रारंभिक खोज, शिक्षण अधिगम और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियों पर आलेख अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, 25–26 फरवरी, 2016, नई दिल्ली, सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित। (संयुक्त रूप से सी.एम. मेलिश के साथ)।

संगोष्ठी/कार्यशालाओं में आलेख प्रस्तुति (राष्ट्रीय)

न्यूपा द्वारा विश्वविद्यालयों तथा कालेजों में प्रबंधन की विविधता और समता पर अभिविन्यास कार्यशाला में समान पहुँच और समान भागीदारीः नीतिगत ढांचा और सांस्थानिक संदर्भ सत्र की अध्यक्षता, 7 मार्च, 2016।

शिक्षक–छात्र संलग्न और अधिगम के परिणामः एक प्रारंभिक खोज, शिक्षण अधिगम और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियों पर आलेख अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, 25–26 फरवरी, 2016, नई दिल्ली, सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित। (संयुक्त रूप से सी.एम. मेलिश के साथ)।

केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा बहिष्करण : सामाजिक–राजनीतिक दृष्टिकोण पर फरवरी 8–9, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में विद्यार्थी विविधता, नागरिक अधिगम और जनतांत्रिक संलग्नता, पर आलेख प्रस्तुति।

तृतीय न्यूपा नीति संगोष्ठी– "अधिकार आधारित शिक्षा के उपागमः नीति, पूर्वाधार तथा कार्य व्यवहार" में शिक्षा की भेदभाव रहित पहुंचः लिंग, जाति और वेब वर्ग उलझा एक सपना" पर आलेख प्रस्तुति, फरवरी 15–16, 2016।

ई.टी.एम.ए. द्वारा मानव अधिगम विज्ञान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उच्च शिक्षा के संसाधन के रूप में विद्यार्थी विविधता पर मेलिश सी.एम. के साथ आलेख प्रस्तुति, 4–5 फरवरी, 2016।

सी.आई.आई. द्वारा "अंतराल को पाटनाः शिक्षा और उद्यम द्वारा तीव्र विकास" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में रोजगार और रोजगार परकताः अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विशेष संदर्भ' पर आलेख प्रस्तुति, 4 नवंबर, 2015।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा भारत में शिक्षा का निजीकरण और सामाजिक न्याय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन में उच्च शिक्षा का विस्तार, विद्यार्थी विविधता और सामाजिक न्याय' पर आलेख प्रस्तुति, नवंबर 16–17, 2015।

विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, द्वारा अनुसूचित जाति अधिगम क्षेत्रों के उच्च प्राथमिक विद्यालयी स्तर पर विज्ञान में मुख्य संसाधन व्यक्तियों के अभिविन्यास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, 18 नवंबर, 2015।

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा की सामाजिक नीतिः चुनौतियां एवं संभावनाएं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दक्षिण एशियाई पाठ्यक्रम में पाठ्यचर्या में लैंगिक विमर्श सत्र की अध्यक्षता, 19–21 नवंबर 2015।

आई.आई.एस. विश्वविद्यालय द्वारा 2025 में उच्च शिक्षा : संवृद्धि, चुनौतियां और अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के संसाधन के रूप में विद्यार्थी विविधता पर आलेख प्रस्तुति, 20–21 नवंबर 2015।

न्यूपा द्वारा मैसूर में दक्षिण भारतीय प्राचार्यों के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों की योजना एवं प्रबंधन में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, अक्टूबर 5–9, 2015।

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नई दिल्ली, 'श्रम अध्ययन में शोध विधि पर आयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति' 15 सितम्बर, 2015।

लैंगिक अध्ययन विभाग, एनसीईआरटी, द्वारा जे.ए.वी. प्रधानाध्यापकों के लैंगिक प्रशिक्षण के लिए आयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, 24 जून, 2015।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों पर सामाजिक नीतियों के प्रभाव पर आई.आई.एम.यू., ड्यूक सर्वेक्षण में प्रविधि कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, अप्रैल 3–5, 2015।

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

न्यूपा में 26 जून 2015 को उच्च शिक्षा में बालिकाओं की बाधाएं पर विचार मंच का आयोजन, इसमें पहली पीढ़ी की बालिकाओं की उच्च शिक्षा की यात्रा में आने वाली बाधाओं की पड़ताल की गई। एम.वी. फाउंडेशन, आईडीएस, जयपुर तथा सावित्री बाई केंद्र, पुणे विश्वविद्यालय के अध्ययनों के निष्कर्षों को साझा किया गया।

न्यूपा में कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता पर परिचर्चा का आयोजन, अक्टूबर 23, 2015।

30 अप्रैल, 2015, को भारतीय उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2016 पर पहली लेखक की बैठक न्यूपा, नई दिल्ली में। (संयुक्त रूप से मेलिश सी.एम. के साथ)।

14 अगस्त, 2015, को भारतीय उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2016 पर दूसरी लेखक बैठक, न्यूपा, नई दिल्ली। (संयुक्त रूप से मेलिश सी.एम. के साथ)।

18 सितंबर 2015 को द्वितीय अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक, न्यूपा, नई दिल्ली (मेलिश सी.एम. के साथ संयुक्त रूप से)।

विविधता और भेदभाव पर सीपीआरएचई–आईसीसीएसएसआर संयुक्त परियोजना पर परियोजना के लिए विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला आयोजन, 23–24 सितम्बर, न्यूपा, (संयुक्त रूप से मेलिश सी.एम. के साथ)।

सीपीआरएचई, नई दिल्ली में डरबन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन और उच्च शिक्षा समुदाय की संलग्नता पर चर्चा, 3 फरवरी, 2016 (मेलिश सी.एम. के साथ)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम का विकास और शिक्षण

उच्चतर शिक्षा और व्यावसायिक विकास विभाग, न्यूपा के लिए उच्च शिक्षा में समानता और सामाजिक न्याय पर तैयार मॉड्यूल

अनुसंधान टीम के सदस्यों के लिए एक क्षेत्र कार्य का मैनुअल तैयार किया।

मात्रात्मक डेटा विश्लेषण के लिए तैयार है और सम्पादित प्रशिक्षण सामग्री।

गुणात्मक डेटा विश्लेषण के लिए प्रशिक्षण सामग्री और शिक्षण।

मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा को एकीकृत करने और शोध अध्ययन रिपोर्ट लिखने के लिए सम्पादित सामग्री तथा शिक्षण कार्य।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

जारी अनुसंधान परियोजना: अनुसंधान समन्वयक/ प्रधान अन्वेषक: नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक संलग्नता के लिए उच्च शिक्षा: उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का एक अध्ययन'।

यह परियोजना अध्ययन (मेलिश सी.एम. के साथ) कार्यान्वयन के अपने उन्नत चरण में है। यह परियोजना आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य छात्र विविधता और उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव को समझने के लिए और छात्र विविधता बेहतर नागरिक अधिगम के लिए कैसे बढ़ाया जा सकता है की पड़ताल करना है। अध्ययन में इस तरह बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के रूप में छह राज्यों में स्थित 11 उच्च शिक्षा संस्थानों में किया जा रहा है।

पूर्ण गतिविधियां

केस अध्ययन संस्थानों से क्षेत्र आधारित आकड़ा संग्रह;

गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़ों का विश्लेषण किया;

अनुसंधान सलाहकार समिति की दूसरी बैठक की गई और इसमें अध्ययन की प्रगति विश्लेषण ढांचे पर परामर्श किया गया।

अनुसंधान के विश्लेषण ढांचे पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। शोध टीमों के सदस्य कार्यशाला में भाग लिया;

केस अध्ययन संस्थानों पर अनुसंधान रिपोर्ट का प्रारूप तैया किया;

संश्लेषण की रिपोर्ट का पहला मसौदा तैयार किया।

प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्ताव

परियोजना 1: प्रधान अन्वेषक

शीर्षक से एक अनुसंधान प्रस्ताव "छात्र विविधता और उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव का स्वरूप: केस अध्ययन और शैक्षणिक प्रशासकों को संवेदनशील बनाने के लिए मॉड्यूल का प्रस्ताव" मानव संसाधन विकास, नई दिल्ली (सी.एम. मेलिश के साथ) संयुक्त रूप से) प्रस्तुत किया गया है।

परियोजना 2: सह प्रमुख अन्वेषक

षीर्षक "उच्च शिक्षा के लिए सफलता और सामाजिक गतिशीलता: विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों लिए कोचिंग योजनाओं पर एक अध्ययन किया गया (सी.एम. मेलिश) के साथ संयुक्तरूप से। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अपवंचित वर्गों की उच्च शिक्षा में सफलता, कैरियर तथा रोजगार गतिशीलता को बढ़ाने के लिए शुरु की गई योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन करना है। इस अध्ययन के अंतर्गत निम्नलिखित योजनाएं हैं: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए निदानात्मक कोचिंग नेट/सेट कोचिंग तथा नौकरियों में भर्ती हेतु कोचिंग योजनाएं। कमोबेश यह एक शैक्षिक पहल है जिसका उद्देश्य सामाजिक बहिष्करण, समेकित विकास और समता संबंधित मुद्दों को संबोधित करना है। परियोजना मार्च के अंत में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मंजूर किया गया था।

भारतीय उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर)

"भारत में उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2016: इक्विटी का दूसरा मुद्दा केंद्र की ओर से बाहर लाया जाता है। एक संपादक (प्रो. वर्गीज और डॉ सी.एम. मलिश के साथ संयुक्त रूप से) निम्नलिखित गतिविधियों को पूरा कर दिया है होने के नाते।

अवधारणा नोट तैयार किया गया है और संभावित लेखकों की पहचान और उनसे संपर्क किया।

सबसे पहले सहकर्मी की समीक्षा बैठक 30 अप्रैल 2015 को आयोजित की गई जिसमें योगदानकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सारांश की समीक्षा की गई संरचना के प्रयोजन पर चर्चा। योगदानकर्त्ता लेखकों ने उनका सारांश प्रस्तुत किया और चर्चा में भाग लिया।

बैठक के मिनट प्रत्येक लेखकों की प्रमुख टिप्पणियों और सुझावों के आधार पर तैयार किए गए और एक आम समझ विकसित करने और जितना संभव हो अध्यायों में सामग्री की ओवरलैपिंग से बचने के लिए सभी लेखकों को परिचालित किया गया है।

द्वितीय सहकर्मी समीक्षा बैठक लेखकों द्वारा तैयार अध्याय मसौदे पर चर्चा 14 अगस्त 2015 को आयोजित चर्चा और प्रतिक्रिया के आधार पर, अध्याय संशोधित किया।

समीक्षा के बाद, संशोधित अध्याय संपादकीय टिप्पणी के साथ लेखकों को वापस भेज दिए गए। अध्याय के अंतिम संस्करण की प्रतीक्षा है।

शिक्षण

लैंगिक और समाज पाठ्यक्रम महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23 फरवरी, 2016 के लिए रिसोर्स पर्सन।

संसाधन व्यक्ति 2014–2016 के एम.फिल. छात्रों, के लिए कौशल लेखन पर कार्यशाला, न्यूपा, 3 सितंबर, 2015।

एम.ए. कक्षा, दलित महिलाएं और मानव विकास, के लिए संसाधन व्यक्ति 24 अप्रैल, 2015, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

एम.फिल. कक्षा में महिला शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी, न्यूपा कोर्स में (ओसी–09) शिक्षा, लैंगिक और विकास पर, संसाधन व्यक्ति, (11:30–1:00 बजे) 16 अप्रैल, 2015।

एम.फिल. थीसिस का मूल्यांकन

व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामाजिक–आर्थिक समूहों के बीच रोजगार पैटर्नः राजस्थान का एक जिला स्तरीय अध्ययन, क्षेत्रीय विकास, जेएनयू का अध्ययन केंद्र।

पश्चिम बंगाल में सामाजिक पृष्ठभूमि के सापेक्ष असमान उच्चतर शिक्षा प्राप्तिः सीएसएसएस, जेएनयू।

बेंगुलुरू में स्कूल शिक्षा, पड़ोस के स्कूल और रूपान्तरण नव उदारवादी फ्रेमवर्क, में माता–पिता के स्कूल चयन का अध्ययन सीएसएसएस।

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, जम्मू–कश्मीर में प्राथमिक उर्दू भाषा की पाठ्यपुस्तकों में अप्रत्यक्ष पाठ्यचर्या में लैंगिक मुद्दों का विश्लेषण।

अनुसंधान परियोजनाओं के संरक्षक/पर्यवेक्षक

अनुसंधान मार्गदर्शन, राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केन्द्र के स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन कार्यक्रम (2015–16) में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में एक उम्मीदवार की परियोजना कार्य 'माध्यमिक स्कूल में व्यावसायिक शिक्षण समुदाय', न्यूपा।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, कार्यबल अभिविन्यास कार्यक्रम– शिक्षा में गुणवत्ता शोध प्रविधियां और प्रारंभिक स्तर पर अपवंचित अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के बच्चों की शिक्षा पर नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप, शैक्षिक नीति विभाग, न्यूपा।

सदस्य, कार्यबल, अपंगता सहित व्यक्तियों की समेकित शिक्षा नीति और कार्य व्यवहार।

अनुपम पचौरी

संगोष्ठियो/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

अन्तर्राष्ट्रीय (आलेख प्रस्तुति)

"क्वालिटी एश्यूरेंसः पालिटिक्स आफ एकान्टेबिलिटी थ्रू 'सेल्फ एंड पीयर' पेपर प्रजेंटेड इन इनवाइट पैनल ऑन द थीम ऑफ "क्वालिटी ऑफ हायर एजुकेशन" एट द 6 अनुवल इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑफ द कम्पेरेटिव

एजुकेशन सोसायटी आफ इंडिया आन द थीम ऑफ 'एजुकेशन डोमिनेशन, एम्नेसीपेशन एंड डिगनिटी' आन 15 दिसंबर 2015, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बंगलुरू: सेजी।

राष्ट्रीय (आलेख प्रस्तुति)

"शिफ्ट फ्राम 'पब्लिकेशन' टू प्राइवेटाइजेशन: इम्प्लीकेशन फॉर क्वालिटी ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया, पेपर एट द नेशनल सेमीनार ऑन 'प्राइवेट सैक्टर पार्टिसिपेशन ऑन पब्लिक सर्विसेज' टू द काउंसिल फॉर सोशियल डवलपमेंट, ऑन 28–30 मार्च 2016, नई दिल्ली

"इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर्स एंड क्वालिटी एश्यूरेंस मैकेनिज्म: एम्प्लीकेशन फार रिसर्च, ऑटोनॉमी एंड अकाउन्टेबिलिटी' पेपर प्रजेंटेड एट राउण्ड–टेबल मीटिंग ऑन सोशियल साइंसेज रिसर्च इन इंडिया फार द रिसर्च प्रोजेक्ट 'एसेसिंग द एन्वायरमेंट फार सोशियल साइंस रिसर्च (एसएसआर) इन इंडिया एंड बांग्लादेश' फाउण्डेड इन ग्लोबल डवलपमेंट नेटवर्क (जीडीएन) अन्डर द थीम ऑफ 'इन्सैंटिव, ऑटोनॉमी एंड अकाउन्टेबिलिटी' ऑन 9–10 मार्च 2016 एट द स्कूल ऑफ सोसियल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू यूनिर्वसिटी, नई दिल्ली।

रिर्पोटिंग

25 फरवरी 2016 को 'विषयगत समानांतर सत्र में शिक्षण और उच्च शिक्षा में अध्ययन और नई प्रौद्योगिकियों', पर संगोष्ठी संयुक्त रूप से उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान न्यूपा और ब्रिटिश काउंसिल–इंडिया द्वारा आयोजित, नई दिल्ली, 25–26 फरवरी, 2016 सीपीआरएचई–न्यूपा और ब्रिटिश काउंसिल–भारत।

'गुणवत्ता के लिए अभिशासन और श्रेष्ठ शिक्षकों का निर्माण' को नई शिक्षा नीति के लिए परामर्शी बैठक में एक सत्र में रिपोर्टर, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में 8–9 सितंबर 2015, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित ।

तीन आलेख प्रस्तुत "भारत उच्च शिक्षा की सहकर्मी समीक्षा बैठक में रिपोर्टिंग (सीपीआरएचई) एक दिन की चर्चा बैठक, में उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) द्वारा आयोजित, 14 अगस्त 2015 को न्यूपा द्वारा आयोजित नई दिल्ली: न्यूपा।

सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

25–26 फरवरी, 2016, ब्रिटिश काउंसिल–भारत के साथ संयुक्त रूप से सीपीआरएचई/न्यूपा द्वारा आयोजित, उच्च शिक्षा में अध्यापन–शिक्षा पर संगोष्ठी और नई प्रौद्योगिकयां 02 फरवरी 2016 को टास्क फोर्स की बैठक। नई दिल्ली: न्यूपा।

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी सम्मेलन 2015 के शिक्षा: प्रभुत्व, मुक्ति और गरिमा 14–16 दिसंबर 2015 को बेंगलुरु: सीपीआरएचई।

"ब्रिक्स और उभरती अर्थव्यवस्था, विश्वविद्यालय शिखर सम्मेलन", 3–4 दिसंबर 2015, उच्च शिक्षा और जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत और दिल्ली एनसीआर द्वारा आयोजित।

अनुसंधान परियोजना के षीर्षक पर विशेषज्ञ समिति की बैठक "रोजगार और भारत में उच्च शिक्षा के स्नातकों का रोजगार' न्यूपा में प्रोफेसर मोना खरे के नेतृत्व में 26 अक्टूबर 2015।

नई शिक्षा नीति 2015, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में आयोजित 26 सितंबर 2015 को परामर्श।

विविधता और भेदभाव पर आईसीएसएसआर और सीपीआरएचई–न्यूपा अनुसंधान परियोजना पर विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला 23–24 सितंबर, 2015 सीपीआरएचई, न्यूपा

विविधता और भेदभाव पर आईसीएसएसआर और सीपीआरएचई–न्यूपा अनुसंधान परियोजना पर द्वितीय

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक, 18 सितंबर 2015, सी.पी.आर.एच.ई, न्यूपा।

विषयों "शासन में गुणवत्ता की शिक्षा के लिए" और 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक विकास पर नई शिक्षा नीति' के लिए 8–9 सितंबर 2015 को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित परामर्शदात्री बैठक।

शिक्षा आंकड़ा और नीति पर संगोष्ठी शीर्षक 'द नंबर गेमः सतह के नीचे एक नजर', 19 अगस्त 2015 को नीति अनुसंधान केन्द्र और आईआईसी में शिक्षा पर विवेचना के लिए फोरम, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित।

इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली, 31 जुलाई 2015 को लांट प्रिवेट अनुसंधान निदेशक के साथ क्षेत्रीय शोधकर्ता विस्तार बैठक में सुधार प्रणाली पर अनुसंधान, (राईस)।

क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंगः ब्रिक्स 2015 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8 जुलाई 2015, नई दिल्ली, भारत।

शिक्षा के लिए अधिकार आधारित दृष्टिकोणः नीति, परिसर और आचरण पर 15–16 फरवरी, 2016, शिक्षा नीति विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली।

भारत में उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आई.एच.ई.आर.) के लेखकों द्वारा आयोजित एक दिन की बैठक 30 अप्रैल 2015 को उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र (सीपीआरएचई), न्यूपा; नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजना के लिए विस्तृत फील्डवर्क के लिए उपकरणों को अंतिम रूप देने हेतु विशेषज्ञ पैनल की बैठक में भाग लिया 'आरटीई के तहत समता पुनःभ्रमण नीति विभाग, नीति दृष्टिकोण और सामाजिक धारणाएं शीर्षक परियोजना 27 अप्रैल 2015, शिक्षा नीति विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित।

अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला, उच्च शिक्षा के अभिशासन और प्रबंधन पर परियोजना, मूल्यांकन विधि कार्यशाला 08–09 अप्रैल, 2015, सी.पी.आर.एच.ई, न्यूपा।

अप्रैल 01, 2015 को सीपीआरएचई/न्यूपा द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रतिनिधियों के साथ नई योग्यता फ्रेमवर्क पर चर्चा बैठक, न्यूपा।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला, पर 21–22 जनवरी 2016: संस्थागत स्तर पर आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता आश्वासन के एक अध्ययन में भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता' नई दिल्लीः सीपीआरएचई/न्यूपा।

अनुसंधान परियोजना के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक, पर 15 जनवरी 2016 संस्थागत स्तर पर आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता आश्वासन के एक अध्ययन में भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता' सीपीआरएचई/न्यूपाः नई दिल्ली।

'उच्च शिक्षा की गुणवत्ता' शीर्षक पर पैनल चर्चा समन्वित, 15 दिसंबर 2015 को संयुक्त रूप से सीपीआरएचई/न्यूपा और सीईएवआई द्वारा आयोजित 'शासन, मुक्ति और गरिमा शिक्षा' – भारत सम्मेलन के अंतरराष्ट्रीय तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी पर 14–16 दिसंबर 2015 बैंगलोरः सीईएसआई।

अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला, 7–8 मई 2015: संस्थागत स्तर पर आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता आश्वासन के एक अध्ययन में भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता' सीपीआरएचई/न्यूपाः नई दिल्ली।

'अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान उपकरण चर्चा बैठक' संस्थागत स्तर पर आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता

आश्वासन के एक अध्ययन में भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता' सीपीआरएचई/न्यूपाः 24 अप्रैल 2015 नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

"भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन 'अनुसंधान कार्य प्रणाली कार्यशाला सामग्री दस संस्थानों (चार राज्य विश्वविद्यालयों और एक संलग्न विश्वविद्यालय इनमें से प्रत्येक के लिए एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के साथ एक सम्बद्ध कॉलेज की अनुसंधान परियोजना शोध दलों के लिए विकसित की गयी है सीपीआरएचई–न्यूपाः बाहरी गुणवत्ता आश्वासन और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन में होने वाले परिवर्तनों को समझने के लिए संकाय के लिए संस्थागत प्रमुखों और फोकस समूहों के लिए विषयगत स्वरूपों पर चर्चा और शिक्षकों और छात्रों के लिए, साक्षात्कार कार्यक्रम के लिए प्रश्नावली शामिल है।

मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार और संपादित।

गुणात्मक आंकड़ा विश्लेषण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार और संपादित।

मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ा को एकीकृत करने और शोध अध्ययन रिपोर्ट लिखने सामग्री तैयार और संपादित।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों को शैक्षिक समर्थनः

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए), पंजाब के शोध के भाग के रूप में स्कूल शिक्षा के निदेशक को स्कूल शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत 20 कार्रवाई अनुसंधान रिपोर्टों का मूल्यांकन प्रस्तुत।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

जारी अनुसंधान परियोजनाः अनुसंधान समन्वयक/प्रधान अन्वेषकः "भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन"।

यह अध्ययन संरचना और बाहरी गुणवत्ता आश्वासन और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन उनके आपसी संबंध और संस्थागत स्तर पर गुणवत्ता आश्वासन पर प्रतिभागियों की भागीदारी को समझने के लिए।

पूर्ण कार्य

अध्ययन के लिए अनुसंधान प्रस्ताव "भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन' विकसित।

प्रस्ताव विशेषज्ञों के लिए भेजा और विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया;

पांच विश्वविद्यालयों और चुनिंदा विश्वविद्यालयों में से प्रत्येक से एक संबद्ध कॉलेज पांच राज्यों, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तेलंगाना से संस्थागत स्तर टीमों का गठन किया गया।

विशेषज्ञों द्वारा मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान के साधन विकसित किए।

अनुसंधान उपकरणों का संचालन और अनुसंधान प्रश्नों को दिल्ली के पास एक उच्च संस्था में मान्य किया गया।

अनुसंधान प्रस्ताव और अनुसंधान उपकरणों को अनुसंधान टीमों के साथ विस्तार से चर्चा कर प्रथम शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुसंधान परियोजना की दूसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की गई।

अनुसंधान विश्लेषण ढांचे पर दूसरी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

क्षेत्र आधारित आंकड़ा संग्रह, आंकड़ा विश्लेषण और रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया।

सुविधाकर्त्ता/आमंत्रित विशेषज्ञ/व्याख्यान

"गुणात्मक अनुसंधान पद्धति" ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) कार्यशाला, 9:30 से 1:00 बजे तक का सत्र शिक्षण, दिल्ली 12 मार्च 2016 को आयोजित।

"नीति और अभ्यास फाउण्डेशन अध्यापक शिक्षा पर पाठ्यक्रम सुविधा, 30 जनवरी से 01 फरवरी 2016 जयपुर में से शिक्षा फाउंडेशन में 11वां सर्टिफिकेट कार्यक्रम।

अनुसंधान परियोजना के संरक्षक/पर्यवेक्षक

अनुसंधान मार्गदर्शन/स्कूल नेतृत्व के लिए राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन कार्यक्रम (2015–16) में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में से एक उम्मीदवार की परियोजना कार्य को परामर्श, "एक माध्यमिक विद्यालय में व्यावसायिक शिक्षण समुदाय", न्यूपा।

अन्य संस्थागत गतिविधियों में भागीदारी:

20–17 मई 2015, न्यूपा में एम.फिल. उम्मीदवारों के आवेदन की जांच।

20 जून 2015, न्यूपा में एम.फिल./पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा में अन्वीक्षण।

सीपीआरएचई वार्षिक रिपोर्ट 2014–2015 प्रोफेसर एन. वी. वर्गीज के सहयोग से विकसित की।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, अंतरराष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा के लिए ब्रिटिश एसोसिएशन, ब्रिटेन।

आजीवन सदस्य भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सीईएसआई), भारत।

गरिमा मलिक

प्रकाशन

पुस्तकें (संपादित)

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2015 (गरिमा मलिक के साथ), रूटलेज (फ्रांसिस और टेलर), दक्षिण एशिया संस्करण। नई दिल्ली, 2016।

सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन में भागीदारी

राष्ट्रीय

तृतीय राष्ट्रीय नीति संगोष्ठी 2015–16 'शिक्षा का अधिकार आधारित दृष्टिकोण: नीति, परिसर और प्रथाओं' न्यूपा नई दिल्ली में आयोजित, फरवरी 15–16, 2016।

सितंबर 8–9, 2015 "गुणवत्ता शिक्षा के लिए शासन सुधारों' और 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों का विकास' विषय पर राष्ट्रीय सलाहकार से मिलने के लिए रिपोर्ताज

शैक्षिक वित्त विभाग द्वारा आयोजित, विश्वविद्यालय के वित्त प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम में अध्यक्षता, जुलाई 27–28, 2015।

अंतरराष्ट्रीय

8 जुलाई, 2015, शांगरी–ला इरोज होटल, नई दिल्ली में ब्रिक्स 2015 लांच संगोष्ठी: क्यु यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भाग लिया।

टाइम्स हायर एजुकेशन ब्रिक्स और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के शिखर सम्मेलन, इंडिया हैबिटेट सेंटर में 2–4 दिसंबर, 2015 को दिल्ली में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

"टीचिंग–लर्निंग और उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियां इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में फरवरी 25–26, 2016 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रिपोर्ताज

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला अप्रैल 8–9, 2015 'भारत में उच्च शिक्षा के प्रबंधन और प्रशासन' पर आयोजित कार्यशाला में 5 राज्यों से 14 शोध टीम के सदस्यों ने भाग लिया हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/वर्ष के दौरान संपादन

अप्रैल 8–9, 2015 भारत में उच्च शिक्षा के प्रबंधन और प्रशासन'' पर आयोजित कार्यशाला के लिए दस्तावेज, तैयार। इस कार्यशाला में 5 राज्यों से 14 अनुसंधान दल के सदस्यों ने भाग लिया हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश। निम्नलिखित सामग्री तैयार की गई:

संस्थान प्रोफाइल

शिक्षक प्रश्नावली

छात्र प्रश्नावली

साक्षात्कार अनुसूचियां

फोकस समूह चर्चा के लिए अनुसूची

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

चल रही अनुसंधान परियोजनाएं अनुसंधान समन्वयक/प्रधान अन्वेषक: भारत में उच्च शिक्षा के प्रबंधन और प्रशासन।

परियोजना यह समझने के लिए है कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन के साथ उच्च शिक्षा संस्थान कैसे शासित और प्रबंधित होते हैं। अनुसंधान परियोजना के व्यापक उद्देश्य हैं;

राष्ट्रीय, राज्य और संस्थागत स्तर पर शासन संरचना और प्रक्रियाओं के विकास पर चर्चा करना।

राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण अभिकर्ताओं और उनकी भूमिकाओं का अध्ययन करना कि कैसे शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय के मंत्रालय, शिक्षा के राज्य परिषदों और उच्च शिक्षा संस्थानों से संपर्क बनाते हैं।

विश्वविद्यालयों और कॉलेज स्तर पर शासी निकाय के कामकाज का अध्ययन करना;

संस्थागत स्तर पर उच्च शिक्षा के प्रबंधन का अध्ययन करना;

पूर्ण कार्य

अनुसंधान प्रस्ताव और अनुसंधान उपकरणों की अनुसंधान टीमों के साथ विस्तार से चर्चा युक्त प्रथम शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन।

अनुसंधान परियोजना की द्वितीय विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की गई;

आंकड़ा विश्लेषण पर कार्यशाला के लिए सामग्री तैयार;

अनुसंधान विश्लेषण ढांचे पर दूसरी कार्यशाला जिसमें अनुसंधान टीमों के सदस्यों ने भाग लिया।

चार राज्यों राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश, के लिए दोनों मात्रात्मक और गुणात्मक विश्लेषण के लिए क्षेत्र आधारित आकड़ा संग्रह, रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया जा रहा है।

रिपोर्ट तैयार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लिए (प्रोफेसर एन. वी. वर्गीज़ और डॉ धर्म रक्षित गौतम के साथ): "राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की भूमिका: भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षक भर्ती'' रिपोर्ट तैयार की।

जिणुशा पाणिग्रही

प्रकाशन

शोध पत्र/प्रकाशित लेख

"कंसट्रेन्ट्स इन द च्वाइस ऑफ कोर्सेस फॉर हायर एजुकेशनः इम्पीरिकल फाइंडिंग्स बेस्ड ऑन ए सैम्पल सर्वे" 'द एशियन इकोनोमिक रिव्यू', पत्रिका में प्रकाशित, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक्स, वाल्यूम 57, नं. 3, सितम्बर 2015, पीपी 120–136

रिपोर्ट ऑन द इंटरनेशनल सेमीनार "मैसीफिकेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन लार्ज एकेडेमिक सिस्टम" एन.वी. वर्गीज के साथ, जुलाई 2015, न्यूपा, नई दिल्ली

फाइनल रिपोर्ट ऑफ द इंटरनेशनल सेमीनार आन "मैसीफिकेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन लार्ज एकेडमिक सिस्टम्स 10–11 नवंबर 2014" पब्लिस्ड विद एन.वी. वर्गीज इन कोलाबोरेशन विद ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली, इंडिया, जून 2015।

सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

आलेख प्रस्तुत (अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी)

"मुद्दे और चिंताएंः जिसके परिणामस्वरूप भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा संसाधनों के आवंटन और जुटाव के पैटर्न तलाश" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा के लिए भारत में सुधारों के लिए तुलनात्मक विचार पर आलेख प्रस्तुत किया, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा नीति विभाग के सहयोग से आयोजित 4–5 मार्च, 2016, जुनियर हॉल, आईएचसी, नई दिल्ली।

"सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुदान पैटर्नः चिंताएं और रणनीतियाँ" 6वें भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी, आईएसईसी, बेंगलुरू, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू, संघ द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "शिक्षाः शासन, मुक्ति और गरिमा", 14–16 दिसंबर 2015, बेंगलुरू, भारत, आलेख प्रस्तुत।

"उभरते अवसर और चुनौतियां शिक्षा सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत–तुर्की द्विपक्षीय संबंध" पर आलेख प्रस्तुत किया भारत–तुर्की संबंधः परिप्रेक्ष्य और समकालीन प्रासंगिकता, 'तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत मानविकी और बोली संकाय द्वारा आयोजित जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत, 1–3 नवम्बर, 2015।

भागीदारी/सेमिनार/सम्मेलन में रिपोर्टिंग

उन्नयन भावना, बांग्लादेश, वैश्विक विकास नेटवर्क के साथ साझेदारी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित गोजमेज सम्मेलन, 09–10 मार्च, 2016 "भारत और बांग्लादेश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए पर्यावरण" विषय पर चर्चा में भाग लिया, समिति कक्ष, एसएसएस, जेएनयू, नई दिल्ली।

"शिक्षण अधिगम और नई प्रौद्योगिकियां" अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र में भाग लिया और रिपोर्टिंग की। इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में ब्रिटिश काउंसिल, के साथ साझेदारी में सीपीआरएचई, न्यूपा द्वारा आयोजित 25–26 फरवरी 2016।

टाइम्स हायर एजुकेशन ब्रिक्स और उभरती अर्थव्यवस्थाएंः विश्वविद्यालय शिखर सम्मेलन में भाग लिया "क्यों उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों की जरूरत है?" इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, ओपी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, के साथ साझेदारी में आयोजित, 3–4 दिसंबर 2015।

30 सितंबर 2015 को भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर 2016) दूसरी सहकर्मी की समीक्षा लेखक बैठक सीपीआरएचई द्वारा आयोजित, न्यूपा नई दिल्ली में सत्र पर एक रिपोर्ट तैयार की।

"विषयों की गुणवत्ता के लिए अभिशासन" पर नई शिक्षा नीति के लिए परामर्शी बैठक में सत्र पर एक रिपोर्ट तैयार की और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में "सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों का विकास", 8–9 सितंबर 2015, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित।

"बड़ी बहस लॉन्च: 2015, शिक्षा सर्वश्रेष्ठ है" ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायोग, भारत नई दिल्ली कार्यालय, वर्जिन अटलांटिक, चेवेनिंग और प्रीमियर एक्सप्लोरर, 17 अगस्त 2015 को आयोजित किया।

क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग ब्रिक्स रैंकिंग लॉन्च संगोष्ठी, शिक्षा रैंकिंग और उत्कृष्टता के लिए आईईएलटीएस, एमिटी विश्वविद्यालय, एलिसवियर और आईकेयर भारतीय केंद्र द्वारा आयोजित, 8 जुलाई 2015, में संयुक्त रूप से भाग लिया। शांगरी–ला, इरोज होटल– गंगा यमुना भोज कक्ष, नई दिल्ली।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आई.एच.ई.आर. 2016) सहकर्मी समीक्षा की प्रथम बैठक लेखक, सीपीआरएचई द्वारा आयोजित, न्यूपा नई दिल्ली में भाग लिया, 30 अप्रैल 2015।

कार्यशालाओं / बैठकों / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

"धन के प्रवाह और उनकी उपयोगिता का एक अध्ययन" भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण पर शोध परियोजना के लिए विकास कार्यशाला का आयोजन किया, 7 अप्रैल 2015, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

"भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण: धन के प्रवाह और उनकी उपयोगिता का एक अध्ययन" विषय पर संगठित अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला, 22–23 अप्रैल 2015, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

14 मार्च 2016 को 25 न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय सदस्यों की यात्रा के दौरान इंटरैक्टिव सत्र (एन.वी. वर्गीज के साथ) का आयोजन किया, न्यूपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित / रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान सम्पादन

मॉड्यूल विकसित

"उच्च शिक्षा का वित्तपोषण" उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, न्यूपा द्वारा शुरू उच्च शिक्षा में डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए' मॉड्यूल विकसित।

रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान:

चल रहे अनुसंधान परियोजना: भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के अनुसंधान समन्वयक / प्रधान अन्वेषक वित्तपोषण: धन के प्रवाह और उनके उपयोग का एक अध्ययन।

भारत के पाँच विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना और उत्तराखंड के रूप में पांच चुनिंदा राज्यों में लागू किया जा रहा है। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और उनके संबद्ध कॉलेजों के साथ चार राज्य विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधित्व के साथ नौ उच्च शिक्षा संस्थानों को शामिल किया गया है। कॉलेजों की विविध प्रबंधन संरचना गवर्नमेंट कॉलेज, स्वायत्त कॉलेज और निजी सहायता प्राप्त शहरी क्षेत्र में स्थित कॉलेजों के साथ–साथ ग्रामीण सेटअप भी शामिल है।

भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण, धन के प्रवाह और उनके उपयोग का एक अध्ययन और उनके उपयोग (सीपीआरएचई) के तहत गतिविधियों की सूची निम्नलिखित हैं:

परियोजना के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक उपकरण विकसित;

उपकरणों परियोजना के लिए विकसित परीक्षण के लिए पायलट अध्ययन पूरा किया;

सबसे पहले अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला के लिए शोध सामग्री विकसित;

सबसे पहले अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला का आयोजन किया;

क्षेत्र यात्रा के लिए आगे बढ़ने से पहले गुणात्मक और मात्रात्मक उपकरण संशोधित;

आंकड़ा संग्रह गतिविधियां, पूरा कर रहे हैं, विश्लेषण और अनुसंधान रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

शिक्षण

पाठ्यक्रम अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान शिक्षण

न्यूपा एम.फिल./पी–एच.डी. कोर्स (वर्ष 2015–16 के लिए) – मात्रात्मक अनुसंधान प्रणाली, पेपर संख्याः सी. सी. 3।

"शिक्षा के क्षेत्र में बजट ट्रैकिंग, पाठ्यक्रम, शिक्षा के क्षेत्र में वित्तीय योजना और प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में इंटरनेशनल डिप्लोमा, 14.00 से 15.30 बजे, 20 अप्रैल 2015, न्यूपा, नई दिल्ली।

"उच्च शिक्षा में विद्यार्थी ऋण", "विश्वविद्यालय वित्त के प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम में एक व्याख्यान दिया 31 जुलाई, 2015 शैक्षिक वित्त विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

न्यूपा में अन्य आंतरिक गतिविधियाँ

पुस्तक समीक्षाएं

चेंजिंग लेंडस्केप ऑफ इंटरनेशनल हायर एजुकेशनः एन इंडियन पर्सपेक्टिव (2015), के.बी. पोवार, डॉ डी.वाई. पाटिल विद्यापीठ पुणे आईएसबीएनः 978–81–926619–2–6, पृष्ठः 245 शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के जर्नल (जेपा), न्यूपा, नई दिल्ली के लिए समीक्षा की।

रिसर्च कम्पेटेंसी इन हायर एजुकेशनः मैपिंग एंड मैनेजमेंट (2015), एस.सी. पाणिग्रही एट. अल.(संपादक), कन्सैप्ट पब्लिशिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत। आईएसबीएन– 13: 978–93–5125–184–2, पृष्ठ 325, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के जर्नल के लिए समीक्षा।

उत्तर स्क्रिप्ट मूल्यांकन

प्रत्यक्ष पी–एच.डी., आंशिक समय पी–एच.डी. और एम.फिल. प्रोग्राम 2015–16 के लिए प्रवेश परीक्षा की उत्तर लिपियों का मूल्यांकन, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारत तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई), तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के वर्ल्ड कांग्रेस के आजीवन सदस्य।

सी.एम. मलिश

प्रकाशन

अनुसंधान दस्तावेज़/लेख

2015 हायर एजुकेशन रिर्जवेशन एंड शिड्यूल कास्ट्सः एक्सप्लोरिंग इंस्टीट्यूशनल हैविट्स ऑफ प्रोफेसनल इंजीनियरिंग कॉलेज इन केरल, हायर एजुकेशन, डीओआई 10,1007/एस.10734–015–9966–7 (पी.वी. इल्वर्षन के साथ)।

2016 दलित स्कॉलर सुसाईडः टायम टू रिफ्लैक्ट आन इंस्टीट्यूशनल रिस्पॉन्स टू स्टूडेंट डायवरसिटी इन हायर एजुकेशन. डेली न्यूज अनालिसिस. (निधि एस. सभरवाल के साथ) http://www.dnaindia.com/analysis/column-dalit-scholar-suicide-time-toreflect-on-institutional-response-to-student-diversity-in-higher-education-2173929

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

आलेख प्रस्तुत (अंतर्राष्ट्रीय)

शिक्षक–छात्र संपर्क और सीखने के परिणामः एक प्रारंभिक ढूँढना कागज शिक्षण अधिगम और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियों और अध्यापन–अधिगम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, 25–26 फरवरी, 2016, नई दिल्ली, सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित। (संयुक्त रूप से निधि एस सब्बरवाल के साथ)

भागीदारी, रिपोर्टिंग और सेमिनारों/कार्यशालाओं में अध्यक्षता

अनुवर्ती भागीदारी कार्य परियोजना के लिए कार्यशाला दक्षिणी राज्यों के लिए प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए", "केरल राज्य से प्रतिभागियों द्वारा स्कूलों की प्रस्तुति" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। 08–10 अप्रैल, 2015, न्यूपा नई दिल्ली।

शीर्षक "आरटीई के तहत क्षमता का पुर्नभ्रमण नीति दृष्टिकोण और सामाजिक धारणाएं" परियोजना के लिए विकसित उपकरणों चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ पैनल बैठक में भाग लिया, 27 अप्रैल 2015, शिक्षा योजना विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली।

क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंगः ब्रिक्स 2015 लांच अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, 8 जुलाई 2015, नई दिल्ली, भारत।

"ब्रिक्स और उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर विश्वविद्यालय शिखर सम्मेलन" उच्च शिक्षा और जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत दिल्ली एनसीआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित में भाग लिया, 3–4 दिसंबर 2015 भारत। सोनीपत और नई दिल्ली।

"शिक्षा का अधिकार आधारित दृष्टिकोणः नीति, परिसर और व्यवहार' संगोष्ठी में भाग लिया, शिक्षा नीति विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली, 15–16 फरवरी, 2016।

शिक्षण अधिगम और उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियां, 25–26 फरवरी, 2016 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए रिपोर्टिंग, नई दिल्ली सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित।

शिक्षा का अधिकार आधारित दृष्टिकोणः नीति, परिसर और आचरण, 15–16 फरवरी, 2016, शिक्षा नीति विभाग, न्यूपा, नई दिल्ली।

भारत में उच्च शिक्षा के प्रबंधन पर परियोजना अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला 08–09 अप्रैल 2015 सीपीआरएचई, न्यूपा।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

30 अप्रैल 2015 को भारतीय उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2016 की प्रथम लेखकों की बैठक संगठित न्यूपा, नई दिल्ली। (संयुक्त रूप से निधि एस. सभरवाल के साथ)।

14 अगस्त 2015 को भारतीय उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2016 की द्वितीय लेखकों की बैठक संगठित, न्यूपा, नई दिल्ली। (संयुक्त रूप से निधि एस. सभरवाल के साथ)।

18 सितंबर 2015 को द्वितीय अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक संगठित, (संयुक्त रूप से निधि एस. सभरवाल के साथ) न्यूपा, नई दिल्ली।

विविधता और भेदभाव पर सीपीआरएचई–आईसीसीएसएसआर, संयुक्त परियोजना पर परियोजना के लिए विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला आयोजित। 23–24 सितंबर, 2015 (संयुक्त रूप से निधि एस. सब्बरवाल के साथ), न्यूपा

दक्षिण अफ्रीका में समुदाय जुड़ाव और उच्च शिक्षा पर प्रौद्योगिकी के चर्चा करने के लिए डरबन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित 3 फरवरी, 2016।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/वर्ष के दौरान संपादन

अनुसंधान दल के सदस्यों के लिए फील्ड मैनुअल तैयार;

मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार और सम्पादित;

गुणात्मक आंकड़ा विश्लेषण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार और सम्पादित;

मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ा को एकीकृत करने और शोध अध्ययन रिपोर्ट लिखने के लिए सम्पादन सामग्री तैयार

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

जारी अनुसंधान परियोजनाः अनुसंधान समन्वयक/सह प्रधान अन्वेषकः 'सिविक लर्निंग और डेमोक्रेटिक सम्पर्क के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का एक अध्ययन'।

परियोजना शीर्षक सिविक लर्निंग और डेमोक्रेटिक संपर्क के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का एक अध्ययन' परियोजना (निधि एस. सब्बरवाल के साथ संयुक्त रूप से), इसका कार्यान्वयन अपने उन्नत चरण में है। यह परियोजना आईसीएसएसआर के सहयोग से और उसके द्वारा वित्त पोषित है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य छात्र विविधता और उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव को समझने के लिए और कैसे छात्र विविधता बेहतर नागरिक बनने के लिए सिखाया जा सकता है। अध्ययन बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के रूप में छह राज्यों में स्थित 11 उच्च शिक्षा संस्थानों में किया जाता है।

पूर्ण कार्य

केस अध्ययन संस्थानों से आंकड़ा का एक क्षेत्र आधारित संग्रह चलाया;

गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़ा का विश्लेषण और तुलनात्मक अध्ययन किया;

अनुसंधान सलाहकार समिति की द्वितीय बैठक संगठित प्रगति रिपोर्ट और विश्लेषण ढांचे पर समूह से सलाह लेना;

अनुसंधान विश्लेषण ढांचे पर कार्यशाला आयोजित। शोध टीमों के सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया;

केस अध्ययन संस्थानों पर मसौदा अनुसंधान रिपोर्ट प्रगति पर है;

संश्लेषण की रिपोर्ट का पहला मसौदा प्रगति पर है।

अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत

परियोजना 1: प्रधान अन्वेषक

शीर्षक "उच्च शिक्षा के लिए सफलता और सामाजिक गतिशीलता एक अनुसंधान प्रस्तावः अनुसूचित जाति के लिए कोचिंग योजनाओं पर एक अध्ययन/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रस्तुत की। (संयुक्त रूप से निधि एस. सब्बरवाल के साथ)। अध्ययन उच्च शिक्षा सफलता, करियर और वंचित वर्ग की व्यावसायिक गतिशीलता को बढ़ावा देने पर है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा शुरू की गई योजनाओं के प्रभाव की जांच करने के लिए अध्ययन के तहत योजनाएं हैं: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए उपचारात्मक कोचिंग; अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए नेट/सेट के लिए कोचिंग, और, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए सेवा में प्रवेश के लिए कोचिंग क्लासेस। एक शैक्षिक पहल से अधिक इनका सामाजिक समावेश, समावेशी विकास और इक्विटी के विभिन्न आयामों को संबोधित करना है। परियोजना मार्च के अंत में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मंजूर की गई थी ।

परियोजना 2: सह प्रमुख अन्वेषक

परियोजना शीर्षक से एक अनुसंधान प्रस्ताव "छात्र विविधता और उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव का रूपों: शैक्षणिक प्रशासकों को जागरूक करने हेतु प्रकरण अध्ययन और मॉड्यूल के लिए एक प्रस्ताव" मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत (निधि एस. सब्बरवाल के साथ संयुक्त रूप से), नई दिल्ली।

भारतीय उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर)

"भारत में उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2016: इक्विटी आईएचईआर का दूसरा अंक। एक संपादक (प्रो एन. वी. वर्गीज और डॉ निधि एस. सब्बरवाल के साथ संयुक्त रूप से) होने के नाते निम्नलिखित गतिविधियों को पूरा कर किया गया।

अवधारणा नोट तैयार किया गया और संभावित लेखकों संपर्क और पहचान;

सबसे पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक, 30 अप्रैल 2015 को आयोजित की गयी, योगदानकर्ताओं के सार की समीक्षा के लिए संरचना और आईएचईआर के उद्देश्य के बारे में चर्चा करने के लिए योगदान। लेखकों ने अपना सार प्रस्तुत किया और चर्चा में भाग लिया।

बैठक के मिनट, प्रत्येक लेखक से एक आम समझ विकसित करने और अध्यायों में सामग्री के अतिव्यापी से बचने के लिए प्रमुख टिप्पणियों और सुझावों के साथ तैयार किये गये और सभी लेखकों को परिचालित किये गये।

द्वितीय सहकर्मी समीक्षा बैठक, लेखकों द्वारा तैयार मसौदों अध्यायों पर चर्चा और प्रतिक्रिया के आधार पर, अध्याय संशोधित किया गया, 14 अगस्त 2015 को आयोजित की गयी थी।

समीक्षा के बाद, संशोधित अध्याय संपादकीय टिप्पणी के साथ लेखकों को वापस भेज दिये गये थे। अध्याय के अंतिम संस्करण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

जर्नल संपादन

सीपीआरएचई रिसर्च आलेख श्रृंखला के सह–संपादक होने के नाते, तीन पांडुलिपियों को संपादित किया। पहले दो शोध आलेख श्रृंखला के पहले और दूसरे मुद्दों के रूप में लाया गया है। तीसरा मुद्रण के अधीन है।

अनुसंधान आलेख, एन.वी. वर्गीज (2015)। भारत में उच्च शिक्षा की सार्वभौमीकरण की चुनौतियां।

रिसर्च पेपर 2: ए मैथ्यू (2016) आयोगों और शिक्षा पर समितियों की सिफारिशों की समीक्षा: भारत में उच्च शिक्षा में सुधार।

शोध पत्र 3: निधि एस. सब्बरवाल और सी.एम. मलिश (आगामी)। छात्र विविधता और भारत में उच्च शिक्षा में सिविक लर्निंग।

सायंतन मंडल

प्रकाशन

अनुसंधान दस्तावेज/लेख

(2015) लर्निंग द वर्ल्ड? – चेंजिंग डायमेंनसन ऑफ एडल्ट एजुकेशन एंड लाइफलोंग लर्निंग इन इंडिया. इन

टी. नेसबिट एंड एम. मिलाना (संपा.), एडल्ट एजुकेशन एंड लर्निंग पॉलिसी– ए वर्ल्डवाइड रिव्यू, न्यूयार्क: पालग्रेव।

(2015) लाइफलोंग लर्निंग इन इंडिया हायर एजुकेशन: ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ यू.जी.सी. गाइडलाइन इन द कान्टैक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन. इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 34–50।

(2015) राइट टू एजुकेशन: द रोड ट्रैवल्ड एंड द वे अहैड. कुरुक्षेत्र (ग्रामीण विकास मंत्रालय) वाल्यूम–64, नं. 02, दिसंबर 2015

(2016) नेशनल स्किल ड्राइव एंड द यूनिवर्सिटीज ऑफ यस्टरईयर्स: कैन लाइफलांग लर्निंग बी द आनसर. इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, जनवरी–मार्च, 2016

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

"अध्यापक शिक्षा पर मुद्दे और चुनौतियां" नेशनल कांफ्रेंस में आलेख प्रस्तुत (आईएएसई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में): शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 12 फरवरी 2016 दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

आमंत्रित व्याख्यान प्रौढ़ शिक्षा विभाग, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में, 14–19 सितंबर 2015।

अंतरराष्ट्रीय

"अध्यापन–अधिगम और उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियां", अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में फरवरी 25–26, 2016।

मानव अधिगम विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन–इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 6 फरवरी 2016, शैक्षिक प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अकादमी (ईटीएमए), द्वारा आयोजित।

आलेख प्रस्तुति "भारत में यूरोपीय उच्च शिक्षा विशेषज्ञों (ईएचईईएस) के लिए सूचना संगोष्ठी: दुनिया में यूरोपीय उच्च शिक्षा के आकर्षण को बढ़ाना – यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के सहयोग से ए.सी.ए. द्वारा आयोजित, नई दिल्ली में 7–8 मार्च 2016 (परियोजना यूरोपीय आयोग संस्कृति और शिक्षा महानिदेशालय द्वारा प्रारंभ)।

सेमिनारों/सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी

"शिक्षा का अधिकार आधारित दृष्टिकोण: नीति, परिसर और प्रथाओं" पर तृतीय राष्ट्रीय नीति संगोष्ठी 2015–16 में भाग लिया, न्यूपा नई दिल्ली में आयोजित फरवरी 15–16, 2016।

8–9 सितम्बर 2015 नई शिक्षा नीति, आईसीएसएसआर, पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भाग लिया।

4–5 मार्च, 2016 इंडिया हैबिटेट सेंटर, न्यूपा द्वारा आयोजित "सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और भारत के लिए उच्च शिक्षा में सुधारों के लिए तुलनात्मक विचार परिवर्तन के लिए रास्ते' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

टाइम्स हायर एजुकेशन ब्रिक्स और उभरती अर्थव्यवस्थाएं के शिखर सम्मेलन, इंडिया हैबिटेट सेंटर में 2–4 दिसंबर, 2015 को दिल्ली में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित में भाग लिया।

एएसईएम आजीवन अधिगम हब अंतरराष्ट्रीय बैठक, "एक डिजिटल युग में स्वयं अधिगम", नई दिल्ली, में भाग लिया। 2–4 नवंबर, 2015, ताज रिसॉर्ट्स, दमदमा झील, हरियाणा।

8 जुलाई, 2015 से शांगरी–ला इरोज होटल नई दिल्ली में ब्रिक्स 2015 लांच संगोष्ठी: क्यु यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भाग लिया।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

ब्रिटिश काउंसिल, भारत के साथ सहयोग से उच्च शिक्षा में अध्यापन–शिक्षा और नई प्रौद्योगिकियाँ अंतर्राष्ट्रीय

संगोष्ठी का संगठन: ब्रिटिश काउंसिल के साथ समन्वित सहयोग से, उच्च शिक्षा में अध्यापक शिक्षा और नई प्रौद्योगिकियां सीपीआरएचई/न्यूपा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी परिषद, भारत 25 और 26 फरवरी 2016, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली। संगोष्ठी में एक साथ 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों और कुल 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रख्यात शिक्षाविद् और विभिन्न देशों के नीति निर्माता दो दिवसीय समारोह में उपस्थित थे। उपरोक्त के अलावा, संगोष्ठी भागीदारों, शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने स्थायी ज्ञान–निर्माण के लिए के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के रूप में एक उत्कृष्ट अवसर बनाया। संगोष्ठी के विषय थे:

वैश्वीकरण और शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में परिवर्तन;

अध्यापन और शिक्षण पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव;

बदलती शिक्षक प्रोफाइल बदल और उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्यापन;

शिक्षण–अधिगम परिणाम और शिक्षक जवाबदेही के उपाय;

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संपादन

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

"शिक्षण और सीखना भारतीय उच्च शिक्षा में जारी अनुसंधान परियोजना: अनुसंधान समन्वयक/प्रधान अन्वेषक

शिक्षण और अधिगम शिक्षा की गुणवत्ता का एक महत्वपूर्ण निर्धारक माना जाता है। हालांकि, शिक्षण और अधिगम और भारत में उच्च शिक्षा संकाय के विकास की स्थिति पर पर्याप्त अनुभवजन्य सबूत की कमी लगती है। सीपीआरएचई ने विश्लेषण करने के लिए शिक्षण अधिगम प्रक्रिया विषयों और संस्थाओं और भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षा में सुधार के लिए उठाए जाने वाले उपायों हेतु विषय पर एक अध्ययन का शुभारंभ किया।

पूर्ण कार्य

अध्ययन के लिए तैयार अनुसंधान उपकरणों का परीक्षण करने के लिए, एक पायलट अध्ययन किया गया है।

डेटा प्रविष्टि के लिए कोडबुक और कोड शीट तैयार की गई।

प्रथम शोध पद्धति कार्यशाला राज्य अनुसंधान टीमों के साथ अनुसंधान प्रस्ताव पर चर्चा और अनुसंधान के उपकरणों का इस्तेमाल पर एक समझ विकसित करने के लिए आयोजित।

अनुसंधान विश्लेषण ढांचे पर द्वितीय कार्यशाला में आयोजित अनुसंधान दल के सदस्यों ने भाग लिया।

क्षेत्र आधारित आंकड़ा संग्रह, छत्तीसगढ़, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल, आंकड़ा विश्लेषण और रिपोर्ट का मसौदा तैयार, राज्यों में स्थित चयनित संस्थानों में कार्य प्रगति पर है।

सीपीआरएचई/न्यूपा वेबसाइट: सीपीआरएचई/न्यूपा वेबसाइट परियोजना है, जो तैयारी के अपने अंतिम चरण में है, विकास के समन्वय। वेबसाइट विकास तकनीक के साथ परामर्श में जगह ले रहा है।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ (आईएईए), नई दिल्ली;

एएसईएम शिक्षा और आजीवन सीखने के लिए रिसर्च हब (एएसईएम एल एल एल हब), नेटवर्क 5 कोर योग्यताएं;

सत्येन मैत्रा जनशिक्षा समिति (एस.एम.जे.एस.), कोलकाता, भारत;

भारतीय पाउलो फ्रेरे संस्थान (आईपीएफआई), कोलकाता, भारत।

विलियम जी टियरने

(विजिटिंग प्रोफेसर, सीपीआरएचई / न्यूपा)

प्रोफेसर विलियम जी टियरने केंद्र के पहले आगन्तुक प्रोफेसर हैं, जो उच्च शिक्षा के एक विश्व स्तर पर प्रसिद्ध प्रोफेसर है। प्रोफेसर टायरने वर्तमान में उच्च शिक्षा और सह–निदेशक, उच्च शिक्षा पुलियाभास केंद्र, शिक्षा रोज़ियर स्कूल, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के विल्बर–कायफर प्रोफेसर है। उन्होंने प्रोफेसर एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, उच्च शिक्षा, पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के अध्ययन केंद्र के रूप में जिम्मेदारी के कई पदों पर कार्य किया; वरिष्ठ एसोसिएट, उच्च शिक्षा प्रबंधन प्रणाली राष्ट्रीय केन्द्र, शैक्षणिक डीन, फोर्ट बर्थोल्ड सामुदायिक कॉलेज, नॉर्थ डकोटा; और शिक्षक, शांति कोर, मोरक्को केंद्र में अपने प्रवास के दौरान प्रोफेसर टियरने के निम्नांकित योगदान रहे हैं:

प्रस्तुतियाँ:

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, मार्च), "सुधार शासनः कैलिफोर्निया से सबक" "भारत में उच्च शिक्षा में सुधार के परिवर्तन के लिए रास्ते" पर सम्मेलन, नई दिल्ली, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, मार्च), शैक्षणिक समानता को सक्षम करने में सामाजिक पूंजी के महत्व को समझनाः अंबेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत।।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, मार्च), एक वाहन के रूप में सांस्कृतिक अखंडताः उपयोग और इक्विटी में वृद्धि के लिए।

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय केन्द्र में विविधता और इक्विटी का प्रबंधन पर संगोष्ठी, शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, नई दिल्ली, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, फरवरी), अकादमिक स्वतंत्रता के विचार और शिक्षण और अधिगम के निहितार्थ शिक्षण और उच्च शिक्षा अधिगम पर सम्मेलन, नई दिल्ली, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, फरवरी). उच्च शिक्षा में नवाचार, केरल, भारत में वैश्विक शिक्षा सम्मेलन।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, फरवरी). समुदाय संपर्क सिद्धान्त और क्रियाविधि का महत्वपूर्ण महत्वः संकाय अनुसंधान उत्पादकता में सुधारः बहुश्रुत व्याख्यान, केरल विश्वविद्यालय, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, जनवरी). एक वैश्वीकृत दुनिया में धैर्य और सामाजिक पूंजीः उच्च शिक्षा के लिए प्रवेशः तुलनात्मक शैक्षिक अनुसंधान, मुंबई, सामाजिक विज्ञान संगोष्ठी, टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइन्स सिम्पोजियम में मुख्य वक्ता के रूप में, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, जनवरी). इनोवेशन के लिए बाधाएं: राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई विश्वविद्यालय, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2015, नवंबर). व्यक्तिगत निर्धारण और संरचनात्मक बाधाएं: विश्वविद्यालय के लिए माध्यमिक विद्यालयों से। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2015, नवंबर). एक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय में चैलेंज, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भारत।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, अप्रैल), पहुँच बढ़ाने की चुनौतीः गरीबी को संबोधित करना, कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा आमंत्रित।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, अप्रैल), उच्च शिक्षा में अभिनव कैंडी विश्वविद्यालय, श्रीलंका के लिए आमंत्रित।

टायर्नी डब्ल्यू.जी. (2016, अप्रैल), उच्च शिक्षा के लिए केन्द्रीय चुनौतियां, राष्ट्रीय शिक्षा आयोग, कोलंबो, श्रीलंका के लिए आमंत्रित।

प्रकाशन

भारतीय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान उत्कृष्टता: एक अमेरिकी परिप्रेक्ष्य (सामाजिक परिवर्तन: प्रेस में)।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में शैक्षणिक स्वतंत्रता (डब्ल्यू निधि सभरवाल) (इंटरनेशनल उच्च शिक्षा: प्रेस में)।

भारत में बहस की शैक्षणिक स्वतंत्रता (निधि सभरवाल के साथ) अकादमिक स्वतंत्रता के जर्नल: आगामी)।

अकादमिक स्वतंत्रता और शिक्षण और सीखने के लिए निहितार्थ (आगामी)।

उच्च शिक्षा पर वैश्वीकरण के प्रभाव (आगामी)।

भारतीय उच्च शिक्षा का पुनर्गठन: उत्तरोत्तर माध्यमिक संस्थानों का सामाजिक पारिस्थितिकीय (निधि सभरवाल के साथ)।

शैक्षणिक भ्रष्टाचार: भारतीय उच्च शिक्षा में ट्रस्ट और संस्कृति (निधि सभरवाल के साथ) (उच्च शिक्षा के लिए प्रस्तुत किया)।

उच्च शिक्षा में कक्षा और जाति (मलिश सी.एम. और निधि सभरवाल के साथ) (शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक अध्ययन अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल हेतु)।

एक भारतीय विश्वविद्यालय में जाति की एक नृवंशविज्ञान। (गौरव पठानिया के साथ) (गुणात्मक जांच के लिए प्रस्तुत किया जाता है)।

साक्षात्कार और बैठक

अपनी शोध से संबंधित लगभग 60 व्यक्तियों का साक्षात्कार।

मुख्य रूप से न्यूपा और सीपीआरएचई से शिक्षकों, कर्मचारियों, और स्नातक छात्रों के साथ लगभग 75 बैठकों का आयोजन।

स्कूल मानक और विकास इकाई

प्रणति पांडा (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

पुस्तकें/अध्याय/एसएसई दस्तावेज

स्कूल शिक्षा और भारत में जवाबदेही: मानचित्रण वर्तमान नीतियां और प्रथाएं (2016)। जैकब एसले द्वितीय और पियरे दुलोविकी (सं.): शैक्षिक जवाबदेही: पर चुनौतियां और स्कूल लीडरशिप के लिए संभावनाएं अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य। रूटलेज: न्यूयॉर्क

स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम दस्तावेज। (2015) न्यूपा, नई दिल्ली।

स्कूल के मानक और मूल्यांकन फ्रेमवर्क (2015) न्यूपा, नई दिल्ली।

स्कूल मूल्यांकन और सुधार के लिए दिशानिर्देश (2016) न्यूपा, नई दिल्ली।

शोध पत्र/लेख/नोट्स

गुणवत्ता, विविधता और असमानता अध्यापक शिक्षा में तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के साठ साल: अनुभव प्राप्ति और प्रगतिशील, 6–10 मार्च 2016, वैंकूवर, बीसी, कनाडा।

विनियमन, प्रत्यायन और गुणवत्ता आश्वासन अध्यापक शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं पर प्रतिबिंब (2016) एनसीटीई समीक्षा समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

प्राथमिक क्षेत्र में शिक्षक प्रबंधन और विकास "स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता सुधार" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 19 जनवरी, (2016) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

गुणवत्ता सुधार के लिए स्कूल के मानक और मूल्यांकन, "स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता सुधार" 19 जनवरी, 2016 पर राष्ट्रीय कार्यशाला, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

"सरकारी स्कूल प्रणाली में कैसे सुधार सकें"। वर्तमान दृष्टिकोण और केंद्र सरकार के प्रमुख हस्तक्षेप, एक नोट तैयार किया (2015) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम पर एक नोटः डिवाइडिंग इंटर्नशिप टाईम एंड प्लेसमेंट (2015) एनसीटीई, नई दिल्ली।

आईसीटी और उत्तरोत्तर–2015 के शिक्षा पर एक नोट। आईसीटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और उत्तरोतर–2015 की शिक्षा, किंगदाओ, चीन 23–25, मई, 2015, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

फिनलैंड और कोरिया में अध्यापक शिक्षा पर एक नोट (2015), मानव संसाधन विकास मंत्रालयः भारत सरकार।

सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

"गुणवत्ता, विविधता और अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में असमानता" पर एक आलेख प्रस्तुत किया। तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के साठ सालः अनुभव प्राप्त और प्रगतिशील, 6–10 मार्च, 2016, वैंकूवर, बीसी, कनाडा।

अंतरीप क्षेत्रीय कार्यशाला शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधनः मौजूदा आचरण और नवाचार, में शिक्षक प्रबंधन पर सत्र की अध्यक्षता की। 19–21 अप्रैल, 2016 नई दिल्ली।

राष्ट्रीय

"उच्च शिक्षा में छात्रों को सलाह" पर आधे दिन की संगोष्ठी का आयोजन किया। दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल, 17 जून, 2015, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

एनसीएसएल, राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक में भाग लिया, (2016), न्यूपा, नई दिल्ली।

स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम पर व्याख्यान दिए। (2016)। जनवरी 18–30 मई 16–28 और जुलाई 4–16, श्रीलंका के शिक्षा अधिकारियों के लिए रणनीतिक योजना, वित्त पोषण और शिक्षा की गुणवत्ता के विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, न्यूपा।

'स्कूल मानक और स्कूल सुधार के लिए मूल्यांकन' पर एक आलेख। राष्ट्रीय शिक्षा नीति परामर्श (स्कूल शिक्षा पर ध्यान केंद्रित) 23 नवंबर, 2015 को लाइव्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

विद्यालय पाठ्यचर्या में विद्यालय सुरक्षा पर आलेख प्रस्तुत आपदा प्रबंधन पर द्वितीय विश्व कांग्रेस में, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, भारत, 19–22 नवंबर, 2015।

मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा शाला सिद्धि कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए आईसीटी सम्मेलन एंड नेक्स्ट, में भाग लिया मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 7 नवंबर, 2015।

ओडिशा में अध्यापक शिक्षा पर एक आलेख प्रस्तुत, थिंक टैंक – टीई अक्टूबर 30–31, 2015, यूनिसेफ और ओडिशा सरकार।

अध्यापक शिक्षा पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर एक आलेख प्रस्तुत किया। महाराष्ट्र में अध्यापक शिक्षा एवं सपोर्ट सिस्टम का सुदृढ़ीकरण, 26–27 अगस्त, 2015 यूनिसेफ, एससीईआरटी और महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित।

छठे आरएमएसए जे.आर.एम. के लिए एक सदस्य (24 अगस्त से 08 सितंबर 2015) के रूप में सेवा समीक्षा और रिपोर्ट तैयार की।

अध्यापक शिक्षा के तहत राष्ट्रीय नीति की गुणवत्ता में सुधार के लिए बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, 2 दिसंबर, 2015 एन.सी.टी.ई. नई दिल्ली।

थिंक टैंक सदस्य के रूप में भाग लिया और गुणवत्ता अध्यापक शिक्षा पर राज्य परामर्श में गुणवत्ता अध्यापक शिक्षा पर आलेख प्रस्तुत किया, 22 अप्रैल, 2015, ओडिशा सरकार और राज्य यूनिसेफ कार्यालय, भुवनेश्वर।

"शिक्षक प्रशिक्षकों की परिवर्तनशील शिक्षा" (30 मार्च, 2015) जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली डीआरएस द्वितीय–एसएपी के तहत एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशेषज्ञ बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

अप्रैल 21, 2015 को "महाराष्ट्र में शैक्षिक समर्थन संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण" विषय पर कोर समूह की बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र सरकार।

अखिल भारतीय शिक्षा लीडर्स सम्मेलन –इमरजिंग लैंडस्केप और उभरती चुनौतियों में एक वक्ता के रूप में भाग लिया। 22 अगस्त, 2015 राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली।

स्कूल शिक्षा पर नीति परामर्श के लिए प्रमुख वक्ता और अध्यापक शिक्षा पर प्रस्तुति (10 सितंबर, 2015) उन्नत अध्ययन केन्द्र शैक्षिक अध्ययन के लिए जाकिर हुसैन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय।

नई शिक्षा नीति (4 दिसंबर, 2015) मा.सं.वि.मंत्रालय, भारत सरकार के निर्माण के लिए "विद्यालय परीक्षा सुधार प्रणाली" पर चर्चा के लिए विषयगत/विशेषज्ञ समूह के परामर्श बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

"नई शिक्षा नीति (एनईपी) के लिए–शिक्षक शिक्षा" अध्यापक शिक्षा पर प्रस्तुति और भाग लिया एनसीटीई, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित, 19 अक्टूबर, 2015।

नई शिक्षा नीति (एनईपी) अध्यापक शिक्षा पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भाग लिया। अध्यापक शिक्षा, नई दिल्ली की राष्ट्रीय परिषद, 12 अक्टूबर, 2015।

शिक्षा एजेंडा 2030 और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, न्यूपा, नई दिल्ली 11–12 दिसंबर 2015

नई शिक्षा नीति चर्चा में भाग लिया "पुनःगठन शिक्षकों की गुणवत्ता के लिए अध्यापक शिक्षा" 30 नवंबर, 2015, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और एनसीटीई, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

अनुसंधान अध्ययन और परियोजनाएं

समन्वय और स्कूल मिशन वक्तव्य 2017' मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार पर परियोजना प्रबंधन।

भारत में इंटरनेशनल स्कूल के एक अध्ययन (2015)। न्यूपाः नई दिल्ली। एक संशोधित नीति दिशानिर्देश मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजन

सुविधा स्कूल मानक और दिल्ली के स्कूलों के स्कूल प्रमुखों के लिए मूल्यांकन कार्यशाला आयोजित एससीईआरटी और आरएमएसए, दिल्ली, 06–08 जनवरी 2016।

सुविधा स्कूल मानक और चंडीगढ़ के शिक्षा अधिकारियों के लिए मूल्यांकन कार्यशाला, द्वारा आयोजित एससीईआरटी, चंडीगढ़, 29 मार्च, 2016।

स्कूल मानक और मूल्यांकन पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सलाहकार बैठक, 22–23 मार्च, 2015, न्यूपा, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

स्कूल मानक और मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम पर आयोजित सलाहकार समूह की बैठक: जनवरी 5, 2016, न्यूपा, नई दिल्ली।

पुडुचेरी में आयोजित शाला सिद्धि कार्यशाला में सहयोग, 24–26 फरवरी, 2016।

अंडमान और निकोबार द्वीप के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया, दिसंबर 29–30, 2015।

महाराष्ट्र के लिए शाला सिद्धि पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया, (2016, 9 जनवरी)।

200 शैक्षिक व्यवस्थापक और स्कूल प्रमुखों के लिए तीन दिन की अभिविन्यास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, एससीईआरटी, दिल्ली और आरएमएसए, दिल्ली द्वारा आयोजित, (6–8 जनवरी, 2016)।

संगठित, दस छोटे समूह कार्यशाला स्कूल मानक और मूल्यांकन की रूपरेखा की समीक्षा हेतु, (अप्रैल–जुलाई, 2015)।

संगठित समन्वित और डिजीटल डैश बोर्ड का विकास के लिए पांच दिन की अवधि की सात कार्यशालाओं के लिए अकादमिक सहायता, (सितम्बर से अक्टूबर 2015)।

तीन कार्यशालाएं समन्वित, शाला सिद्धि के दस्तावेजों के हिन्दी अनुवाद के लिए कार्यशाला–एसएसई फ्रेमवर्क, डैश बोर्ड और सूचना विवरणिका (फरवरी–मार्च–जून 2016)।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संपादित

एम.फिल. और पी–एच.डी. के लिए कोर कोर्स–2 भारत में शिक्षा विकसित और पाठ्यक्रम का संचालन किया।

विकसित सामरिक योजना और स्कूल के मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि), न्यूपा–नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यक्रम पर निगरानी फ्रेमवर्क।

स्कूल मानक और मूल्यांकन फ्रेमवर्क, के लिए बाह्य और स्व–मूल्यांकन के लिए विकसित दिशा–निर्देश, नई दिल्ली, न्यूपा

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम के लिए "भारत में शिक्षा" पर कोर पाठ्यक्रम शिक्षण।

4 पीएच.डी. अनुसंधान विद्वानों और एक एम.फिल. के अनुसंधान कार्य का पर्यवेक्षण। स्कूल लीडरशिप, प्रशासन और शिक्षक शिक्षा, शिक्षक पहचान और मूल्यांकन के प्रबंधन, समावेशी शिक्षा और शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए शिक्षकों की तैयारी।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सदस्य के रूप में एनसीटीई के लिए विस्तारित अकादमिक सहायता, शिक्षक–शिक्षा को दुरस्त बनाने हेतु।

एनसीटीई की पत्रिका समिति के सदस्य के रूप में शिक्षक समर्थन पर पत्रिका के विविध पहलुओं के लिए अकादमिक समर्थन।

शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एम. एड. स्तर) (एनसीटीई और यूजीसी) के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए दिशा निर्देशों पर एनसीटीई के लिए अकादमिक सहायता विस्तारित।

अध्यापक शिक्षा में सुधार के लिए ओडिशा और एससीईआरटी, ओडिशा सरकार को शैक्षिक समर्थन दिया।

बाहरी समीक्षक के रूप में, शिक्षा नीति, के.ई.डी.ई. की कोरियाई जर्नल के पांच शोध लेख की समीक्षा की।

बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं और छह पी–एच.डी. और एक एम.फिल. थीसिस के लिए परीक्षक, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय आदि।

शिक्षक शिक्षा पर केन्द्र प्रायोजित योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन शिक्षक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में शिक्षक शिक्षा पर अलग–अलग राज्यों के लिए शैक्षिक समर्थन दिया।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आगन्तुक उम्मीदवार, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार;

सदस्य, जर्नल सलाहकार बोर्ड, एनसीटीई;

सदस्य, एससीईआरटी, नई दिल्ली के कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड;

सदस्य, अध्यापक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली;

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, आरएमएसए (टीसीए);

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, शिक्षक शिक्षा में सुधार, यूनिसेफ और एससीईआरटी, पुणे;

शिक्षा नीति के केडी जर्नल के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य (के.जे.ई.पी.);

सदस्य, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस;

सदस्य, शिक्षक प्रशिक्षकों इंडियन एसोसिएशन;

संस्थापक सदस्य, शिक्षा के क्षेत्र में शोधकर्ताओं का अंतरराष्ट्रीय फोरम (के.आर.ओ.आर.ई.);

सदस्य, छात्र संघ, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली;

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान एसोसिएशन।

वीरा गुप्ता

प्रकाशन

पुस्तकें प्रकाशित

एम.फिल. पी–एच.डी. पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम गाइड। समावेशी शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम। न्यूपा;

शाला सिद्धि ढांचे का हिंदी अनुवाद, न्यूपा;

कार्यक्रम दस्तावेज (हिन्दी);

सूचना विवरणिका (हिन्दी);

अनुसंधान दस्तावेज़/वर्ष के दौरान रिपोर्ट लेख रिपोर्ट

नेशनल कांफ्रेंस के सम्मेलन की कार्यवाही में आलेख प्रस्तुत, रीड, एमडीए महाराष्ट्र द्वारा आयोजित।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सम्मेलन की कार्यवाही में आलेख प्रकाशित, पुणे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

सेमिनार/सम्मेलन में भागीदारी

भारत में चयनित स्कूलों में मूल्यांकन, प्रमाणीकरण और 'विशिष्ट लर्निंग डिसेबिलिटी' के लिए आईईपी की तैयारी पर एक अध्ययन, पुणे, एमडीए, महाराष्ट्र, 30 जनवरी, 2016।

नीति और विशिष्ट लर्निंग डिसेबिलिटी के साथ बच्चे के समावेश के लिए आचरण पर एक अध्ययन, पुणे विश्वविद्यालय में समावेशी शिक्षा पर सम्मेलन, 8 जनवरी, 2016।

शाला सिद्धि 22–23 मार्च 2016 को राष्ट्रीय सलाहकार बैठक।

एसएसएफ राज्य संदर्भीकरण हिमाचल प्रदेश, 29 मार्च, 2016 एससीईआरटी हिमाचल प्रदेश।

दिल्ली के शैक्षिक प्रशासकों का एसएसएफ उन्मुखीकरण, 6–8 जनवरी, 2016।

परामर्श और सार्वजनिक निकायों के लिए अकादमिक सहायता

संयुक्त आकलन समिति–13 गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, भगवान महावीर कॉलेज रोहतक के लिए शैक्षणिक सत्र 2015–2016 के लिए, गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय।

संयुक्त आकलन समिति–13 गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली शिक्षक कॉलेज नजफगढ़ के लिए शैक्षणिक सत्र 2015–2016 के लिए, गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय।

पाठ्यक्रम एमईएस 008 के लिए परीक्षा पत्र की स्थापना (बेहतर स्कूलों के लिए नेतृत्व), स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (पीजीडीएसएलएम), इग्नू में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए पाठ्यक्रम में से एक।

मध्याह्न भोजन योजना के लिए संयुक्त समीक्षा मिशन, 27 नवंबर से 8 दिसम्बर, 2015, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

हरियाणा लोक सेवा आयोग के लिए प्रश्न पत्र की स्थापना, 4 जनवरी, 2016।

एससीईआरटी, उत्तराखंड के लिए राज्य स्तर डेपा कार्यक्रम और राज्य प्रशिक्षण नीति डिजाइन करने के लिए परामर्श बैठक।

प्रशिक्षण सामग्री विकसित

सी.डब्ल्यु.एस.एन. पर ध्यान देने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में शामिल किए जाने के लिए योजना और प्रबंधन विषय पर अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण सामग्री।

शिक्षा के क्षेत्र में सार्वजनिक नीति पर अभिविन्यास कार्यक्रम बनाने के लिए प्रशिक्षण सामग्री।

न्यूपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

कला और विज्ञान कोयंबटूर पीएसजी कॉलेज की शासी सदस्य डीओ सं एफ2–26 (7) 2004 (एसी)।

लोक निर्माण विभाग के प्रावधानों की समीक्षा, एनआईओएस, 2–3 मार्च 2016।

व्याख्यान दिए

"उत्तर पूर्वी राज्यों में स्थानीय प्राधिकारी और स्वायत्त परिषद, प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में उन्मुखीकरण कार्यशाला में व्याख्यान सत्र। एफ.सं. 40, न्यूपा (सं1 पोल) टी–3/2015–16, नवम्बर 03 2015, 16–17 मार्च, 2016

लुधियाना के मालवा कॉलेज में "वैश्विक नैतिक मानकों के अभिसरण के लिए एक साधन के रूप में शिक्षा" विषय पर व्याख्यान, 20 फरवरी, 2016

अनुसंधान क्रियाविधि व्याख्यान, 23 फरवरी, 2016 एनआईओएस

पाठ्यक्रम सं. 210 आईडेपा में सी डब्ल्यू.एस.एन. पर व्याख्यान, 26 फरवरी 2016।

शिक्षा और महत्वपूर्ण सोच के उद्देश्य पर एनसीएसएल व्याख्यान, 1 जवरी, 2016।

शिक्षा और बच्चों के विकास की जरूरतों के उद्देश्य पर एनसीएसएल व्याख्यान, 4 जरवरी, 2016।

एसएसएफ के राष्ट्रीय संसाधन समूह की बैठक, 5 जनवरी, 2016

सी.डब्ल्यू.एस.एन पर एनसीएसएल व्याख्यान, 6 जनवरी, 2016 और 13 जनवरी 2016

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूजीसी मानव संसाधन केंद्र में सीबीएसई की पहल पर व्याख्यान, 15 जनवरी, 2016

हस्तक्षेप, उम्मीदों, और चुनौतियां: उभरते भारत के लिए तैयार नई शिक्षा नीति पर आईसीएसएसआर प्रायोजित सेमिनार में भगवान महावीर शिक्षा कॉलेज में पूर्ण वक्ता, 19 दिसम्बर, 2015

एसएसएफ अभिविन्यासित प्रिंसिपल और शिक्षा प्रशासक, 28–31 दिसम्बर, 2015

पीजीडेपा 2015–16 में 'शिक्षा और प्रवासन' पर व्याख्यान, कोर्स सं. 902. 2 नवम्बर, 2015

मार्गदर्शन और परामर्श पर आईडेपा में व्याख्यान 15 अप्रैल, 2015

23वां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "पॉलिसी रिसर्च" पर अकादमिक स्टाफ कॉलेज के जामिया मिलिया इस्लामिया में व्याख्यान, 16 अप्रैल, 2015

गुणात्मक अनुसंधान के तरीके "शोध विकलांगता" उन्मुखीकरण कार्यशाला में व्याख्यान 27 जुलाई से 14 अगस्त 2015 (10 अगस्त 2015)

नीतिगत मुद्दों और कार्यक्रम हस्तक्षेप: प्राथमिक स्तर पर वंचित बच्चों (एससी/एसटी) की शिक्षा पर अभिविन्यास कार्यक्रम में व्याख्यान, 28 अगस्त, 2015

अनुसंधान के लिए पर्यवेक्षक

मिड डे मील कार्यक्रम की नीति विश्लेषण पर पी–एच.डी. छात्र संगीता डे की पर्यवेक्षण: अभिशासन के परिप्रेक्ष्य से।

पी–एच.डी. के छात्र, दीपेंद्र सेखों, सी.डब्ल्यू.एस.एन. नीति और व्यवहार सं. एफ 11–8/2014–15/एए/डीटी कैस, अगस्त 27, 2015

एम.फिल. के शोध प्रबंध अर्पिता आनंद "दिल्ली के स्कूलों में समावेशी शिक्षा के लिए पर्यवेक्षक, सं एफ 11–8/2014–15/एए/कैस, अक्टूबर 12, 2015।

बीटीसी, असम के कोकराझार जिले के दूरस्थ वन क्षेत्र में लोअर प्राइमरी स्कूलों के कामकाज पर श्री गोविन्द बासूमात्रे के लिए पर्यवेक्षक, पीजीडेपा, फा. सं. पीजीडेपा–2/पीडब्लू/2015–16

फा.सं. पीजीडेपा–2/पीडब्लू/2015–16 पीजीडेपा कार्यक्रम के प्रतिभागी अर्थात् श्री प्रसन्ना मुखर्जी को परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण 27 अक्टूबर, 2015, 2015–16 ई–मेल

श्री करमवीर सिंह के पीजीडीएसएसएम प्रतिभागी के परियोजना काम का पर्यवेक्षण

गणित में सी.डब्ल्यू.एस.एन., की अधिगम बृद्धि उपलब्धि पर स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए सुश्री अर्चना वशिष्ठ की परियोजना पर्यवेक्षण

सर्व शिक्षा अभियान, मणिपुर में समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन पर एक अध्ययन, डेपा भागीदार सुश्री कामालक्ष्मी चोंगथान का पर्यवेक्षण।

यूगथपेन पिंगोर, परियोजना कार्य के लिए सिक्किम से आईडेपा प्रतिभागी।

श्रीमती वाई वाईथिन, परियोजना कार्य, म्यांमार।

आईसीटी अनुप्रयोग

के. श्रीनिवास (विभागाध्यक्ष)

सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

एक समाचार पत्र में "शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन में प्रौद्योगिकी के उपयोग" शीर्षक से आलेख प्रस्तुत गोलमेज–सह–संक्षेप शिक्षा आईसीटी पर संगोष्ठी: स्कूलों और कॉलेजों में निहितार्थ शैक्षिक प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अकादमी, नई दिल्ली, 5 मई 2015।

"मुद्दे और चुनौतियां: उच्च शिक्षा" यूजीसी–मानव संसाधन केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, 3 जून 2015।

"स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता सुधार" मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित, सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला में 'प्रबंधन और प्रशासन के लिए आईसीटी के उपयोग' शीर्षक से आलेख प्रस्तुत, 19 जनवरी, 2016।

"आईसीटी उत्कृष्टता के लिए सक्षम शिक्षा" गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान द्वारा आयोजित 'ई–लर्निंग और बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ओपन पाठ्यक्रम (एमओओसी)' राष्ट्रीय सेमीनार में भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत, डीम्ड विश्वविद्यालय, गांधीग्राम, 8–9 फरवरी, 2016।

"उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए क्लाउड पर ई–शासन: अवधारणाओं, चुनौतियां और निहितार्थ" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और एक आलेख प्रस्तुत पूर्वोत्तर क्षेत्र के विशेष संदर्भ में, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा आयोजित, फरवरी 20–21, 2016।

उच्च शिक्षा में नई प्रौद्योगिकियां, शिक्षण और प्रशिक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र, न्यूपा, नई दिल्ली में 25–26 फरवरी, 2016 के दौरान आयोजित में भाग लिया।

न्यूपा से बाहर व्याख्यान दिया

22 अप्रैल 2015, को "ई–संसाधन और शिक्षण" पर व्याख्यान, वरिष्ठ संकाय के लिए एक दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

कॉलेज लैक्चरर के लिए 95वें अभिविन्यास कार्यक्रम में विशेषज्ञ संकाय के लिए प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण उपकरण उभरते मुद्दों पर प्रतिभागियों को संबोधित किया, यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 28 अप्रैल 2015।

"फ्लिप लर्निंग" पर व्याख्यान, 14 मई 2015 वरिष्ठ संकाय के लिए एक दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

18–19 मई, 2015 को रायलसीमा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर दो दिन की कौशल उन्मुख कार्यशाला का आयोजन।

82वें अभिविन्यास ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर दो दिन की कौशल उन्मुख कार्यशाला का आयोजन, 5–6 जून, 2015 यूजीसी–एचआरडीसी गुजरात विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम।

कौशल उन्मुख पर यूजीसी–एचआरडीसी–बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कला के संकाय के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम ऑनलाइन पाठ्यक्रम देने पर पूर्ण दिन की कार्यशाला 20 जून, 2015।

कौशल उन्मुख व्यावसायिक अध्ययन संस्थान के संकाय सदस्यों के लिए दो दिन की कार्यशाला, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, एमओओसी 27–28 जून 2015।

कौशल उन्मुख पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम देने पर कार्यशाला 7 जुलाई, 2015 यूजीसी–एचआरडीसी, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के संकाय के लिए पूर्ण दिन अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित।

कौशल उन्मुखीकरण, वीएसएम डिग्री कालेज व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम देने पर एक दिवसीय कार्यशाला 13 जुलाई 2015 को आयोजित।

कौशल उन्मुखीकरण, यूजीसी–एचआरडीसी, आंध्र विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए एचओसी पर एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम, 15 जुलाई 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय संस्थान (एनआईटी) वारंगल के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 17–18 जुलाई, 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर यूजीसी–एचआरडीसी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम 23–24 जुलाई, 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर यूजीसी–एचआरडीसी गुरु जांबेशवर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला 20–21 अगस्त, 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 24 अगस्त 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर यूजीसी–एचआरडीसी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला 1–2 सितंबर 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, यूजीसी–एचआरडीसी, नागपुर विश्वविद्यालय के लिए एमओओसी पर संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 12 सितंबर 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 19 सितंबर, 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर यूजीसी–एचआरडीसी, मैसूर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला 25–26 सितंबर 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर नेरी शिलांग के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम कार्यशाला 6–7 अक्टूबर, 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर यूजीसी–एचआरडीसी, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम कार्यशाला 16–17 अक्टूबर, 2015।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर यूजीसी–एचआरडीसी, ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू) शिलांग के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला, 30–31 अक्टूबर, 2015।

कौशल उन्मुख, शहीद सुखदेव कॉलेज बिजनेस स्टडीज, (दिल्ली विश्वविद्यालय) के लिए के संकाय सदस्यों के लिए एमओओसी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, 24 नवंबर, 2015।

कौशल आधारित, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम यूजीसी–एचआरडीसी गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर के संकाय सदस्यों लिए एमओओसी पर एक दिवसीय के कार्यशाला का आयोजन, 12 दिसंबर 2015।

लक्ष्मीबाई कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य के लिए एमओओसी पर एक दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन 18 जनवरी, 2016।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर लेडी डोक कॉलेज मदुरै के संकाय सदस्यों के लिए

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, 22–23 जनवरी, 2016।

कौशल उन्मुखीकरण, ऑनलाइन पाठ्यक्रम यूजीसी–एचआरडीसी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला 12–13 फरवरी, 2016।

कौशल उन्मुखीकरण, दिल्ली विश्वविद्यालय के शीतकालीन पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर संकाय सदस्यों के लिए एमओओसी, एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित 24 फरवरी, 2016।

कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन 3 मार्च, 2016, सभी धाराओं (मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान) विश्वविद्यालय और कालेज शिक्षकों के लिए प्रौद्योगिकी और शिक्षण के नए तरीके, उच्च शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र यूजीसी–एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय।

एक दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला केरल विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष और डीन के लिए एमओओसी पाठ्यक्रम रूपरेखा पर कार्यशाला का आयोजन, 5 मार्च 2016।

एक दिवसीय कौशल उन्मुखीकरण कार्यशाला, 7 मार्च, 2016 संकाय एवं शिक्षा संकाय के छात्रों के लिए ई–लर्निंग और शिक्षण दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड विश्वविद्यालय), दयालबाग आगरा,।

एक दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन 12 मार्च 2016 डिजाइन पर और विश्वविद्यालय और सभी धाराओं (मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में कॉलेज शिक्षकों के लिए मूडल प्लेटफार्म के साथ मूक पाठ्यक्रम।

उच्च शिक्षा में आईसीटी के उपयोग पर श्रीकृष्ण देवराय विश्वविद्यालय अनंतपुर के सभी धाराओं (मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान) के संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित। एक दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन 14 मार्च, 2016।

दो दिवसीय कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन, शिक्षण और प्रशिक्षण पर उच्च शिक्षा में आईसीटी अनुप्रयोग पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए सभी धाराओं के संकाय सदस्यों (मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान) यूजीसी–एचआरडीसी, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित के।

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक योगदान

एनसीएसएल, संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम देने पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, 9 मई, 2015।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में वित्त और लेखा के स्वचालन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, 1 जून 2015।

राष्ट्रीय अध्येता

ए. मैथ्यू

प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय

"कमीशन एंड कमिटी ऑन हायर एजुकेशन इन इंडिया: पर्सपैक्टिव, स्ट्रैटेजी एंड रिकमेंडेशन आन मेजर इश्यूज", इन वर्गीज, एन.वी. एंड गरिमा, मलिक (संपा.) (2016), इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट, रूटलेज, लंदन।

"एडल्ट एजुकेशन एंड सोशल इम्पावरमेंट: इंडियन एक्सपीरियंस", सिंह, अविनाश कुमार (संपा.) (2016)

एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडियाः पालिसीज एंड प्रैक्टिस, रूटलेज, पीपी 224–248।

पत्रिकाओं में आलेख

"प्रोमोशन इन द एकेडमिक प्रोफेशन इन इंडियाः अपवर्ड मोबिलिटी ऑफ फैकल्टी इन हायर एजुकेशन", को–ऑथर विद जंध्याला बी.जी. तिलक, रिसर्च इंस्टीट्यूट फार हायर एजुकेशन इंटरनेशनल सेमीनार रिपोर्ट, नं. 23, 2015 हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, पीपी 119–48।

मोनोग्राफ

सीपीआरएचई दस्तावेज़ 2:

रिफार्म्स इन हायर एजुकेशन इन इंडियाः ए रिव्यू ऑफ रिकम्नडेशन ऑफ कमीशंस एंड कमिटीज ऑन एजुकेशन, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन हायर एजुकेशन, न्यूपा, 2016।

अनुसंधान अध्ययन

"उच्च शिक्षा में राज्य नीतियांः महत्वपूर्ण पहलुओं पर नीति विकास', आईसीएसएसआर प्रायोजित अध्ययन, मई 2016 से प्रारंभ।

रत्ना एम सुदर्शन

प्रकाशन

दस्तावेज

'इंप्लायमेंट–रिस्पांसिव एजुकेशन इन एन इन्फॉर्मल इकोनॉमीः कॉन्टैक्स्ट एंड चैलेंजेज,' जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, वाल्यूम 29 नं. 2 अप्रैल, 2015 पीपी 121–135।

'इनेबलिंग इक्वालिटीः गर्ल्स एजुकेशन, सोशल नॉर्मस एंड कम्यूनिटी इंटरवेंशन', इन अविनाश कुमार सिंह (संपा.) 2016, एजुकेशन एंड इम्पावरमेंट इन इंडियाः पॉलिसी एंड प्रैक्टिसेज, नई दिल्लीः रूटलेज, पीपी 140–156।

'आर्गेनाजिंग, जैण्डर एंड सोलिडेरिटीः सम रिफ्लैक्शन ऑन इंडियन एक्सपीरियेंस' इन क्रिश्चन वर्चुर, इशाबेल गौरिन, इशाबेल हिलेनकैंप (संपा.), 2015, अनइकोनोमीजलिडैरेपीयूट–इलेट्रे फेमिनिस्ट? पेरिसः एल'हारमेटन, पीपी 123–138।

समसामयिक आलेख

सर्व शिक्षा अभियान की लैंगिक समानता परिणामः केस अध्ययन, (2016), न्यूपा समसामयिक आलेख संख्या 47।

आगामी

पाण्डुलिपि शीर्षक 'समकालीन शिक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में लैंगिक (प्रकाशक द्वारा आलोच्य) रत्न एम सुदर्शन और जेबीजी तिलक द्वारा संपादित।

उच्चतर शिक्षा और लैंगिक मानदंडोंः महिलाओं की शिक्षा के प्रयोग को सक्षम करना, वर्गीज एन.वी., सभरवाल एस. निधि और सी.एम. मलिश, संपादक (आगामी), भारत में उच्च शिक्षा की रिपोर्ट 2016: इक्विटी। रूटलेज

योजना आयोग और शिक्षा की पुस्तकों में सिल्वी गुडचार्ड और संतोष मेहरोत्रा द्वारा संपादित

1 डेपा और आईडेपा शोध प्रबंध कार्य की देखरेख के लिए हर साल।

परिशिष्ट

परिशिष्ट I

न्यूपा परिषद् के सदस्य

न्यूपा परिषद का संघटन

1.	केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री	अध्यक्ष
2.	कुलपति	उपाध्यक्ष

पदेन सदस्य

3.	सचिव, भारत सरकार उच्चतर शिक्षा विभाग	सदस्य
4.	सचिव, भारत सरकार स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग	सदस्य
5.	अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली	सदस्य
6.	निदेशक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली	सदस्य
7.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार	सदस्य

अन्य सदस्य

8–10. अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित तीन प्रख्यात शिक्षाविद्

11–15. न्यूपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा परिक्रमावार राज्य के प्रतिनिधि मनोनीत, पांच क्षेत्रों से एक–एक सदस्य

16. अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित एक संकाय सदस्य

कुलसचिव, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड के सचिव होंगे

परिशिष्ट II

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

न्यूपा प्रबंधन बोर्ड का संघटन

1. कुलपति, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय – अध्यक्ष–पदेन
2. अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित तीन सदस्य
3. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती
4. राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का संकायाध्यक्ष; तथा
5. संकाय के दो सदस्य (राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर या सहायक प्रोफेसर परिक्रमावार और योग्यता/उपयुक्तता–सह–वरिष्ठता के आधार पर नामित)

कुलसचिव, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड के सचिव होंगे

परिशिष्ट III

वित्त समिति के सदस्य

वित्त समिति का संघटन

1.	कुलपति,	–	अध्यक्ष – पदेन
2.	अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित दो सदस्य	–	सदस्य
3.	कुलपति द्वारा नामित एक सदस्य	–	सदस्य
4.	वित्तीय सलाहकार मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार	–	सदस्य
5.	वित्त अधिकारी	–	सचिव
	कुलसचिव, न्यूपा, विशेष आमंत्रिती		

परिशिष्ट IV

अकादमिक परिषद के सदस्य

अकादमिक परिषद का संघटन

1. कुलपति – अध्यक्ष–पदेन
2. राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का संकायाध्यक्ष
3. राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष
4. अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित तीन प्रख्यात शिक्षाविद् जो न्यूपा के कार्यकलापों से जुड़े हुए हों और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की सेवा में न हों
5. कुलपति द्वारा विभागाध्यक्ष के अलावा नामित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का एक सह–प्रोफेसर जिसका चयन परिक्रमावार और योग्यता/उपयुक्तता–सह–वरिष्ठता के आधार पर हो।
6. कुलपति द्वारा नामित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का एक सहायक–प्रोफेसर जिसका चयन परिक्रमावार और योग्यता/उपयुक्तता–सह–वरिष्ठता के आधार पर हो।
7. तीन व्यक्ति, जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों, उन्हें अकादमिक परिषद उनके विशिष्ट ज्ञान के आधार पर सहयोजित कर सकती है।

परिशिष्ट V

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

अध्ययन बोर्ड का संघटन

1. कुलपति – अध्यक्ष
2. संकायाध्यक्ष
3. विभागाध्यक्ष
4. कुलपति, न्यूपा द्वारा नामित एक सह–प्रोफेसर और एक सहायक प्रोफेसर
5. आरंभिक रूप से कुलपति अधिक से अधिक दो अपेक्षित विषय विशेषज्ञों को सहयोजित कर सकते हैं। इसके उपरान्त सहयोजन अध्ययन बोर्ड द्वारा किया जाए।

परिशिष्ट VI

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

कुलपति (प्रभारी)
प्रो. जांध्याला बी.जी. तिलक

शैक्षिक योजना विभाग
एस.एम.आई.ए. जैदी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
के. बिस्वाल, प्रोफेसर
पी. गीथा रानी, सह–प्रोफेसर
एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर
सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशासन विभाग
के. सुजाता, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
कुमार सुरेश, प्रोफेसर
विनीता सिरोही, सह–प्रोफेसर
आर.एस. त्यागी, सह–प्रोफेसर
मंजू नरूला, सहायक प्रोफेसर
वी. सुचारिता, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक वित्त विभाग
जांध्याला बी.जी. तिलक, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मोना खरे, प्रोफेसर
पी. गीथा रानी, सह–प्रोफेसर
वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक नीति विभाग
अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मनीषा प्रियम, सह–प्रोफेसर
एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर
नरेश कुमार, सहायक प्रोफेसर

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग
नलिनी जुनेजा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
नीलम सूद, प्रोफेसर
प्रणति पांडा, प्रोफेसर
रश्मि दिवान, प्रोफेसर
मधुमिता बंद्योपाध्याय, सह–प्रोफेसर
सुनीता चुघ, सह–प्रोफेसर
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग
सुधांशु भूषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
आरती श्रीवास्तव, सह–प्रोफेसर
नीरू स्नेही, सहायक प्रोफेसर
संगीता अंगोम, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग
अरुण सी. मेहता, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
ए.एन. रेड्डी, सहायक–प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

नज़मा अख्तर, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
बी.के. पांडा, प्रोफेसर
सविता कौशल, सहायक प्रोफेसर
मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
सुनीता चुघ, सह–प्रोफेसर
एन. मैथिली, सहायक प्रोफेसर
सुभिथा जी.वी., सहायक प्रोफेसर

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

एन.वी. वर्गीज, प्रोफेसर एवं निदेशक
निधि सदाना सब्बरवाल, सह–प्रोफेसर
अनुपम पचौरी, सहायक प्रोफेसर
गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर
जिनुशा पाणिग्रही, सहायक प्रोफेसर
मलिश सी.एम., सहायक प्रोफेसर
सांयतन मंडल, सहायक प्रोफेसर

स्कूल मानक एवं मूल्याकन एकक

प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वीरा गुप्ता, सह–प्रोफेसर

परियोजना प्रबंधन एकक

के. बिस्वाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
प्रो. के. श्रीनिवास

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

सलाहकार (आई.ए.आई.ई.पी.ए. परियोजना)

के. रामचन्द्रन, प्रोफेसर

प्रशासनिक और अकादमिक सहयोग

कुलसचिव
बसवराज स्वामी

सामान्य और कार्मिक प्रशासन
जी. वीराबाहु, प्रशासनिक अधिकारी
जय प्रकाश धामी, अनुभाग अधिकारी
बी.आर. पाहवा, अनुभाग अधिकारी (प्रभारी)

अकादमिक प्रशासन
पी.पी. सक्सेना, अनुभाग अधिकारी

वित्त और लेखा
उषा त्यागराजन, वित्त अधिकारी
चंद्र प्रकाश, अनुभाग अधिकारी

प्रशिक्षण कक्ष
जय प्रकाश धामी, अनुभाग अधिकारी (प्रभारी)

प्रकाशन एकक
प्रमोद रावत, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष
सुभाष शर्मा, हिंदी संपादक और सहायक हॉस्टल वार्डन

हॉस्टल
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर, सहायक हॉस्टल वार्डन

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र
पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्षा
डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

कंप्यूटर केंद्र
के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, आईसीटी
नवीन भाटिया, कंप्यूटर प्रोग्रामर

VII
वार्षिक लेखा
2015-16

तुलन पत्र

31 मार्च 2016 तक

राशि ₹ में

निधि के स्रोत/देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
पूंजीकृत निधि	1	-	-
मौजूदा देनदारियां और प्रावधान	2	531,377,769	473,083,480
योग		531,377,769	473,083,480
आस्तियों का आवेदन/परिसम्पत्तियां	**अनुसूची**	**चालू वर्ष**	**विगत वर्ष**
स्थायी परिसंपत्तियां	3	194,812,521	190,787,120
चालू परिसंपत्तियां	4	156,170,841	103,214,778
ऋण अग्रिम एवं जमा राशियां	5	44,618,391	52,633,882
पूंजी निधि	-	135,776,016	126,447,700
योग		531,377,769	473,083,480
लेखा की महत्वपूर्ण नीतियां	15		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	16		

ह./–
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./–
(बसवराज स्वामी)
कुलसचिव

ह./–
(जे.बी.जी तिलक)
कुलपति

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2016 तक

राशि ₹ में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	6	762,267	11,976,379
अनुदान/सब्सिडी	7	290,033,668	257,061,459
अर्जित ब्याज	8	1,719,060	1,280,743
अन्य आय	9	11,635,551	2,572,366
योग (अ)		304,150,546	272,890,947
ब. व्यय			
कर्मचारियों के भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	10	186,355,661	152,109,200
अकादमिक व्यय	11	71,062,701	62,919,877
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	12	35,828,584	33,860,997
मरम्मत एवं रखरखाव	13	24,257,316	15,429,035
मूल्यह्रास	3	14,148,313	13,900,644
पूर्वावधि के व्यय	14	-	346,407,878
योग (ब)		**331,652,575**	**624,627,631**
पूंजी निधि में हो रहे अधिशेष/(घाटा)		**(27,502,029)**	**(351,736,684)**

ह./–	ह./–	ह./–
(उषा त्यागराजन)	**(बसवराज स्वामी)**	**(जे.बी.जी तिलक)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	कुलपति

अनुसूची 1 से 5
31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष का तुलन पत्र

31 मार्च 2016 तक

अनुसूची 1
कोष/पूंजी निधि

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(126,447,700)	198,790,194
जमाः राशि/पूंजी निधि में योगदान	17,715,867	25,855,485
जमाः उपहार/दान में प्राप्त प्राप्तियां	13,370	5,272
जमाः अन्य परिवर्धन (पिछले वर्ष में उपहार में प्राप्त पुस्तकें)	-	-
जमाः प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई प्राप्तियां	444,476	638,033
जमाः व्यय खाते में स्थानांतरित व्यय पर आय से अधिक व्यय	-	-
योग	**(108,273,987)**	**225,288,984**
घटाकर : आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा	27,502,029	351,736,684
वर्ष के अंत में शेष	**(135,776,016)**	**(126,447,700)**

अनुसूची 2

मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
अ. वर्तमान देनदारियां		
प्रतिभूति राशि	613,858	529,858
पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	132,830	116,062
बकाया देयता	2,262,542	15,973
वेतन	8,629,801	-
प्रायोजित परियोजना की प्राप्तियां कुल व्यय)	90,420,155	72,470,847
अग्रिम में प्राप्त आय (वर्ष 2014–15 की अप्रयुक्त अनुदान)	59,521,650	47,763,185
योग (अ)	**161,580,836**	**120,895,925**
ब. प्रावधान		
पेंशन	319,413,220	304,203,067
उपदान	32,612,512	31,059,535
अवकाश नकदीकरण	17,771,201	16,924,953
योग (ब)	**369,796,933**	**352,187,555**
योग (अ+ब)	**531,377,769**	**473,083,480**

अनुसूची 2(अ)

प्रायोजित परियोजना

राशि ₹ में

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक जमा		वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	जमा शेष	
		नामे	जमा शेष				नामे	जमा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)	(2,643,096)	-	8,651,124	6,008,028	5,700,523	-	307,505
2.	डाईस की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ़) डा. ए.सी. मेहता	-	2,162,063	4,194,927	6,356,990	4,818,948	-	1,538,042
3.	सर्वशिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय) (प्रो. ए.सी. मेहता)	-	222,170	2,952	225,122	109,905	-	115,217
4.	ससेक्स विश्वविद्यालय के सहयोगात्मक परियोजना के संदर्भ में भारत में प्राथमिक शिक्षा (क्रिएट) डा. आर. गोविंदा)	-	2,025	-	2,025	2,025	-	-
5.	स्कूल प्राचार्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, 2006 (डा. आर.एस. त्यागी)	-	2,037,727	-	2,037,727	2,037,727	-	-
6.	14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण में ग्रा.शि.स./ डी.टी.ए./एस.एम.डी. सी./नगरीय निकायों की भूमिका का अध्ययन, एडसिल (प्रो. ए.के. सिंह)	-	861,467	-	861,467	204,000	-	657,467
7.	माध्यमिक शिक्षा सूचना प्रणाली प्रबंधन (सेमिस) मा.सं.वि. मंत्रालय (प्रो. ए.सी. मेहता)	-	2,568,957	-	2,568,957	543,032	-	2,025,925

8.	यूनेस्को संविदा सं. 4500084591: माध्यमिक शिक्षक नीति तथा प्रबंधन (डा. प्रणति पांडा)	-	158,411	-	158,411	158,411	-	-
9.	ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता के मुद्दे (यू.जी.सी. सहयोग) (डा. सुधांशु भूषण)	-	53,250	-	53,250	53,250	-	-
10.	बुरुण्डी में भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (दक्षिण अफ्रीका)	-	2,354,815	49,600	2,404,415	5,020	-	2,399,395
11.	एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के चुनिंदा विकासशील देशों में विद्यालय कार्य सूचना आधार (डा. विनीता सिरोही)	-	69,995	-	69,995	69,995	-	-
12.	विश्व की वृहद विकासशील अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा के त्वरित विस्तार का संभावित आर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव (डा. जे.बी.जी. तिलक)	-	515,281	-	515,281	515,281	-	-
13.	प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक (एडसिल) डॉ. के. सुजाता	(593,560)	-	-	(593,560)	770,000	(1,363,560)	-
14.	शिक्षा–दक्षिण एशिया (डा. मोहन्ती/डा. जैदी)	-	28,881	-	28,881	28,881	-	-
15.	महात्मा गाँधी शान्ति शिक्षा संस्थान (एम.जी. आई.ई.पी.)	-	788,458	-	788,458		-	788,458
16.	नेतृत्व कार्यक्रम (मा.सं. वि. मंत्रालय) डा. रश्मि दीवान	(1,244,025)	-	8,091,804	6,847,779	8,980,552	(2,132,773)	-
17.	भारत में आर.एम. तथा सैनिक स्कूल (डा. प्रमिला मेनन)	-	402,189	-	402,189	402,189	-	-
18.	आई.एस.एस.टी. परियोजना – डा. वी. रामचंद्रन	-	45,300	-	45,300	45,300	-	-
19.	दक्षिण एशिया 4 देश – भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश तथा पाकिस्तान (यूनिसेफ)	-	478,168	-	478,168	478,168	-	-

20.	अध्यापक विकास और प्रबंधन राजीव गाँधी स्थापना पीठ	-	341,882	780,345	1,122,227	1,122,227	-	-
21.	डीईओ– भूटान किंगडम परियोजना (प्रो. बी.के. पांडा)	-	2,650,039		2,650,039	2,650,039	-	-
22.	नीति अनुसंधान केन्द्र (यूजीसी) (प्रो. एन.वी. वर्गीज)	-	33,196,075	5,401,294	38,597,369	19,876,837	-	18,720,532
23.	राष्ट्रीय अध्येयता (आईसीएसएसआर) प्रो. एहसानुल हक	(362,000)	-	676,000	314,000	380,725	(66,725)	-
24.	इंडोनेशिया कार्यक्रम (प्रो. बी.के. पांडा)	-	1,205,292		1,205,292	1,205,292	-	-
25.	प्रशासनिक उपरिव्यय प्रभार/बचत खाता पर ब्याज	-	4,643,851	9,732,023	14,375,874	18,705	-	14,357,169
26.	विविधता भेदभाव और असमानता के साथ लेनदेन (डा. निधि सदाना – सीपीआरएचई)	-	59,588	1,800,000	1,859,588	552,026	-	1,307,562
27.	जेपी समूह स्कूलों के प्रधानाचार्यों की 5 दिवसीय कार्यशाला (प्रो. के. सुजाता)	-	284,347		284,347	284,347	-	-
28.	केन्द्रीय योजना कार्यक्रम विद्यालय मानक और मूल्यांकन शिक्षा (प्रो. प्रणति पांडा)		17,340,616	34,837,765	52,178,381	7,043,634		45,134,747
29.	यूनेस्को क्षेत्रीय केन्द्र			453,413	453,413	-	-	453,413
30.	श्रीलंका कार्यक्रम			2,765,987	2,765,987	2,230,230		535,757
31.	आरएमएसए के अन्तर्गत विद्यालय मानक			3,283,000	3,283,000	1,204,034		2,078,966
	योग	**(4,842,681)**	**72,470,847**	**80,720,234**	**148,348,400**	**61,491,303**	**(3,563,058)**	**90,420,155**

अनुसूची 2 (ख)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुपयुक्त अनुदान

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
अ. योजना अनुदान मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रनीत	47,763,185	47,653,129
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	142,528,000	120,697,000
योग (अ)	**190,291,185**	**168,350,129**
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	113,053,668	95,479,646
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	17,715,867	25,107,298
योग (ब)	**130,769,535**	**120,586,944**
अनप्रयुक्त अग्रनीत (अ–ब)	**59,521,650**	**47,763,185**
ब. अनुदान योजनेतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रनीत	-	11,170,481
वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	176,980,000	151,159,519
योग (स)	**176,980,000**	**162,330,000**
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	176,980,000	161,581,813
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग		748,187
योग (द)	**176,980,000**	**162,330,000**
अनप्रयुक्त अग्रनीत (स–द)	-	-
महायोग (अ+ब)	**59,521,650**	**47,763,185**

अनुसूची 3

अचल संपत्तियां

राशि ₹ में

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक							वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
		मूल्यह्रास की दर	अथ शेष	परिवर्धन			कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.16
				योजना	योजनेतर	अन्य		(4+5+6-7)				(9+10-11)	(8-12)
1	2	3	4	5	6	7		8	9	10	11	12	13
1	भूमि	0%	2,307,892	-	-	-	-	2,307,892	-	-	-	-	2,307,892
2	भवन	2%	123,967,178	1,845,684	-	-	-	125,812,862	2,479,344	36,914	-	2,516,257	123,296,605
3	कार्यालय उपकरण	7.50%	11,183,190	175,003	-	-	-	11,358,193	838,739	13,125	-	851,865	10,506,328
4	कम्प्यूटर और उपकरण	20%	5,655,491	827,967	-	-	-	6,483,458	1,131,098	165,593	-	1,296,692	5,186,766
5	फर्नीचर फिक्सर और फिटिंग	7.50%	5,781,079	1,372,848	-	-	-	7,153,927	433,581	102,964	-	536,545	6,617,382
6	वाहन	10%	1,666,819		-	-	-	1,666,819	166,682	-	-	166,682	1,500,137
7	पुस्तकालय पुस्तकें	10%	7,230,255	1,530,968	-	-	-	8,761,223	723,026	153,097	-	876,122	7,885,101
8	जर्नल	10%	24,203,873	9,182,441	-	-	-	33,386,314	2,420,387	918,244	-	3,338,631	30,047,684
	योग (अ)		181,995,777	14,934,911	-	-	-	196,930,688	8,192,857	1,389,937	-	9,582,794	187,347,895
9	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	6,139,904	38,000	-	-	-	6,177,904	2,455,962	15,200	-	2,471,162	3,706,742
10	ई–जर्नल	40%	2,141,013	2,756,326	-	-	-	4,897,339	856,405	1,102,530	-	1,958,936	2,938,403
	योग (ब)		8,280,917	2,794,326	-	-	-	11,075,243	3,312,367	1,117,730	-	4,430,097	6,645,146
11	अन्य (प्रायोजित)	20%	510,426	-	-	-	-	510,426	102,085	-		102,086	408,340
12	फर्नीचर फिक्सर और फिटिंग	7.50%	-	-	-	444,476	-	444,476	-	33,336	-	33,336	411,140
	योग (स)		510,426	-	-	444,476	-	954,902	102,085	33,336	-	135,421	819,481
	महायोग (अ+ब+स)		190,787,120	17,729,237	-	444,476	-	208,960,833	11,607,309	2,541,003	-	14,148,313	194,812,521

अनुसूची 4

चालू परिसम्पत्तियां

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
	1. स्टॉक		
1.	प्रकाशनार्थ	347,993	297,804
2.	इन्वैंटरी	607,698	580,316
	2. नकदी एवं बैंक बचत		
1.	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) (चालू खाता)	9,638	12,082
2.	बैंक बचत (बचत खाता)	155,175,985	102,283,089
3.	हस्तगत डाक टिकट	29,527	41,487
	योग	**156,170,841**	**103,214,778**

अनुसूची 5

ऋण, अग्रिम और जमा

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
1.	**कर्मचारियों को अग्रिम (गैर–ब्याज)**		
1.	त्यौहार अग्रिम	134,100	118,800
2.	अन्य (जीएसएलआईसी)	-	800
2.	**कर्मचारियों को दीर्घावधि के लिए अग्रिम (ब्याज)**		
1.	मोटर कार	48,000	84,000
2.	स्कूटर अग्रिम	-	4,000
3.	कम्प्यूटर अग्रिम	36,700	72,700
3.	**अग्रिम और नकद मूल्य या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अन्य राशियां**		
1	पूंजी लेखा	37,515,329	46,930,876
2	संकाय/स्टाफ को अन्य अग्रिम	1,493,000	-
3	चिकित्सा अग्रिम	191,997	-
4	संकाय को यात्रा भत्ता अग्रिम	1,455,863	-
4.	**पूर्व भुगतान व्यय**		
1.	बीमा	45,892	38,616
2.	अन्य व्यय	10,782	381,950
5.	**जमा**		
1.	एल.पी. गैस	77,348	77,348
2.	जल मीटर	1,650	1,650
3.	विद्युत	17,500	17,500
4.	अन्य	1,800	1,800
6.	**प्रोद्भूत आय**		
1.	ऋण एवं अग्रिम	25,372	61,161
7.	**अन्य – यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य वर्तमान परिसंपत्तियां**		
1.	प्रायोजित परियोजनाएं में शेष ऋण	3,563,058	4,842,681
	योग	**44,618,391**	**52,633,882**

अनुसूची 6

शैक्षणिक प्राप्तियां

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
	छात्रों से शुल्क		
	शैक्षणिक		
1.	छात्र शुल्क	470,123	451,714
	योग (अ)	470,123	451,714
	बिक्री		
1	प्रकाशन बिक्री	199,544	267,328
2	विवरणिका की बिक्री	92,600	9,300
योग (ब)		**292,144**	**276,628**
महायोग (अ+ब)		**762,267**	**728,342**

अनुसूची 7

अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त अशोध्य अनुदान)

राशि ₹ में

विवरण	योजना	योजनेतर	चालू वर्ष (2015-16)	विगत वर्ष (2014-15)
	मा.सं.वि.मंत्रालय भारत सरकार	मा.सं.वि. मंत्रालय भारत सरकार	कुल	कुल
शेष अग्रनीत	47,763,185	-	47,763,185	58,823,610
जोड़कर: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	142,528,000	176,980,000	319,508,000	271,856,519
योग	**190,291,185**	**176,980,000**	**367,271,185**	**330,680,129**
घटाकर: परिसंपत्तियों के प्रयोग पर व्यय (अ)	17,715,867	-	17,715,867	25,855,485
शेष	**172,575,318**	**176,980,000**	**349,555,318**	**304,824,644**
घटाकर: राजस्व व्यय पर प्रयोग (ब)	113,053,668	176,980,000	290,033,668	257,061,459
शेष सी/एफ (स)	**59,521,650**	**-**	**59,521,650**	**47,763,185**

अनुसूची 8

अर्जित ब्याज

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
1.	अनूसूचित बैंकों में बचत खातों पर		
	अ) योजनेतर	804,878	648,197
	ब) योजना	545,343	350,092
	स) ऊपरी प्रशासनिक व्यय	352,235	70,634
	द) हॉस्टल खाता	13,341	12,788
2.	ऋणों पर		
	अ. कर्मचारी/स्टाफ (अग्रिमों पर ब्याज)	3,263	199,032
	योग	**1,719,060**	**1,280,743**

अनुसूची 9

अन्य आय

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015–16)	विगत वर्ष (2014–15)
अ. भूमि एवं भवनों से आय			
1	छात्रावास किराया	6,832,825	1,838,180
2	लाईसेंस शुल्क	190,038	191,593
3	जल प्रभार की वसूली	6,194	6,293
	योग	**7,029,057**	**2,036,066**
ब. अन्य			
1	रायल्टी से आय	27,370	26,393
2	अन्य प्राप्तियां	99,140	91,840
3	स्टाफ कार प्रयोग	3,202	6,830
4	योजनाओं के लिए सांस्थानिक प्रभार	995,420	8,979,179
5	वैतनिक छुट्टियाँ/पेंशन अंशदान	2,501,151	2,129,276
6	अनुपयोगी आइटम की बिक्री	464,311	14,519
7	निविदा फार्म की बिक्री	6,000	7,000
8	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	91,200	120,300
9	चिकित्सा योजना के लिए योगदान	418,700	409,000
	योग	**4,606,494**	**536,300**
	महायोग (अ+ब)	**11,635,551**	**2,572,366**

अनुसूची 10

कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015-16)			विगत वर्ष (2014-15)		
		योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
1.	वेतन और मजदूरी	45,211,774	1,875,729	47,087,503	41,640,113	2,215,861	43,855,974
2.	बोनस और भत्ते तथा समयोपरि भत्ता	70,086,157	2,561,259	72,647,416	60,014,483	3,062,598	63,077,081
3.	नई पेंशन योजना में योगदान	1,663,356	-	1,663,356	1,364,055	-	1,364,055
4.	कर्मचारी कल्याण व्यय (वर्दी)	85,368	-	85,368	21,390	-	21,390
5.	अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)	1,638,261	-	1,638,261	2,630,346	-	2,630,346
6.	चिकित्सा भत्ता प्रतिपूर्ति	5,411,256	-	5,411,256	5,080,959	-	5,080,959
7.	शिक्षा प्रभार	682,028	-	682,028	743,658	-	743,658
8.	यात्रा भत्ता	111,520	-	111,520	123,970	-	123,970
9.	अन्य (सरकारी अंशदान–सीपीएफ)	65,880	-	65,880	63,799	-	63,799
10.	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	931,470	-	931,470			
a)	पेंशन	43,501,394	-	43,501,394	26,577,864	-	26,577,864
b)	ग्रेज्युटी	6,984,102	-	6,984,102	5,197,528	-	5,197,528
c)	अवकाश नकदीकरण	5,546,107	-	5,546,107	3,372,576	-	3,372,576
	योग	**181,918,673**	**4,436,988**	**186,355,661**	**146,830,741**	**5,278,459**	**152,109,200**

अनुसूची 10 अ

कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	योग
	01–04–2015 को अथ शेष राशि (ए)	304,203,067	31,059,535	16,924,953	352,187,555
	घटाकर: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (बी)	28,291,241	5,431,125	4,699,859	38,422,225
	31–03–2016 को उपलब्ध बचत राशि (अ–ब)	275,911,826	25,628,410	12,225,094	313,765,330
	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31–03–2016 को आवश्यक प्रावधान (डी)	319,413,220	32,612,512	17,771,201	369,796,933
अ.	चालू वर्ष में किये जाने वाले प्रावधान (डी–सी)	43,501,394	6,984,102	5,546,107	56,031,603

अनुसूची 11

शैक्षणिक व्यय (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति)

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015-16)			विगत वर्ष (2014-15)		
		योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
1.	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (संकाय के लिए यात्रा भत्ता)	-	5,969,585	5,969,585	-	4,569,380	4,569,380
2.	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (भागीदार के लिए यात्रा भत्ता)	-	7,856,837	7,856,837	-	9,069,048	9,069,048
3.	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय (प्रशासनिक कार्यक्रमों में व्यय)	-	4,872,208	4,872,208	-	5,487,815	5,487,815
4.	संकाय के भ्रमण के लिए भुगतान (संसाधन/ व्यक्ति को मानदेय)	-	914,679	914,679	-	1,609,987	1,609,987
5.	विश्वविद्यालय के अनुसंधान अध्ययन	-	30,783,793	30,783,793	-	16,695,391	16,695,391
6.	छात्रों को छात्रवृत्ति (एम.फिल. और पी–एच.डी.)	-	7,774,764	7,774,764	-	8,498,965	8,498,965
7.	छात्रवृत्ति/पुस्तकें व परियोजना अनुदान	-	279,885	279,885	-	353,439	353,439
8.	प्रकाशन व्यय (मुद्रण से प्राप्त)	-	1,547,225		-	2,194,068	2,193,569
	(1) जोड़कर: पिछले वर्ष का स्टाक	-	297,804	1,497,036	-	297,305	
	(2) घटाकर: प्रकाशनार्थ का स्टॉक	-	(347,993)		-	(297,804)	
9.	सदस्यों के लिए शुल्क	-	103,063	103,063	-	110,695	110,695
10.	अन्य (फोटोकॉपी प्रभार)	-	302,263	302,263	-	447,046	447,046
11.	गैर–सरकारी संगठन को अनुदान	-	6,243,391	6,243,391	-	7,107,885	7,107,885
12.	एनईआर (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति सहित)	-	4,465,197	4,465,197	-	6,776,657	6,776,657
	योग	**-**	**71,062,701**	**71,062,701**	**-**	**62,919,877**	**62,919,877**

अनुसूची 12

प्रशासनिक और सामान्य व्यय

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015-16)			विगत वर्ष (2014-15)		
		योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
अ	**आधार संरचना**						
1	विद्युत प्रभार	9,363,263	536,937	9,900,200	6,468,823	-	6,468,823
2	जल प्रभार	3,460,681	-	3,460,681	13,115,286	2,987,380	16,102,666
3	(संपत्ति कर सहित किराया, दरें और कर)	425,676	3,200	428,876	397,070	-	397,070
4	सुरक्षा प्रभार	-	830,316	830,316	-	211,933	211,933
5	वैधानिक व्यय	2,500	-	2,500	7,000	12,800	19,800
ब	**संचार**						
1	डाक तथा तार	-	438,736	438,736	-	439,112	439,112
2	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	980,767	170,726	1,151,493	843,849	274,771	1,118,620
स	**अन्य**						
1	स्टेशनरी	-	878,358	878,358	-	862,726	862,726
2	पोषाहार व्यय	-	4,768,831	4,768,831	-	2,971,474	2,971,474
3	पेट्रोल/तेल/ ल्यूब्रीकैन्ट प्रभार	425,870	-	425,870	608,505	-	608,505
4	बीमा	47,275	-	47,275	5,993	-	5,993
5	किराए पर टैक्सी	-	768,590	768,590	-	511,688	511,688
6	लेखा परीक्षा शुल्क	84,880	-	84,880	81,047	-	81,047
7	मजदूरी प्रभार	-	796,021	796,021	-	1,061,237	1,061,237
8	विज्ञापन प्रभार	-	3,768,617	3,768,617	-	1,694,733	1,694,733
9	अखबार प्रभार	116,051	14,457	130,508	138,955	10,440	149,395
10	अन्य पाठ्यक्रम शुल्क/प्रशिक्षण	-	2,000	2,000	-	464,216	464,216
11	विविध व्यय	50,470	551,261	601,731	68,333	622,806	691,139
12	बैंक प्रभार (अन्य खाते)	-	-	7,343,101	-	-	821
	योग	**14,957,433**	**13,528,050**	**35,828,584**	**21,734,861**	**12,125,315**	**33,860,997**

अनुसूची 13

मरम्मत एवं रखरखाव

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015-16)			विगत वर्ष (2014-15)		
		योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
1	भवन का रख–रखाव	-	707,517		-	1,125,999	1,125,999
2	संपदा रखरखाव इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)	-	15,221,492	15,929,009	-	5,818,801	5,818,801
3	फर्नीचर तथा फिक्सर का रख–रखाव		197,722	197,722	-	17,247	17,247
4	कार्यालय उपकरणों का रखरखाव	-	2,987,794	2,987,794	-	3,481,691	3,481,691
5	वाहनों के रख–रखाव (स्टाफ कार)	231,387	-	231,387	273,040	-	273,040
6	हाऊस कीपिंग प्रभार	-	4,397,954	4,397,954	-	4,554,166	4,554,166
7	बागवानी	-	513,450	513,450	-	158,091	158,091
	योग	231,387	24,025,929	24,257,316	273,040	15,155,995	15,429,035

अनुसूची 14

पूर्वावधि व्यय

राशि ₹ में

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2015-16)			विगत वर्ष (2014-15)		
		योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
1	अप्रयुक्त अनुदान अग्रनीत			-	11,170,481	47,653,129	58,823,610
2	स्थापना व्यय (वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार सेवानिवृत्ति लाभ)			-	287,584,268	-	287,584,268
	योग	-	-	-	298,754,749	47,653,129	346,407,878

अनुसूची 15

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखा निर्माण के आधार

1.1 जब तक कि विधि का उल्लेख न किया जाए और सामान्यतः आमतौर पर कहा गया है कि लेखे ऐतिहासिक लागत परिपाटी के अंतर्गत लेखांकन के प्रोदभूत विधि पर तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यता

2.1 छात्रों से शुल्क, टेंडर फार्म की बिक्री, प्रवेश कार्य की बिक्री, बचत बैंक खातों पर रायल्टी और ब्याज नकद आधार पर लेखांकित किए जाते हैं।

2.2 छात्रावास किराया से आय नकदी आधार पर लेखांकन किया जाता है।

2.3 हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी अदायगी के बाद शुरू होता है, गृह निर्माण पेशगी, वाहन और कंप्यूटर की खरीद के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित अग्रिम की वसूली प्रोद्भूत आधार पर की जाती है।

3. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्ति भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण स्थापना और परिचालन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च आवक सहित अधिग्रहण की लागत से निर्धारित किया जाता है।

3.2 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों पर मुद्रित बिक्री मूल्य को मूल्यवान माना जाता है। उपहार में प्राप्त जिन पुस्तकों मे मूल्य पुस्तक में मुद्रित नहीं होते, उनका मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी कोष में जमा करके संस्था की अचल संपत्ति के साथ विलय कर लिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों को लागू दरों पर निर्धारित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्ति का मूल्य मूल्यह्रास में घटाकर निकाला जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार सीधे तौर पर किया जाता है।

1	भवन	2%
2	कार्यालय उपकरण	7.5%
3	कंप्यूटर और अन्य सहायक सामग्री	20%
4	फर्नीचर फिक्चर और फिटिंग्स	7.5%
5	वाहन	10%
6	पुस्तकालय में पुस्तकें	10%
7	जर्नल्स	10%
8	ई–जर्नल	40%
9	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%

3.4 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.5 एक परिसंपत्ति जिसका पूर्णतः मूल्यह्रास हो चुका हो इसे तुलन पत्र में रु. 1 की एक अवशिष्ट मूल्य पर अंकन किया जाएगा और आगे उसका पुनः मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, मूल्यह्रास के परिवर्धन पर लागू मूल्यह्रास की दर से गणना की गई।

3.6 इलेक्ट्रानिक पत्रिकाओं (ई–जर्नल्स) पर व्यय की अधिकता को देखते हुए लाइब्रेरी में इसे पुस्तकों से अलग किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में उपलब्ध कराए गए 10 प्रतिशत के अवमूल्यन के सापेक्ष 40 प्रतिशत की एक उच्च दर पर ई–जर्नल्स के संबंध में मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

3.7 कंप्यूटर और सहायक सामग्री को अर्जित सॉफ्टवेयर के व्यय से अलग किया गया है क्योंकि यह कोई ठोस वस्तु नहीं होती और इसकी लुप्तशीलता की दर अपेक्षाकृत उच्च होती है। उच्च स्तर के साफ्टवेयर का अवमूल्यन दर 40 प्रतिशत है जबकि कंप्यूटर और सहायक सामग्री का अवमूल्यन दर 20 प्रतिशत है।

4. स्टॉक

4.1 31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आधार पर स्टॉक की मूल्य सूची के अनुसार स्टेशनरी, प्रकाशन और अन्य स्टॉक की खरीद को राजस्व व्यय के

रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जबकि वस्तु सूची के अनुसार राजस्व व्यय को कम करके शेष स्टॉक का मूल्य अंकन किया जाता है।

5. सेवानिवृत्त लाभ

5.1 सेवानिवृत्त यानी, पेंशन, ग्रेच्युटी लाभ और अवकाश नकदीकरण वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय के जो कर्मचारी अन्य नियोक्ता संस्थानों से आये हैं और जिन्हें विश्वविद्यालय में समाहित कर लिया गया है, उनके नियोक्ता संस्थानों से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्यूटी लाभ पूंजीकृत मूल्य के रूप में पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण का वास्तविक भुगतान संबंधित प्रावधानों के खातों में डेबिट कर रहे हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्ति पर गृह नगर के लिए यात्रा बिल सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, जमा लिंक्ड इंश्योरेंस अंशदान (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान सह बकाया बिल) वास्तविक रूप में लेखांकित किया गया है।

5.2 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के पूर्व नियोक्ता जिन्हें विश्वविद्यालय में समाहित किया गया, उनकी पेंशन और ग्रैज्युटी के पूंजीगत मूल्य को उनके संबंधित पेंशन खाते में दर्शाया गया है। वास्ताविक पेंशन, ग्रेज्यूटी तथा अवकाश भुगतान का संबंधित प्रावधानों में लेखा में नामे किया गया। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ जैसे नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्त्ति भुगतान और सेवानिवृत्ति पर गृहनिवास के लिए यात्रा को प्रोद्भूत आधार पर लेखांकित किया गया।

6. सरकारी और यू.जी.सी. अनुदान

6.1 सरकारी अनुदान और यू.जी.सी. अनुदान प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है।

6.2 पूंजीगत व्यय की दिशा में प्रयुक्त सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।

6.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए प्राप्त सरकारी अनुदान को प्रयुक्त मानकर उसे उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वह प्राप्त हुआ है।

6.4 अनुप्रयुक्त अनुदान (इस तरह के अनुदान का भुगतान अग्रिमों सहित) को आगामी वर्ष में लिया गया है और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

7. प्रायोजित परियोजनाएं

7.1 पहले से जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संदर्भ में, प्रायोजकों से प्राप्त धनराशि "चल रही परियोजनाओं की मौजूदा देनदारियों और प्रावधान–मौजूदा देनदारियों–अन्य देयताएं– प्राप्तियां" के रूप में जमा किया गया है। और ऐसी परियोजनाओं के भुगतान हेतु व्यय/अग्रिम है, या संबंधित परियोजना खाते के लिए आवंटित भूमि के ऊपर प्रभारों/प्रशासनिक शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है। जब देनदार खाता से डेबिट किया जाता है। परियोजनाओं से बरामद ओवरहेड प्रशासनिक प्रभार ओवरहेड प्रशासनिक फंड ए/सी 913920001108 में जमा कर रहे हैं।

8. पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

8.1 पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों को छात्रवृत्ति मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा प्रदान किए गए योजना अनुदान से भुगतान की जा रही हैं और इस विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खर्च के रूप में लेखांकित किया जाता है।

9. चिकित्सा अंशदान

9.1 चिकित्सा अंशदान न्यूपा की चिकित्सा योजना के अनुसार योजनेतर खाते में जमा किया जाता है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति गैर–योजना खाते से भुगतान किया जाता है।

10. गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

10.1 समान उद्देश्य वाले गैर–सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता अनुदान योजना के खाते के अंतर्गत व्यय के रूप में लेखांकित की जा रही है।

11. अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री

11.1 सेवा में प्रयुक्त न होने वाली और पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को "अन्य आय" में दर्शाया जाता है, क्योंकि बेकार वस्तुओं का मूल्य का पहले ही पूर्ण अवमूल्यन हो जाता है।

12. समान

12.1 पिछले वर्ष में परियोजना खाते से खरीदे गई परिसंपत्तिया को गलती से परियोजना खाते में राजस्व व्यय के रूप में दर्शाया गया था। पिछले वर्ष की एस.ए. आर में लेखा ने इसे इंगित किया था। इसको परिवर्तित कर दिया और अचल संपत्ति में दर्शाया गया है और चालू खाते में पूंजीगत खाते में दर्शाया गया है।

अनुसूची 16

खातों में आकस्मिक देयताएं और टिप्पणियाँ

1. अचल संपत्तियां

1.1 अचल संपत्तियां केवल योजना अनुदान से खरीदी गई है, जबकि वाहन गैर–योजना अनुदान से लिए गए हैं। अनुसूची 3 में वर्ष के दौरान संबंधित अचल संपत्तियों में योजना निधि (₹1,77,15,867), और लाइब्रेरी में किताबें और विश्वविद्यालय को तोहफे के मूल्य (₹13,370), की अन्य सपत्तियाँ शामिल की गई हैं। आस्तियां कैपिटल फंड में जमा करके स्थापित की गई हैं।

1.2 31.03.2016 के तुलन–पत्र और पहले के वर्षों के तुलन–पत्र में साफ तौर पर योजना के धन से बनाई गई अचल आस्तियों और योजना निधि तथा अन्य निधि से बनाई गई अचल आस्तियों को अलग–अलग प्रदर्षित नहीं किया गया है। योजना और गैर–योजना निधि से वर्ष 01.04.2015 से 31.03.2016 तक सवंर्धित और उन परिवर्धनों पर संबंधित अवमूल्यन को अलग रूप में प्रदर्शित किया गया है (अनुसूची–3)।

1.3 अनुसूची–3 में अचल संपत्ति के रूप में उच्च शिक्षा नीति शोध केन्द्र द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं के धन से खरीदी गई संपत्तियाँ शामिल हैं। ऐसी परियोजना परिसंपत्तियों की राशि ₹9,54,902 है और परिसंपत्ति के बाद अवमूल्यन राशि ₹819,481 है।

2. मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

2.1 31 मार्च 2016 तक भुगतान न किए जाने वाले व्यय को बकाया देयताएं और वेतन देय में दर्शाया गया है।

2.2 आयकर अधिनियम 1961 के तहत कोई कर योग्य आय न होने की स्थिति में, आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

2.3 क्रेडिट पर जमा हुए अवकाश के नकदीकरण के एवज में एकमुश्त भुगतान के प्रति दायित्व और कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के प्रावधानों के प्रति देयता के लिए प्रावधान पिछले साल के अनुमान के आधार पर निर्धारित थे। इस साल, 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार वास्तविक मूल्यांकन किया गया था और पहले किए गए प्रावधानों में पिछले सालों को कवर करने के लिए, पूर्व की अवधि 2014–15 के व्यय को भुगतान किया गया था। वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर 31.03.2016 पर और मौजूदा खाते में 2014–15 में किए गए भुगतान और शुद्ध प्रावधानों को आगे 2014–15 के प्रावधानों लिए आय भुगतान और व्यय खाता द्वारा वर्ष 2014–15 के खातों में भुगतान किए गए थे।

3. मौजूदा परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा

3.1 विश्वविद्यालय की राय में मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं पर आमतौर पर कम से कम तुलन–पत्र में दिखायी गयी कुल राशि के बराबर मूल्य है।

4. भविष्य निधि खाता

4.1 सरकार से संबंधित निर्देश के अनुसार भविष्य निधि खाते के रूप में विश्वविद्यालय द्वारा उन निधियों को सदस्यों के स्वामित्व में प्रस्तुत किया गया हैं, विश्वविद्यालय के खाते से भविष्य निधि खाते को अलग किया जाता है। हालांकि प्राप्ति और भुगतान खाता (उपचय के आधार पर) आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खाते का तुलन–पत्र विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखा में संलग्न है।

5. न्यू पेंशन योजना खाता

5.1 नई पेंशन योजना के तहत सभी कर्मचारियों को

पीआरए सं. प्राप्त है। नियोक्ता और कर्मचारी अंशदान नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजटरी लि. (एनएसडीएल) में सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) द्वारा नियमित रूप से स्थानान्तरण कर रहे हैं। उनमें से संबंधित नियोक्ता और कर्मचारी योगदान की स्थानांतरित होने की कोई राशि बकाया नहीं है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों की पिछले नियोक्ता से प्राप्त पेंशन और उपदान के कैपिटल के मूल्य, संबंधित प्रावधान खातों में जमा किया गया है।

7. अनुदान

7.1 योजना अनुदान लेखा और अग्रिम का बैंक बैंलेस वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि के आधार पर अनुदान कोष और बकाया समायोजन के बाहर का भुगतान किया है, हालांकि पिछले वर्षों में योजना अनुदान सीमा को छोड़कर आय के रूप में प्राप्त किया गया, वे पूंजीगत व्यय के लिये उपयोग किया गया था। तुलन पत्र की आस्तियों को पक्ष पर अंकित किया गया है। अनुप्रयुक्त अनुदान पूर्व अवधि के खर्च के लिए डेबिट करके 2014–15 के लिए खातों में स्थापित किए गए हैं। 31.03.2016 के रूप में अप्रयुक्त अनुदान आगे बढ़ाया और तुलन पत्र में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

8. बचत बैंक खातों में शेष के विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'अ' में संलग्न हैं।

9. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार फिर से वर्गीकृत किये गए हैं।

10. अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रुपए में अंकित किया गया हैं।

11. अनुसूची 1 से 14 को संलग्न किया गया है और यह 31 मार्च 2016 के तुलन–पत्र और इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय लेखा हो अभिन्न भाग होता हैं।

तुलन पत्र

31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

राशि ₹ में

देयताएं				परिसंपत्तियां		
31 मार्च, 2015	विवरण		31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015	विवरण	31 मार्च, 2016
119,001,273	अथशेष		133,519,059		**निवेश**	
	जीपीएफ			114,805,724	जीपीएफ/सीपीएफ निवेश	140,905,284
20,330,369	वर्ष में अंशदान	21,357,132		1,405,487	31 मार्च, 2015 को अर्जित ब्याज	2,408,712
9,778,903	ब्याज जमा	10,672,724				
(19,226,411)	घटाया: निकासी	(22,539,466)	9,490,390			
	सीपीएफ				**बैंक में नकदी**	
66,000	वर्ष के दौरान अंशदान	69,500		17,307,848	एसबीआई खाता नं. 10137881013	5,867,704
32,918	ब्याज जमा	39,504	109,004			
	विश्वविद्यालय अंशदान (सीपीएफ)					
31,236	ब्याज जमा		41,625			
63,799	मार्च 2015 के लिए अंशदान		65,880			
	ब्याज रिजर्व					
3,440,972	व्यय पर आय से अधिक		5,955,742			
133,519,059			**149,181,700**	**133,519,059**		**149,181,700**

ह./–
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./–
(बसवराज स्वामी)
कुलसचिव

ह./–
(जे.बी.जी. तिलक)
कुलपति

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

राशि ₹ में

व्यय			आय		
31 मार्च, 2015	विवरण	31 मार्च, 2016	31 मार्च, 2015	विवरण	31 मार्च, 2016
	ब्याज श्रेयः				
9,778,903	**जीपीएफ खाते**	10,672,724	15,625,236	निवेश/बचत खाते पर अर्जित ब्याज 15,706,370	
32,918	सीपीएफ खाते	39,504	6,446,320	जोड़ें: मार्च 2015 को अर्जित ब्याज 7,449,545	
			(8,787,527)	घटायाः मार्च 2014 के लिए उपार्जित ब्याज (6,446,320)	16,709,595
31,236	विश्वविद्यालय के अंशदान पर ब्याज (सीपीएफ)	41,625	63,799	प्राप्त विश्वविद्यालय अंशदान (सीपीएफ)	65,880
63,799	**विश्वविद्यालय अंशदान (सीपीएफ)**	65,880			
3,440,972	ब्याज पर आय से अधिक	5,955,742			
13,347,828		**16,775,475**	**13,347,828**		**16,775,475**

ह./–
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./–
(बसवराज स्वामी)
कुलसचिव

ह./–
(जे.बी.जी. तिलक)
कुलपति

प्राप्ति और भुगतान लेखा

31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

राशि ₹ में

प्राप्तियां			भुगतान		
	चालू वर्ष 2015-16	विगत वर्ष 2014-15		चालू वर्ष 2015-16	विगत वर्ष 2014-15
प्रारंभिक जमा	17,307,848	4,444,370	जीपीएफ अग्रिम/आहरण	22,539,466	19,226,411
जीपीएफ अंशदान	21,357,132	20,330,369	सीपीएफ अग्रिम/ आहरण		
सीपीएफ अंशदान	69,500	66,000	वर्ष के दौरान निवेश	58,981,020	77,381,460
सीपीएफ विश्वविद्यालय अंशदान	65,880	63,799			
निवेश नकदीकरण	32,881,460	73,385,945			
ब्याज प्राप्ति	15,706,370	15,625,236	जमा शेष	5,867,704	17,307,848
	87,388,190	113,915,719		87,388,190	113,915,719

ह./–
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./–
(बसवराज स्वामी)
कुलसचिव

ह./–
(जे.बी.जी. तिलक)
कुलपति

प्राप्ति और भुगतान लेखा

31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

राशि ₹ में

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2015-16	विगत वर्ष 2014-15	भुगतान	चालू वर्ष 2015-16	विगत वर्ष 2014-15
प्रारंभिक जमा			**व्यय**		
1 बचत बैंक खाता	102,336,658	61,646,715	स्थापना व्यय	15,78,84,877	14,65,05,913
मा.सं.वि.मं. से प्राप्त अनुदान			शैक्षणिक व्यय	64,793,989	54,421,411
			प्रशासनिक व्यय	36,119,064	3,42,22,485
(अ) योजनेतर	176,980,000	151,159,519	मरम्मत और रख–रखाव	8,408,033	1,02,48,807
(ब) योजना	142,528,000	120,697,000			
शैक्षणिक प्राप्तियां	780,735	2,963,416	**फैलोशिप के संबंद्ध में भुगतान**	7,774,764	84,98,965
प्रायोजित परियाजनाओं / योजनाओं के संबद्ध में प्राप्तियां	72,789,328	98,794,626	**प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के संबंद्ध में भुगतान**	53,560,398	57,968,504
			सीपीडब्ल्यूडी के लिए		
प्राप्त ब्याज			**अचल सम्पत्ति और अग्रिम पर व्यय**		
1. बैंक बचत खाता			अचल संपत्तियां		
(अ) योजना	545,343	350,093	(अ) योजना	15,870,183	2,51,07,298
(ब) गैर–योजना	804,878	648,197	(ब) गैर–योजना	-	7,48,187
(स) केनरा बैंक	-	-	सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	7,651,629	81,76,119
(द) ओवरहेड प्रशासनिक निधि	352,235	70,634	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
(ल) छात्रावास खाता	13,341	12,788	प्रभार (अन्य खाते)	2,501	821
2. ब्याज अग्रिमों पर ब्याज	39,052	230,639	**जमा और अग्रिम**	1,885,997	312,725
अन्य आय	10,655,095	2,572,366			
जमा और अग्रिम	345,700	421,240	**प्रेषण**	42,682,577	40,338,590
प्रेषण	42,683,377	40,340,070			
वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध रसीद			**शेष समापन**	155,185,623	102,295,171
1. ओवरहैड प्रशासनिक निधि खाता 1108	995,420	89,79,179	**बैंक बैलेस**	29,527	41,487
			डाक हस्तगत		
योग	**551,849,162**	**488,886,482**	**योग**	**551,849,162**	**488,886,482**

ह./–
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./–
(बसवराज स्वामी)
कुलसचिव

ह./–
(जे.बी.जी. तिलक)
कुलपति

बैंक खातों में शेष राशि

31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

राशि ₹ में

क्र.सं.	बैंक खाते	चालू वर्ष (2015-16)	विगत वर्ष (2014-15)
1	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320) योजनेतर	25,389,034	4,819,755
2	सिंडिकेट बैंक (91392010001112) योजना	19,302,907	226,859
3	सिंडिकेट बैंक (91392010001092) परियोजना	86,857,096	67,628,166
4	सिंडिकेट बैंक (91392010001108) ओवरहैड प्रशासनिक निधि	23,273,453	29,268,155
5	सिंडिकेट बैंक (91392015365) छात्रावास	342,664	329,322
6	कैनरा बैंक खाता 25536	10,832	10,832
7	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) चालू खाता	9,638	12,082
	योग	155,185,623	102,295,171

गैर–सरकारी संगठन को अनुदान की सूची

31 मार्च 2016 के अनुसार

राशि ₹ में

क्र. सं.	एनजीओ के नाम	जारी राशि
1.	विकलांग और पुनर्वास अध्ययन समिति, दिल्ली	150,000.00
2.	भारतीय इतिहास कांग्रेस, नई दिल्ली	128,331.00
3.	एसोसिएशन फॉर वूमन स्टडीज	144,321.00
4.	सोसायटी फार एजुकेशनल एंड इकॉनोमिक डवलपमेंट (सीड), नई दिल्ली	150,000.00
5.	जन शिक्षा परिषद, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	150,000.00
6.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी	150,000.00
7.	श्री स्वरूप निष्ठ आश्रम फिलॉसोफिकल वैलफेयर सोसायटी	150,000.00
8.	इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, नई दिल्ली	150,000.00
9.	कुमारप्पा इंस्टीट्यूट ऑफ ग्राम स्वराज, जयपुर, राजस्थान	195,360.00
10.	समाधान, बिहार	150,000.00
11.	हयूमन एंड रूरल इंटीग्रेशन फार टैक्निकल एक्शन	150,000.00
12.	साई एजुकेशनल रूरल एंड अर्बन डवलपमेंट सोसायटी (एसई. आरयूडीएस), कुरनूल, आन्ध्र प्रदेश	150,000.00
13.	बस्ती एरिया डवलपमेंट काउंसिल (ओडिशा)	150,000.00
14.	नव जीवन ग्रामोद्योग समीति, आगरा (उत्तर प्रदेश)	150,000.00
15.	ग्लोरियस वूमन इम्पावरमेंट (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
16.	केरल डवलपमेंट सोसायटी (केरल)	250,000.00
17.	एलायसियस कालेज, आन्ध्र प्रदेश	150,000.00
18.	प्रगति रूरल एंड एजुकेशनल डवलपमेंट सोसायटी	150,000.00
19.	अलीगढ़ हिस्टोरियन सोसायटी, अलीगढ़	147,050.00

क्र. सं.	एनजीओ के नाम	जारी राशि
20.	आशु फार एजुकेशन एंड रूरल डवलपमेंट सोसायटी	100,000.00
21.	आनन्द मैमोरियल फाउण्डेशन, बिहार	250,000.00
22.	सैंटर फॉर बजट एंड पालिसी स्टडीज, बंगलुरु	250,000.00
23.	एजुकेशनल टैक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट एकेडेमी	150,000.00
24.	रीजनल रिर्सोस सेन्टर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन, दिल्ली युनिर्वसिटी	150,000.00
25.	चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मोहाली, पंजाब	35,009.00
26.	हूमन एंड रूरल इंटीग्रेशन फॉर टैक्निकल एक्शन	150,000.00
27.	इंडियन एकेडेमी सोशियल साइंसेज	348,840.00
28.	केरल डवलपमेंट सोसायटी, केरल	250,000.00
29.	अभ्युदय संस्थान, (उत्तर प्रदेश)	94,480.00
30.	इंडियन एकेडेमी सोशियल साइंसेज	150,000.00
31.	पीपुल काउंसिल आफ एजुकेशन, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	150,000.00
32.	साई एजुकेशनल रूरल एंड अर्बन डवलपमेंट सोसायटी कुरनूल (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
33.	अनुराधा एजुकेशनल सोसायटी (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
34.	कलाबंधु कला परिषद, कुरनूल (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
35.	कुण्डू एरिया रूरल डवलपमेंट सोसायटी कुरनूल (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
36.	चैतन्य युवाजन संगम, कुरनूल (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
37.	जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली	150,000.00
38.	ग्राम प्रगति सोसायटी (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
39.	समता सोसायटी फार रूरल एजुकेशन (आन्ध्र प्रदेश)	150,000.00
	योग	**6,243,391.00**

अनुसूची–ग

निवेश का विस्तार

01.04.2015 से 31.03.2016 तक की अवधि के लिए

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि	ब्याज की दर (%)	परिपक्वता मूल्य
1	सिंडिकेट बैंक	970000/970075	20.05.2015	20.05.2016	7,000,000	8.50	7,614,236
2	केनरा बैंक	032137	04.03.2015	21.05.2016	7,000,000	8.85	7,786,708
3	केनरा बैंक	032400	25.05.2015	30.11.2016	7,000,000	8.70	7,978,778
4	केनरा बैंक	032401	25.05.2015	30.11.2016	7,000,000	8.70	7,978,778
5	सिंडिकेट बैंक	197811	07.09.2015	07.09.2016	4,000,000	8.00	4,329,729
6	सिंडिकेट बैंक	197812	07.09.2015	07.09.2016	3,000,000	8.00	3,247,296
7	सिंडिकेट बैंक	197821	17.09.2015	17.09.2016	5,000,000	8.00	5,412,161
8	सिंडिकेट बैंक	197828	25.09.2015	25.09.2016	7,000,000	8.00	7,577,025
9	सिंडिकेट बैंक	969781	04.10.2015	04.10.2016	3,500,000	8.00	3,788,513
10	सिंडिकेट बैंक	197860	30.10.2015	30.10.2016	9,000,000	7.50	9,694,223
11	सिंडिकेट बैंक	197861	30.10.2015	30.10.2016	9,000,000	7.50	9,694,223
12	सिंडिकेट बैंक	197862	30.10.2015	30.10.2016	9,000,000	7.50	9,694,223
13	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143	22.10.2015	26.11.2016	15,190,576	7.00	16,391,447
14	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 1066/ pu54420	01.01.2016	31.12.2016	9,178,418	7.50	9,886,403
15	सिंडिकेट बैंक	197895	5.1.2016	05.01.2017	6,500,000	7.50	7,001,383
16	सिंडिकेट बैंक	407156/969620	26.01.2016	26.01.2017	3,500,000	7.50	3,769,976
17	सिंडिकेट बैंक	969825	28.01.2016	28.01.2017	5,000,000	7.50	5,385,679
18	सिंडिकेट बैंक	197964	05.02.2016	05.02.2017	2,000,000	7.50	2,154,272
19	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2016	16.02.2017	13,112,026	7.00	14,054,243
20	सिंडिकेट बैंक	970252	26.02.2016	26.02.2017	7,500,000	7.50	8,078,519
21	एसबीआई एसपीएल जमा	812	27.06.1981	-	1,424,264		1,424,264
				योग	140,905,284		152,942,077

नगदीकरण 2015–16

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि	ब्याज की दर (%)	परिपक्वता मूल्य
1	सिंडिकेट बैंक	197809	13.6.2014	31.08.2015	2,100,000	9.15	2,344,371
2	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143	18.09.2014	22.10.2015	13,781,460	9.00	15,190,576
3	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1066	15.12.2012	31.12.2015	7,000,000	9.00	9,178,418
4	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	31.01.2013	16.02.2016	10,000,000	9.00	13,112,026
				योग	**32,881,460**		**39,825,391**

वर्ष 2015–16 के दौरान किये गये एफडी (सावधि जमा)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि	ब्याज की दर (%)	परिपक्वता मूल्य
1	केनरा बैंक	032400	25.05.2015	30.11.2016	7,000,000	8.70	7,978,778
2	केनरा बैंक	032401	25.05.2015	30.11.2016	7,000,000	8.70	7,978,778
3	सिंडिकेट बैंक	970252	26.02.2016	26.02.2017	7,500,000	7.50	8,078,519
4	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143	22.10.2015	26.11.2016	15,190,576	7.00	16,391,447
5	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 1066/pu54420	01.01.2016	31.12.2016	9,178,418	7.50	9,886,403
6	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2016	16.02.2017	13,112,026	7.00	14,054,243
		योग			**58,981,020**		**64,368,168**

वर्ष 2015–16 के निवेश विवरण

अथ शेष	114,805,724
वर्ष के दौरान किये गये निवेश	58,981,020
कुल निवेश	**173,786,744**
वर्ष के दौरान किये गये नकदीकरण	32,881,460
शुद्ध निवेश (अंत शेष)	**140,905,284**

शेष परीक्षण

1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 तक

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
पूंजीगत लेखा	**22,52,88,984.49 Cr**	**35,17,36,683.95**	**1,81,73,713.00**	**10,82,73,986.46 Dr**
पूंजीगत निधि	22,52,88,984.49 Cr	35,17,36,683.95	1,81,73,713.00	10,82,73,986.46 Dr
चालू देयताएं	**46,82,39,999.17 Cr**	**70,23,18,863.00**	**76,18,93,574.34**	**5 2,78,14,710.51 Cr**
राशि लेनदार	15,973.00 Cr			15,973.00 Cr
राशि लेनदार – सी.पी.एफ.	15,973.00 Cr			15,973.00 Cr
बिलों से कटौती		7,88,594.00	7,88,594.00	
डीवीएटी योजना		1,14,647.00	1,14,647.00	
ठेकेदार से आयकर – योजना		5,61,058.00	5,61,058.00	
ठेकेदार से आयकर – परियोजना		1,09,429.00	1,09,429.00	
ठेकेदार से आयकर – योजनेतर		3,460.00	3,460.00	
वेतन से कटौती	800.00 Dr	4,20,08,630.00	4,20,09,430.00	
जी.पी.एफ. अंशदान (प्रतिनियोक्ता)		2,03,88,006.00	2,03,88,006.00	
सामूहिक बीमा योजना	800.00 Dr	1,21,943.00	1,22,743.00	
आयकर (वेतन) – योजनेतर		1,41,11,594.00	1,41,11,594.00	
आयकर (वेतन) – योजना		11,53,939.00	11,53,939.00	
आयकर (वेतन) – परियोजना		15,16,009.00	15,16,009.00	
एल.आई.सी.		2,45,004.00	2,45,004.00	
नई पेंशन स्कीम से वसूली		14,80,545.00	14,80,545.00	
सोसायटी वसूली		29,91,590.00	29,91,590.00	
विशिष्ट परियोजना	**6,76,28,166.17 Cr**	**7,56,30,778.00**	**9,48,59,708.34**	**8,68,57,096.51 Cr**
प्रावधान	35,21,87,555.00 Cr		1,76,09,378.00	36,97,96,933.00 Cr
प्रावधान – ग्रेच्युटी	3,10,59,535.00 Cr		15,52,977.00	3,26,12,512.00 Cr
प्रावधान – अवकाश वेतन	1,69,24,953.00 Cr		8,46,248.00	1,77,71,201.00 Cr
प्रावधान – पेंशन	30,42,03,067.00 Cr		1,52,10,153.00	31,94,13,220.00 Cr
बकाया देयताएं			22,31,605.00	22,31,605.00 Cr
भुगतान के बदले में		13,264.00	28,228.00	14,964.00 Cr
वेतन देय			86,29,801.00	86,29,801.00 Cr
प्रतिभूति जमा समायोज्य	5,29,858.00 Cr	12,000.00	96,000.00	6,13,858.00 Cr
जर्नल की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	1,16,062.00 Cr	1,16,062.00	1,32,830.00	1,32,830.00 Cr
निधि हस्तांतरण – योजना		6,80,00,000.00	6,80,00,000.00	
निधि हस्तांतरण – योजनेत्तर		7,00,00,000.00	7,00,00,000.00	
निधि हस्तांतरण – ऊपरी प्रशासनिक		6,50,00,000.00	6,50,00,000.00	

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
परियोजना खाते से हस्तांतरण अनुदान		7,30,00,000.00	7,30,00,000.00	
अनुप्रयुक्त अनुदान – योजना	4,77,63,185.00 Cr	13,07,69,535.00	14,25,28,000.00	5,95,21,650.00 Cr
अनुप्रयुक्त अनुदान – योजनेतर		17,69,80,000.00	17,69,80,000.00	
अचल संपत्तियां	**19,07,87,121.06 Dr**	**1,81,78,693.09**	**1,41,53,293.00**	**19,48,12,521.15 Dr**
1027 – जर्नल की खरीद	36,15,306.00 Dr			36,15,306.00 Dr
2025 – फर्नीचर और साजो–सामान	57,81,079.34 Dr	13,72,848.00	5,36,545.00	66,17,382.34 Dr
2026 – अन्य कार्यालय उपकरण	1,11,83,189.82 Dr	1,75,003.00	8,51,865.00	1,05,06,327.82 Dr
2027 – पुस्तकालयों की पुस्तकें	72,30,254.95 Dr	15,30,968.00	8,76,122.00	78,85,100.95 Dr
2028 – कंप्यूटर तथा अन्य सामग्री	56,55,490.90 Dr	8,31,797.00	13,00,522.00	51,86,765.90 Dr
2029 – जर्नल की खरीद	2,05,88,567.95 Dr	91,83,591.00	33,39,781.00	2,64,32,377.95 Dr
2030 – ई–जर्नल की खरीद	21,41,013.15 Dr	27,56,326.09	19,58,936.00	29,38,403.24 Dr
2055 – कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	61,39,904.00 Dr	38,000.00	24,71,162.00	37,06,742.00 Dr
अचल परिसंपत्ति – स्पॉनसर्ड	5,10,426.00 Dr	4,44,476.00	1,35,421.00	8,19,481.00 Dr
भूमि	23,07,892.03 Dr			23,07,892.03 Dr
कार्यालय भवन	12,39,67,177.99 Dr	18,45,684.00	25,16,257.00	12,32,96,604.99 Dr
स्टाफ कार की खरीद	16,66,818.93 Dr		1,66,682.00	15,00,136.93 Dr
वर्तमान परिसंपत्तियां	**15,10,05,178.65 Dr**	**82,37,05,492.24**	**77,74,84,496.64**	**19,72,26,174.25 Dr**
स्टाफ को अग्रिम		3,01,83,969.00	2,70,43,109.00	31,40,860.00 Dr
2033 – विविध अग्रिम		2,75,73,892.00	2,60,80,892.00	14,93,000.00 Dr
अग्रदाय – योजना		10,000.00	10,000.00	
चिकित्सा अग्रिम		11,44,214.00	9,52,217.00	1,91,997.00 Dr
सकाय/स्टाफ को यात्रा भत्ता अग्रिम		14,55,863.00		14,55,863.00 Dr
आय प्रोद्भूत	61,161.00 Dr	25,372.00	61,161.00	25,372.00 Dr
ऋण तथा अग्रिम पर ब्याज प्रोद्भूत	61,161.00 Dr	25,372.00	61,161.00	25,372.00 Dr
इवेंटरी	5,80,316.00 Dr	6,07,698.00	5,80,316.00	6,07,698.00 Dr
इवेंटरी – स्टेशनरी	5,80,316.00 Dr	6,07,698.00	5,80,316.00	6,07,698.00 Dr
पूर्व प्रदत्त व्यय	4,20,566.00 Dr	56,674.00	4,20,566.00	56,674.00 Dr
प्रीपेड – बीमा	38,616.00 Dr	45,892.00	38,616.00	45,892.00 Dr
प्रीपेड – अन्य	3,81,950.00 Dr	10,782.00	3,81,950.00	10,782.00 Dr
वसूली – स्टाफ	2,79,500.00 Dr	1,89,000.00	2,49,700.00	2,18,800.00 Dr
कार अग्रिम	84,000.00 Dr		36,000.00	48,000.00 Dr
कंप्यूटर अग्रिम	72,700.00 Dr		36,000.00	36,700.00 Dr
त्योंहार अग्रिम	1,18,800.00 Dr	1,89,000.00	1,73,700.00	1,34,100.00 Dr
स्कूटर अग्रिम	4,000.00 Dr		4,000.00	
जमा (परिसंपत्तियां)	**4,69,30,876.00 Dr**	**1,17,68,070.00**	**2,11,83,617.00**	**3,75,15,329.00 Dr**

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
सी.पी.डब्ल्यू.डी. को जमा–सिविल/ इलैक्ट्रिकल	4,69,30,876.00 Dr	1,17,68,070.00	2,11,83,617.00	3,75,15,329.00 Dr
विविध देनदार	98,298.00 Dr			98,298.00 Dr
रोकड़ हाथ में		3,03,02,305.00	3,03,02,305.00	
रोकड़ – योजनेतर		9,14,517.00	9,14,517.00	
रोकड़ – योजना		2,16,17,303.00	2,16,17,303.00	
रोकड़ – परियोजना		77,70,485.00	77,70,485.00	
बैंक खाता	10,22,95,170.65 Dr	75,01,94,884.24	69,73,04,431.64	15,51,85,623.25 Dr
1000 – एस.बी.आई. – 10137881320 – योजनेतर	48,19,754.95 Dr	30,01,90,518.68	27,96,21,240.00	2,53,89,033.63 Dr
2000 – सिंडीकेट बैंक – 91.1112 – योजना	2,26,858.75 Dr	22,91,74,985.72	21,00,98,937.64	1,93,02,906.83 Dr
3000 – सिंडीकेट बैंक – 91.1092 – परियोजना	6,76,28,166.17 Dr	15,42,12,683.34	13,49,83,753.00	8,68,57,096.51 Dr
4000 – चालू खाता – 34778757702	12,082.00 Dr	2,55,700.00	2,58,144.00	9,638.00 Dr
6000 – हॉस्टल खाता	3,29,322.18 Dr	13,341.40		3,42,663.58 Dr
8000 – केनरा बैंक	10,832.10 Dr			10,832.10 Dr
9000 – प्रशासन निधि खाता 1108	2,92,68,154.50 Dr	6,63,47,655.10	7,23,42,357.00	2,32,73,452.60 Dr
हस्तगत डाक टिकट	41,487.00 Dr	29,527.00	41.487.00	29,527.00 Dr
हस्तगत प्रकाशन	2,97,804.00 Dr	3,47,993.00	2,97,804.00	3,47,993.00 Dr
अप्रत्यक्ष आय		4,44,226.00	30,45,94,772.58	30,41,50,546.58 Cr
प्राप्तियां– चालू खाता		2,01,400.00	1,99,700.00	1,700.00 Dr
4001 – विवरणिका की बिक्री		52,400.00	50,700.00	1,700.00 Dr
4002 – छात्र शुल्क		1,49,000.00	1,49,000.00	
प्राप्तियां – योजनेतर		2,42,826.00	18,94,35,065.35	18,91,92,239.35 Cr
पेंशन भोगी चिकित्सा दाखिला फीस			91,200.00	91,200.00 Cr
स्वास्थ्य योजना अंशदान (सीसीएचएस)		325.00	4,19,025.00	4,18,700.00 Cr
मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त अनुदान – योजनेतर			17,69,80,000.00	17,69,80,000.00 Cr
छात्रावास किराया			68,32,825.00	68,32,825.00 Cr
ब्याज वाली पेशगियों पर ब्याज		61,161.00	64,424.00	3,263.00 Cr
बचत खाता पर ब्याज			8,04,878.00	8,04,878.00 Cr
अवकाश वेतन तथा पेंशन अंशदान			25,01,151.00	25,01,151.00 Cr
विविध प्राप्तियां			99,140.00	99,140.00 Cr
लाइसेंस शुल्क की वसूली			1,90,038.00	1,90,038.00 Cr
जल प्रभार की वसूली			6,194.00	6,194.00 Cr
रॉयल्टी			27,370.35	27,370.35 Cr
बेकार वस्तुओं की बिक्री			4,64,311.00	4,64,311.00 Cr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
विवरणिका की बिक्री		100.00	94,400.00	94,300.00 Cr
प्रकाशन की बिक्री		1,38,240.00	3,37,784.00	1,99,544.00 Cr
टेंडर फार्म की बिक्री			6,000.00	6,000.00 Cr
छात्र शुल्क		43,000.00	5,13,123.00	4,70,123.00 Cr
स्टाफ़ कार का प्रयोग			3,202.00	3,202.00 Cr
प्राप्तियां – प्रशासन निधि खाता 1108			13,47,655.10	13,47,655.10 Cr
9001 – प्राप्तियां शीर्ष 1108			9,95,420.00	9,95,420.00 Cr
बचत पर ब्याज – प्रशासन शीर्ष खाता 1108			3,52,235.10	3,52,235.10 Cr
प्राप्तियां – योजना			11,35,99,010.73	11,35,99,010.73 Cr
मा.सं.वि. मंत्रालय से अनुदान – योजना			11,30,53,668.00	11,30,53.668.00 Cr
बचत खाता से ब्याज – योजना			5,45,342.73	5,45,342.73 Cr
प्राप्तियां – हॉस्टल टेलीफोन बूथ			13,341.40	13,341.40
अप्रत्यक्ष व्यय		**34,63,08,414.55**	**1,46,55,839.32**	**33,16,52,575.23 Dr**
अवमूल्यन		1,41,48,313.00		1,41,48,313.00 Dr
अवमूल्यन – भवन		25,16,257.00		25,16,257.00 Dr
अवमूल्यन – कंप्यूटर		12.96,692.00		12,96,692.00 Dr
अवमूल्यन – कंप्यूटर सॉफ्टवेयर		24,71,162.00		24,71,162.00 Dr
अवमूल्यन – ई–जर्नल		19,58,936.00		19,58,936.00 Dr
अवमूल्यन – फर्नीचर		5,36,545.00		5,36,545.00 Dr
अवमूल्यन – जर्नल		33,38,631.00		33,38,631.00 Dr
अवमूल्यन – पुस्तकालय पुस्तकें		8,76,122.00		8,76,122.00 Dr
अवमूल्यन – कार्यालय उपकरण		8,51,865.00		8,51,865.00 Dr
अवमूल्यन – अन्य (आयोजन)		1,35,421.00		1,35,421.00 Dr
अवमूल्यन – वाहन		1,66,682.00		1,66,682.00 Dr
व्यय – केनरा बैंक		56,744.00	56,000.00	744.00 Dr
8002 – विश्रित व्यय/प्रभार		56,744.00	56,000.00	744.00 Dr
व्यय – प्रशासन शीर्ष निधि खाता 1108		73,42,357.00		73,42,357.00 Dr
9002 – व्यय – प्रशासन निधि खाता 1108		73,42,357.00		73,42,357.00 Dr
गैर–योजना – व्यय		19,86,50,462.00	15,42,969.33	19,71,07,492.67 Dr
स्थापना व्यय – गैर–योजना		**18,32,52,439.00**	**13,33,766.00**	**18,19,18,673.00 Dr**
1001 – अधिकारियों को वेतन		3,18,42,565.00	4,639.00	3,18,37,926.00 Dr
1002 – स्थापना को वेतन		1,33,74,952.00	1,104.00	1,33,73,848.00 Dr
1003 – वेतन – भत्ता		6,99,47,695.00	2,26,001.00	6,97,21,694.00 Dr
1004 – समयोपरि भत्ता		77,781.00		77,781.00 Dr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
1005 – चिकित्सा प्रतिपूर्ति		54,82,615.00	71,359.00	54,11,256.00 Dr
1006 – अवकाश यात्रा रियायत		19,38,056.00	2,99,795.00	16,38,261.00 Dr
1007 – बोनस		2,86,682.00		2,86,682.00 Dr
1008 – अंशदाता के पी.एफ. पर ब्याज		65,880.00		65,880.00 Dr
1009 – वर्दी		1,40,368.00	55,000.00	85,368.00 Dr
1010 – नई पेंशन योजना (सरकारी अंश)		16,63,356.00		16,63,356.00 Dr
1011 – ग्रेच्यूटी		73,49,473.00	3,65,371.00	69,84,102.00 Dr
1012 – पेंशन		4,37,55,789.00	2,54,395.00	4,35,01,394.00 Dr
1013 – अवकाश नकदीकरण		56,02,209.00	56,102.00	55,46,107.00 Dr
1014 – यात्रा भत्ता		1,11,520.00		1,11,520.00 Dr
1015 – अवकाश वेतन/पेंशन योगदान		9,31,470.00		9,31,470.00 Dr
1016 – ट्यूशन शुल्क		6,82,028.00		6,82,028.00 Dr
कार्यालय व्यय – योजनेतर		**1,53,98,023.00**	**2,09,203.33**	**1,51,88,819.67 Dr**
1021 – लेखा शुल्क		84,880.00		84,880.00 Dr
1022 – कानूनी व्यय		2,500.00		2,500.00 Dr
1023 – बीमा		93,167.00	45,892.00	47,275.00 Dr
1024 – स्टाफ कार की मरम्मत		2,52,337.00	20,950.00	2,31,387.00 Dr
1025 – समाचार पत्र प्रभार		1,16,051.00		1,16,051.00 Dr
1026 – पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट्स		4,25,870.00		4,25,870.00 Dr
1028 – दर/किराया तथा टैक्स		4,37,676.00	12,000.00	4,25,676.00 Dr
1029 – टेलीफोन प्रभार		9,84,986.00	4,219.33	9,80,766.67 Dr
1030 – जल प्रभार		34,60,681.00		34,60,681.00 Dr
1031 – विद्युत प्रभार		94,89,405.00	1,26,142.00	93,63,263.00 Dr
1032 – विविध आकस्मिकताएं		50,470.00		50,470.00 Dr
योजना – व्यय		**12,61,10,538.55**	**1,30,56,869.99**	**11,30,53,668.56 Dr**
1. स्थापना व्यय–योजना		**53,48,618.00**	**9,11,630.00**	**44,36,988.00 Dr**
2001 – अधिकारियों का वेतन		20,58,390.00	1,82,661.00	18,75,729.00 Dr
2003 – भत्ते तथा मानदेय		32,56,353.00	6,95,094.00	25,61,259.00
2004 – वर्दी		33,875.00	33,875.00	
2. कार्यालय व्यय – योजना		**3,93,61,939.55**	**18,07,960.10**	**3,75,53,979.45 Dr**
2005 – विज्ञापन		37,68,617.00		37,68,617.00 Dr
2006 – पोषाहार प्रभार		48,42,903.00	74,072.00	47,68,831.00 Dr
2008 – पोस्टेज तथा टेलीग्राम		4,68,263 00	29,527.00	4,38,736.00 Dr
2009 – स्टेशनरी/स्टोर आईटम		14,86,056.00	6,07,698.00	8,78,358.00 Dr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
2011 – टेलीफोन / टेलीग्राम प्रभार		1,70,726.00		1,70,726.00 Dr
2016 – बागवानी		5,13,450.00		5,13,450.00 Dr
2019 – उपकरणों का रख–रखाव		29,98,576.00	10,782.00	29,87,794.00 Dr
2020 – भवन का रख–रखाव / हॉस्टल		1,59,29,009.00		1,59,29,009.00 Dr
2021 – समाचार पत्र प्रभार		14,457.00		14,457.00 Dr
2022 – जल तथा विद्युत प्रभार		5,39,937.00	3,000.00	5,36,937.00 Dr
2023 – किराया, दर और कर		3,200.00		3,200.00 Dr
2024 – अन्य विविध प्रशासनिक व्यय		15,90,150.55	10,38,889.10	5,51,261.45 Dr
2031 – हाउस कीपिंग सेवाएं		43,97,954.00		43,97,954.00 Dr
2035 – सुरक्षा व्यय		8,30,316.00		8,30,316.00 Dr
2037 – मजदूरी प्रभार		8,40,013.00	43,992.00	7,96,021.00 Dr
2038 – टैक्सी प्रभार / स्थानीय यात्रा भत्ता		7,68,590.00		7,68,590.00 Dr
2040 – फर्नीचर तथा फिक्चर रख–रखाव		1,97,722.00		1,97,722.00 Dr
2054 – पाठ्यक्रम शुल्क / प्रशिक्षण		2,000.00		2,000.00 Dr
3. अकादमिक व्यय – योजना		**2,57,09,406.00**	**39,13,849.89**	**2,17,95,556.11 Dr**
2007 – मुद्रण प्रभार		18,45,029.00	3,47,993.00	14,97,036.00 Dr
2010 – छात्रवृत्ति, पुस्तकें तथा परियोजना (डेपा)		2,79,885.00		2,79,885.00 Dr
2012 – अकादमिक कार्यक्रम (अ.ज./अ.ज. जाति समेत)		50,69,963.00	1,97,754.89	48,72,208.11 Dr
2013 – संकाय को यात्रा भत्ता / दैनिक भत्ता		92,92,125.00	33,22,540.00	59,69,585.00 Dr
2014 – भागीदारों को यात्रा भत्ता / दैनिक भत्ता (अ.ज./अ.ज. जाति समेत)		79,00,899.00	44,062.00	78,56,837.00 Dr
2015 – संसाधन व्यक्तियों को मानदेय (अ.ज./अ.ज. जाति समेत)		9,16,179.00	1,500.00	9,14,679.00 Dr
2036 फोटोकॉपी प्रभार		3,02,263.00		3,02,263.00 Dr
2039 – सदस्यता और अंशदान प्रभार		1,03,063.00		1,03,063.00 Dr
4. विश्वविद्यालय अध्ययन / एन.जी.ओ. – योजना		**5,12,25,378.00**	**64,23,430.00**	**4,48,01,948.00 Dr**
2041 – एम.फिल./पी.एच.डी. छात्रों को अध्येतावृत्ति		97,31,159.00	19,56,395.00	77,74,764.00 Dr
2051 – एन.जी.ओ. को अनुदान		62,43,391.00		62,43,391.00 Dr
2065 – मॉडल शिक्षा की तैयारी – कोड नियम		2,67,213.00		2,67,213.00 Dr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
2073 – मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद पीठ		2,01,650.00		2,01,650.00 Dr
2073 – राजस्थान के अनुसूचित जाति के छात्र		66,337.00	12,504.00	53,833.00 Dr
2077 – व्यावसायिक मार्गदर्शन – डा. विनीता		2,47,859.00		2,47,859.00 Dr
2080 – विद्यालय गुणवत्ता का पुनरीक्षण – डा. मधुमिता		85,000.00		85,000.00 Dr
2081 – अनुसंधान अध्ययन		10,06,782.00	2,10,516.00	7,96,266.00 Dr
2083 – डी.ई.ओ. तथा बी.ई.ओ. क्षमता निर्माण सम्मेलन		44,26,654.00		44,26,654.00 Dr
2084 – शैक्षिक दस्तावेजों का डिज़िटल भंडारण (डा. मैथ्यू)		12,61,112.00		12,61,112.00 Dr
2085 – प्रकाशन विभाग की योजनाएं (पी. रावत)		7,43,064.00		7,43,064.00 Dr
2087 – बच्चों की भागीदारी पर सुधार लाने पर कार्यशाला		1,37,990.00		1,37,990.00 Dr
2090 – ऑटोनामी आफ इंडियन हायर स्कूल		8,23,595.00		8,23,595.00 Dr
2091 – शैक्षिक प्रशासन में राष्ट्रीय नवाचार		26,72,121.00	70,000.00	26,02,121.00 Dr
2092 – बच्चों के शिक्षा का महत्वपूर्ण मूल्यांकन		18,65,244.00	1,80,000.00	16,85,244.00 Dr
2093 – निजी फ्रेंचाइजी प्रदान करने से पूर्व स्कूल शिक्षा		2,45,099.00		2,45,099.00 Dr
2094 –		33,00,000.00	15,00,000.00	18,00,000.00 Dr
2095 – तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण – (आर.एस. त्यागी)		53,83,689.00	3,42,744.00	50,40,945.00 Dr
2096 – लड़कियों की राष्ट्रीय योजना – (डा. वी.पी.एस. राजू)		1,96,086.00		1,96.086.00 Dr
2097 – शिक्षा ऋण का मूल्यांकन – डा. गीता रानी		2,20,452.00	17,000.00	2,03,452.00 Dr
2098 – डीडी सेकेण्डरी एजूकेशन रमसा – डा. जैदी		10,61,175.00	17,000.00	10,44,175.00 Dr
2099 – विद्यालय प्रमुख का कार्य – डा. रश्मि दीवान		1,68,903.00		1,68,903.00 Dr
2100 – बिहार और मध्य प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा का प्रबंधन – प्रो. कुमार		1,16,000.00	17,000.00	99,000.00 Dr
2101 – अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार – डा. मधुमिता		56,452.00		56,452.00 Dr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
2102 – गैर नामांकित और विद्यालय त्यागी मुस्लिम बच्चे		3,64,011.00		3,64,011.00 Dr
2103 – उच्च शिक्षा के विशेष कारक		4,60,000.00	3,000.00	4,57,000.00 Dr
2104 – विकास हेतु पायलट परियोजना जियो–स्पाईरल		1,74,955.00		1,74,955.00 Dr
2105 – शि.का.डा. में समता की समीक्षा – डा. नरेश कुमार		2,73,829.00	8,449.00	2,65,380.00 Dr
2106 – स्कूल सुधार हेतु उन्नत प्रशिक्षण – डा. मधुमिता		2,67,000.00		2,67,000.00 Dr
2107 – स्कूल मानक एवं मूल्यांकन – डा. प्रणति पांडा		1,74,870.00	1,74,870.00	
2109 – परियोजना व्यवस्था एकक – डा. के. बिस्वाल		6,67,098.00		6,67,098.00 Dr
2110 – कार्यान्वयन पर अध्ययन 25%		2,36,215.00		2,36,215.00 Dr
2111 – लिंग और शिक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला		5,17,131.00		5,17,131.00 Dr
2112 – एजुकेशन एटलस ऑन जेंडर लेवल – प्रो. सुमन		3,00,733.00		3,00,733.00 Dr
2113 – कमेरेटिव एजुकेशन एडवांटेज – प्रो. मोना खरे		5,17,368.00		5,17,368.00 Dr
2114 – ड्राफ्टिंग कमेटी फार न्यु एजुकेशन पालिसी		47,43,729.00	18,95,919.00	28,47,810.00 Dr
2115 – पॉलिसी एंड प्रैक्टिसेज़ चिलड्रन – वीरा गुप्ता		2,27,064.00	9,323.00	2,17,741.00 Dr
2116 – प्राइम मिनिस्टर जे. एंड के – डा. वी.पी.एस. राजू		6,30,525.00		6,30,525.00 Dr
2117 – वेब लर्निंग पोर्टल – मोना खरे		4,18,194.00		4,18,194.00 Dr
डेपा वेतन		7,15,629.00	8,710.00	7,06,919.00 Dr
5. उत्तर–पूर्वी क्षेत्र		**44,65,197.00**		**44,65,197.00 Dr**
2052 – उत्तर–पूर्वी क्षेत्र		44,65,197.00		44,65,197.00 Dr
लाभ और हानि खाता	35,17,36,683.95 Dr		35,17,36,683.95	
महायोग		**2,24,26,92,372.83**	**2,24,26,92,372.83**	

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लेखे पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की

1. हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं, प्राप्ति और भुगतान लेखाओं की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अधीन सलंग्न तुलन–पत्र की लेखापरीक्षा कर ली है। हमें वर्ष 2015–16 तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण के व्यवहार्य से एकरूपता, लेखाकरण के मानदंडों और पारदर्शिता के मानकों इत्यादि के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। पृथक निरीक्षण रिपोर्टों/नि.म.ले. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के द्वारा आवश्यकतानुसार विधि, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियामक) के अनुपालन और वित्तीय संचालन और कार्य निष्पादन सहित कार्यदक्षता संबंधी पक्षों इत्यादि पर लेखा परीक्षा की टिप्पणियां प्रस्तुत की जाती है।

3. हमने आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित हैं कि वित्तीय विवरणों के अधिक यथार्थ विवरणों से युक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम योजना तथा लेखा परीक्षा का निष्पादन करें। लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों की राशि तथा प्रकटीकरण के साक्ष्यों का लेखा परीक्षण होता है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण के सिद्धांतों, महत्वपूर्ण आकलनों की समीक्षा के साथ–साथ प्रस्तुत किए गए संपूर्ण वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन शामिल है। हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हम अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर प्रतिवेदन करते हैं कि–

(i) लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं

भुगतान लेखे मानव संसाधन मंत्रालय भारत सरकार के आदेश सं. 29–4/2012 एफ.डी., दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में सही प्रकार से तैयार किए गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुसार हैं।

(iii) हमारी राय के अनुसार राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय ने समुचित रूप से लेखा पुस्तिकाओं और संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव अवलोकन सं.बी.–1 के अधीन किया है जो कि ऐसी पुस्तिकाओं की जांच–पड़ताल से पता चलता है।

(iv) हम पुनः प्रतिवेदन करते हैं कि :

अ. तुलन पत्र

अ.1 परिसंपत्तियां

अ.1.1. ऋण, अग्रिम तथा जमा (अनुसूची–5) रु. 4.46 करोड़

उपरोक्त में वर्ष 2015–16 के दौरान रु. 11.04 लाख का स्रोत पर टैक्स और आयकर विभाग से वसूल योग्य सम्मिलित नहीं है। परिणामस्वरूप ऋण, अग्रिम तथा जमा और पूंजीगत निधि का रु. 11.04 लाख का अवमूल्यन हुआ है।

ब. सामान्य

ब.1 रोकड़ और बैंक शेष में रु. 3.43 लाख का शेष सिंडिकेट बैंक के खाता सं. 5365 से संबंधित हैं। बैंक का बी. आर.एस. और रोकड़ पुस्तिका का रख–रखाव नहीं किया। जिसकी वजह से रु. 3.43 लाख के शेष का लेखा परीक्षण नहीं हो पाया।

स. सहायता अनुदान

विश्वविद्यालय ने मार्च 2016 में रु. 31. 95 करोड़ (योजना में 14.25 करोड़, योजनेतर में रु. 17.70 करोड़) का सहायता अनुदान प्राप्त किया, जिसमें से रु. 2.00 करोड़ (योजना) मार्च 2016 में प्राप्त हुआ । विश्वविद्यालय के पास अथ शेष रु. 4.78 करोड़ (योजना) था। विश्वविद्यालय ने कुल रु. 36.73 करोड़ में से रु. 30.78 करोड़ (योजना में रु. 13.08 करोड़, योजनेत्तर में रु 17.70 करोड़) का उपयोग किया। 31 मार्च 2016 को रु. 5.95 करोड़ (योजना) बचत शेष था।

विश्वविद्यालय ने वर्ष के दौरान मा.सं. वि. मंत्रालय से विशिष्ट परियोजनाओं के लिए रु. 4.62 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया और इन परियोजनाओं में रु. 1.97 करोड़ अथ शेष था। कुल राशि रु. 6.59 करोड़ में से रु. 1.79 करोड़ वर्ष के दौरान इन परियोजनाओं पर व्यय किए गए और 31 मार्च, 2016 को रु. 4.80 करोड़ बचत शेष पाया गया।

द. **प्रबंधन पत्रः** लेखा से संबंधित जो कमियां लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, उन्हें दूर करने हेतु पृथक रूप से प्रबंधन पत्र के द्वारा कुलपति, न्यूपा के संज्ञान में लाया गया है।

(v) आगे के अनुच्छेदों में टिप्पणी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस लेखा रिपोर्ट में तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय/प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा के विवरण लेखा पुस्तिका के अनुसार है।

(vi) हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण जो लेखाकरण की नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां के अधीन माने गये हैं, उपर्युक्त महत्वपूर्ण विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अनुलग्नक भाग–I में प्रस्तुत अन्य दूसरी सामग्री के संदर्भ में आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुसार सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं:

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2016 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के तुलन पत्र की स्थिति से संबंधित हैं : तथा

(ब) जहाँ तक यह इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय तथा व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के नियंत्रक तथा महानिदेशक, लेखापरीक्षा की ओर से और कृते

ह./–
महानिदेशक, लेखापरीक्षा केन्द्रीय व्यय

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 07.06.2019

नोट : प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

फोन : 91-011-26544800, 26565600

फैक्स : 91-011-26853041, 26865180

ई–मेल : nuepa@nuepa.org

वेबसाईट : www.nuepa.org